B-986, XIV-XVI

# SUPPLEMENTUM EPIGRAPHICUM GRAECUM

REDIGENDUM CURAVIT
A. G. WOODHEAD

ADIUVANTIBUS
M. N. TOD *et* A. M. WOODWARD

CONSILIUM PRAEBENTIBUS
W. DEN BOER,
B. A. VAN GRONINGEN, J. H. THIEL

VOLUME XIV

INSTITUT
FÜR
ALTERTUMSKUNDE
UNIVERSITÄT
KÖLN

LUGDUNI BATAVORUM
APUD A. W. SIJTHOFF
MCMLVII

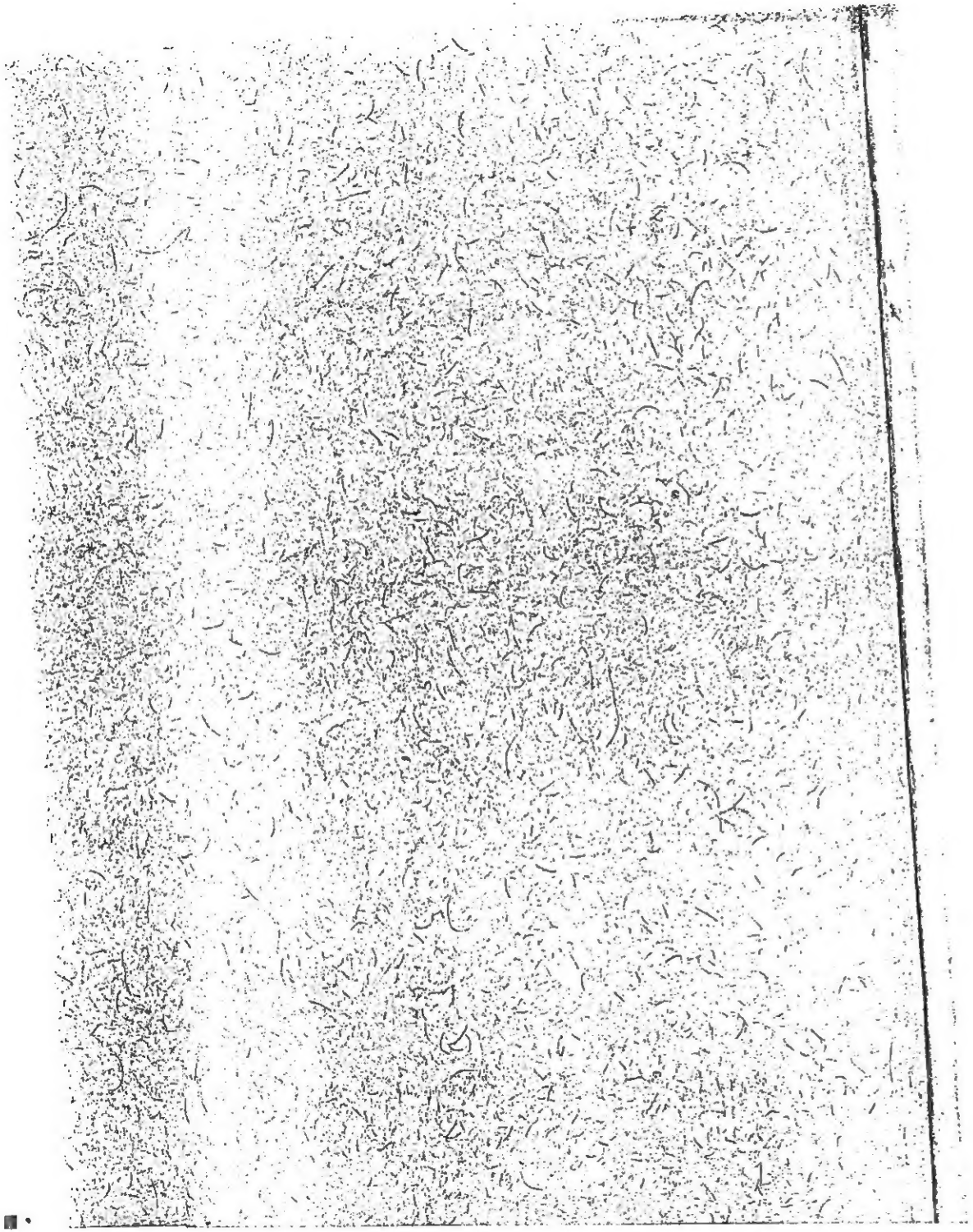

SUPPLEMENTUM EPIGRAPHICUM GRAECUM

# CONSPECTUS LOCORUM


| | | nn. inscriptionum | nn. paginarum |
|---|---|---|---|
| ATTICA | ante annum Euclidis | 1–33 | 1–15 |
| | post annum Euclidis | 34–296 | 15–66 |
| AEGINA | | 297–299 | 66 |
| CORINTHIA | | 300–308 | 66–67 |
| | Corinthus | 303/8 | 67 |
| | Isthmus | 300/1 | 66 |
| SICYONIA | Sicyon | 309–313 | 68 |
| CLEONAEA | Nemea | 314 | 68 |
| ARGI | | 315–324 | 68–69 |
| TROEZENIA | | | |
| | Methana | 325 | 70 |
| EPIDAURIA | | 326–328 | 70 |
| LACONIA | | 329–335 | 70–71 |
| | Asopus | 333 | 70 |
| | Geronthrae | 334/5 | 70–71 |
| | Sparta | 329/32 | 70 |
| MESSENIA | | 336–345 | 71–73 |
| | Corone | 336 | 71 |
| | Prote ins. | 337/45 | 71–73 |
| ARCADIA | | 346–348 | 73–74 |
| | Lycosura | 348 | 74 |
| | Megalopolis | 347 | 73–74 |
| | Tegea | 346 | 73 |
| ELIS | Olympia | 302, 349–367 | 67, 74–76 |
| ACHAIA | | 368–377 | 76–78 |
| | Aegium | 375/7 | 77–78 |
| | Dyme | 368/73 | 76–77 |
| | Patrae | 374 | 77 |
| MEGARIS | Megara | 378–381 | 78 |
| BOEOTIA | | 382–388 | 79–80 |
| | Tanagra | 382 | 79 |
| | Thebae | 386/8 | 79–80 |
| | Thespiae | 383/4 | 79 |
| | Thisbe | 385 | 79 |
| DELPHI | | 389–466 | 80–98 |

| | | nn. inscriptionum | nn. paginarum |
|---|---|---|---|
| PHOCIS | | 467–468 | 98 |
| | Daulis | 467 | 98 |
| | Drymaea | 468 | 98 |
| LOCRI OCCIDENTALES | | | |
| | Naupactus | 469 | 98 |
| INSULAE MARIS IONII | | | |
| | Cephallenia | 470–472 | 99 |
| THESSALIA | | | |
| | Demetrias | 473–474 | 99 |
| EPIRUS | Dodona | 475 | 99 |
| MACEDONIA | | 476–480 | 99–101 |
| | Alexandropolis | 479 | 100–101 |
| | Cassandrea | 478 | 100 |
| | Potidaea | 478 | 100 |
| | Rangel | 479 | 100–101 |
| | Stobi | 480 | 101 |
| | Vergina | 476/7 | 99–100 |
| THRACIA | | 481–486 | 101–103 |
| | Bisanthe | 482 | 101 |
| | Baltaliman | 483/4 | 102 |
| | Baschikarovo | 485 | 102 |
| | Kavalla | 481 | 101 |
| | Neapolis | 481 | 101 |
| | Phidalea | 483/4 | 102 |
| | Philippopolis | 486 | 102–103 |
| | Plovdiv | 486 | 102–103 |
| | Tekir Dağ | 482 | 101 |
| ORA SEPTENTRIONALIS PONTI EUXINI | | 487–489 | 103 |
| | Chersonesus | 488 | 103 |
| | Olbia | 487 | 103 |
| | Tanais | 489 | 103 |
| DELUS | | 490–505 | 104–106 |
| CETERAE INSULAE MARIS AEGAEI | | 506–575 | 106–125 |
| | Astypalaea | 519 | 108 |
| | Carpathus | 515 | 107 |
| | Ceus | 530/49 | 110–116 |
| | Chalce | 514 | 107 |
| | Chius | 560/4 | 121–123 |
| | Cos | 524/9 | 109–110 |
| | Euboea: Carystus | | |





| | | nn. inscriptionum | nn. paginarum |
|---|---|---|---|
| | Lesbus | 516/7 | 107–108 |
| | Melus | 523 | 108 |
| | Nisyrus | 518 | 108 |
| | Rhodus | 506/13 | 106–107 |
| | Samothracia | 572 | 124–125 |
| | Samus | 556/9 | 120–121 |
| | Syrus | 550/2 | 116–117 |
| | Tenus | 553/5 | 117–120 |
| | Thasus | 565/71 | 123–124 |
| | Thera | 520/2 | 108 |
| CRETA | | 576–579 | 125–126 |
| SICILIA | | 580–600 | 126–129 |
| | Acrae | 587/93 | 127–128 |
| | Catana | 597 | 129 |
| | Enna | 598 | 129 |
| | Megara Hyblaea | 599/600 | 129 |
| | Selinus | 594 | 128 |
| | Syracusae | 580/6 | 126–127 |
| | Tripi (Ἀβάκαινον) | 595/6 | 128 |
| ITALIA | | 601–637 | 130–138 |
| | Albano Laziale | 612 | 132 |
| | Aquileia | 630 | 137 |
| | Ardea | 611 | 131–132 |
| | Capua | 610 | 131 |
| | Gorizia | 633 | 137 |
| | Ischia | 602/4 | 130 |
| | Neapolis | 605/8 | 131 |
| | Originis incertae | 636/7 | 138 |
| | Ostia | 627 | 136 |
| | Padua (Patavium) | 629 | 136 |
| | Porto (Portus Traiani) | 628 | 136 |
| | Pozzuoli (Puteoli) | 606 | 131 |
| | Roma | 613/26 | 132–136 |
| | Sulmona | 635 | 137–138 |
| | Trieste (Tergeste) | 631/4 | 137 |
| | Venosa (Venusia) | 601 | 130 |
| CARIA | | 638–737 | 138–173 |
| | Amus | 683/9 | 153–160 |
| | Aphrodisias | 731/4 | 172–173 |
| | Avlana | 706 | 169 |
| | Bayır | 691/3 | 161–163 |
| | Bozburun | 702/5 | 167–169 |
| | Bozuk | 695 | 163–164 |
| | Caunus | 638/75 | 138–151 |
| | Cedreae | 719/20 | 170–171 |

| | | nn. inscriptionum | nn. paginarum |
|---|---|---|---|
| | Cnidus | 727 | 172 |
| | Erinc | 717 | 170 |
| | Fenaket | 696/8 | 164 |
| | Gerbekilise | 694 | 163 |
| | Gölenye | 690 | 160–161 |
| | Halicarnassus | 728/9 | 172 |
| | Hisarburnu | 683/9 | 153–160 |
| | Hisarönü | 717 | 170 |
| | Hyla | 709/14 | 169 |
| | Iasus | 730 | 172 |
| | Kırbaşı | 707/8 | 169 |
| | Kızılköy | 715/6 | 169–170 |
| | Loryma | 695 | 163–164 |
| | Magnesia ad Maeandrum | 736/7 | 173 |
| | Marmaris | 676/82 | 152–153 |
| | Phoinix | 696/8 | 164 |
| | Physcus | 676/82 | 152–153 |
| | Pisye (Pisiköy) | 721/2 | 171 |
| | Saranda | 699 | 164–167 |
| | Şehir Ada | 719/20 | 170–171 |
| | Selimiye | 709/14 | 169 |
| | Söğütkahvesi | 700/1 | 167 |
| | Syrna | 691/3 | 161–163 |
| | Thera | 723/6 | 171–172 |
| | Thyssanus | 699 | 164–167 |
| | Tralles | 735 | 173 |
| | Turgut | 718 | 170 |
| | Tymnus | 702/5 | 167–169 |
| | Yerkesik | 723/6 | 171–172 |
| IONIA | | 738–755 | 174–177 |
| | Didyma | 738/9 | 174 |
| | Ephesus | 747/50 | 175–176 |
| | Miletus | 740/6 | 174–175 |
| | Smyrna | 752/5 | 176–177 |
| | Teus | 751 | 176 |
| LYDIA | | 756–760 | 177–178 |
| | Alaşehir | 758 | 178 |
| | Philadelphia | 758 | 178 |
| | Sardes | 756 | 177 |
| | Saryserli | 759 | 178 |
| | Thyatira | 760 | 178 |
| | Topalar | 757 | 178 |
| MYSIA | | 761–769 | 178–179 |
| | Cyzicus | 768/9 | 179 |
| | Pergamum | 761/6 | 178–179 |
| | Scepsis | 767 | 179 |





| | | nn. inscriptionum | nn. paginarum |
|---|---|---|---|
| BITHYNIA | | 770–775 | 180–182 |
| | Bursa | 770 | 180 |
| | Prusa | 770 | 180 |
| | Prusias | 771/5 | 180–182 |
| | Üsküdü | 771/5 | 180–182 |
| PONTUS | Sinope | 776–777 | 182 |
| PHRYGIA | | 778–796 | 182–186 |
| | Acroenus | 793 | 186 |
| | Aezani | 792 | 185 |
| | Afyonkarahisar | 793 | 186 |
| | Blaundus | 795 | 186 |
| | Çavdarhisar | 792 | 185 |
| | Dorylaeum | 778/90 | 182–185 |
| | Eskişehir | 778/90 | 182–185 |
| | Eumenia | 794 | 186 |
| | Hierapolis | 796 | 186 |
| | Isıklı | 794 | 176 |
| | Nacolea | 791 | 185 |
| | Seyitgazi | 791 | 185 |
| | Sülünlü | 795 | 186 |
| PISIDIA | | 797–810 | 186–190 |
| | Adada | 810 | 190 |
| | Burdur | 797/809 | 186–189 |
| LYCIA | Tlos | 811 | 190 |
| CILICIA | | 812–815 | 190–191 |
| | Alahan | 812/3 | 190 |
| | Anavarza (Anazarbus) | 815 | 191 |
| | Kizil Ören | 814 | 191 |
| CYPRUS | Golgi | 816–817 | 191 |
| OSRHOENE | Sultantepe | 818 | 191 |
| PERSIS | Naqš-i-Rustam | 819 | 192 |
| SYRIA | | 820–829 | 192–194 |
| | Abou Kemal | 829 | 194 |
| | Apamea | 820, 822 | 192–193 |
| | Beirut (Berytus) | 824 | 193 |
| | Hauran | 827 | 194 |
| | Laodicea | 820/1 | 192–193 |
| | Rima el-Lochf | 828 | 194 |
| | Sahin | 823 | 193 |
| | Sidon | 826 | 194 |
| | Zahlé | 825 | 193–194 |
| ARABIA | | 830–831 | 194–195 |
| | Gerasa | 831 | 195 |
| | Hamameh | 830 | 194–195 |

| | | nn. inscriptionum | nn. paginarum |
|---|---|---|---|
| PALAESTINA | | 832–847 | 195–198 |
| | Apollonia | 846 | 197 |
| | Beth She'arim | 833/42 | 195–196 |
| | Caesarea | 843/5 | 196–197 |
| | Gofna (Djifneh) | 847 | 197–198 |
| | Mons Carmelus | 832 | 195 |
| AEGYPTUS | | 848–885 | 198–203 |
| | Acoris | 880 | 202 |
| | Alexandria | 848/54 | 198–199 |
| | Arsinoe (Crocodilopolis) | 879 | 202 |
| | El-Kharga | 881 | 202 |
| | Kôm Abou Bellou | 857/77 | 199–202 |
| | Leontopolis | 856 | 199 |
| | Memphis | 878 | 202 |
| | Naucratis | 855 | 199 |
| | Tehne | 880 | 202 |
| | Tell Mokdam | 856 | 199 |
| | Terenouthis | 857/77 | 199–202 |
| NUBIA | | 886–887 | 203 |
| | Abu Simbel | 886 | 203 |
| | Talmis | 887 | 203 |
| CYRENAICA | | | |
| | Cyrene | 888–890 | 203–204 |
| ORIGINIS INCERTAE | | 891–893 | 204 |
| VARIA | | 894–900 | 204–206 |
| | Corrigenda ad volumina priora | 900 | 205–206 |


# SIGLA

Praecipue in hoc volumine his siglis usi sumus:

*Aegyptus* = Aegyptus, rivista italiana di egittologia e di papirologia.
*AJA* = American Journal of Archaeology.
*AJP* = American Journal of Philology.
*Anatolian Studies* = Anat. Studies, Journal of the British Institute of Archaeology at Ankara.
*Annuario* = Annuario della Scuola Archeologica (Italiana) di Atene.
*Ant. Class.* = L'Antiquité Classique.
'Αρχ. Δελτ. = 'Αρχαιολογικὸν Δελτίον (παρ. = παράρτημα τοῦ 'Αρχ. Δελτ.)
'Αρχ. 'Εφ. = 'Αρχαιολογικὴ 'Εφημερίς.
*Arch. Anz.* = Archäologischer Anzeiger (Beiblatt zum Jahrbuch).
*Archaeology* = Archaeology, publ. of the Archaeological Institute of America.
*Athenaeum* = Athenaeum, studi periodici di letteratura e storia.
*Ath. Mitt.* = Mitteilungen des Deutschen Archäol. Instituts, Athenische Abteilung.
*ATL* = B. D. Meritt, H. T. Wade-Gery, M. F. McGregor, *The Athenian Tribute Lists*, Vol. I/IV, 1939/53.
*Belleten* = Belleten Turk Tarih Kurumu.
*BMI* vel *Brit. Mus. Inscr.* = Greek Inscriptions in the British Museum.
*BSA* = Annual of the British School at Athens.
*BCH* = Bulletin de Correspondance Hellénique.
*BSOAS* = Bulletin of the School of Oriental and African Studies, Univ. of London.
*BSA Alex.* = Bulletin de la Société archéologique d'Alexandrie.
*Bull. Comm. Arch.* = Bullettino della Commissione Archeologica Comunale di Roma.
*Byz. Zeitschr.* = Byzantinische Zeitschrift.
*Byzantion* = Byzantion, Revue internationale des études byzantines.
*Chron. d'Égypte* = Chronique d'Égypte.
CIG = Corpus Inscriptionum Graecarum.
*C.I.Iud.* = J. B. Frey, Corpus Inscriptionum Iudaicarum.
*Cl. Phil.* = Classical Philology.
*Cl. Qu.* = Classical Quarterly.
*Cl. Rev.* = Classical Review.
*CRAI* = Comptes-rendus de l'Académie des Inscriptions et Belles-Lettres.
*CVA* = Corpus Vasorum antiquorum.
*Denkschr. Wien* = Denkschriften d. Akademie d. Wissenschaften, Wien; Philos.-hist. Klasse.
*Deutsch. Litztg.* = Deutsche Literaturzeitung.
*Eranos* = Eranos, Acta philologica Suecana.
*Ét. Class.* = Études classiques.
*F. de Delphes* = Fouilles de Delphes.

*GGA* = Göttingische gelehrte Anzeigen.
*Glotta* = Glotta, Zeitschrift für griech. und lat. Sprache.
*Gnomon* = Gnomon, Kritische Zeitschrift für d. gesamte klassische Altertumswissenschaft.
*Harv. Stud. Cl. Phil.* = Harvard Studies in Classical Philology.
*Harv. Theol. Rev.* = Harvard Theological Review.
Ἑλληνικά = Ἑλληνικά, Φιλολογικὸν Ἱστορικὸν καὶ λαογραφικὸν περιοδικὸν σύγγραμμα, Θεσσαλονίκη.
*Hermes* = Hermes, Zeitschrift für klassische Philologie.
*Hesperia* = Hesperia, Journal of the American School of Classical Studies at Athens.
*Historia* = Historia, Zeitschrift für alte Geschichte.
IG = Inscriptiones Graecae.
*IGLS* = Inscriptions grecques et latines de la Syrie.
*IGRR* = Inscriptiones Graecae ad res Romanas pertinentes.
*Inscr. Cret.* = Inscriptiones Creticae, Vol. I/IV, ed. Mr. Guarducci.
*Inscr. Délos* = Inscriptions de Délos.
*Ios PE* = Inscriptiones antiquae orae septentrionalis Ponti Euxini.
*Jahresh.* = Jahreshefte d. Oesterreichischen Archäol. Institutes.
*JEA* = Journal of Egyptian Archaeology.
*JHS* = Journal of Hellenic Studies.
*Journ. Jur. Pap.* = Journal of Juristic Papyrology.
*JRS* = Journal of Roman Studies.
*Latomus* = Latomus, Revue des études latines.
*Mél. École Française de Rome* = Mélanges d'archéologie et d'histoire, École française de Rome.
*Mém. Acad. Inscr.* = Mémoires présentés par divers savants à l'Académie des Inscriptions et Belles-lettres.
*Mnemosyne* = Mnemosyne, Bibliotheca classica Batava.
*Mon. Ant.* = Monumenti Antichi pubblicati per cura della Accademia Nazionale dei Lincei.
*MAMA* = Monumenta Asiae Minoris antiqua.
*Mon. Piot.* = Fondation Eugene Piot: Monuments et Mémoires publiés par l'Académie des Inscriptions et Belles-Lettres.
Νέον Ἀθήναιον = Νέον Ἀθ., ἐξαμηνιαῖον περιοδικὸν σύγγραμμα Ἑλληνικῶν σπουδῶν.
*Not. Scav.* = Notizie degli Scavi di Antichità.
*OGIS* = W. Dittenberger, Orientis Graeci inscriptiones selectae.
*La Parola del Passato* = La Parola del Passato, Rivista di Studi classici.
*Philologus* = Philologus, Zeitschrift für das klassische Altertum.
*Phoenix* = The Phoenix, Journal of the Classical Association of Canada.
Πλάτων = Πλάτων, Journal of the Hellenic Philological Society.
Πολέμων = Πολέμων, ἀρχαιολογικὸν περιοδικόν.
Πρακτικά = Πρακτικὰ τῆς ἀρχαιολογικῆς Ἑταιρείας.
*PA* = Prosopographia Attica, ed. J. Kirchner.
*PIR²* = Prosopographia Imperii Romani, editio secunda.



*R.E.* = Pauly-Wissowa, Realencyclopädie der classischen Altertumswissenschaft.
*Rendic. dei Lincei* = Rendiconti dell' Accademia Nazionale dei Lincei.
*Rendic. Pont. Ac. Rom. di Arch.* = Atti d. Pontificia Accademia Romana di Archeologia: Rendiconti.
*Rev. Arch.* = Revue Archéologique.
*Rev. Belge Ph.* = Revue belge de philologie et d'histoire.
*REA* = Revue des études anciennes.
*REG* = Revue des études grecques.
*Rev. Phil.* = Revue de philologie, de littérature et d'histoire anciennes.
*Rh. Mus.* = Rheinisches Museum für Philologie.
*Riv. Arch. Crist.* = Rivista di archeologia cristiana.
*Riv. di Fil.* = Rivista di Filologia e di Istruzione classica.
*Röm. Mitt.* = Mitteilungen d. Deutschen Archäologischen Instituts, Römische Abteilung.
SB = F. Preisigke — F. Bilabel, Sammelbuch Griechischer Urkunden aus Aegypten.
*Sb. Akad. Berlin* = Sitzungsberichte d. Berliner Akademie.
SEG = Supplementum Epigraphicum Graecum.
*SGDI* = Sammlung d. Griechischen Dialektinschriften.
*Sov. Archeol.* = СОВЕТСКАЯ АРХЕОЛОГИЯ.
*Syll.³* = W. Dittenberger, Sylloge Inscriptionum Graecarum, editio tertia.
TAM = Tituli Asiae Minoris.
*TAPA* = Transactions of the American Philological Association.
*Tarbiz* = Tarbiz, a Quarterly for Jewish studies, The Hebrew University, Jerusalem.
*ZSS* = Zeitschrift d. Savigny-Stiftung, Romanist. Abteilung.
Beazley, *ARV* = J. D. Beazley, Attic Red-Figure Vase-Painters, 1942.
*Clara Rhodos* = Cl. Rh., Studi e materiali pubblicati a cura dell' Istituto storico-archeologico di Rodi.
*Lindos II* = Ch. Blinkenberg, Lindos — fouilles et recherches, 1902-1914, vol. II (1941).
Maiuri, *Nuova Silloge* = A. Maiuri, Nuova Silloge epigrafica di Rodi e Cos, 1925.
Michel, *Recueil* = C. Michel, Recueil d'inscriptions grecques, 1900.
Schwyzer, *DGE* = Ed. Schwyzer, Dialectorum Graecarum exempla epigraphica potiora, 1923.
Tod, *GHI* = M. N. Tod, Greek Historical Inscriptions, I² (1946) et II (1948).
W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV = W. Vollgraff, *Inhumation en terre sacrée dans l'antiquité grecque*, *Mém. Acad. Inscr.* (vid. supra) XIV (2), 315-96 c. imm. ph. pl. I/III, Parisiis 1951.

# NOTAE IN TEXTU ADHIBITAE

[α β] = litterae ab editore suppletae quae in lapide fuisse videntur
ΕΔΟΞΕΤ...ΗΜΩΙ = ἔδοξε τ[ῶι δ]ήμωι

{α β} = litterae a quadratario perperam additae et ab editore damnatae
ΕΔΟΞΕΤΩΙΤΩΙΔΗΜΩΙ = ἔδοξε τῶι {τῶι} δήμωι

<α β> = litterae quas editor addidit utpote a quadratario temere omissas vel correxit utpote a quadratario falso exaratas
ΕΔΟΞΕΔΗΜΩΙ = ἔδοξε <τῶι> δήμωι
ΕΑΟΞΕ = ἔ<δ>οξε addita lapidis scriptione in comment.

(α β) = litterae interpretationis causa, e.g. in exitu vocis supplendo vel siglo reddendo, ab editore additae
ΤΡΙΗ = τριή(ραρχος) . $\overline{\Theta C}$ = Θ(εό)ς

⟦ ⟧ = litterae erasae
ΕΔΟΞΕ▨▨ΤΩΙΔΗΜΩΙ = ἔδοξε ⟦...⟧ τῶι δήμωι

⟦α β⟧ = litterae erasae quarum vestigia adhuc agnoscuntur
ΕΔΟΞΕ▨▨ΤΩΙΔΗΜΩΙ = ἔδοξε ⟦τῆι⟧ τῶι δήμωι

⟦[α β]⟧ = litterae erasae quae ab editore suppletae sunt
ΕΔΟΞΕ▨▨ΤΩΙΔΗΜΩΙ = ἔδοξε ⟦[τ]ῆι⟧ τῶι δήμωι

α̣ β̣ = litterae non satis certa ratione lectae

Γ / = εα̣ vel εδ̣, etc.

*sic* = ad notanda ea quae praeter morem in lapide incisa sunt, ne legentes typothetae vitium suspicentur

⏑ = vacat  ᵃ = ante Chr. n.  ᵖ = post Chr. n.

# ATTICA

**1. Foedus Atheniensium cum Segestanis.** — IG I² 19 (SEG X 7; XII 6; cf. Hill, *Sources*² B 22) breviter commemorat K. F. Stroheker, *Historia* III 1954/5, 166.

De nomine archontis, quod in vs. 3 se vidisse contendit Raubitschek, denuo disserit W. K. Pritchett, *AJA* LIX 1955, 58/9 (cf. SEG XII, *loc. cit.*) c. im. ph. ectypi pl. 33 A et B, qui lapidem ipse revisit et nomen Habronis iam exstare vel legi posse negat; unde annum huius foederis vix pro certo asseverare debemus, et in indice nostro omisimus.

---

**2. Decretum de Aeginetis, a. 457/45ª.** — IG I² 18 (SEG X 8), Hill, *Sources*² B 24, A. S. Nease, *Phoenix* III 1949, 104. Attribuit a. 445 D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 21/5, qui nova supplementa etiam profert, pleraque exempli gratia, coll. SEG X 80 (n. 8 infra).

[- - - - - - - - - - - - - - - ἀναγράφσαι τὸν γραμματέα τῆς β]-
[ολῆς ἐστέλ]ε[ι] λ[ιθίνει καὶ καταθῆναι ἐμ πόλει τέ]-
[λεσι τ]οῖς Αἰγι[νετῶν - - - - - - - - - - - ἐπὶ (?) κ]-
ακοργίαι δὲ τῆ[ι - - - - - - - καταστῆσαι τὲν βολὲ]-
ν τὲμ v v φυλακὲ[ν - - - - - - - κατὰ τὰ ὅ (vel ὑπάρχο)]-
ντα χσυνκείμε[να καὶ κατὰ τὰς νῦν χσυνθέκας *hα*]-
ί εἰσιν αὐτοῖς π[ρὸς Ἀθεναίος κατὰ τάδε· μεδ' ἐπὶ]
βλάβει τῆι Ἀθεν[αίον - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -]
ον μὴ πεμαίν v v ε[ν - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -]
ν· ἐὰν δὲ αἴτιοι ι[- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - στρ]-
ατεύεσθαι ἐπὶ τ - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
κες ὅσες αὐτ . ι - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

4. φυλακὲ[ν *hὲ* ἂν ἀρίστε ἒι] haesitanter Lewis. || 4/5. Vix probanda. [Αἰγινέτας δὲ μὲ παραβαίνε]|ν τὰ χσυνκείμε[να] melius Hondius; sed reicit L. || 9/10. ἐὰν δὲ αἴτιοι γίγ[νονται τότο, Ἀθεναίος στρ]|ατεύεσθαι ἐπὶ τ[ούς. Klaffenbach; reicit L.

---

**3. De Praxiergidis, c.a. 450ª.** — IG I² 80 (SEG X 28). Lapides (fragmenta tria) nuper revisos denuo tractat D. M. Lewis, *ibid.*, 17/21 c. im. ph. pl. 3c. Cf. A. E. Raubitschek, *Dedications from the Athenian Akropolis*, p. 323.

Στοιχ. 40.

[Ἔδοχσεν τῆ]ι βο[λ]ῆ[ι καὶ τῶι δέμοι, . . .⁶. . . ἐπρυτάνε]- *frag. a.*
[υε, . . .⁶. . .]ς ἐγραμμ[άτευε, . . . .⁷. . . ἐπεστάτε, . . .⁵. .]-
[. εἶπε· πε]ρὶ ὃν δέο[νται Πραχσιεργίδαι, τὲν μαντεί]-
[αν τῶ θ]εῶ καὶ τὰ πρό[τερον αὐτοῖς ἐφσεφισμένα ἀνα]-
[γράφσ]αντας ἐν στέ[λει λιθίνει καταθῆναι ἐμ πόλει]

[ὅπισ]θεν τῶ νεῶ τῶ ἀρχ[αίο · hοι δὲ πολεταὶ ἀπομισθο]-
[σάν]τον · ν τὸ δὲ ἀργύριο[ν ἐς τὲν ἀναγραφὲν ἐναι ἀπὸ]
[τῶν] τῆς θε⟨ῶ⟩ κατὰ τὰ πάτρι[α · hοι δὲ ταμίαι τῆς θεῶ καὶ]
[hοι] κολακρέται διδόντον [αὐτοῖς τὸ ἀργύριον. *vacat*]
[Τά]δε hο Ἀπόλλων ἔχρεσεν ν[όμιμα Πραχσιεργίδαις]
[ἀμ]φιεννύοσιν τὸν πέπλον τ[ὲν θεὸν καὶ προθύοσιν]
[Μοί]ραις, Διὶ Μοιρ⟨α⟩γέτει, Γ[ῆι ----------]
*vacat*
[Τάδε] πάτρια Πραχσ[ιεργίδαις .....⁹....] Στοιχ. 32/3.
.....⁸⁻⁹ ιτο .....²¹.....
*lacuna*
[.....²⁸⁻²⁰..... π]αρέ- *frag. c.*
[χεν .....¹¹⁻¹²..... Πραχσιεργί]δαις ν ν ν ν
[.....²¹⁻²²..... τὸ] δὲ κόιδιον
[.....¹⁸⁻¹⁹..... διδό]ναι κατὰ τὰ ν
[πάτρια .....¹⁵⁻¹⁶..... π]αρέχεν ν ν ν ν
.....⁵⁻⁶ ε.....¹⁴.....ι · [ν]εὼ δὲ Θαργελι-
[ὸν]α σεμε[νάμενον ἄχρι τῆς τ]ρίτες διδόναι

*frag. b.*
[ν] κατὰ τὰ πάτρ[ια κλεῖδας τὸ]ν ἄρχοντα ν ν ν
[ν] Π[ρ]αχσιεργί[δαις · *vacat* (?)] *vacat*
[ν τὸς] Πραχσιερ[γίδας τὸ *h*έδος] ἀμφιεννύ[ν]-
[αι με]δίμνον χι[λίον ἒ μνᾶν ἀπο]τίνεν *vacat*

8. lap. ΘΕΩ. || 12. Γ[ῆι] IG I². Epsilon non vidit L. A. Lap. Λ. || 24/5. Mavult A. M. Woodward, *BSA* L 1955, 271, ἀμφιεννύ[ν|ναι] δίμνον χι[τῶνα: i.e. induere χιτῶνα pretii duarum minarum; ἀμφιεννύ|[νεν M. N. Tod.

**4. Decretum Atheniensium de Milesiis, a. 450/49ª.** — IG I² 22 (SEG X 14; Hill, *Sources*² B 30) tractavit A. J. Earp, *Phoenix* VIII 1954, 142/7. Vs. 85 supplet D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 24 c. adnn. 23 et 24, [ἐπιμελέσθο δὲ *h*]ε βολὲ [τῆς] φυλακῆς. Cf. *ATL* II D 11, A. S. Nease, *Phoenix* III 1949, 107.

**5. Decreta Calliae de pecuniis sacris, a. 434/3ª.** — IG I² 91/2 (SEG X 45, XII 18, XIII 5; Hill, *Sources*² B 67). Vid. A. W. Gomme, *Historia* III 1954/5, 333/8, qui post argumenta Merittii (SEG XIII *loc. cit.*) partes suas defendit, et contendit nos vix tantum pro certo affirmare debere in rationibus pecuniarum publicarum elaborandis.

**6. Foedus Atheniensium cum Halicyaeis, a. 433/2ª.** — IG I² 20 (SEG X 68, XII 21; Hill, *Sources*² B 22) adhibuit K. F. Stroheker, *Historia* III 1954/5, 166/7, ubi ann. 426, secutus Raubitschek, malle videtur.



**7. De Aristonoo Larisaeo, c.a. 431ª.** — IG I² 55 (SEG X 50) lapide reviso tract. D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 29, qui negat id pro certo habendum esse num fragmenta *a* et *b* coniungi possint, neve quantum a latere dextro fragmentum *a* absit. Fragmento *b* supplementa tentat. In fragm. *a* vs. 8, ubi in IG ἀφ' ἧς, in lapide ἀφ' ἓς legendum esse notat.

*frag. b.* Στοιχ. 32.
[.....¹².....ἐὰν δέ τις δήσ]ει [ἢ ἀγάγει]
[ἢ χρήματα ἀφέλει Ἀριστόνο]ν, δί[κας λαγχ]-
[άνεν πρὸς τὸν πολέμαρχον ἄ]νευ [πρυτανε]-
[ίων · ἐπιμελέσθων δὲ αὐτῶ ἡ β]ολὴ [καὶ οἱ στ]-
[ρατηγοὶ ὅπως ἂν μὴ ἀδικῆτα]ι · Ἀρ[ιστόνωι]
[δέ, ἐάν το δέηται, ἐξέστω ἀπο]γράψ[ασθαι π]-
[ρὸς τὸς πρυτάνεις · προσάγε]ν δὲ [ἓς τε τὴν]
[βολὴν καὶ ἐς τὸν δῆμον δέκ]α ἡμε[ρῶν ἢ εὐθ]-
[ύνεσθαι ἕκαστον πρύτανι]ν χιλ[ίαισιν δ]-
[ραχμῆσι ἑκάστης τῆς ἡμέρ]ας ἕω[ς ἂν ἐσάγ]-
[ωσι, ἐὰν μή τι τῶν δημοσίων] κωλύ[ει · καὶ ἐά]-
[ν τις Ἀριστόνον ἀποκτείν]ει ἐ[ν τῶν πόλε]-
[ων ὧν Ἀθηναῖοι ἄρχοσιν ἐν τῆι] ὑ[περορία]-
[ι ----------]

7. [ἓς τε τὴν] scripsimus. [πρὸς τὴν] Lewis.

**8. Foedus cum Haliensibus, a. 424/3ª.** — IG I² 87 (SEG X 80). Vss. 5/7 tractat D. M. Lewis, *loc. cit.*, 23/4, coll. n. 2 supra, et supplementa paullo mutat ut vss. 21 sqq. artius congruant.

χσυνθέκα[ς καὶ χσυμμαχίαν καὶ *h*όρκο]ς ἐναι ἀδόλο-
ς Ἀθεναίοι[ς καὶ *h*αλιεῦσιν κατὰ τάδε · ν πα]ρέχ[ε]ν *h*αλι-
ᾶς Ἀθεναί[οις ναύσταθμον κτλ.]

**9. De Samiis, a. 412/11ª.** — IG I² 101 (SEG X 113) novis supplementis auxit D. M. Lewis, *ibid.*, 29/31 c. im. ph., qui fragmenta inter se coniungi quodam modo posse urget, et in fragm. *b* marginem sinistram exstare notat.

Θε[οί]. Στοιχ. 98.
Ἔδοχσεν τῆι βολῆι καὶ τῶι δέμοι · Ἀκαμαντὶς ἐπρυ[τάνευεν, ----
----- ἐγραμμάτευεν, ------- ἐπεστάτει, ------- εἶπε · τὸ]-
ι μὲν δέμοι τῶι Σαμίον ἐπαινέσαι ὅτι σφᾶς αὐτὸς [ἀπελευθέροσαν,
τὲν ὀλιγαρχίαν τὲν αὐτοῖς ὑπάρχοσαν καταλύοντες, καὶ Σ]-
αμίον τὸς ἐπάγοντας Πελοποννεσίος ἐπὶ Σάμον κ[αὶ τὲν Ἰονίαν
ἐχσέβαλον. περὶ δὲ τῶν χρεμάτον τῶν φυγόντον, ἀπομισθοσάν]-
5 τον μὲν τὸν ἀγρὸν τὸν Κλεομέδεος τὸν ἐγ Κλαμαδῶ[ν, ὅσπερ ἐψέφι-
σται .....²³....., τὰ δὲ χρέματα Ἀθεναίοις ἀ]-

ποδιδόντον Σάμιοι τὰ γιγνόμενα ἐχς αὐτῶ ἀπάγ[οντες Ἀθέναζε
κατ' ἔτος ἐς τὰ Διονύσια τὰ ἐν ἄστει. ἐὰν δέ τινον καταγνõι ὁ δ]-
ẽμος ὁ Σαμίον θάνατον ἢ φυγὲν ἢ δέμευσιν χρεμ[άτον, κύριον ἔστο
. . . . . [23] . . . . . ἐχσέστο δὲ καὶ τõι δέμο]-
[ι] τõι Ἀθεναίον φυγὲν αὐτõν καὶ θάνατον καὶ [δέμευσιν χρεμάτον
καταγιγνόσκειν, ἐὰν δέει. ὁπόσος δὲ αἰχμαλότος κατέχοσι]-
[ν] Σάμιοι ἀποπεμφσάντον Ἀθέναζε καὶ παρα[δόντον . . . . . .
. . . . . [58] . . . . . .]
[. . .[5]. . ἐ]μ πόλει τριάκοντα ἐμερõν π- - - - - - - - - - - - - - - - - - -

*Lacuna trium versuum*

[. . . .[3] . . . α]ὐτοὶ καὶ [. . . . . [73] . . . . . .
. . . . . Ἀθε]-
[ναίο]ις κ[α]ὶ Σαμίοις. περὶ δὲ . . . . . [77] . . . . . .
. . . . . .
. . οι, ἐπειδὲ ἀνέρ ἐστι ἀγαθὸς [περὶ τὸν δẽμον τὸν Ἀθεναίον καὶ τὸν
Σαμίον καὶ νῦν καὶ ἐν τõι ἔμπροσθεν χρόνοι. καὶ ὅπος ἂν μ]-
[εδ]ὲν βλάπτοντ[αι Ἀ]θεναῖοι μ[εδ]ὲ Σά[μιοι καὶ μὲ καταλύεται ὁ
πόλεμος, καταστẽσαι τὸς στρατεγὸς τὲν φυλακὲν πανταχõ ἒ ἀρ]-
[ίστε ἂ]ν δοκẽι τõι [δέ]μοι τõι Σαμίον [καὶ τοῖς στρατεγοῖς - - - - - -]
. . . .[7] . . . νεται περ[ὶ] τẽς βασά[ν]ο κα[ὶ - - - - - - - - - - - - - - - - -]
. . .[6] . . . αι, ὁπόσοι δ[έ ἐ]σι ἐχσάμίο[ν - - - - - - - - - - - - - - - - -]
. . .[6] . . . ις καθάπερ [ἂν] Σάμιοι δέο[νται - - - - - - - - - - - - - - - -]
. . . .[7] . . τοστ . σο . . . . . [13] . . . . . σκο - - - - - - - - - - - - - - -
. . . . . [24] . . . . . λο . τα - - - - - - - - - - - - - - - - -
[. . . . . [23] . . . . . κ]αὶ ἐχθρ - - - - - - - - - - - - - - - - -
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
. . .[6] . . . ονεο - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
. . . . . [8-9] . . . . . κ - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

20. ἐχσαμίον. Vid. M. N. Tod, *AJP* LXVII 1946, 329/33.

**10. Foedus Atheniensium cum Carthaginiensibus, a. 407/6ª.** — IG I² 47 (+ nov. fragm. = SEG X 136) tractavit K. F. Stroheker, *Historia* III 1954/5, 163/71, ubi de tota ratione civitatis utriusque in hoc foedere paciscendo disseruit.

**11. Tabulae Hellenotamiarum.** — De tabula anni 446/5ª tract. D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 25/9, et praescriptum in *ATL* II List 9 exhibitum esse reiciendum contendit; namque α in [ἐπὶ τẽς] ἀ[ρχẽς reicit, et supra columnam II legit [Βερ]γ[αῖοι]; unde credit columnae



cuique nomina duo supplenda esse — supra quae praescriptum stetisse potest. Cf. R. Sealey, *Historia* III 1954/5, 325/33, qui de lacuna eadem supra List 9 tractat, et credit Hellenotamias anni 7 officium suum ante terminum deposuisse; namque civitates nonnullae Cariae, ad finem annorum 5 et 8 inscriptae, in List 7 non apparent, et sine dubio ad initium List 8, cum officium suum exceperant Hellenotamiae alteri, erant adscriptae. Quare non habemus in tabulis Hellenotamiarum cur necesse sit annum 'sine tributo' a. 449/8 fuisse, si propter delictum quoddam magistratuum numerus anni 7 non additus esset, et e lacuna supra List 9 confirmandum est tributum a. 447/6 non esse contractum. Sed argumentum de Hellenotamiarum delictis, ut nobis videtur, vix stare potest. Nonne interpretatione meliore intelligamus civitates Carias post ludos Dionysi pecunias suas contribuisse, unde necesse erat nomina earum in tabula nova incidere ?

**12. Dedicationes, ante a 480ª.** — Dedicationes saeculorum sexti et quinti a. C. in arce inventas, quas collegerat A. E. Raubitschek, *Dedications from the Athenian Akropolis* (1949) (vid. SEG X, pp. 170/74), extensius tractavit W. Peek, *Wissenschaftliche Zeitschrift der Martin-Luther-Universität Halle-Wittenberg*, III 1953/4, 377/90, ubi opus Raubitschekii magnopere commendabile diligenter recensuit. Quamobrem haud inutile mihi videtur hic inserere quaecumque potiora de his titulis elaboravit Peek, si quid vel emendare vel critica adnotatione reicere potuit. Titulos ergo secundum numeros Raubitschekii, cum littera D. praefixa, exhibemus, et, ne commentaria nostra longiora fiant, litteris P. pro Peek et R. pro Raubitschek usi sumus.

D. 2, 7, 8, 220. Vix metricos fuisse putat P.

D. 4. Rest. P. exempli gratia:
[- - - - μ' ἐπο]ίεσεν Ἀθένει [καλὸν ἄγαλμα] ·
[ἔστεσεν δὲ Κό]μον *h*αγνẽι [ἐπευχσάμενος].

D. 6. Columnam hanc neque in honorem patris Alcimachi dedicatam nec statua eius ornatam fuisse credit P.

D. 13. Vss. 3/5 "mit äusserster Reserve" rest. P.:
[*h*ός ποτ' ἐὸν πολέ]μαρχος Ἀθεναίον τὸν ἀγῶνα
τὸν Μα[ραθõνος ἔτ]ελεν, ὄνο[μ' *h*ῶ σέβας *h*ιερὸν ἔσται]
παισὶν Ἀθεναίον μν[έμεν φθιμένοιο τίουσιν].
(D. 13 = IG I² 609, SEG XII 54)

D. 16. Legit P. [- - - σ]τρατ - - - .

D. 19. Prop. P., exempli gratia:
[- - - - - Προσπά]λτιος ἀνέθεκεν
[- - - - - *h*ο Ἀριστοφ]άνος.

D. 21. Tentat P.:
[ἄθλοις νικέσας ἀνδρõν δέκα καὶ τ]ρισὶ παίδον
Καλλία[ς· μ' ἀνέθεκεν Ἀθεναίαι Διδυ]μίο.

D. 29. Ad fin. mavult P.: ἀπ[αρχ]ὲ[ν *h*οι Φιλο]κλείδο.

D. 31. Vix metricum fuisse putat.

D. 34. Ad fin vs. 2 addit P. [ἀπαρχέν] vel [δεκάτεν].

D. 35. Rest. P.:

. . .[5] . . ος Λ[- - - - - ἐποίεσεν].
[Παλλά]δι τ[ριτογε]νεῖ μ' ἀ[νέθεκ' ⏑ ⏑ – ⏑ ⏑ ⏑ *h*υιός],
[– ⏑ ⏑ – κτεάν]ον [εὐχσάμενος δεκάτεν].

D. 36. Tentat P.:
['Αγις] Σον[ι]άδ[ο] με τρ[ιτογενοῦς ἀπ'] ἀγόν[ον]
[στῆσε] καλὸν σ[ο]φία[ς τόδε 'Ελευθέ]ρο ἐν[θάδε δεῖγμα].

D. 50. Rest. P.:
[. . . . . [14] . . . . . ε]ς ἀνέθεκεν
[Διὸς κρατερ]όφρονι παιδὶ ἀπαρχέν.

D. 52. Metricum fuisse demonstrat P., et nomen Diopeithis in vs. 2 a R. restitutum reicit.
[– ⏑ ⏑ – μ' ἀν]έθεκεν ἀπα[ρχὲν τάθεναίαι] ·
[– ⏑ ⏑ – δ' ἐποίε]σεν 'Αθεν[αῖος τόδ' ἄγαλμα].

D. 54. [μ]νῆμα [ἐπιγιγνομένοις] vel [μ]νῆμα [καὶ ἐσσομένοις] prop. P. ad vs. 2.

D. 60. Legit et rest. P.:
[Εὔ]παλο[ς] *h*[άγ]νον[ος ⏑ ⏑ – ⏑ ⏑ – ⏑ ⏑ – ⏑] ·
σοὶ δέ, *h*ιεράκλες, *h*ά[γνον - - - - - - - - - - - - - - - - - - -]

D. 66. Post τριτογενεῖ T legit P., et proponit:
τ[ῶ πατρὸς εὐχσαμένο].

D. 67. Legit P.:
Παλλ[άδι Ναύτο πα]ῖς 'Επίκο[ρος τόνδ' ἀνέθεκ]εν.

D. 68. Fragmentum *d* aliter disponit P., et vss. 8/11 ita exhibet:
Τι[μον Φρε]άρ*h*ιο[ς],
[*h*ιερμῶνα]χς Αἰγ[ιλιεύς],
. . . ον - - - - - - - - - - -
[Σπα]ρτον - - - - - - - -

D. 76. Haud metricum esse putat P., sed si re vera ita intelligendum est, textum Hilleri mavult. Legit vs. 1 ζῆλος *h*ο pro ἀγετὸς ὁ, et vs. 2 *h*[έεκεν]. Vid. etiam n. 14 infra.

D. 77. [Θρ]ᾶιχς ex ectypo confirmat P.

D. 79. Vss. 2/3 suppl. R., respuit P.

D. 82. Iambos in hoc titulo vidit P., secutus Hillerum, et textum sic exponit, duas postulans dedicationes:
[Τόνδ', ὅ θε]ά, Θαλί[αρχος? – ⏑ 'Επιγ]όναι
[*h*ὸς – μ]εγαλ – ⏑ ⏑ – ομενος σόζ[οις ἀεί].



[Καὶ τόνδ' ἀνέθε]κεν Εὐθ[ύδικος Διὸ]ς κόραι
⏑ ⏑ – μενει ⏑ – ⏑ – ⏑ – ⏑ – .

D. 87. P. secutus est Lolling et Wolters, nec titulum metricum fuisse putat.

D. 98. Supplementis a R. propositis vehementer adversatur P., qui ipse mavult:
[Μ]έναν[δρος τοῦ δεῖνα - - - - -]
[ι]ος καὶ [*h*οι *h*υιεῖς ἀνέ]-
[θ]ε[σαν τάθεναίαι].

D. 101. Supplementa [μνεμοσύν]ες *h*ένεκ[α] e n. D. 295 haurit P.

D. 107. Dubitat P. num fragmentum *c* huic titulo re vera sit attribuendum. Supplementa haecce proponit:
[*h*ῶν κτεάνο]ν δεκάτ[εν κόρει Δι]ὸς ἐνθ[άδε τόνδε]
[*h*υιὸς ⏑ – ⏑ ⏑ ]νο θῆκεν 'Ον[εσί]βιος.

D. 115. *h*αγνᾶι finem esse hexametri demonstrat P.

D. 123. Spatium vix titulo metrico sufficere monet P., qui exempli gratia rest.:
['Αθενᾶι Περι]κλέε[ς ἀνέθεκεν *h*ο Βίον]ος Αἰγ[ιλι]εὺς δεκάτεν.

D. 125. Nomen ['A]θανάτες reicit P., qui dubitat etiam num de dedicatione agatur.

D. 130. Supplementa e n. D. 291 haurit P.:
[Κα]λ[λ - - - - καὶ *h*]οι π[αῖδες ἀνέθεσαν]
τῆι 'A[θεναίαι : - - -]ος, Καλ[λ - - - - -] κτλ.

D. 134. Legit P. ad vs. 1 [Πι]στ - - vel [Σο]στ[ρ - - - -].

D. 137. Trimetrum fortasse iambicum esse putat P.

D. 139. Metricum fuisse contra R. asseverat P., qui (in pentametro Kaibelium secutus) ipse rest.:
[Καλλικράτες με] ἀνέθεκεν | ['Αθεναίαι Τριτ]αῖός | [τε,
πάντας 'Αθ]εναίος | [εὐκλεῖσας] μεγάλος.

D. 148. Vss. 1/2 Διονύσιο[ς ἐν¦θά]δ' ἄγαλμα, ut longitudini versuum melius congruens, sec. Friedländer, mavult P.

D. 149. Nomina plura requirenda esse credit P., ut
*h*ιμε[ραῖος, | Π]οσε[ίδιππος, | Σ]οφ - - -.

D. 151. Ante Παλάδι nihil deesse monet P., et rest.:
Παλάδι [μ' ἐγρεμάχαι τόδε Χι]|ονίδες [ἀνέθεκεν]. Quod nobis vix probandum videtur.

D. 154. Ordinem a R. propositum omnino reicit P., et ipse Hillerum secutus mavult:
[Τόνδε μ' 'Αθεν]αίαι | [⏑ ⏑ – ἀν]έθεκε | [ποιέσας]
[χε]ρσῖν | [ταῖς ἰδίαις], παῖς || ⏑ ⏑ – ⏑ ⏑ – .

D. 155. Vix supplendum esse putat P.

D. 156. Ad fin. [Π]αλά[δος ἐν τεμένει] vel ἐν χσυνόδοις] mavult P.

D. 157. Suppl. P.:

[Παλλάδι Π]|ανα[ίσχο μ]|ὲ πα[τὲρ κα]|ὶ *hυ*[ὸς
5 ἀπα]||ρχὲ[ν : ]
[Τίμ]|αιο[ς τόδ' ἔ]|θε[κεν ⏑ – ⏑⏑ – ⏑⏑ – ⏑].

D. 162. Mavult P. (in vs. 1 Hillerum secutus):
[Μνῆμ' ἀνέθεκ' (*e.g.*) Εὔοπ]ος Ἀθεναίαι τόδ' ἀπαρχὲν
[– ⏑⏑ – δεκά]τεν παιδὶ Διὸς μεγάλο.

D. 163. Nomen [Ἀπο]λλώνιο[ς] vel [Ἀπο]λλωνίο[υ] melius putat P.

D. 171. Ordinem metricum a R. exhibitum plane reicit P., qui ipse tentat [Π]αλλάδ[ι τόνδ' ἀνέθεκε· Φιλ]όστ[ρα]τος [*h*ὃδ]ε Τάλο παῖς, vel [Π]αλλάδ[ι θῆκε θεᾶι τόδε Σ]όστ[ρα]τος [ὁν Π]ετάλο παῖς.

D. 173. De hoc titulo etiam pauca disserit P.

D. 174. Vs. 1 hexametrum magis quam pentametrum fuisse, si re vera metricus esset, contendit P.

D. 180. τὸ *hυ*[ιὸ | δ]εκάτεν P., qui Γ post V vix exstare monet.

D. 181. Vs. 1 ad fin. Ţ haud minus quam Γ exstare posse monet P., qui supplere mavult τ[όδε σοὶ καλὸν ἐνθάδ' ἄγαλμα]. Cf. Friedländer, *Epigrammata*, 38*b*.

D. 190. Ad vs. 2 prop. P.:
[τῶι σύ, θεά, πλοῦτον καὶ χ]άριν ἀντιδίδο.

D. 191. Φίλεα (= Φίλεια) nomen fuisse dedicatricis putat P., unde verum ordinem Φίλεα Χαιρεδέμο Ἀθμονόθεν habeas.

D. 195. Suppl. P.:
Χε[ρ]ικ[ράτες μ' ἀνέ|θεκεν *h*ο Δεχ]σιθέ|ο τό[δε ἄγαλμα].

D. 196. Caesuram in textu a R. exhibito deesse notat P., qui mavult [Τόνδε μ' Ἀθεναίαι ⏑⏑ – ἀ]νέθεκεν : *h*ο τέκτον.

D. 201. Vs. 2 ad fin. --γρίο vel --δρίο legendum monet P. (*e.g.* [Φα]ιδρίο, [Ἀ]νδρίο, [Σκαμα]νδρίο).

D. 202. Post Ὀ legit P. ξ, et titulum metricum rest.
– ⏑⏑ ες μ' ἀ[νέθεκεν | *h*ο Σου]νιέος [τόδ' ἄγαλμα].

D. 209. Non metricum fuisse contendit P.

D. 210. Vs. 1. Inter Χάρες et *h*ο Χολαργεύς fortasse spatium fuisse ex im. ph. monet P., et ipse suppl.:
[Σοί με, θεά, τόδ' ἄγαλμα] Χάρες [ἐποίεσε] : *h*ο
Χολαργε⟨ύ⟩ς,
[χερσὶν ταῖς ἰδίαις σοφίας ἐργασμ]ένος ἔργον·



[εὐχσαμένο δὲ πατρὸς ⏑⏑ – ἀνέθεκ]εν ἀπαρχέν.
Alia quoque supplementa exempli gratia adicit id.

D. 211. Vs. 1 ad init. litteras pauciores praecedisse putat P., qui nomen ut [Πο]λίτης(!) et vs. 2 ad init. patronymicum vel ethnicum (*e.g.* [Μέλι]ος) proponit.

D. 212. Vs. 1 [μετ'] ἀδελ[φῶ] P. Sed fragmenta num ita coniungenda sint valde dubitat.

D. 213. Rest. P., coll. n. D. 54:
[– ⏑⏑ – ἀνέθεκεν ἀπὸ κ]τεάν[ον τόδ' ἄγαλμα],
[*h*αυτῶ καὶ γενεᾶς μνῆμ' ἐπι]γιγνο[μένοις].

D. 218. Vs. 1 ad fin. Μέναδρο[ς θῆκ' ἀπὸ τέχνες] mavult P., Kirchhoffium secutus. Vs. 4 supplementa a R. proposita haud approbat.

D. 221. Metricum fuisse asseverat P.

D. 224. Vs. 3 proponit P.:
[τόνδε μ]ε Ἀθεναίαι δεκάτ[εν ἀνέθεκε ⏑ – ⏑].

D. 225. Vs. 1 ad fin. N ante O notat P., et secutus Hillerum dedicationem Apollini, non Minervae, attribuit:
[– – – – – – Παιά]ν, ὄρχαμε τ[όχσο].
Vss. 3/4 [ἄγαλμα | σοί vel *h*ῆι, Παι]άν, [*h*]υγίεια[ν *e.g.* ἐν ἀνθρόποισι] δ[ιδοίες].

D. 226. Vss. 3/4 rest. P.: *h*ῆι μ[ετέπειτα δοίες] | πολ[λὰ καὶ ἄλλ' ἀγαθά] vel -- δοίες], | Πολ[ιέοχε, καὶ ἄλλο ἀναθεῖναι].

D. 227. Nova supplementa proponit P.:
Παλλάδι τρι[τογενεῖ Με]-
γύλος μ' ἀνέθε[κεν ἀπαρχὲν]
καὶ Χρέμες *hυύς*. [*vacat*]

D. 229. [Ναύ]λοχος P., qui finem hexametri a R. restitutum aversatur.

D. 230. [εὐ]χσάμε[νος] pentametro attribuere mavult P.

D. 231. Vs. 2 suppl. P. [*h*ῶν αὐτῶ κτεάνο]ν κτλ. vel [Καλλιφάνος, ἀγρῶ]ν κτλ. ἔργο]ν prop. M. N. Tod per ep.

D. 235. Versus ab R. exhibitos respuit P., et mavult:
[Εὐχσάμενος] δ[εκάτεν ⏑⏑ – ⏑⏑ –] *h*ο Τελέ[στο : ]
Παλά[δι | τριτογεν]εῖ γλαυκ[όπ]ιδι | [τόνδ' ἀν]έθεκεν.

D. 244. Vs. 1 secundum P.:
[– ⏑⏑ – τόδε δῶρον Ἀθεναί]αι ἀνάκειμαι.
Vs. 2 iambos, non pentametrum, fuisse contendit id., et rest.:
[*h*ὸ δεῖγμα τέχ]νες Εὐμάρες [ἐργάσ]ατο.

D. 247. Hexametrum fuisse urget P., ut
Αἰσχί[νες μ' ἀνέθεκεν] | *h*ο Πισστο[γένος τόδ' ἄγαλμα].

D. 248. Supplementa a R. proposita ut "abenteuerlich" adortus est P., qui ipse tentat:
[Τόνδε με] Λυσίφιλος κα[ὶ ⏑ – ⏑ ⏑ – ἀνέθεκαν]
[εὐχσα]μένον προγό[νον παιδὶ Διὸς μεγάλο].

D. 253. Vs. 2 [εὐχόμεν]ος duabus litteris breviorem esse putat P., qui supplementa quae proposuerant Lolling et Wolters mavult.

D. 256. De ratione supplementorum valde dubitat P.

D. 273. Unum hexametrum scriptione continua esse putat P., ut [Γλα]υκε[τίδες ἀνέθεκεν 'Αθεναίαι | τόδ'] ἄγ[αλμα].

D. 279. Vss. 3/4. Vs. 3 duabus litteris breviorem esse notat P., et add.
[Αὐ]|τοτ[έλος *h*υιῆ].

D. 282. Supplementa a R. exhibita reicit P., et ipse distichon hocce tentat:
['Ο]νέτορ [ἀνέθεκε ⏑ – ⏑ ⏑ – ⏑ ⏑ – ⏑]
*h*αυτῶ καὶ π[αίδον μνῆμα καὶ ἐσσομένοις].

D. 284. Huius etiam tituli supplementa respuit P., qui ipse proponit:
['Αρ]γματα Θότιμ[ός τε πατὲρ τάδε παῖς τ'] ἀνέθ[εκαν]
['Αντ]ένορ, [σ]τέσε[ιν ἄλλ' ἔτ' ἐπευχόμενοι].
vel
['Αρ]γματα Θότιμ[ός καὶ ⏑ – ⏑ ⏑ – μ'] ἀνέθ[εκαν],
[εὐχόμ]ενοι [σ]τέσε[ιν ἄλλ' ἐπὶ τοῖσδε θεᾶι].

D. 288. Vs. 2 hexametrum, non pentametrum, fuisse contendit P.

D. 291. Fragmentum *a* cum fragmentis *b* et *c* vix consociandum esse recte asseverat P., qui totam dedicationem uno hexametro contineri contendit, et ipse proponit:
[Παλλάδι ⋮ – ⏑ ⏑ – ⋮ με ἀνέθεκε ⋮ ] | ἐπόεσε δὲ ⋮ – ⏑.

D. 293. Supplet P. [δεκάτε]ν τ[ὸ]ν [ἔργον].

D. 298. τό[δ' ἄγαλμα] P.

D. 299. Pro -σίππω mavult -ίππη P., et proponit quoque ['Αθενάαι].

D. 302. Proponit P.:
[Κλε]ὸ τὸν *h*ερμῆν θεῶ φραδ[αῖσιν *h*είσ]ατο.

D. 317. ΠΕΝΠ a Lolling et Wolters prolatum confirmat P. Ad init. haud plures quam quinque litterae desunt. Vid. etiam n. 13 infra.



D. 318. Proponit P.:
[Δέχσο, Διὸ]ς κόρ*h*[ε, δῶρον, δεκάτ]εν *h*ὸ [σο]ὶ : ἄγρα[ς]
[– ⏑ ⏑ – ἀνέθεκε ⏑ – ⏑ ⏑ – ⏑ ⏑ – ⏑].

D. 321. De [ε]ὐσχ[άμενος] valde dubitat P.

D. 322. Bibliographiae P. addit L. Robert, *REG* XLII 1929, 438.

D. 332. Versus longiores mavult P.

D. 333. Dubium est num hunc titulum pro dedicatione habere debeamus. Proponit P., exempli gratia:
ὃ σ[ὺ κατ' ἀν]θρόπ[ος ἔτ' ἐών, τόδε σᾶμ]α Φελο - - -
vel - - - ἐμὲ Μοῖρ'] ἀφελῶ[σα].

D. 372. Proponit P., Pittakis secutus:
[Εὐχσαμένο] με πατ[ρὸς τόνδ' Εὐμ]έλο ἀνέθεκεν
Βῶ[λις ζευ]γίτες Παλλάδι τρι[τογενεῖ].

D. 379. De ludis Olympiis agi putat P., ut iam coniecerat A. M. Woodward, *Cl. Rev.* LXIV 1950, 146, qui [ἐχς 'Ολ]υμ-πιείο[ν] proposuit.

---

**13. Dedicatio Alcmeonidae, Alcmeonis f., c.a. 550/45ª.** — IG I² 472 (A. E. Raubitschek, *Dedications* n. 317). Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 8/10 n. 4. Alteram dedicationem Alcmeonidae, in Boeotia in fano Apollinis Ptoei inventam, quae etiam in IG I² sub n. 472 exhibetur, tract. id., *ib.*, 10/12 n. 5. Cf. Friedländer, *Epigrammata* 167; P. M. Fraser, *JHS* LXXV 1955, 185.

---

**14. Dedicatio Phaylli, c.a. 479ª.** — IG I² 655; M. N. Tod, *GHI* I² 21 et p. 259; Raubitschek, *Dedications* n. 76 (vid. supra n. 12 D. 76). Exhibet L. Moretti, *op. cit.*, 25/9 n. 11, qui textum secundum IG secutus est, nisi quod in vs. 1, ubi ἀγετὸς IG, ἔθεκε mavult. Cf. A. M. Woodward, *Cl. Rev.* LXIV 1950, 146.

---

**15. Dedicatio Calliae, c.a. 450/40ª.** — IG I² 606; Raubitschek, *Dedications* n. 164. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 33/5 n. 15, ubi textum a Raub. exhibitum repetit.

---

**16. Fragmentum galeae aeneae, in. s. Vª.** — IG I² 453 breviter att. E. Kunze, *Festschrift für Carl Weickert*, 1955, 21.

---

**17. Victoria Epaeneti.** — *Eleusis.* IG I² 802 (SEG X 333). Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 1/4 n. 1; Friedländer, *Epigrammata* 55.

---

**18. Monumentum pugnae Marathoniae, a. 476/5ª.** — IG I² 763 (SEG X 404, XII 68, XIII 35) adducit Zofia Gansiniec, *Geneza Tropaionu*, 1955, 63 c. del., 149. Vid. A. E. Raubitschek, *AJA* LV 1951, 343/4, c. im. ph. ectypi pl. 36c.

---

**19. Sepulcrum publicum, a. 460ª.** — IG I² 929 (SEG X 406) tract. J. Scharf, *Historia* III 1954/5, 308, 316/8, qui a. 458 attribuere vult,

(quem S. Accame quoque mavult; cf. *Riv. di Fil.* NS XXX 1952, 117), et bellum in Aegypto ab a. 462 ad a. 456 duravisse contendit. Sed quod e Plut. *Per.* xii affirmat non propter cladem Aegyptiacam thesaurum Confoederationis Deliacae Athenas translatum esse, vix probare possumus; tract. et quod illo loco dicitur de pace Calliae, propter quam non iam erat cur thesaurus Athenis conservandus esset. Pax tamen haec num re vera composita fuerit dubitat R. Sealey, *Historia* III 1954/5, 325/33 (vid. n. 11 supra). Quare *ATL* III 177/8 et al. iam sequimur et in IG I² 929 a. 460 attribuendo, et in affirmando pacem cum Persis a Callia compositam esse; sed, si quando licebit, rem totam alibi tractabimus.

**20. Sepulcrum publicum (?), ante fin. s. V[a].** — Pars stelae marm., a tergo et a sinistra incolumis, Agora inv. I 4031. Ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 243 n. 16, c. im. ph. pl. 51. Putat ed. fragmentum hoc cum IG I² 951 (?) et 952 (de quibus vid. SEG XII 73) coniungendum esse.

*reliquiae nonnullae* [M]οιρίας
[*h*]εβδομ[ίας] Χαροπίδες
[Φι]λῖνος [Δ]εμοκλῆς
[Α]ἰσχύλος [.]ο- - - - - - -
5 [Δ]εινίας 10 - - - - - - - - -

**21. Sepulcrum Philini vel Thalini, s. VI[a] p. prior.** — SEG X 450. Vid. G. M. A. Richter, *Catalogue of Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 8 n. 10. Cf. R. M. Cook, *Cl. Rev.* NS V 1955, 309.

**22. Sepulcrum Antigenis, c.a. 510/500[a].** — SEG X 460. Vid. G. M. A. Richter, *op. cit.*, 16/17 n. 20, c. del. ibid. et im. ph. pl. XXII*a*.

**23. Sepulcrum Philoetii et Ctesiae, s. VI[a].** — Fragmenta marm. cum carmine sepulcrali, in Ὀδ. Χρήστου Λαδᾶ inv. commemoravit A. N. Oikonomides in actis diurnis Athenarum *Kathimerini* (11 Febr. 1955); de quo nos certiores fecit E. Vanderpool, qui ipse eandem rem notat *AJA* LIX 1955, 223/4. Cf. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 74a.

Φιλοιτίο καὶ Κτεσίο τὸ σε̃μα καὶ ἐποίεσεν φίλος Δε- - - -
ἀδελφῶ *h*αυτῶ μνε̃μα κά[π' αὐτ]ῶι τάδε.

**24. Mon. sep. Callisthenis, c.a. 430/20[a].** — Lecythus marm. cum anaglypho viri barbati sedentis et ad sinistram spectantis, qui cum iuvene a sinistra adstante dextram iungit. Post virum a dextra mater iuvenis. Vid. G. M. A. Richter, *Catalogue of Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 59 n. 87 cum bibliographia, et im. ph. pl. LXX*a*, *b*, LXXI*a*, *b*.

Καλλισθένης.



**25. Tit. sep. Myrrhinae, ex. s. V[a] (vel in. s. IV[a]).** — SEG XII 80 breviter tract. I. Th. Kakrides, Ἑλληνικά XII 1952, 143/5. Vid. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1961.

**26. Monumentum choregicum, ex. s. V[a].** — Basem marm., e tribus fragmentis compositam, Agora inv. I 3398, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 249/50 n. 28, c. im. ph. pl. 54.

['Αντι]οχὶς ν ά- - - - - - - -
[ἐνίκ]α ν ν ν ν ἐ- - - - - - - -
. . .[5]. . στρα[τ]ος . αργ- - - -

Proposuit A. E. Raubitschek (ap. Meritt, *loc. cit.*) hunc titulum partem eiusdem monumenti fuisse ac IG II² 3027, cuius inscriptionem vidit Cyriacus Anconitanus, qui legit 'Αριστείδης ἐχορήγε | 'Αρχέστρατος ἐδίδασκε.

Si re vera aliter verba in eo titulo disposita sunt (quod, ut nobis videtur, vix asseverare debemus), fortasse textus hic ita componendus est:

['Αντι]οχὶς 'Αριστείδης 'Αρχέστρατος
[ἐνίκ]α ἐχορήγε ἐδίδασκε
. . .[3]. . στρα[τ]ος . αργ[- - - - - ηῦλε].

Cf. Plutarchum, *Aristeides* 1, 3.6. An in vs. 3 [Γ]αργ[ήττιος] supplendum?

**27. Terminus Propyli in Piraeo, ante med. s. V[a].** — Terminum porinum, infra atque a sinistra integrum, ed. B. D. Meritt, *loc. cit.*, 259 n. 47, c. im. ph. pl. 54. Agora inv. I 3624. Cf. IG I² 891; D. K. Hill, *AJA* XXXVI 1932, 254/9.

Προπ[ύλο] | δεμο[σίο] | *h*όρο[ς].

**28. Titulus vasis, ex. s. VI[a].** — Fragmenta cylicis nuper composita, *Novi Eboraci* in Museo Metropolitano conservata, ed. D. von Bothmer, *AJA* LIX 1955, 157 n. 1, c. im. ph. pl. 47, et pictori "Oltos Painter" attribuit. Cf. eund., *Studies presented to D. M. Robinson* II 1953, 137 n. 17.

Μέμνον [κα]λός.

**29. Tabellae dedic., ex. s. VI[a].** — Tabellas dedicatorias in arce inventas, quarum pictor "Cerberus painter" videtur esse, tractavit J. Boardman, *JHS* LXXV 1955, 154/5, c. imm. ph. fig. 1*a* et *c* et del. fig. 1*b*. E fragmentis tabellarum quattuor titulos praebent:

Boardman n. 3 (Beazley, *ARV* 56 n. 1). *Sinistrorsum*
[Πολι]άδος. (vel [Πασι]άδο.)

Boardman n. 4 (*ARV* 56 n. 2). *Sinistrorsum*
['Αθ]εναία.

Boardman n. 5 (*ARV* 56 n. 3).
Ηερακ[λε̃ς], 'Ιόλεο[ς], 'Αθεναία.

Boardman n. 8 (cf. W. Peek ap. Graef-Langlotz, *Akropolis Vasen* II 130 n. 2583). [τῶ]ν Πασέο γραμάτον.

Unde haurit B. nomen pictoris illius Paseam fuisse. Cf. C. Roebuck, *AJA* XLIII 1939, 467/73.

**30. Tituli vasorum, s. VI/V^a.** — Titulos vasorum aliquot tractavit J. D. Beazley, *AJA* LVIII 1954, 187/90, c. imm. ph. pl. 28/31. Notamus tantum numerum (musei vel inventarii), pictorem, titulum.

(*a*). Beazley 187 n. I. Agora inv. P. 10507, fragmentum amphorae(?): KX Painter. c.a. 575/50^a.

*hεκά*[εργος] vel *hέκα*[τος] (E. Vanderpool, *Hesperia* XV 1946, 133/4); fortasse *hεκά*[δεμος].

(*b*). Beazley 187 n. II. Agora inv. P. 10203, fragmentum cylicis vel scyphi: eiusdem aetatis. Cf. E. Vanderpool, *loc. cit.*, 131.

[Φσ]ολέας ἐπ[οίε].

(*c*). Beazley 187 n. III. *Vindobonae*, n. 3613; hydria, artifici eidem ac Louvre E869 attribuenda: eiusdem fere aetatis.

Inter nomina apparet Κλιπος, quod ut Κ(άλ)λιπ(π)ος interpretatur B., vel probabilius ut Κλ(έ)ϊπος (= Κλέϊππος).

(*d*). Beazley 187/8 n. IV, c. imm. ph. pl. 28. Lecythus, c.a. 540^a; Taleides painter.

Ταλείδο εἰμί.

Confert ed. Κλείμαχός μ' ἐποίεσε κἐμὶ κένο.

(Hoppin, *A Handbk. of Gk. Black-figured Vases*, 142, etc.)

(*e*). Beazley 188 n. V. *Boston*, n. 01.8058. Hydria, 'related to the Lysippides Painter'. Ultra nomina Elparetum, Choerum, Mnesillam, legenda sunt quoque καλός (cum Hercule?) et 'Αμθοε (= 'Αμφιθόη).

(*f*). Beazley 188/9 n. VI, c. im. ph. pl. 29. *Munich*, n. 1712Λ. Hydria; A. D. Painter (vid. *JHS* LXXII 1952, 157).

(i) Φιλτό
(ii) 'Ρόδε.
(iii) Σιμύλ[ε].
(iv) Τυνίς.
(v) *Sinistr.* Κορινὸ καλέ.
(vi) ΚΑΦΣΙΣ
(vii) ΚΕΡΕΝΣ

(*g*). Beazley 189/90 n. VII, c. del. pl. 30 et imm. ph. pl. 31 fig. 4. *Würzburg*, n. 474. Cylix; Ambrosios Painter. Cf. Beazley, *ARV* 71 n. 6. Inter nomina alia notandum est

'Α[ντιλ]έον καὶ [δ]εῦρ(ο).

(*h*). Beazley 190 n. VIII. *Parisiis* in Museo Louvre. Cylix nuper e multis fragmentis recomposita; Duris.

(i) Χαιρέσ[τ]ρ[α]τος κα[λός].
(ii) Καλίμαχ[ος] | καλ[ός].

(*j*). Beazley 190 n. IX, c. im. ph. pl. 31 fig. 5. *Romae* in Museo Villae Iuliae, n. 50329. Fragmentum rhytii vel canthari, c.a. 460^a; Tarquinia painter. Confert ed. Theogn. 1055.

σοὶ καὶ ἐμ[οί]. (*Sinistr.*)



**31. Tit. vasis, s. V^a.** — Pelike nunc in Museo Britannico, quae olim pictori qui "Cleophon painter" nominatur attribuebatur, pictori "Dinos painter" assignanda est, ut demonstrat P. E. Corbett, *British Museum Quarterly* XVII 1952, 73/4. [κ]αλή.

**32. Tit. vasorum, s. VI/V^a.** — Titulos tres in vasibus inscr. tract. G. Lippold, *Festschrift Bernhard Schweitzer* (*Beiträge zur klassischen Altertumswissenschaft*), 1954, 134/8, c. imm. ph. pl. 27/8.

(*a*). Beazley, *ARV* 18, n. 2. *Parisiis* in Museo Louvre. Amphora; Euphronius. Herculem ibi depictum e statua ab Hagelada Argivo confecta haustum putat Lipp., et titulum in base legit

δοκεῖ : σμικ(ρ)ὸς : (ε)Ἶναι.

(*b*). *Gela*, nunc *Syracusis* in museo, n. 20539. Lecythus, in quo symposium delineatur, cum titulo HIMERA. De pugna notissima agi putat L., qui anno paullo post a. 480, potius quam c.a. 500, attribuere vult.

(*c*). Beazley, *ARV* 681 n. 55. *Neapoli*, in museo, n. H 3232. Hydria, in qua tibicina delineatur. Titulum ΕΛΠΙΝΙΚΕ aliquid commune cum Cimonis sorore habere contendit L.

**33. Graffito, s. VII^a.** — Fragmentum tabulae pictae, cuius margo dextra servatur, in arce inv., nunc in Mus. Nat., commemorat J. Boardman, *BSA* XLIX 1954, 196 n. 8, c. del. fig. 3.

ϘΟΡ-- *vel* ΦΟΡ--- *Sinistrorsum*

**34.** De sententia καλέσαι δὲ (vel καὶ καλέσαι) τὸν δεῖνα (καὶ) ἐπὶ ξένια (vel δεῖπνον) εἰς τὸ πρυτανεῖον εἰς αὔριον, cuius exempla CXXVI coacervavit, tract. W. A. McDonald, *AJA* LIX 1955, 151/5, et quando floruit, quoque modo verba in sententia exprimenda adhibita sunt mutata exponit. E multis titulis quos adducit, praecipue IG I² 157, II² 33, 188, *Hesperia* VII 1938, 274 n. 8, notemus, de quorum supplementis dubitat.

**35. Fragmentum decreti post democratiam restitutam renovati, a. 403/1^a.** — IG II² 9 att. D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 35/6, qui contendit decretum prius in vs. 6 incepisse et a. 410/09^a attribuendum esse. In hoc lapide decreta duo, non tria ut proposuerat Wilhelm, exstitisse putat. Cf. SEG III 69.

. . . π[. . . . . .[20]. . . . . ἐπει]- Στοιχ. 28.
[δ]ὴ δὲ καθη[ιρέθη ἐπὶ τῶν τριάκοντα]
αὐτοῖς ἡ σ[τήλη ἡ πρότερον ἀνακειμ]-
ένη αὐτοῖ[ς, ἀναγράψαι τὴν στήλην τ]-
ὸγ γραμμα[τέα τῆς βολῆς καὶ στῆσαι]

ἐν ἀκροπ[όλει. Ἔδοξεν τῆι βολῆι καὶ]
τῶι δήμωι · [Λεωντὶς ἐπρυτάνευε, Σιβ]-
[υρτ]ιάδ[ης ἐγραμμάτευε ---,-------]

**36. Honores cuiusdam, c.a. 400ᵃ.** — IG II² 5 male suppletum esse contendit D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 34/5, et Theozotidem honores proposuisse non accepisse suadet (de quo vid. *PA* 6913): supplementa ergo haecce exhibet.

Στοιχ. 40.

P----------
ΕΑΤΑΤΟΙ----------
Θεοζοτίδ[ης εἶπε · τὰ μὲν ἄλλα καθάπερ τῆι βολῆι, ἐπ]-
ιμελεῖσθα[ι δὲ αὐτῶν τοὺς στρατηγοὺς καὶ τοὺς πρ]-
υτάνεις καὶ [τὴν βολὴν τὴν ἀεὶ βολεύουσαν ὅπως ἂν μ]-
ὴ ἀδικῶνται [ὑφ' ἑνός, καὶ πρόσοδον εἶναι αὐτοῖς πρ]-
ὸς τὴν βολὴν [καὶ ἐς τὸν δῆμον, ἐάν το δέωνται. δίκας]
δὲ αὐτοῖς κα[ὶ τἄλλα ἔναι ἃ ἐψήφισται τοῖς εὐεργέ]-
ταις. τὸ δὲ ψή[φισμα τόδε καὶ τὸ πρότερον ἀναγεγρα]-
μμένον τὸ ἔτ[ερον ὃ περὶ τῆς προξενίας τῆς .....]-
ου εἶπε Θεο[ζοτίδης ἀναγράψαντα τὸν γραμματέα τ]-
ῆς βολῆς ἐ[ν στήληι λιθίνηι καταθεῖναι ἐμ πόλει, τ]-
ὸς δὲ πωλη[τὰς ἀπομισθῶσαι, τὸ δὲ ἀργύριον παρέχε]-
[ν τ]ὸς [ταμίας----------]

**37.** IG II² 23 non partem tituli eiusdem ac II² 50, ut proposuit Wilhelm, fuisse demonstrat D. M. Lewis, *loc. cit.*, 49.

**38. Fragmentum decreti, ex. s. Vᵃ.** — IG II² 50 annis ante 403ᵃ attribuere mavult D. M. Lewis, *loc. cit.*, 32, ubi in margine computanda erravisse Lollingium etiam notat; unde textum paullo mutatum exhibet. De hoc titulo ab IG II² 23 dissociando vid. n. 37 supra.

----------Σάμο *vac.* Στοιχ. 28.
[Ἔδοξεν τῆι βολῆι · Ἐρεχ]θηὶς ἐπρ[υτά]-
[νευεν, .....¹³.....] Παιονίδης [ἐ]-
[γραμμάτευεν, ...⁸... Ἀγ]ρυλῆθε[ν ἐπ]-
[εστάτει, ....⁹..... εἶ]πε · κτλ.

**39.** IG II² 3 eodem modo s. Vᵃ (ante a. 412) assignat Lewis, *loc. cit.*, 33.

**40. Fragmentum decreti post democratiam restitutam renovati, c.a. 400ᵃ.** — IG II² 66. Fragmenta *a* et *b* partes esse IG I² 144 (SEG X 108; XII 33) denuo monet D. M. Lewis, *loc. cit.*, 50, qui fragmentum *c* (cuius margo sinistra integra exstat) ita exhibet:



.ρι----------
νον τὸν [---------- τ]-
ὸν δῆμον----------
Καφυᾶ κ[αὶ ---------- ἐπει]-
δὴ καθημ[ρέθη ---------- ἡ σ]-
τήλη, ἀνα[γράψαι ----------]

**41. Siculi cuiusdam honores, ante a. 378/7ᵃ.** — IG II² 61. De anno tract. D. M. Lewis, *loc. cit.*, 34, qui de a. 373/2ᵃ cogitat, et initium tituli sic restituit:

[Ἐπὶ τοῦ δεῖνος ἄρχοντος], Στοιχ. 18.
[ἐπὶ τῆς Πανδιονίδος --]
[----της πρυτανείας ἥ]ι Ἀμ-
[εινίας κτλ.

**42. Antiochi aliorumque honores, ante a. 378/7ᵃ.** — IG II² 70. Vid. D. M. Lewis, *loc. cit.*, qui praescriptum tituli denuo supplet.

[Ἔδοξεν τῆι β]ολῆι κα[ὶ τῶι δή]- Στοιχ. 22.
[μωι · Ἀκαμαν]τὶς ἐπρυτάνε[υε],
.....⁹.... ος Δημοφ[ί]λο Φηγ-
[αιεὺς *vel* ὅσιος ἐγραμ]μάτευε · Χ[αρ]μίδ-
[ης Λαμπτρε]ὺς ἐπεστάτε[ι] · ο. κτλ.

**43.** De tempore quo *proedri* Athenis sunt instituti disserit D. M. Lewis, *loc. cit.*, 31/4, multis testimoniis epigraphicis usus quorum nonnulla ipsi excerpsimus. Quamvis de anno 378/7ᵃ, quem proposuerat Glotz, haesitet, nec videat quare non paullo post democratiam restitutam *proedri* ascribendi fuerint, rem accurate anno huic vel illi attribuere nonvult.

**44. Timaphenidae honores, ante a. 370ᵃ.** — IG II² 152. De anno tractat D. M. Lewis, *loc. cit.*, 38/9, qui annum in IG exhibitum (ante 353/2) et argumenta quae pro a. 365/4 protulit W. S. Ferguson, *Klio* XIV 1915, 393 adn. 5, reicienda contendit.

**45. Pelagonum regis honores, a. 371/0ᵃ (?).** — IG II² 190. Habet D. M. Lewis, *loc. cit.*, cur huic anno titulum hunc ascribat, et praescripto nova supplementa praebet.

[Ἔδοξεν τῶι δήμωι · Ἱπποθω]- Στοιχ. 20.
[ντὶς ἐπρυτάνευεν, Ἀρχ]επ-
[τόλεμος ἐγραμμάτευε], Φρ-
[ασικλείδης ἦρχεν, Μ]ένης
κτλ.

**46. Foedus cum Dionysio I Syracusarum tyranno, a. 367ᵃ.** — IG II² 105 + 523; *Syll.*³ 163; M. N. Tod, *GHI* II 136 cum bibliographia. De supplementis versuum 1/3 dubitat D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 37/8, praecipue si epistates in vs. 5 demo Marathoni attribuatur; namque hic demus in tribu Aiantide includebatur, sed illo tempore epistates non eiusdem tribus ac prytanes ipsi esse poterat. Im. ph. partis mediae huius foederis exhibet M. P. Nilsson, *Die Hellenistische Schule*, 1955, pl. v (ubi per errorem '105 + 525' scriptum est).

**47. De tradendis rebus sacris, a. 365/4ᵃ.** — IG II² 216 huic anno attribuit D. M. Lewis, *loc. cit.*, 39/49, c. imm. ph. pl. 3*a* et *b*, et eidem titulo IG II² 261 coniungit. Novum textum n. 216 exhibet, quem transcripsimus, et in 217 (eiusdem tituli exemplar alterum) eadem fere supplementa sunt inserenda. De Androtione disserit 43/9.

*c* Στοιχ. 35.

Ἐπὶ [Χίωνος ἄ]ρχοντ[ος]. fr. (*a*)

Ἔδοξ[εν τῶι δήμωι· ...⁶...] ἐπρυτάνευε[ν, Κηφί]-
fr. (*c*) σιος .....¹⁵..... ς ἐγραμμάτε[υεν, Ἀρι]-
στο[.....¹³..... ἐπε]στάτει·
[...⁵.. εἶπε· ἀγαθῆι τύχ]ηι τοὺς ταμίας [τοὺς ν]-
[έος παραδέξασθαι τὰ χ]ρήματα τὰ ἐν τῆ[ι ἀκρο]-
[πόληι παρὰ τῶν ἔνων τα]μιῶν. ὅπως δ' ἂν ὡ[ς δικα]-
[ιότατα παραδοθῆι τό τ]ε ἄγαλμα καὶ τ[ὰ πομπε]-
[ῖα τὰ τῆς θεοῦ καὶ τὰ ἄλ]λα τὰ ἐν τῆι ἀκ[ροπόλη]-
[ι, .....¹¹..... τὰ ἀπὸ Κ]αλλέο ἄρχοντ[ος ἀνα.]-
.....¹⁸..... ν· παραδόναι δ[ὲ τοὺς τ]-
[αμίας τὸς ἔνος τοῖς νέο]ις τὰ μὲν πομ[πεῖα τὰ]
[χρυσᾶ κατὰ τὸ ψήφισμα ὃ] Ἀνδροτίων [εἶπε, τὸ δ]-
[ὲ ἄγαλμα ἀνεξετάζειν με]τὰ τοῦ ἀρχ[ιτέκτον]-
[ος καὶ τῶ .....⁹.... καὶ τ]ῶν ἀγαλμ[ατοποιῶν]
[.....²⁰.....α]ι καὶ τἆ[λλα τὰ ...]
.....²¹..... τὰ δὲ π[αραδοθέντ]-
[α .....¹⁷..... στῆσα(?)]ι [τὰ μὲν(?) ...⁶...]

*lacuna*

[.....³⁰..... τὴν πα]- fr. (*b*)
ράδοσι[ν .....²²..... ἀντίγρ]-
αφα πρὸς τ.....²⁷.....
τὰ παραδιδ[όμενα· ἐὰν δέ το προσδέηι τόδε τὸ]
ψήφισμα, ἡ βο[λὴ κυρία ἔστω ψηφίζεσθαι ὅ, τι ἄ]-
ν αὐτῆι δοκῆι [ἄριστον καὶ δικαιότατον εἶν]-
αι κατὰ τὸ Ἀνδρ[οτίωνος ψήφισμα. ἀπογράψαι]
δὲ καὶ τὰ ἐν τῶι τ[ιμήματι γεγραμμένα, ὅπως ἄ]-



ν εἰδῶσιν Ἀθηναῖ[οι ὅτι τῶν κακουργούντων]
αὐτοῖς ἐστιν ἡ κόλα[σις. *vacat* (?)]

*vacat*

(*a*). 2. Fortasse Κηφίσιος Ἐπικράτος Ἰωνίδης (*PA* 8290).
10/11. [ι, γράψαι αὐτὸς τὰ ἀπὸ Κ]αλλέο ἄρχοντ[ος ἀνατ]-
[εθέντα χωρὶς τῶν ἄλλω]ν. proponit Lewis, sed contendit in IG II² 217 ἀναθήματα pro ἀνατεθέντα stetisse. στῆσαι pro γράψαι A. M. Woodward.
(*b*). 5/7 Supplevit A. M. Woodward.

**48. Decretum de Iulietis, a. 363/2ᵃ.** — IG II² 111; *Syll.*³ 173; M. N. Tod, *GHI* II 142. Vs. 49 tract. G. Klaffenbach, *Festschrift für Carl Weickert*, 1955, 96/8. Quod proposuerat M. Feyel — [ἐν τῆι ἐκκ]λήτωι [βο]λεῖ — reicit, et cum ex ectypo ΚΑΙΕ.. ΗΙΕ.. ΛΗΤΩΙ. ΟΛΕΙ legat, textum receptum, quamvis difficultatibus non careat, nihilominus servandum esse censet.

**49. Honores Moschi, a. 354/3ᵃ.** — IG II² 135 att. D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 49, qui monet vs. 3 non *stoichedon* ordinatum esse, sed 4/7 ita suppleri debere ut ordinem talem servent. In vs. 1, ubi ΝΑΣ (Νασ[ιώτου]?) IG, Ναυ[κρατίτου] legendum esse notat.

**50. Euclis et Philoclis praeconum honores, (a) paullo post a. 403/2ᵃ (b) ante a. 358ᵃ.** — IG II² 145; *Syll.*³ 186. Fragmentum novum partis *b* ed. W. K. Pritchett, *Hesperia* X 1941, 266, c. im. ph., et im. ph. IG II² 145 p. 267. Monet D. M. Lewis, *loc. cit.*, 36/7, in vs. 1 τῆι βολῆι, non βουλῆι, supplendum esse, et litteras quae primae in vss. 2/10 exhibentur ad fines versuum praecedentium esse movendas. In vs. 20 (novi fragmenti), ubi χ]ρή[σιμος Pritchett, ἐ]πι[εικής legit.

**51. Honores Democratis Lampsaceni, a. 351/0ᵃ.** — IG II² 205 breviter tract. D. M. Lewis, *loc. cit.*, 50, qui novas lectiones adfert.

Vs. 4. Χρέμης Φ[ιλοιτίο κτλ.]
7. Ἀ]ρισταῖο[ς] Φαλ[ηρεὺς κτλ.]
9. .ς Ἀριστύλλο Στειριε[ὺς κτλ.]

**52. Honores magistratuum, paullo post a. 344/3ᵃ.** — IG II² 221. Marginem dextram iam servari notat D. M. Lewis, *loc. cit.*, unde litteras octo cuiusque versus postremas ad initium versus sequentis movet, et novum versum 10 includit ad nomen archontis inscribendum —

ἐπὶ Λυκίσκου [ἄρχον||τος. *vacat*]

Columnae nominum duae sine dubio infra instructae sunt.

**53. Honores Bionis Tenii, ante a. 336/5ª.** — IG II² 279. Vid. D. M. Lewis, *loc. cit.*, qui monet marginem dextram iam exstare, unde quinque litteras ad finem versus cuiusque ad initium versus sequentis movendas esse.

**54. Fragmentum decreti, eiusdem fere aetatis.** — IG II² 306. Notat D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 50, marginem sinistram iam exstare, et ad sinistram idcirco versus duabus litteris breviores esse quam quales in IG exhibeantur.

**55. Honores Amphidis Andrii, a. 332/1ª.** — IG II² 347. Vss. 12/3, ubi IG ε[ὔνο|υς ὢν {ὢ}ν}, proponit ἑ[πιε|ικὴς ὢ]ν D. M. Lewis, *loc. cit.*, 37, coll. n. 50 supra.

**56. Fragmentum decreti, a. 328/7ª.** — IG II² 452. De anno vid. B. D. Meritt, *AJP* LIX 1938, 499, W. K. Pritchett et B. D. Meritt, *The Chronology of Hellenistic Athens*, 1940, 2. Notat D. M. Lewis, *loc. cit.*, 49, nomen in vs. 10 ut Βοῦλ[ις Θοραιεὺς supplendum esse, qui hoc anno senator fuit.

**57. Fragmentum decreti, a. 325/4ª.** — IG II² 361. Marginem sinistram perditam esse, sed dextram iam exstare, notat D. M. Lewis, *loc. cit.*, 50, qui supplementorum in IG exhibitorum ordinem paullo mutat.

[Ἐπὶ Ἀντι]κλείους ἄρχοντος ἐπὶ τῆς Ἀκαμαν[τ]-
[ίδος δ]εκάτης πρυτανείας, ἧι Ἀντιφ[ῶν]
[Κορ]οίβου Ἐλευσίνιος ἐγραμμάτευεν· Θ[αργηλι]-
[ῶ]νος ὀγδόηι μετ' εἰκάδας, πέμπτ[ηι τῆς πρυ]-
[ταν]είας· βουλὴ ἐν βουλευτηρίωι· τ[ῶν προέδρων]
[ἐπε]ψήφισεν κτλ.

**58. Adimantus, Androsthenis f., Lampsacenus honoratur, a. 302ª.** — Sex fragmenta stelae marm. inter se coniuncta, Agora inv. I 5709, ed. E. Schweigert, *Hesperia* IX 1940, 348/51 n. 45, c. im. ph. p. 349. Post quem eundem tit. tractaverunt Ad. Wilhelm, *Rh. Mus.* XC 1941, 22/3; G. De Sanctis, *Riv. di Fil.* NS XIX 1941, 194/7; L. Robert, *Hellenica* II 1946, 15/33; W. S. Ferguson, *Hesperia* XVII 1948, 127/8 adn. 40; Ida Calabi, *Athenaeum* NS XXVIII 1950, 55/66. Nunc denuo examinavit G. Daux, Ἀρχ. Ἐφ. 1953/4 (εἰς μνήμην Γ. Π. Οἰκονόμου I) 245/54, qui argumenta priorum emendationesque propositas recenset et vss. 3/17 cum suis supplementis exhibet. Textum qualis post tot labores se praebet totum addidimus.

Στοιχ. 35.

.....[15]..... ΛΕ.....[18].....
[... καὶ συμπρόεδ]ροι (?) .....[18].....
[.....[14]..... ε]ἶ[πεν· ἐπειδὴ Ἀδείμαντος]
[διατετέλεκεν ἐ]ν τοῖ[ς .....[10]..... χρόνοις]
[λέγων κα]ὶ [πρ]άττων ἀγαθὸν [ὅ, τι ἠδύνατο περὶ]
[τὸν δῆμ]ον τὸν Ἀθηναίων καὶ [νῦν κατασταθεὶ]-
[ς ὑπὸ το]ῦ βασιλέως Δημητρί[ου πρόεδρος ἐν τ]-
[ῶι κο]ινῶι συνεδρίωι διατε[λεῖ πράττων τὰ σ]-
[υμφέ]ροντα τοῖς τε βασιλεῦ[σιν καὶ τῶι δήμω]-
[ι τῶι] Ἀθηναίων καὶ το[ῖ]ς ἄλλ[οις συμμάχοις κ]-
[αὶ παρ]εκάλεσεν τοὺς Ἕλλην[ας ἅπαντας ἐλθε]-
[ῖν εἰ]ς τὸ κοινὸν συνέ[δ]ριον [τὸ ἐν Ἰσθμῶι μετ']
[Ἀθην]αίων καὶ τῶν ἄλλ[ω]ν συμ[μάχων, προεδρεύ]-
[ων δὲ] προέθηκεν περὶ τούτω[ν .....[12].....]
[. ἔδ]οξεν τοῖς συνέδρ[ο]ις, ἐά[ν τις συμμάχωι ἐ]-
[πίηι], βοηθεῖν ἅπαντα[ς] τοὺς [συμμάχους ἔχον]-
[τας] ὅπλα· ἀγαθεῖ τύχει [δ]εδό[χθαι τῆι βουλῆι]
[τοὺ]ς προέδρους οἳ ἂν λ[άχ]ωσ[ιν προεδρεύειν]
[εἰς τ]ὴν πρώτην ἐκκλησίαν [χρηματίσαι περὶ]
[τούτ]ων, γνώμην δὲ ξυμβάλλ[εσθαι τῆς βουλῆς]
[εἰς τὸ]ν δῆμον ὅτι δοκεῖ τῆ[ι βουλῆι ἐπαινέσ]-
[αι Ἀδείμ]αντον Ἀνδροσθέν[ους Λαμψακηνὸν π]-
[ροθυμίας] ἕνεκεν καὶ εὐνο[ίας τῆς περὶ τὸν δ]-
[ῆμον τὸν Ἀ]θηναίων καὶ [τ]ο[ὺς συμμάχους καὶ ἅ]-
[παντας τού]ς Ἕλληνας, κ[αὶ στεφανῶσαι αὐτὸν]
[χρυσῶι στεφά]νωι κατὰ [τὸν νόμον· ἀναγράψαι]
[δὲ τόδε τὸ ψήφι]σμα τὸν [γραμματέα τὸν κατὰ π]-
[ρυτανέαν ἐν στ]ήληι λιθ[ίνηι καὶ στῆσαι ἐν ἀ]-
[κροπόλει, εἰς δὲ] τὴν ἀν[αγραφὴν τῆς στήλης δ]-
[οῦναι τὸν ταμία]ν τῶν στ[ρατιωτικῶν .... δρ]-
[αχμὰς ἐκ τῶν εἰς τά] κα[τὰ ψηφίσματα ἀναλισκ]-
[ομένων τῶι δήμωι ----------]

4. [ἐ]ν τοῖς ἔ[μπροσσθεν χρόνοις] Schweigert; [ἐ]ν τοῖ[ς] το[ῦ ....[7]... χρόνοις] haesitanter Daux. || 5. [δύναται] Schweigert; correxerunt Wilhelm, De Sanctis. || 10. [συνέδροις] Schweigert, [συμμ.] Wilhelm, Ferguson. || 11/2. [συναγείρεσθαι(?)] Schweigert, [παραγίγνεσθαι] Wilhelm, [ἅπαντας ἐλθεῖν] Ferguson. || 12. [ἐν Ἰσθμίοις] Robert. || 14/5. [ἐφ' οἷς καὶ πᾶσιν ἔδο]ξεν Wilhelm, περὶ τοῦ τῶ[ν -----] De Sanctis, περὶ τούτω[ν τὸ ψήφισμα ὃ καὶ ἔδο]ξεν Ferguson. || 15/6. ἐά[ν τις ἴηι ἐπὶ πολέμωι] Schweigert, [τις συμμάχωι ἐπίηι] Ferguson, [τις ἴηι ἐπ' Ἐλάτειαν] vel sim. De Sanctis. || 24. [συνέδρους] Schweigert, [συμμάχους] Calabi.



**59. Fragmentum honorum Philistidae, s. IV/IIIª.** — Fragmentum stelae marm. albi, undique nisi a tergo mutilum, Agora inv. I 4606, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 233 n. 1, c. im. ph. pl. 49. In corona inscr., per quam hasta transfixa est.

ἡ βουλὴ
Φιλιστίδην.

**60. Honores prytanum, in. s. III[a].** — Fragmentum marm., undique mutilum, Agora inv. I 3984, ed. id., *loc. cit.*, 236 n. 6, c. im. ph. pl. 49.

---------- ὑπηρέ[της]
*vacat*
ἡ βο[υλὴ]
οἱ φυλ[έται]
Ἡγέσ[τρατον]
5 Ἀμε -------
----------

**61. Honores epheborum, c. med. s. III[a].** — Fragmentum stelae marm., undique laesum et mutilum, Agora inv. I 3605, ed. id., *loc. cit.*, 234/5 n. 3, c. im. ph. pl. 49. Textus simillimus IG² II² 700 (de quo vid. *Hesperia* VII 1938, 110/4).

Στοιχ. 45.

....[8]....ι ----------
[...[7].... τ]οῖς ν[όμοις ν̲ ἐπαινέσαι δὲ καὶ τὸν παιδοτρίβη]-
[ν Ἑρμόδωρ]ον Ἑορ[τίου Ἀχαρνέα ν̲ καὶ τὸν ἀκοντιστὴν Λυσι]-
[κλῆν Ἀντι]πάτρου Σ[υπαλήττιον ν̲ καὶ τὸν ὁπλομάχον ....]
5 [...[5].. Νικ]άνδρου Ἀ[γκυλῆθεν ----------]
[...[6]... κα]λῶς καὶ [φιλοτίμως ----------]
....[8].... υπο ----------
....[8].... ρυ ----------

**62. Decretum eiusdem generis, s. III[a].** — Fragmentum stelae marm., a dextra integrum, ed. id., *loc. cit.*, 235/6 n. 5, c. im. ph. pl. 49. Nomina in decretis ephebicis huius aetatis in duabus columnis sub textu decreti sunt tabulata; habemus tantum columnae secundae reliquias. Agora inv. I 3658.

[Οἰνηΐδος]
----------ιος
[----- Ἀχαρ]νεύς
----------εύς
5 [----- Ἀχα]ρνεύς
[Κεκροπίδος] *vac.*
[----------ε]ύς
[----------] *vac.*
[Ἱπποθωντίδος] *vac.*
10 [------- Ἀμαξ]αντεύς
[----------] *vac.*



**63. Honores prytanum, c.a. 275[a].** — Fragmentum stelae marm., a dextra et fortasse a tergo incolume, Agora inv. I 3855, ed. id., *loc. cit.*, 233/4 n. 2, c. im. ph. pl. 49. Cum hoc titulo IG II² 674 conferas.

*paene*-Στοιχ. *c.* 57.

----------
---------- της .....[12].....
[---------- τῆς πρυτανε]ίας ·
ἐκκλη[σία κυρία · ν̲]
[τῶν προέδρων ἐπεψήφιζεν .....[c. 18]..... Φα]ληρεὺς καὶ
[σ]υ[μπρό ν̲]-
5 [εδροι · ἔδοξεν τῶι δήμωι · .....[c. 19]..... Θυ]μαιτάδης
[εἶπεν · ὑπὲρ]
[ὧν ἀπαγγέλλουσιν οἱ πρυτάνεις τῆς ...[c. 7]... ἱδ]ος ὑπὲρ τῶν
ἱερ[ῶν ὧν]
[ἔθυον τῶι Ἀπόλλωνι τῶι Προστατηρίωι καὶ παρ' αὐτῶ]ν ὧν
ἔθυσαν ὑπὲρ τ[ῆς ν̲]
[βουλῆς καὶ τοῦ δήμου · τύχει ἀγαθεῖ δεδόχθαι τῶι] δήμωι · τὰ
μὲν ἀγαθ[ὰ δέ]-
[χεσθαι τὰ γεγονότα ἐν τοῖς ἱεροῖς οἷς ἔθυον ἐφ' ὑγιε]ίαι καὶ
σωτηρία[ι ν̲ ν̲]
10 [τῆς βουλῆς καὶ τοῦ δήμου τοῦ Ἀθηναίων καὶ τῶν ἄλλων] ὅσοι
εὔνους εἰ[σὶ ν̲]
[τῶι δήμωι · ἐπειδὴ δὲ οἱ πρυτάνεις τῆς ...[c. 7]... ἱδος ἔθυσαν τὰς]
τε θυσί[ας ν̲ ν̲]
[τὰς καθηκούσας ----------]

**64. Taxiarchi honorantur, a. 271/0[a].** — Stelam marm. infra fractam, Agora inv. I 6664, ed. W. B. Dinsmoor, *Hesperia* XXIII 1954, 287/96 n. 182, c. im. ph. pl. 63. Cum hic titulus (et n. 65 infra) tabulam archontum Atheniensium a sapientissimis plerisque antehac redactam nonnihil attingant, novam tabulam cum uberrimo ad eam rem argumento profert Dinsmoor, et ordinem annorum secundum rationem Metonis et modum quo scribae senatus pro ordine tribuum officiis suis fungerentur etiam tractat 284/316.

*non*-Στοιχ.

[Θ] ε ο ί.
Ἐπὶ Πυθαράτου ἄρχοντος, ἐπὶ τῆς Ἀντιγονί-
δος δευτέρας πρυτανείας, ἧι Ἰσήγορος Ἰσοκρά-
του Κεφαλῆθεν ἐγραμμάτευεν · Μεταγειτνιῶ-
5 νος ἐνάτει ἱσταμένου, ἑβδόμει τῆς πρυτανεί-
ας · ἐκκλησία κυρία · τῶν προέδρων ἐπεψήφιζεν Αἰ-
[σ]χίνης Νικομάχου Ἀναφλύστιος καὶ συμπρόε-

[δρ]οι· ἔδοξεν τεῖ βουλεῖ καὶ τῶι δήμωι· Εὔβουλος
[Λυσ]ιδήμου Μελιτεὺς εἶπεν· ἐπειδὴ οἱ ταξίαρχοι
[οἱ ἐ]πὶ Λυσιθείδου ἄρχοντος τάς τε θυσίας ὅσας
[ἔδε]ι αὐτοὺς θῦσαι μετὰ τῶν στρατηγῶν τεθύκασιν
ἁπάσας ἐκ τῶν ἰδίων ὑπὲρ τῆς βουλῆς καὶ τοῦ δή-
μου, ἐπεμελήθησαν δὲ καὶ τῆς φυλῆς τῆς ἑαυτοῦ
ἕκαστος ὅπως ἂν ὡς βέλτιστα τοῖς ὅπλοις κατε-
σκευασμένοι εἶς τε τὰς φυλακὰς καὶ τὰς ἐφε-
δρείας καὶ τοὺς ἐξετασμοὺς πορεύωνται, διε-
τέλεσαν δὲ καὶ ἐν τοῖς ἄλλοις ἅπασιν πειθαρ-
χοῦντες τοῖς στρατηγοῖς ἀκολούθως τοῖς νό-
μοις, ὅπως ἂν οὖν καὶ ἡ βουλὴ καὶ ὁ δῆμος φαίνη-
ται τιμῶν τοὺς χρείας αὐτῶι παρεχομένους,
τύχει ἀγαθεῖ δεδόχθαι τεῖ βουλεῖ τοὺς προέ-
δρους οἵτινες ἂν λάχωσι προεδρεύειν ἐν τῶι
δήμωι εἰς τὴν ἐπιοῦσαν ἐκκλησίαν χρηματί-
σαι περὶ τούτων, γνώμην δὲ ξυμβάλλεσθαι
[τ]ῆς βουλῆς εἰς τὸν δῆμον ὅτι δοκεῖ τεῖ βουλεῖ
[ἐ]παινέσαι τοὺς ταξιάρχους τοὺς ἐπὶ Λυσιθεί-
[δ]ου ἄρχοντος καὶ στεφανῶσαι ἕκαστον αὐ-
τῶν χρυσῶι στεφάνωι κατὰ τὸν νόμον ἀρετῆς
ἕνεκα καὶ φιλοτιμίας τῆς εἰς τὴν βουλὴν καὶ
τὸν δῆμον τὸν Ἀθηναίων· εἶναι δὲ αὐτοῖς καὶ προ-
⟨ε⟩δρίαν ἐμ πᾶσι τοῖς ἀγῶσιν οἷς ἡ πόλις τίθησιν·
ἀναγράψαι δὲ τόδε τὸ ψήφισμα τὸν γραμ-
ματέα τὸν κατὰ πρυτανείαν ἐν στήλει λιθίνει
καὶ τὰ ὀνόματα τῶν ταξιάρχων, καὶ στῆσαι ἔμ-
προσθεν τοῦ στρατηγίου· εἰς δὲ τὴν ἀναγρα-
φὴν μερίσαι τοὺς ἐπὶ τεῖ διοικήσει: Δ: δραχμάς.

[[Ἀντιγονίδος]]
Λυσικράτης Ναυσιφάνου Κυθήρριο(ς)
Ἐρεχθεῖδος
[Φ]ιλίσκος Μοσχίωνος Θημακεύς
Πανδιονίδος
Δημόστρατος Ἀριστοφάνου Παιανιεύ(ς)
Λεωντίδος
[Φι]λόθεος Διοδότου Σουνιεύς
. Ἀκαμαντίδος
..c. 6.. Χαρισάνδρου Κικυννεύς



[Ο]ἰνεῖδος
..c. 8.. ος Κόνωνος Ὀῆθεν
[Κεκροπ]ίδος
[....c. 11.... κ]λέους Φλυεύς
[Ἱπποθωντί]δος
.....c. 15..... του Ἐλευσίνιος
[Αἰαντίδος]
[.....c. 18..... Ἀ]φιδναῖος
[Ἀντιοχίδος]
[.....c. 20..... Ἀλ]ωπεκ(ῆθεν).
*vacat*

30/1. lap. ΠΡΟ|ΗΔΡΙΑΝ.
37. Sine dubio ann. 201/0 erasum.

**65. Curatores rei frumentariae honorantur, a. 271/0.** — Stelam marm. cum aetomate infra fractam, cuius pars media valde detrita est, Agora inv. I 6096, ed. id., *ib.*, 296/316 n. 183, c. imm. ph. pl. 63/4. Ad vss. 32/50 confert IG II² 792, e quo supplementa sunt haurienda.

Στοιχ. 34-38.

Ἐπὶ Πυθαράτου ἄρχοντος, ἐπὶ τῆς Λεωντίδο[ς]
[ἐ]νάτης πρυτανείας, ἧι Ἰσήγορος Ἰσοκράτο[υ]
[Κ]εφαλῆθεν ἐγραμμάτευεν· Ἐλαφηβολιῶνο[ς]
[ἐ]νάτει ἰσταμένου τετάρτει ἐμβολίμωι, ἐβδ[όη]-
[μ]ει καὶ εἰκ[οστ]εῖ τῆς πρυτ[α]νείας· ἐκκλησί[α]·
[τῶν] προέ[δ]ρω[ν ἐ]πεψήφιζεν Πειθίας Θεοφίλο[υ]
[Ἀ]θ[μο]ν[εὺς καὶ συμπρ]ό[εδρ]οι· ἔδοξεν τεῖ βο[υ]-
[λ]ε[ῖ κ]α[ὶ τῶι δήμωι· Εὔβουλος Λ]υ[σ]ιδήμου Με[λι]-
τε[ὺς εἶπεν· ν ἐπειδὴ οἱ πρότεροι] σιτῶναι ο[ἱ]
[ἐ]πὶ Λ[υσιθείδου ἄρχοντος φιλοτιμ]ούμενο[ι]
. ρηστονο[.....13..... τὸν ἐνι]α[υ]τὸν τὸν
[μ]ετ[ὰ Λυσιθείδην ἄρχοντα ----------]οι
. ο---------- καὶ [τὰ]
[σ]υμφ[έρ]ο[ντα τῶι δήμωι τῶι Ἀθηναίων ...]λο .
. ιω----------τ....
. η----------
. ατ----------
. . οι----------η .
. γ . ε . ιαδιοτελ . να----------δ .
. αγ . . . . ιοτ----------ξ .
. . ι----------ι . .

. . . . . γκοπο - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
. άντων ἐπὶ του - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - ησυ .
βουλῆς κατουσεδ - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
. ιντω - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
. . . . υ . ις - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - ο .
. . .[6]. . τ - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
. . .[5]. . λσ - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
. . .[5]. . η - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - θ . . . .
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
[. . . . .[9]. . . . ἀγαθεῖ τύχει δεδόχθαι τ]ῆι [βουλῆι]
[τοὺς προέδρο]υ[ς οἳ ἂν λάχωσιν προεδ]ρεύε[ιν]
ἐ[ν τῶι δήμωι εἰς τὴν ἐπιοῦσαν ἐκκλησίαν χρη]-
[μα]τ[ίσαι περὶ αὐτῶν, γνώμην δὲ ξυμβάλλεσθαι]
τῆς βουλ[ῆς εἰς τὸν δῆμον ὅτι δοκεῖ τ]ε[ῖ β]ουλ[εῖ]
ἐπαινέσαι μὲν τοὺ[ς σιτώνας] τ[οὺς σι]των[ήσαν]-
[τ]⟨α⟩ς ἐπὶ Λυσιθείδου [ἄρχο]ν[τος καὶ στε]φανῶ-
σαι αὐτῶν ἕκαστ⟨ο⟩ν χρυσῶι στεφάνωι κατὰ τὸν
[νόμ]ον φιλοτιμίας ἕνεκα τῆς πρὸς τὸν δῆμον·
[ε]ἶναι δὲ αὐτοῖς καὶ προεδρίαν ἐν πᾶσι τοῖς ἀγ[ῶ]-
σιν οἷς ἡ πόλις τίθησιν, καὶ [τ]ὸ[ν] ἀρχιτέκτον[α]
[τ]ὸν ἀεὶ καθιστάμενον κατανέ[μ]ειν αὐτοῖς τὴ[ν]
[θέα]ν· ἐπαινέσαι δὲ καὶ τὸν [γ]ραμματέα ⟨α⟩ὐτ[ῶ]ν κ[αὶ]
[στεφ]ανῶσαι θαλλοῦ στεφ[ά]νωι· ἀναγράψα[ι] δὲ [τὸ]-
[δε τὸ] ψήφισμα καὶ τὰ ὀνόμ[α]τα τῶν σιτωνῶ[ν καὶ]
[τοῦ γραμ]ματέως αὐτῶν ἐν στήληι λιθίνη[ι τὸν]
[γραμματέ]α τὸν κατὰ πρυτανείαν, καὶ στῆσ[αι ἐν]
[τῆι ἀγορᾶι· τὸ] δὲ ἀνάλωμα τὸ γενόμενον ε[ἰς τὴν]
[ποίησιν τῆς στή]λης καὶ τὴν ἀν[αγρ]α[φὴν] μερί[σαι]
[τὸν ταμίαν. *vacat*] *vacat*
. . . . . [17]. . . . . τρά[τ]ου Γα[ρ]γήττ[ιο]ς
[. . . . . [18]. . . . . Ξυ]πεταιὼ[ν]
[. . . . . [16]. . . . . Εὐωνυ]μεύς
. . . . . [23]. . . . . ΟΓ - - - -
[. . . . . [22]. . . . . Πα]ιαν[ιεύς]
[. . . . . [24]. . . . . Σ]ουν[ιεύς]
[. . . . . [22]. . . . . Κεφα]λ[ῆ]θ[εν]
(Oeneis) - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
(Cecropis) - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
(Hippothontis) - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -



(Aiantis) - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
(Antiochis) - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
[γραμματεύς - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -]

10. φιλοτιμ]ούμενο[ι] proposuerunt A. E. Raubitschek et G. A. Stamires. || 38 init. lap. ΟΥΣ. || 39. lap. ΕΚΑΣΤΩΝ. || 44. lap. ΡΑΜΜΑΤΕΑΥΤ. || 55. [Ἀγκυλῆ]θε[ν], [Βατῆ]θε[ν] et alia tribus Aegeidis demotica sunt adhibenda.

**66. Honores prytanum, c. med. s. III[a].** — Fragm. marm., undique mutilum, Agora inv. I 4038, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 235 n. 4, c. im. ph. pl. 49.

*lacuna*
Ἀμφιτ[ροπῆθεν]
Ἡγ[ή]μων Ἡγησίο[υ]
Πυθάνγελος Π - - - - - -
[Ἀρκ]εσίλας Εὐβ - - - - - -
*lacuna*

**67. Honoratur quidam pro meritis in portu Piraeo intercludendo, paullo post a. 266/5[a].** — Fragmentum marm., quod nunc prope Turrim Ventorum exstat sed fortasse ab Agora eo transvectum est, ed. A. N. Oikonomides, Νέον Ἀθήναιον I 1955, 9/14 c. im. ph., qui de bello Chremonideo agi putat.

[Ἡ βουλὴ], ὁ δῆμος (*in corona*)
. . [5]. . ἐπιδόντα
[εἰς τὰς προ]σχώσεις
[τῶν λ]ιμένων.

**68. Honores prytanum, a. 214/3[a].** — Partem superiorem decreti in honorem prytanum, undique nisi infra integram, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 236/9 n. 7, c. im. ph. pl. 50. Stela marm., Agora inv. I 6625.

*non*-Στοιχ. *c.* 48.
Ἐπὶ Εὐφιλ]ήτου ἄρχοντος ἐπὶ τῆς [[Ἀν[τιγονίδος]]
δευτέρας πρυ]-
[τανεί]ας ἧι Ἀρίστων Θεοδώρου Ῥαμν[ούσιος ἐγραμμάτευεν]·
[ψη]φίσματα δήμου· Μεταγειτνιῶνος ἕκ[τει ἐπὶ δέκα δευτέ]-
ραι ἐνβολίμωι, μιᾶι καὶ εἰκοστεῖ τῆς πρυτα[νείας· ἐκκλησία]
ἐν τῶι θεάτρωι· τῶν προέδρων ἐπεψήφιζεν Παρμ . . [10] . .
μηνίου Λαμπτρεὺς καὶ συνπρόεδροι· Σωστρατῖν[ος . . [6] . .]
νου Μελιτεὺς εἶπεν· ὑπὲρ ὧν ἀπαγγέλλουσιν οἱ πρυ[τάνεις]
[[τῆς Ἀντιγονίδος]] ὑπὲρ τῶν θυσιῶν ὧν ἔθυον τὰ πρὸ
τ[ῶν ἐκκλη]-

σιῶν τῶι τε Ἀπόλλωνι τῶι Προστατηρίωι καὶ τεῖ Ἀρτέμιδι τε[ῖ]
Βουλαίαι καὶ τοῖς ἄλλοις θεοῖς οἷς πάτριον ἦν, ἀγαθεῖ τύχει δ[ε]-
δόχθαι τῶι δήμωι· τὰ μὲν ἀγαθὰ δέχεσθαι τὰ γεγονότα ἐν τοῖς ἱε ν-
ροῖς οἷς ἔθυον ἐφ' ὑγιείαι καὶ σωτηρίαι τῆς βουλῆς καὶ τοῦ δήμου,
ἐπειδὴ δὲ οἱ πρυτάνεις τάς τε θυσίας ἔθυσαν ἁπάσας ὅσαι καθῆ-
κον ἐν τῆι πρυτανείαι καλῶς καὶ φιλοτίμως, ἐπιμεμέληνται δὲ καὶ ν
τῆς συλλογῆς τῆς τε βουλῆς καὶ τοῦ δήμου καὶ τῶν ἄλλων πάντων
ὧν αὐτοῖς προσέταττον οἵ τε νόμοι καὶ τὰ ψηφίσματα τοῦ δήμου,
ἐπαινέσαι τοὺς πρυτάνεις [[[τῆς Ἀντιγονίδος]]] καὶ στεφανῶσαι ν
χρυσῶι στεφάνωι κατὰ τὸν νόμον εὐσεβείας ἕνεκα τῆς πρὸς ν ν
τοὺς θεοὺς καὶ φιλοτιμίας τῆς εἰς τὴν βουλὴν καὶ τὸν δῆμον
τὸν Ἀθηναίων· ἀναγράψαι δὲ τόδε τὸ ψήφισμα τὸν
γραμματέα τὸ[ν]
κατὰ πρυτανείαν ἐς στήληι λιθίνηι καὶ στῆσαι ἐν τῶι πρυτα-
νικῶι· εἰς δὲ τὴν ἀναγραφὴν τῆς στήλης καὶ τὴν ἀνάθεσιν μερί-
σαι τοὺς ἐπὶ τεῖ διοικήσει τὸ γενόμενον ἀνάλωμα. *vacat*

ἡ βουλὴ — ἡ βουλὴ — ἡ βουλὴ
Ξενόφιλον — ὁ δῆμος — τὸν γραμματέα
*vacat* — τοὺς πρυ- — Ἀγνόθε[ον]
Παιανιέα — [τά]νεις — ---------

5/6. An [Νου]μηνίου? Cf. IG II² 1039 vs. 78.

**69. Fragmentum decreti honorarii, a. 184/3ª.** — Frustulum marm., undique mutilum, Agora inv. I 4003, ed. id., *loc. cit.*, 239 n. 8, c. im. ph. pl. 50. Eupolemus archon a. 185/4ª fuit, unde decretum de honoribus magistratuum eius anni anno sequenti videtur tribuendum.

---------- ἰδης ----------
[-------- ἐ]πὶ Εὐπο[λέμου ἄρχοντος ---------]
---------- ν Ἀζη[νιε ----------]
[---------- Ἀ]χαρν[ε ----------]
----------

**70. Fragmentum honorum prytanum, c.a. 178/7ª (?)** — Fragm. marm., undique mutilum, Agora inv. I 2943, ed. id., *loc. cit.*, 239/40 n. 9, c. im. ph. pl. 50. Heraclius et Simulus alio in catalogo prytanum (*Hesperia* Suppl. I, 64) a. 178/7ª tribuendo apparent. Unde fortasse demoticum idem hic est supplendum.

[Ἀμαξαντεῖς]
*lacuna ?*
Ξένων
Ἡράκλειος
Σιμύλος
[Δ]ιόγειτος
. . .⁶. . . δωρος
----------



**71. Honores magistratuum, s. IIª.** — Fragmentum stelae marm., cuius latus sinistrum paene integrum, sed alibi valde mutilum, Agora inv. I 4018, ed. id., *loc. cit.*, 240/1 n. 11, c. im. ph. pl. 50.

*non*-Στοιχ. *c.* 55.

----------
[Δι]ονυσ----------
. . δην Σα[---------- Λευ]-
[κο]νοέα κα[ὶ ----------]
. ν Ἀγρυλ[ῆθεν· ἀναγράψαι δὲ τόδε τὸ ψήφισμα τὸν
γραμματέα τὸν κα]-
[τ]ὰ πρυτα[νείαν εἰς στήλην λιθίνην καὶ στῆσαι ἐν ἀγορᾶι
οὗ ἂν εὔκαι]-
[ρ]ον ἦι· τὸ δὲ [γενόμενον ἀνάλωμα μερίσαι τὸν ταμίαν τῶν
στρατιωτικῶν εἰς]
τὴν ἀναγραφὴν [τῆς στήλης].
[ἡ βουλὴ]
[ὁ δῆμος]
-----

**72. Honores prytanum, s. IIª.** — Fragmentum marm., undique mutilum, Agora inv. I 3989, ed. id., *loc. cit.*, 241 n. 12, c. im. ph. pl. 50. Supplementa secundum IG II² 920.

*non*-Στοιχ. *c.* 50.

[------- ἀναγράψαι δὲ τόδε τὸ ψήφισμα τὸν γραμματέα τὸν
κατὰ πρυ]-
[τανείαν] ἐν στ[ήλει λιθίνει καὶ στῆσαι ἐν τῶι πρυτανικῶι·
εἰς δὲ τὴν]
[ἀναγρα]φὴν καὶ [τὴν ἀνάθεσιν τῆς στήλης μερίσαι τὸν ταμίαν]
[τῶν στ]ρατιω{τιω}τ[ικῶν τὸ γενόμενον ἀνάλωμα. *vacat*]
----- σιοι — Π------
------- τος — Ἰε-----
-------ς — Φ------

5 sqq. In decretis huius modi huiusque aetatis nomina in quattuor columnis erant disposita. Habemus tantum columnarum primae et secundae reliquias.

**73. Proxenia Alexandrini cuiusdam, post med. s. II[a].** — Fragmentum stelae marm. albi, undique mutilum, Agora inv. I 3804a, ed. id., *loc. cit.* (n. 68), 241/2 n. 13, c. im. ph. pl. 51.

*non*-Στοιχ. *c.* 45.

*lacuna*

[ἐπαινέσαι ----------ου]ς Ἀλεξανδ[ρέα καὶ στε]-
[φανῶσαι θαλλοῦ στεφάνωι εὐνοί]ας ἕνεκα καὶ [φιλοτιμίας]
[τῆς εἰς τὴν βουλὴν καὶ τὸν δῆμο]ν τὸν Ἀθηναίω[ν · δεδόσθαι]
[δὲ αὐτῶι καὶ πολιτείαν δοκιμασθ]έντι ἐν τῶι δικα[στηρίωι]
[κατὰ τὸν νόμον · ἵνα δὲ καὶ ὑπόμνημα] ὑπάρχηι τ[ῆς ------]
----------

*lacuna*

**74. Duorum Pergamenorum honores, a. 166/5[a].** — IG II² 947, vs. 1. [Ἀπολλωνίδην Θ]εοφί[λ]ου Πε[ργαμηνόν] supplet G. A. Stamires ap. B. D. Meritt, *loc. cit.*, 253 adn. 11. De anno huius tituli vid. W. K. Pritchett et B. D. Meritt, *The Chronology of Hellenistic Athens*, 1940, xxix et 127.

**75. Fragmentum decreti, a. 166/5[a].** — Quattuor fragmenta stelae marm. c. actomate, quorum unum edd. W. K. Pritchett et B. D. Meritt, *The Chronology of Hellenistic Athens*, 1940, 127/8 c. im. ph. Tria fragmenta postea inventa cum hoc coniunxit Meritt, qui titulum denuo edidit, *Hesperia* XXIII 1954, 240 n. 10, c. im. ph. pl. 51. Agora inv. I 4241.

*c.* 49.

Ἐπὶ Ἀχαιοῦ ἄρχοντος, ἐπὶ τῆ[ς .....c. 14..... πρυτανείας ἧι]
Ἡρακλέων Ναννάκου Εὐπυ[ρίδης ἐγραμμάτευεν · ...c. 8... ὧνος]
τετρ[άδι ἐπὶ] δέκα, τετά[ρτει καὶ δεκάτει τῆς πρυτανείας · ἐκκλη]-
σία κ[υρία ἐν τῶι] θεάτ[ρωι · τῶν προέδρων ἐπεψήφιζεν ...c. 8... ]
Νικ----------

**76. Fragmentum decreti, s. II/I[a].** — Fragmentum stelae marm., a sinistra incolume, Agora inv. I 3668, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 242 n. 14, c. im. ph. pl. 50.

*non*-Στοιχ. *c.* 42.

Λ////----------
ματι ἐν[---------- ἀνα]-
γράψαι [δὲ τὸ ψήφισμα τόδε τὸν γραμματέα τὸν κατὰ πρυτα]-
νείαν ἑ[ν στήληι λιθίνηι καὶ στῆσαι ἐν ἀκροπόλει · τὸ]
δὲ γε[νόμενον ἀνάλωμα μερίσαι τὸν ταμίαν τῶν στρα]-
τιωτ[ικῶν. *vacat* ]
*vacat*



**77. Honores epheborum, etc.** — IG II² 900, 1006, 1008, 1009, 1011, 1028 (praecipue), 1039, 1043 adducit, inter alia testimonia epigraphica de institutione puerili atque iuvenili apud Graecos, M. P. Nilsson, *Die Hellenistische Schule*, 1955, 25/8.

**78. De templis, praediis sacris, aedificiis, monumentis restituendis, s. I[a].** — IG II² 1035 adducit U. Kahrstedt, *Das wirtschaftliche Gesicht Griechenlands*, 1954, 60 adn. 6, et in vs. 19 pro διὰ τὴν ἀ[πόδοσιν] legit διὰ τὴν ἀ[ναρχίαν].

**79. Honores C. Iuli Nicanoris, aet. Aug.** — IG II² 1069 cum 1119 (?) aliisque fragmentis, plerisque in Agora repertis necdum communicatis, coniunxit A. E. Raubitschek, et tractavit *Hesperia* XXIII 1954, 318/9 n. 4. IG II² 1069 nunc ut videtur deperditus.

**80. Lex de certa olei portione reipublicae vendenda, c. a. 124[p].** — IG II² 1100 adducit U. Kahrstedt, *Das wirtschaftliche Gesicht Griechenlands*, 1954, 46 sqq. De hoc titulo vid. praecipue B. D. Meritt, *Hesperia* Suppl. VIII 1949, 221/5.

**81. Fragmentum decreti demi cuiusdam, a. 264/3[a].** — Fragmentum stelae marm., a sinistra integrum, Agora inv. I 2455, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 242/3 n. 15, c. im. ph. pl. 51. Vss. 4/5 secundum IG II² 1206 vss. 18/9 supplentur.

*non*-Στοιχ. *c.* 50.

----------
ΓΩΝΕ----------
λους ----------
κασιν ε[---------- εἰς δὲ τὴν ἀναγραφὴν τῆς]
στήλης μερ[ίσαι τὸν δήμαρχον · ΔΔ · δραχμὰς καὶ λογίσασθαι τ]-
οῖς δημόταις.

*In corona* [*In corona*]
οἱ δημ[όται]
ἐπὶ Διογ⟨ν⟩ήτ[ου]

7. lap. ΔΙΟΓΗΤ.

**82. Decreta orgeonum Amyni, Aesculapii, Dexionis, s. IV[a] p. post.** — IG II² 1252 et 1253 adduxit O. Walter, Γέρας Ἀντωνίου Κεραμοπούλλου, 1953, 469/79 (et praecip. 473 sqq.), qui negat ex his titulis fanum Sophoclis-Dexionis idem atque Amyneium fuisse in proclivibus arcis occidentalibus demonstrari posse. Nam fanum Dexionis ibi sub muro meridionali arcis fuisse putat ubi vivens poeta ut Ἄλωνος ἱερεύς (*Vita Soph.* 11) officio functus erat et postea templum Aesculapii est locatum.

**83. Traditiones Quaestorum Minervae, c. med. s. IV[a].** — IG II² 1424/38 adducit D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 45/7.

**84. Traditio Quaestorum Minervae, a. 343/2[a].** — IG II² 1443. Vs. 6 Νικάνδρω[ι Εὐν]ίκου Λαμ[πτρεῖ] proponit G. A. Stamires apud B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 264 n. 71. Cf. n. 163 infra. De eodem titulo vid. n. 85 infra.

**85.** De litteris ad dedicationes numerandas atque ordinandas a quaestoribus thesaurorum adhibitis tract. M. N. Tod, *BSA* XLIX 1954, 2/5, ubi praecipue IG II² 1421, 1425, 1443, 1469, 1476, 1485, 1496, et fragmenta traditionum IG II² 1695 et *Hesperia* XIII 1944, 254/7 n. 11 adducit. Cf. n. 501 infra.

**86. Tabula Amphictyonum Deliacorum, a. 332/1[a].** — IG II² 1653. Vss. 7/8 de novo supplet J. Coupry, *BCH* LXXVIII 1954, 288 adn. 1, qui leg.

στλεγ[γίδες] ἐπίτηκτ[ο]-
[ι ἐν ξύλωι : HIII : καὶ στέφανος χρυσοῦς] ὃν Νι[κ]ί[α]ς
[Νι]κ[ηρ]άτου [Ἀ]-
[θηναῖος ἀνέθηκε κτλ.]

**87. Catalogus archontum, ex. s. III[a].** — IG II² 1706. Novum fragmentum, undique mutilum, Agora inv. I 4076, quod supra frag. D locandum est, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 244 n. 17, c. im. ph. pl. 51. Unde vss. 79/90 totius tituli (de quo vid. Sterling Dow, *Hesperia* II 1933, 418/46, c. im. ph. pl. XII/XIV) melius suppleri possunt. De eodem tit. cf. Dow, *Hesperia* III 1934, 189/90, W. B. Dinsmoor, *AJP* LXI 1940, 460/8, W. K. Pritchett, *ibid.* LXIII 1942, 413/32, J. A. Notopoulos, *ibid.* LXV 1944, 153.

| | | | |
|---|---|---|---|
| | .....[c. 14].....λε | | |
| 80 | .....[c. 13].....ος | | |
| | [ἄρχ Θρασυφῶν Εὐ]ωνυ | (a. 221/0[a]) | Erechtheis III |
| | [βασ....[9].....] Σημα | | Antiochis XIII |
| | [πολ....[8]....Π]αιαν | | Pandionis V |
| | [θεσμοθέται] *vac.* | | |
| 85 | [....[8].... Λαμ]πτρε | | Antigonis I |
| | .....[11].....ν ἐκ Κο | | Demetrias II |
| | [Καλ]λικ[ρ]άτης Ἀλαιε | | Aigeis IV |
| | [Ἡρ]ακλείδης Πτελεά | | Oineis IX |
| | Αἰνέας Ἀμαξαντεύ | | Hippothontis XI |
| 90 | Εὔμηλος Οἰναῖος | | Aiantis XII |
| | κτλ. | | |



**88. Catalogus prytanum, a. 229/8 vel 228/7[a].** — S. Dow, *Prytaneis* (*Hesperia*, Suppl. I 1937), n. 28. Vss. 44 et 46 tract. W. K. Pritchett, *AJA* LIX 1955, 60, qui ex ectypo lectiones quas exhibuerat Dow contra Peek (*Ath. Mitt.* LXVII 1942, 162 n. 335) et Raubitschek (*Hesperia* Index ad vol. I-X) defendit.

**89. Catalogus prytanum, a. 165/4-150[a].** — W. K. Pritchett, *Hesperia* IX 1940, 122/6 n. 25. Vs. 37 lectionem ΘΕΟΧΜΙΟΣ in lapide exstare confirmat ex ectypo id., *AJA loc. cit.* supra; W. Peek, *loc. cit.*, 163 n. 341, voluerat legere Θεό⟨δ⟩ω⟨ρ⟩ος, errores lapicidae postulans, sed Ω nullo modo stare potest, quod M planissime videri potest; unde, si tantum errorem postulemus, Θεό⟨δωρ⟩ος legendum sit.

**90. Catalogus magistratuum, paullo ante a. 13/14[p].** — IG II² 1723; Sterling Dow, *Hesperia* III 1934, 162/7, c. im. ph. 163. Adhibuit A. E. Raubitschek, *Hesperia* XXIII 1954, 318/9 n. 3. Nomen C. Iuli Nicanoris in hoc titulo exhibetur, de quo vid. nn. 79, 128.

**91. Fragmentum catalogi prytanum, med. s. II[p].** — Fragmentum marm., undique mutilum, Agora inv. I 2960, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 245 n. 19, c. im. ph. pl. 52. IG II² 1771 (vid. Meritt, *Hesperia* XVII 1948, 37/8 n. 22) apte conferas.

---
[οἱ πρυτ]άνει[ς τῆς ---------- φυλῆς]
--------ης πρ[υτανείας τιμήσαντες]
[ἑαυτοὺς] καὶ τ[οὺς ἀϊσίτους ἀνέγραψαν]
---

**92. Catalogus prytanum, a. 182/3[p].** — Tria fragmenta, inter se coniuncta, tabulae marm. albi, undique paullulum mutilae, Agora inv. I 594, ed. J. H. Oliver, *Hesperia* IV 1935, 48/9 n. 11, c. im. ph. 47. De anno vid. J. A. Notopoulos, *AJP* LXIV 1943, 53, *Hesperia* XVIII 1949, 55; J. H. Oliver, *Harv. Theol. Rev.* XLIII 1950, 233/5. Vs. 61 correxit B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 246.

Ἐπὶ τοῦ μετὰ Μέμ(μιον) Φλάκκον ἄρχοντα ἐνιαυτο[ῦ]
ἱ πρυτανείας οἱ πρυτάνεις τῆς Αἰγεῖδος φυλῆς
τιμήσαντες ἑαυτοὺς καὶ τοὺς ἀϊσίτους ἀνέγραψαν.

Γαργήττιοι
[ *rasura* ]
[ *rasura* ]
[ *rasura* ]
[ *rasura* ]
Σέν(τιος) Ἄτταλος
Μηνόδωρος Ἐπιγόνου
Στράτων Ἐπιγόνου
Φιλάδαι
Ἀντίοχος Εὐχαρίστου
Ἀλκιβιάδης Εὐχαρίστου
Ἐπίκτητος Ↄ
Ἀπολλώνιος Σωσιγένους
Ἀττικὸς Εἰσιδώρου
Ἑστιαιόθεν
Φίλιππος Σωτέλους

Ἐπίγονος Ↄ
Δέκκιος Ἰουλιανός
Πομ(πώνιος) Φλαβιανός
Σαβεῖνος Ἑρμέρ[ω]τος
Ἀθηνόδωρος Ἑρμέρωτος
Εὔπορος Ἑρμέρωτος
Σεραπίων Θεοφίλου
Ἀφροδίσιος Μύσων[ος]
Μυστικὸς Ↄ
Νικοκράτης Μυστικοῦ
Λικίν(ιος) Ἀρριανός
Φον(τήϊος) Μάξιμος
Πραξιτέλης Φιλοδήμου
Ἀριστείδης Ↄ
Στα· Ὀνητορ(ίδης) Κολλυ(τεύς)
Αἴλ(ιος) Ῥῆγλος
Οὔλ(πιος) Πομπηϊανός
Ἄννιος Φιλόκομος

Ἀγαθοκλῆς Σωτέλους
Ἡρακλείδης Σωτέλους
Ἰούν(ιος) Πυθόδωρος
Ἐρχιεῖς
Ἀλκαμένης Ἀφροδισίου
Καρπόδωρος Εὐκλέους
ἐκ Μυρινούντης
Ζώσιμος Μουσαίου
Ἀλέξανδρος Ἑρμείου
Ἀραφήνιοι
Ἀσκληπιάδης Εὐπόρου
Ἐρικαιεῖς
Σωσίβιος Φιλαθηναίου
Διομαιεῖς
Αἴλ(ιος) Βάκχιος

πρ(εσβύτερος) βουλευτῶν Ζώσιμος
[Βα]κχυλίδου Γαρ(γήττιος)

Ἀΐσιτοι

Ἰούλ(ιος) ἱεροφάντης
Μέμ(μιος) ἐπὶ βωμῷ
κῆρυξ βουλῆς καὶ δήμου Φάβιος [Φα]βιανὸς Μαραθώνιος
γραμματεὺς βουλῆς καὶ δήμου Ἀλέξανδρος Θεοδοσίου Λαμπτ[ρεύς]
περὶ τὸ βῆμα Μυστικὸς Ↄ Ἐροιάδης
ἀντιγραφεὺς Ἀλέξανδρος [Ἀ]χωρίστου Παιονίδης
ἱεραύλης Ἐπαφρόδιτος ὁ καὶ Ἀφροδείσιος
ἱερεὺς Φωσφόρων καὶ ἐπὶ Σκιάδος Ἑρμείας Ↄ Ἀζηνιεύς
ὑπογραμματεὺς Μύρων Ↄ Λαμπτρεύς.

---

**93.** IG II² 1807 + *Hesperia* IV 1935, 49/50 n. 12 etc. (vid. A. E. Raubitschek, *Hesperia* Suppl. VIII 1949, 281/3 c. del.), add. E. Schönbauer, *Journ. Jur. Pap.* VII/VIII 1953/4, 117/8.

---

**94. Catalogus prytanum Hadrianidis, in. s. III$^{p}$.** — Fragmentum marm., undique nisi a tergo mutilum, Agora inv. I 3080, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 248/9 n. 26, c. im. ph. pl. 52. De stemmate Heraclidae et Dosithei nonnihil disserit.

[Πα]νβωτάδ[αι]
[Δωσ]ίθεος Ἡρακλ[ίδου]
[Ἡρα]κλίδης Δωσ[ιθέου]
[Εὐτ]υχιανὸς Ↄ
Τρικορύ[σιοι]
----- Προκ---------
---



**95. De Domitio Aristaeo, apud Athenienses archonte, in. s. III$^{p}$.** — --τιος Ἀραβιανὸς Μαραθώνιος IG II² 1824 (SEG XII 105), vss. 2/3, qui idem ac --ο[.]ετιος Ἀραβι[ανός] ([Δ]ο[μ]έτιος vel [Σαλλ]ο[ύ]στιος ?) IG II² 1830 vs. 5 et fortasse [Ἀραβια]νὸς Μαρ[αθώνιος] *Hesperia* XI 1942, 66/7 n. 32, vss. 2/3 esse videtur, distinguendum esse a M. Ulpio Domitio Aristaeo Arabiano, demo Paeonidarum, (*Hesperia vol. cit.*, 65 n. 30 vs. 2) contra E. Groag (*PIR*² III D. 134) contendit J. H. Oliver, *Cl. Phil.* XLIV 1949, 202.

IG II² 1824 et 1825 adduxit E. Schönbauer, *Journ. Jur. Pap.* VII/VIII 1953/4, 117/8.

---

**96. Catalogus ad liturgiam pertinens, in. s. IV$^{a}$.** — IG II² 1928. Frustulum quod ed. E. Schweigert, *Hesperia* VII 1938, 306 n. 29 c. im. ph. fig. 31, ubi in vs. 1 Ἀχα[ρνεύς] legendum est, tituli huius partem esse notat D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 37, qui de forma quoque tituli ordinandi pauca disserit. Notat etiam lapides in quibus inscripti sunt IG II² 1928, 1929, 1932 simillimos esse, et num omnes ad unum monumentum pertineant quaerit.

---

**97. Catalogus epheborum, ante a. 192/3$^{p}$.** — IG II² 2247 cum 2250 et 2484 coniunxit M. Th. Mitsos, Ἀρχ. Ἐφ. 1950/1, 48/50 n. 30, c. im. ph. fig. 15. Vs. 9 rest. G. A. Stamires apud B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 248/9 (vid. n. 94 supra).

Ἀγαθῆι
τύχηι· (*in aetomate*)
[Ἐπὶ ἄρχοντος .$^{3-5}$. Σκριβ]ωνίου Καπίτωνος Ε $^{1}$..$^{2}$
[---------- κοσμ]ητεύοντος Μεμ . Ι $^{2-3}$
[---------- Φαλ]ηρέως· ὁ συνστρεμ[ματάρ]-
[χης Αὐρ. Δωσίθεος ὁ καὶ Θαλ]ῆς Δωσιθέου Παμβωτ[άδης τὸν]
[κοσμητὴν (?) καὶ τοὺς συνε]φήβους ἀνέγραψεν.

| *Col.* I | *Col.* II |
|---|---|
| [Σωφρονισταί] | Ἐπέγ[γραφοι] |
| [Θαλῆς Δωσιθ]έου Παμβωτάδης | Δασουμ--------- |
| ----------ς Διονυσοδώρου Γαρ | Δασου[μ -------] |
| -------ιμος Διονυσοδώρου Γαρ | Συμ---------- |
| [Ἀλκ]ιβιάδης Ↄ Χολαργεύς | Ἀσ---------- |
| [Μέ]νανδρος Ἀλκιβιάδου Χολαρ | Α---------- |
| [Ζ]ώσιμος Ἀρχελάου ἐξ Οἴου | ---------- |
| [Ἀ]θήναιος Ἀρχελάου ἐξ Οἴου | ---------- |
| [Εὔ]πορος Ἱλάρου Μελιτεύς | ---------- |
| [Μ]ᾶρκος ὁ καὶ Ἑρμείας Σουνιεύς | ---------- |
| [Εὐέλ]πιστος Ↄ Ἀχαρνεύς | ---------- |
| [Ἀπολλώ(?)]νιος Εἰρηναίου Κοθω | ---------- |
| ----------νης Ἀφροδεισίου Ε-- | ---------- |
| ---------- | ---------- |

**98. Fragmentum catalogi, s. II$^{p}$.** — Fragmentum partis superioris stelae marm., undique nisi supra mutilum, Agora inv. I 2466, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 245 n. 18, c. im. ph. pl. 52.

[Ἀγαθ]ῇ [τύχῃ]
[Ἐπὶ ἄρχοντ]ος Πο. Α[ἰλίου - - - - - - - - -]
- - - - - - - - - - ἑως - - - - - - - - - - - - - - -
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

**99. Fragmentum eiusdem generis, ex. s. II$^{p}$.** — Fragmentum monumenti in forma columnae, Agora inv. I 2957, undique mutilum. Ed. B. D. Meritt, *loc. cit.*, 245/6 n. 20, c. im. ph. pl. 52.

- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - ια - - - - - - - - - -
[- - - - - ἐπὶ Σκιάδος Ἑρμε]ίας Ↄ Ἀζη[νιεύς]
[- - - - - - - - - - - - - - - - - - ὑπο]γρ· Μύρων

1. Fortasse [Ἐπαφρόδειτος ὁ κα]ὶ Ἀ[φροδείσιος]. Vid. *Hesperia* IV 1935, 49 n. 11, vs. 61 (n. 92 supra).

**100. Fragmentum eiusdem generis, s. II$^{p}$.** — Fragmentum marm. undique mutilum, Agora inv. I 3393, ed. B. D. Meritt, *loc. cit.*, 246 n. 21, c. im. ph. pl. 52.

- - - - - - - - - - - - Ↄ - - - - - - - - - - - - - -
- - - - - - - - - μένους ἐξ Οἱ Ο - - - - -
- - - - - - - - ος Ↄ Σφήττιος
Κλ. Ἑρεννιανός - - - - - -

**101. Fragmentum eiusdem generis, s. II$^{p}$.** — Fragmentum marm., a sinistra integrum, Agora inv. I 3886, ed. id., *ib.* n. 22, c. im. p.. pl. 52.

Π[ό](πλιος) Σπέδι[ος - - - - - - - - - - -]
Φλυεύς· Κλ(αύδιος) - - - - - - - - - - - - -
Ὡρέων Τ - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

**102. Fragmentum catalogi demotarum, s. II$^{p}$.** — Pars superior lapidis marm., Agora inv. I 3881. Ed. id., *loc. cit.*, 246/7 n. 23, c. im. ph. pl. 52.

[Κ]ολλυτ(ε)ῖς
[Ἑρ]έ(ννιος) Ἀγήσανδ[ρος]
Γαργήττιοι
[Ἑρ]έ(ννιος) Σακέρδως
5 [- - - - - - - - - Ἀ]ριανός
- - - - - - - - - - - - - - - - -

1. lap. ΚΟΛΛΥΤΙΣ. Demotae e tribu Aegeide. || 5. Sic M. Sed. Ἀρ]ρ. exspectandum erat.



**103. Fragmentum catalogi epheborum vel prytanum, s. II/III$^{p}$.** — Fragmentum marm., undique mutilum, Agora inv. I 3606, ed. id., *loc. cit.*, 247 n. 24, c. im. ph. pl. 52.

| *Col.* I | *Col.* II |
|---|---|
| | - - - - - - - - - - - - - - - |
| | Ἀντίγον[ος - - - - - -] |
| - - - - - - μου | Λούκιος Σ - - - - - - - - |
| - - - - - - Ↄ | Ὄνασος - - - - - - - - - |
| | Διονύσι[ος - - - - - - -] |
| | - - - - - - - - - - - - - - - |

**104. Fragmentum catalogi epheborum (?), in. s. III$^{p}$.** — Fragmentum parvum marm., undique mutilum, Agora inv. I 3603, ed. id., *loc. cit.*, 247/8 n. 25, c. im. ph. pl. 52.

- - - - - - - - - - φ - - - - - - - - -
- - - - Κόρυμβο[ς - - - - - - - -]
[- - - Σ]ώνικος Αἰ - - - - - - - -
[- - - - - Π]άμφιλος - - - - - - -
5 [- - - - Δ]ιονύσιος Π - - - - - - -
[Κόμ]μοδος Ὄνη - - - - - - - -

**105. Terminus, s. IV$^{a}$.** — Terminum marm., Agora inv. I 4614, ed. id., *loc. cit.*, 260 n. 53, c. im. ph. pl. 54. Cf. SEG XII 142.

[*h*]όρος.

**106. Fragmentum termini, s. IV$^{a}$.** — Fragmentum marm., Agora inv. I 3079, ed. id., *loc. cit.*, 259 n. 49, c. im. ph. pl. 54. De titulis eiusdem generis vid. nn. 107/9 infra et IG II² 2527/50.

[ὅρ]ος
[μν]ήμ[α]-
[τ]ος.

**107. Fragmentum termini, s. IV$^{a}$.** — Fragmentum marm. eiusdem generis, Agora inv. I 2712, ed. id., *ib.* n. 50, c. im. ph. pl. 54.

[ὅρ]ος μν[ή]-
ματος.

**108. Terminus, s. IV$^{a}$.** — Terminum marm., paene integrum, Agora inv. I 3990, ed. id., *loc. cit.*, 259/60 n. 51, c. im. ph. pl. 55.

ὅρος μν-
ήματος.

**109. Fragmentum termini, s. IV^a.** — Fragmentum marm., quod latus dextrum adhuc integrum praebet, Agora inv. I 4449, ed. id., *loc. cit.*(n. 98), 260 n. 52, c. im. ph. pl. 54.

[ὅρος]
[μν]ήμ[α]-
[τ]ος.

**110. Terminus sepulcri Epigoni, ante med. s. IV^a.** — Terminum marm., Agora inv. I 3637, ed. id., *loc. cit.*, 259 n. 48, c. im. ph. pl. 54. De titulis eiusdem generis vid. IG II² 2554/9.

ὅρος
μνήματος
Ἐπιγόνο.

**111. Obligatio praediorum, aet. Imp. Hadriani.** — IG II² *2776* addux. U. Kahrstedt, *Das wirtschaftliche Gesicht Griechenlands*, 1954, 46 sqq. Vss. 83/4 praecipue tractat p. 49 c. adn. 2, et legit

[Καλλώ?] Νε[άρ]χου χωρ(ίον) Σικ[ε]λίας πρὸς τῷ
[Ἰλισσ]ῷ.

**112. Dedicatio magistratuum (quaestorum Minervae ?), c.a. 325/4^a.** — Basem marm., Agora inv. I 940, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XV 1946, 177/8 n. 25, c. im. ph. Col. I vs. 6 suppl. D. M. Lewis, *BSA* XLIX 1954, 50. De Callimedonte (vs. 8) vid. *PA* 8033.

---
[------στεφανωθέντες ὑπὸ τῆς βουλῆς]
κ[αὶ τοῦ δήμου δικαιοσύνης ἕ]νεκα
ἐ[πὶ ---------- ἄρχοντος]. *vacat*

| | *Col.* I | *Col.* II |
|---|---|---|
| 5 | --------ο--------- | ...^c. 8... ης Ἀχαρνεύς |
| | Φ[ιλοί]τιος ν̲ Ἰων[ίδης] | ...^c. 9... ς ν̲ Φλυεύς |
| | Σω[σί]μαχος Μυρ[ρινούσιος] | ...^c. 7... Οἰναῖος |
| | Καλλιμέδων Χολλ[είδης] | . . μοκλείδης Ἀφιδναῖος |
| | Π . . ιος ---------- | . . . . όδω[ρος] Ἀλωπεκῆθεν |
| 10 | γρα[μμ]ατεὺς Ἀριστοκλείδης Ἀριστοκλέους Σουνιεύς. | |

**113. Dedicatio prytanum, s. IV^a.** — Fragmentum marm., a tergo atque a sinistra fractum, Agora inv. I 2346, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 250/1 n. 29, c. im. ph. pl. 54. Sine dubio prytanes qui dedicationem fecerunt a senatu corona donati erant; cf. *Hesperia* XVII 1948, 39 n. 25, IG II² 2833, etc.

[...^c. 10... πρυτάν]εις [ν̲ ν̲]
[ἀνέθεσαν στεφανωθ]έντες
[ἐπ' ...^c. 7... ὑπὸ τῆς] βουλῆς
---



**114. Dedicatio eiusdem generis, post med. s. IV^a.** — Fragmentum monumenti marm., undique mutilum, Agora inv. I 4509, ed. id., *loc. cit.*, 251 n. 30, c. im. ph. pl. 53.

---------- Στοιχ. *c.* 25.
στεφανω[θέντες ὑπὸ τῆς βουλῆς]
καὶ τοῦ δή[μου χρυσῶι στεφάνωι]
[ἀ]ρετῆς ἕνε[κα ----------].

**115. Dedicatio, aet. Rom.** — Fragmentum tabulae marm. ad proclivia septentrionalia arcis inv., Agora inv. I 4601, ed. id., *loc. cit.*, 256/7 n. 41, c. im. ph. pl. 54. Tergum et pars lateris dextri integra videntur. Titulus intra anaglyphum coronae inscr. De hoc genere dedicationum IG II² 2901, etc., conferas.

[θεσ]μοθέτης
--- Ῥουφεῖνος.

**116. Dedicatio agonistica (Apollini), s. I^p.** — Ara parva marm., valde laesa, Agora inv. I 3835. Ed. id., *loc. cit.*, 255/6 n. 39, c. im. ph. pl. 53. Supplementa proposuit W. Peck. Cf. IG II² 3005/7.

Πάντας νικήσας τῇ λαμπάδ[ι]
τοὺς συνεφ[ήβους]
[θῆκ]α ποδωκείη[ς μνῆμα θεῷ]
Φιλέρως.

**117. Dedicatio agonistica, s. IV^a.** — Partem monumenti choregici, Agora inv. I 3477, ed. id., *loc. cit.*, 249 n. 27, c. im. ph. pl. 52.

*vacat*
-----ΟΣΗ------
[--- ἐνί]κα ν̲ -------

**118. Dedicatio Diophanis, Empedionis f., ante med. s. IV^a.** — IG II² 3125; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 941. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 56/7 n. 22, qui a. 370/60^a attribuit.

**119. Dedicatio Demaeneti filiorumque eius, c. med. s. IV^a.** — IG II² 3130 (*Syll.*³ 1074) = Moretti, *op. cit.*, 66/8 n. 28.

**120. Dedicatio Valerii Eclecti, c. a. 253/7^p.** — IG II² 3169/70 = Moretti, *op. cit.*, 263/8 n. 90. Cf. C. Bosch, *Jahrb. für Kleinasiatische Forschung* I 1950/1, 80/1; L. Robert, *Études Anatoliennes*, 145 adn. 1.

**121. Honores C. Iuli Caesaris, a. 48^a.** — Fragmentum coronae marm. albi, olim baseos pars, a sinistra atque infra integrum, in Agora inventum. Ed. A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 65/6, F, c. im. ph. pl. III.

[Ὁ δῆμος]
Γάϊον Ἰούλιον Γαΐου [υἱὸν Καίσαρα, τὸν ἀρχιερέα καὶ]
αὐτοκράτορα ὑπατό[ν τε τὸ δεύτερον, τὸν σωτῆρα]
καὶ εὐ[εργέτην].

3. ἑαυτοῦ, ut videtur, omissum : cf. IG II² 3271/2. De tempore dedicationis cf. Appianum, *Bell. Civ.* II 88, Cass. Dionem XLII 14, 1/3.

**122. Honores eiusdem, a. 47ᵃ.** — IG II² 3222 (*Syll.*³ 759) denuo tract. id., *loc. cit.*, 68/9, P, c. im. ph. pl. III; titulum longiorem fuisse quam qui in IG appareat, et in lapides proximos productum esse credit. Restituit ergo

Ὁ δῆμος
[Γ]άϊον Ἰούλιον Καίσα[ρα]
[τὸν αὐτοκράτορα καὶ ἀ]ρχιερέα καὶ δικτάτορ[α τὸ δεύτερον],
[τὸν ἑα]υτοῦ σωτῆρα καὶ εὐ[εργέτην].

4. Pro [εὐεργέτην] (IG) proponit [πάτρωνα] L. Robert, *Hellenica* X 1955, 260 adn.

**123. Dedicatio Imp. Hadriano, c. a. 132ᵖ.** — Partem stelae marm., undique nisi a tergo fractam, Agora inv. I 4406, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 257 n. 43, c. im. ph. pl. 54. Cf. IG II² 3324/84, SEG XII 147/9.

---
[Ἁδρι]αν[ῶι]
[Σε]βαστῶ[ι]
[Ὀ]⟨λυ⟩νπίω[ι].

3. lap. ΡΥΝ.

**124. Dedicatio eidem, c. a. 132ᵖ.** — Fragmentum stelae marm., a tergo atque a sinistra integrum, Agora inv. I 4392, ed. id., *loc. cit.*, 257/8 n. 44, c. im. ph. pl. 54.

Σωτῆρι κ[αὶ κτίστηι]
αὐτοκράτ[ορι Ἁδρια]-
[ν]ῶι *vacat* [*vacat*]
Ὀλυνπίω[ι].

**125. Dedicatio eidem, c.a. 132ᵖ.** — Fragmentum partis superioris stelae marm., supra atque a sinistra integrum, Agora inv. I 3770, ed. id., *ib.* n. 45, c. im. ph. pl. 54.

Σωτῆ[ρι καὶ κτίσ]-
τῃ α[ὐτοκράτο]-
ρι Ἁ[δριανῷ Ὀλυμ]-
[πίῳ].



**126. Honores T. Domitii Promethei, post a. 244/5ᵖ.** — IG II² 3769; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 933. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 261/3 n. 80. De anno quo Prometheus ἀντικοσμήτης fuit vid. J. A. Notopoulos, *Hesperia* XVIII 1949, 41.

**127. Theophilus, Theophili f., ab Attalo II rege Pergamenorum honoratur, c. a. 150ᵃ.** — Fragmenta pleraque basεos marm., Agora inv. I 3527 + 3601 (cum additamentis nonnullis), post *Hesperia* XIX 1950, 336 adn. 55, ed. B. D. Meritt, *ib.* XXIII 1954, 252/3 n. 33, c. im. ph. pl. 53. Cf. IG II² 3171 c. adn.

[Βασ]ιλεὺς Ἄτταλος βα[σιλέως Ἀττάλου]
καὶ βασι[λ]ίσσ[η]ς Ἀ[πολλωνίδος]
[Θ]εόφιλον Θε[οφίλου Ἀλ]αιέ[α]
[τ]ὸν ἑαυτοῦ σύντροφον ἀρετῆς ἕνε⟨κε⟩ν
[τῆς] εἰς ἑαυτὸν καὶ [τ]ὸν δῆμον τὸν Ἀθηναίων.

3. [Ἀλ]αιέ[α] melius litterarum spatiis congruit; si tamen [Βησ]αιέ[α] mavis cf. *PA* 7134/5. || 4. lap. ΕΝΕΙΙΥΥ.

**128. Statuae C. Iuli Nicanoris, aet. Aug.** — IG II² 3785/9 tract. A. E. Raubitschek, *Hesperia* XXIII 1954, 317/9 nn. 1/2.

**129. Herma Moiragenis, Dromoclis filii, aet. Imp. Hadriani.** — Imaginem in forma hermae, Agora inv. S 586, inter catalogum imaginum in Agora inventarum tabulat Evelyn B. Harrison, *The Athenian Agora* I (*Portrait Sculpture*) 1953, 35/7 n. 25, c. im. ph. pl. 17. Cf. T. L. Shear, *Hesperia* V 1936, 16/17, c. im. ph. fig. 14. Moiragenes non idem esse ac IG II² 1809 vs. 6 videtur, sed probabilius ex eadem familia, de qua cf. SEG XII 177 c. adn.

Μοιραγένης Δρο-
μοκλέους ἐκ Κοίλης
ἐπώνυμος Ἱππο-
θωντίδος φυλῆς.

**130. Fragmentum tituli honorarii, s. II/Iᵃ.** — Basem marm. valde detritam, Agora inv. I 3391, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 253 n. 34, c. im. ph. pl. 54.

-----ος τοῦ Θ-------
*vacat*
Φιλόξενος -----

**131. Honores Zenonis, Zenonis f., s. Iᵃ.** — Fragmentum marm., supra et infra integrum, Agora inv. I 2809, cum *Hesperia* Suppl. VII 1943, 3/4 n. 4 coniungendum esse monet B. D. Meritt, qui totum titulum denuo ed. *Hesperia* XXIII 1954, 255 n. 37, c. im. ph. novi fragmenti pl. 54.

Ἡ βουλὴ καὶ ὁ δῆμος
Ζήνωνα Ζήνωνος Μαραθώ-
νιο[ν] πρεσβύτερον ἀρε-
τῆ[ς ἕ]νεκεν καὶ εὐνοίας.

**132. Honores Philadelphi cuiusdam, s. I$^{p}$.** — Fragmentum baseos marm., infra integrum, Agora inv. I 3056, cuius im. photographica *Hesperia* V 1936, 14, communicata est (ubi T. L. Shear titulum Ptolemaeo Philadelpho attribuere proposuit), ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 255 n. 38.

------ν Φιλάδελφ[ον ------]
[----- Λ]αμπτρέω[ς ------]

**133. Herma Zosimi, Eucoli f., ex. s. II$^{p}$.** — Fragmentum hermae in Universitate antiqua inventum, nunc prope Turrim Ventorum conservatum, ed. A. N. Oikonomides, Πολέμων V 1952/3, 146/7, c. im. ph. fig. 2, et stemma familiae construit, coll. IG II² 2097 vss. 4/5, 2086 vs. 99, 3749.

Κατὰ τὸ ἐπε[ρώτημα τῆς]
βουλῆς τῶν [· Φ · (?) αἰτησα]-
μένου τοῦ π[ατρὸς Εὐκ]-
όλου τοῦ Ζ[ωσίμου Εὐ]-
πυρίδου τὸν [ἑαυτοῦ υ]-
ἱὸν Ζώσιμο[ν Εὐκόλου]
Εὐπυρίδη[ν].

**134. Statua Claudiae Tatarii, s. I/II$^{p}$.** — Basem paene integram, Agora inv. I 3754, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 257 n. 42, c. im. ph. pl. 54. Altera basis cum nomine eodem = IG II² 4868.

Κλαυδία Τατάριον
Μενάνδρου Γαργητ-
τίου θυγάτηρ.

**135. M. Terentius Varro Lucullus honoratur, a. 72/1$^{a}$.** — Monumentum magnum cylindratum, e multis fragmentis ab Eugenio Vanderpool compositum, Agora inv. I 3158, ed. id., *loc. cit.*, 253/4 n. 35, c. im. ph. pl. 54.

Ὁ δῆμος
Μᾶρκον
[Τ]ερέντιον
[Μ]ά[ρκ]ου υ[ἱ]ὸν
Οὐ[άρω]να
Λε[ύκολλ]ο[ν].



**136. Q. Lutatius Catulus honoratur, s. I$^{a}$ p. pr.** — Scapi quattuor columnae marm., quorum in infimo titulus numquam perfectus, Agora inv. I 3948. Ed. id., *loc. cit.*, 254/5 n. 36, c. im. ph. pl. 53.

Ὁ δῆμος
Κοΐντον Λυτάτιον
Κοΐντ *vacat*
*vacat*

**137. Dedicatio, s. IV/III$^{a}$.** — Fragmentum marm. dedicationis, cuius nihil nisi pars signaturae artificis exstat, Agora inv. I 3547, ed. id., *loc. cit.*, 251 n. 31, c. im. ph. pl. 53.

------ης ἐπόησεν.

**138. Dedicatio vel tit. sepulcralis, s. III$^{a}$.** — IG II² 4686. Hegemonem archegetem (i.e. sacerdotem) collegii sacri cuiusdam esse contendit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 333/4.

**139. Dedicatio Iovi Hypsisto, s. I$^{p}$.** — Ara marm. cylindrata, supra atque infra integra, Agora inv. I 3551. Ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 256 n. 40, c. im. ph. pl. 54.

Ὑψίστ[ῳ] | Κεδα . . | εὐχή[ν].

2. Κεδα-- nomen mulicbre, ut probabilius videtur; sed fortasse [ἀνέθη]κε Δα---- vel aliquid simile praeferendum. Κεδα[ρ] (nomen Hebraicum; cf. Ishmael filium, *Gen.* XXV 13, etc.) prop. A. M. Woodward.

**140. Sella marmorea.** — IG II² 5165 aetati Traiani vel Hadriani imperatoris referre proponit G. M. A. Richter, *AJA* LVIII 1954, 271/6. De titulo vid. praecip. 272/3.

[ἐπὶ Λυσιστ]ράτο (360/59$^{a}$) vel [ἐπὶ Καλλιστ]ράτο ἄρχοντο[ς] (355/4$^{a}$) exhibet IG. Tib. Claudium Demostratum (c.a. 138$^{p}$) adducit R., vel, si ex exemplari sellae huius titulum quoque transcripsit artifex, pro Leostrato (303/2$^{a}$) vel Nicostrato (295/4$^{a}$) contendit.

**141. Fragmentum dedicationis, a. 236/5$^{a}$.** — Fragmentum partis superioris monumenti marm., alibi mutilum, Agora inv. I 3696, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 251 n. 32, c. im. ph. pl. 54.

[Ἐ]πὶ Ἐκφάντ[ου ἄρχοντος ----]

**142. Fragmentum dedicationis, a. 163/4 vel 194/5$^{p}$.** — Fragmentum marm., a tergo et a sinistra partim incolume, Agora inv. I 2711, ed. id., *loc. cit.*, 258/9 n. 46, c. im. ph. pl. 54. Titulus metricus videtur fuisse.

*vacat*
[Ἦ]ρχε Φιλισ[τείδης -------]
--------νο----------
----------
----------

**143. Tituli sepulcrales.** — Titulos huius generis Atticos plerosque adducit G. Pfohl, *Neues Gymnasium Nürnberg, Jahresbericht* 1954/5, 37/63; vid. n. 897 infra.

**144. Titulus sepulcralis, aet. Rom.** — Angulum superiorem a sinistra stelae marm., Agora inv. I 3536, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 260 n. 54, c. im. ph. pl. 55.

Ἀσκλη[πι - - - - -]
ἐξ Ἀζ[ηνιέων].

**145. Tit. sep. Faustae, aet. Rom.** — Fragmentum eiusdem modi ac n. 144, Agora inv. I 3479, ed. id., *ib.* n. 55, c. im. ph. pl. 55.

Φαῦστα Ἀσ[- - - - - - Ἀ]-
ζην[ιέως γυνή].

**146. Tit. sep. Androclis, s. III/II^a.** — Partem columellae marm., Agora inv. I 4049, ed. id., *ib.* n. 56, c. im. ph. pl. 55.

[Ἀν]δροκ[λῆς]
- - - - - - - ι - - -
[Α]ἰγιλι[εύς].

**147. Tit. sep., s. III^a.** — Columellam marm., Agora inv. I 3212, ed. id., *loc. cit.*, 260/1 n. 57, c. im. ph. pl. 55. Thrasonides hic commemoratus idem ac *PA* 7397 videtur esse; Thrasonides alter (*PA* 7396) fortasse avus nostri fuit.

- - - - - - - - - - - -
[Θρ]ασωνίδ[ου]
[Α]ἰθαλί[δου]
[γ]υν[ή].

**148. Tit. sep., s. II^p.** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 4111, ed. id., *loc. cit.*, 261 n. 58, c. im. ph. pl. 55.

- - - - - - - - - -
Δημ - - - - - - -
Αἰξ[ωνέως]
θυγ[άτηρ]
Μεν ⁝ ⁝ ⁝
- - - - - - - - -
[γυνή].

1. Δημ[ητρίου] supplendum videtur.

**149. Tit. sep. Dionysii, Lenaei f., et matris filiique ejus, med. s. II^p.** — Septem fragmenta baseos magnae, quorum duo a sinistra et quinque a dextra inter se coniunguntur, Agora inv. I 3887 + 4101. Ed. id., *ib.* n. 59, c. im. ph. pl. 53.



Διονύσιος - - αἷς Ἡλιοδώρου ἐγ Γαργηττίων Ἀσκληπι[άδης]
Ληναίου Ἁλαιεύς [Λ]ηναίου Ἁλεέως γυνή Διονυσίο[υ Ἁλαιεύς].

De filio Dionysii cf. IG II² 1782 vs. 35; soror matris eius in IG II² 5939 commemoratur.

**150. Tit. sep., aet. Rom.** — Fragmentum stelae sepulcralis, undique nisi a tergo fractum, Agora inv. I 3375, ed. id., *ib.* n. 60, c. im. ph. pl. 55.

- - - - - - - - - - -
[Ἐπαφ]ροδί[του]
[Ἀνα]καιέ[ως]
γυν[ή].

1. Ita melius symmetriae tituli congruit quam [Ἀφ]ροδι[σίου].

**151. Tit. sep. Pamphilae, Ptolemaei uxoris, s. III/II^a.** — Fragmentum partis superioris columellae marm., Agora inv. I 2797, ed. id., *loc. cit.*, 262 n. 61, c. im. ph. pl. 55.

[Παμ]φίλη
[Πτολ]εμαίου
[Αὐρ]ίδου
[γυνή].

3. Vel [Ἰων]ίδου, sed e ratione symmetriae minus probandum videtur.

**152. Tit. sep. Zoili, Thrasybuli f., s. II^p.** — Fragmentum marm. monumenti sepulcralis, Agora inv. I 4353, ed. id., *ib.* n. 62, c. im. ph. pl. 54. De Zoilo vid. IG II² 2018 vs. 41.

[Ζωίλο]ς Θρασυβούλου
[Ἀφι]δναῖος.

**153. Tit. sep. Pollae Pistae, Ismeniae uxoris, aet. Rom.** — Fragmentum partis superioris columellae marm., Agora inv. I 2383, ed. id., *ib.* n. 63, c. im. ph. pl. 55.

Πῶλ[λα]
Πίστη Ἰζ[μηνίου]
Διραδι[ώτου]
[γυνή].

2. Ἰζ. I primum ut K scriptum, dein in iota conversum.

**154. Tit. sep., ante med. s. IV^a.** — Fragmentum stelae sepulcralis marm. cum aetomate, supra incolume, Agora inv. I 3538, ed. id., *ib.* n. 64, c. im. ph. pl. 55.

[- - - - - - Κα]λλίο ⁝ Εὐωνυ[μεύς].

**155. Tit. sep. Pammenis, Pammenis f., ex. s. IV[a].** — Fragmentum superius a sinistra stelae marm. albi cum aetomate, nunc in foro Romano conservatum, ed. A. N. Oikonomides, Πολέμων V 1952/5, 145/6, c. im. ph. fig. 1.

Παμμέ[νης] | Παμμέν[ους] | [Θ]ορίκ[ιος].

Παμμένης Παμμένους ἔπαρχος a Demosthene (XXI 22) commemoratur, qui a nonnullis in Παμμ. Παμμ. Ἐρχιεύς conversus est; sed in ἔπαρχος Θορίκιος latere contendit Oik., unde Demosthenem de Pammene nostro agere putat.

**156. Tit. sep. Phaenippae, c. med. s. IV[a].** — Partem superiorem stelae sepulcralis marm., infra fractam, Agora inv. I 3877, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 262/3 n. 65, c. im. ph. pl. 55.

Φαινίππη Φαλ(λ)άνθο
ἐκ Κεραμέων. *c*
(*rosae*)

1. lap. ΦΑΛΛΑΝΘΟ.

**157. Tit. sep. Xennidis, Technonis filiae, aet. Rom.** — Partem superiorem columellae marm., Agora inv. I 3015, ed. id., *loc. cit.*, 263 n. 66, c. im. ph. pl. 55.

Ξενν[ίς] Διονυ[σίου]
Τέχνων[ος] Κεφαλ[ῆθεν]
θυγάτ[ηρ] [γυνή].

**158. Tit. sep. Sosi ---, Sostrati f., s. IV[a].** — Angulum superiorem a sinistra stelae sepulcralis marm. cum aetomate, Agora inv. I 3539, ed. id., *ib.* n. 67, c. im. ph. pl. 55.

Σωσι[- c. 6 -]
Σωστ[ράτου]
[Κ]εφα[λῆθεν].

**159.** IG II² 6370. Vid. G. M. A. Richter, *Catalogue of the Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 64 n. 95.

**160. Tit. sep., s. I[p].** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3078, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 263 n. 68, c. im. ph. pl. 55.

---------
---------
[--------θ]εν [Τι]μοθέου
[θυ]γάτηρ [Κ]ριωέως
γυνή.



**161. Tit. sep. Meneclis, Tisameni f., aet. Rom.** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3327, ed. id., *ib.* n. 69, c. im. ph. pl. 55.

[Μ]ενεκλῆ[ς]
[Τει]σαμεν[οῦ]
[Κυδ]αθηναιε[ύς].

2. Ξ pro Σ scriptum.

**162. Tit. sep., aet. Rom.** — Partem coronae monumenti sepulcralis marm., Agora inv. I 3959, ed. id., *ib.* n. 70, c. im. ph. pl. 55.

--------ος Μο--------
[Λα]μπτρεύ[ς].

**163. Tit. sep. Nicandri, Eunici f., s. IV[a] p. post.** — Fragmentum stelae sepulcralis marm., a sinistra et a tergo incolume, ed. id., *loc. cit.*, 263/4 n. 71, c. im. ph. pl. 55. Nicander idem esse videtur ac quaestor ille IG II² 1443 vs. 6 commemoratus (n. 84 supra, q.v.).

Νίκ[ανδρος]
Εὐν[ίκου]
Λαμπ[τρεύς].

**164. Tit. sep. Alexandri, Alexandri f., aet. Rom.** — IG II² 6759 nunc denuo inventum esse (Agora inv. I 2847) demonstrat id., *loc. cit.*, 264 n. 72, c. im. ph. pl. 56, qui textum exhibet.

**165. Tit. sep. Callippi, aet. Rom.** — Fragmentum monumenti cylindrati marm., Agora inv. I 3257, ed. id., *ib.* n. 73, c. im. ph. pl. 55.

[- - - - Κ]άλλιπ-
[πος Μ]αραθώνι-
[ος · ἐ]β(ίωσε) ἡ(μέρας) μζ'. (*hedera*)
(*rosa*)

An melius {- - - Κ]αλλίπ[που Μ]αραθωνί[ου?

**166. Tit. sep., aet. Rom.** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3659, ed. id., *ib.* n. 74, c. im. ph. pl. 55.

[- c. 8 -] Π]ρωτογέ[νου]
[Μαραθ]ώνιος.

**167. Tit. sep. Euclidis, aet. Rom.** — Fragmentum columellae marm. undique mutilum, Agora inv. I 3334, ed. id., *ib.* n. 75, c. im. ph. pl. 55.

[Εὐ]κλίδης | [Με]λιτεύ[ς].

**168. Tit. sep. filiae Metrodori, s. II[a].** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3216, ed. id., *loc. cit.*, 264/5 n. 76, c. im. ph. pl. 56.

- - - - - - - - - - -
[Μ]ητροδ[ώρου]
[Πα]ιανιέ[ως]
[θ]υγάτ[ηρ].

Metrodorus (vel Metrodotus ?) idem esse ac ille *Hesperia* XV 1946, 210 n. 41 vs. 164, commemoratus potest.

**169. Mon. sep. Sostrati, in. s. IV[a].** — IG II² 7090. Vid. G. M. A. Richter, *Catalogue of Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 58 n. 85, c. im. ph. pl. LXIX*a*.

**170. Tit. sep. Apollodori, - - odoti f., s. III/II[a].** — Fragmentum columellae marm., supra partim incolume sed alibi mutilum, Agora inv. I 3069, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 265 n. 77, c. im. ph. pl. 56.

[Ἀπ]ολλόδωρος
. . οδότου
[Παλ]ληνε[ύς].

2. Theodotum, Diodotum, Herodotum profert M.

**171. Tit. sep., act. Rom.** — Fragmentum marm., utroque a latere fractum, Agora inv. I 2412, ed. id., *ib.* n. 78, c. im. ph. pl. 56.

Ἀριστ - - - - -
Ἀρισ - - - - - -
Πε[ιραιεύς].

3. Περγασῆθεν vel Περιθοίδης minus probabile putat M.

**172. Tit. sep. Theodori, Glauciae f., s. I[p].** — Partem superiorem columellae marm., e duobus fragmentis compositam, Agora inv. I 3074, ed. id., *ib.* n. 79, c. im. ph. pl. 56. Eundem titulum viderat Kirchner (= IG II² 7165).

**173. Tit. sep. Apollodori, Philoclis f., s. II/I[a].** — Partem superiorem columellae marm., valde detritam et infra fractam, Agora inv. I 3108, ed. id., *ib.* n. 80, c. im. ph. pl. 56.

Ἀπολλόδωρος
Φιλοκλέους
Περγασῆθεν.



**174. Mon. sep. Sosthenis et Orthagorae, s. IV[a].** — Fragmentum e parte superiore stelae sepulcralis marm., cum acromate et (sub titulo) anaglyphi reliquiis, Agora inv. I 3167, ed. id., *loc. cit.*, 266 n. 81, c. im. ph. pl. 53.

Σωσθένη[ς]
Πυθίππου Πρασι[εύς]
Ὀρθαγόρα
Μενεκλέους Παι[ανιέως].

**175. Mon. sep. Sostratae, in. s. IV[a].** — IG II² 7287. Vid. G. M. A. Richter, *op. cit.* supra (n. 169), 57/8 n. 84, c. im. ph. pl. LXVIII*e*.

**176. Tit. sep. Apollodori, Dionysii f., s. III[a].** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3253, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 266 n. 82, c. im. ph. pl. 56.

Ἀπολλόδωρο[ς]
Διονυσίο[υ]
[Προ]βαλίσιο[ς].

**177. Tit. sep. Sosi, Demetrii f., s. II[a].** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3443, ed. id., *ib.* n. 83, c. im. ph. pl. 62.

[Σῶ]σος
[Δημη]τρίου
[Ῥαμνο]ύσιο[ς].

**178. Tit. sep., act. Rom.** — Fragmentum columnae marm., Agora inv. I 2988, ed. id., *ib.* n. 84, c. im. ph. pl. 56.

- - - - - - - - - - -
- - - - - - - - - - -
[Ῥα]μνου[σίου]
[θ]υγάτ[ηρ]

[Ἀσ]κληπ[ιάδου]
[Βερ]ενικίδ[ου]
[Υ]υνή.

**179. Tit. sep., s. II/I[a].** — Frustum columellae marm., undique mutilum, Agora inv. I 2822, ed. id., *loc. cit.*, 266/7 n. 85, c. im. ph. pl. 56.

- - - - - - - - - - -
[Διον]υσί[ου]
[Σου]νιεύ[ς].

**180. Tit. sep. uxoris Philotimi, s. I[a].** — Fragmentum stelae sepulcralis marm., a tergo et a sinistra incolume, Agora inv. I 3474, ed. id., *loc. cit.*, 267 n. 86, c. im. ph. pl. 56. Infra titulum ornamenti architectonici reliquiae.

- - - - - -εν[? ? - - -]
[Φι]λοτείμου [Στει]-
ριέως γυ[νή].

**181. Mon. sep. Syntychae et viri eius (?), s. III^p.** — Fragmentum e parte superiore stelae marm., undique mutilum, Agora inv. I 3466. Supra titulum ornamentorum reliquiae in forma acroterii (?); et infra eundem olim anaglyphum, ut videtur, exstabat. Ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 267 n. 87, c. im. ph. pl. 56.

| | |
|---|---|
| - - - - - - - - ς | Συντύχη [Προ]- |
| - - - - - - - ου | σδοκίμου ἐ[κ Συ]- |
| - - - - - - - ος | βριδῶν. |

**182. Tit. sep. Tryphae, Philothei uxoris, s. II/I^a.** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3062, ed. id. *ib.* n. 88, c. im. ph. pl. 56.

Τρύ[φη]
Φιλοθ[έου]
Φαληρέ[ως]
[γ]υ[νή].

**183. Tit. sep. filiae Cephisodori, aet. Rom.** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3678, ed. id., *ib.* n. 89, c. im. ph. pl. 56.

- - - - - - - - - - - -
[Κηφι]σοδώρ[ου]
[Φαλ]ηρέως
[θυγά]τηρ.
*vacat*

**184. Tit. sep. Heraclidae, Aphrodisii f., aet. Rom.** — Fragmentum stelae sepulcralis marm., supra partim incolume sed alibi mutilum, Agora inv. I 3303, ed. id., *loc. cit.*, 267/8 n. 90, c. im. ph. pl. 56.

Ἡρακλείδης [Ἀφρο]-
δεισίου Φλυε[ύς].

**185. Tit. sep. Flaviae Myrtalae, s. II/III^p.** — Angulum superiorem a dextra tabulae marm., in usum stelae sepulcralis renovatae, Agora inv. I 3931, ed. id., *loc. cit.*, 268 n. 91, c. im. ph. pl. 59.

[Φ]λαβία Μυρτάλη
[Δρ]ομοκλέους
[Φ]λυέ⟨ω⟩ς θυ(γάτηρ).
- - - - - - - - - - - - - - - -

3. θυ monogrammate expressum. Init. lap. -ΛΥΕΟC.

**186. Tit. sep. Thearidis, Asphalis uxoris, s. II/I^a.** — Lapides duo marm. qui tantum non inter se coniunguntur, Agora inv. I 6146 + 3541. Ed. id., *ib.* n. 92, c. im. ph. pl. 61. Asphales hic commemoratus idem ac filius Democratis in IG II² 7722 videtur esse.

Θεαρὶς Ἀσφάλους, Ἀ[σφ]άλους Φρεαρρίου γυνή.
- - | - - - - - - - - - - - - - -

**194. Tit. sep. Demaretae, s. IV^a p. post.** — IG II² 8500. Titulum hunc in stela (non columella) inscr., nunc *Eleusine* in museo, tractat S. N. Koumanoudes, Νέον Ἀθήναιον I 1955, 5/6. Cf. n. 226 infra, in stela eadem inscr. Στοιχ.

[Δ]ημαρέτ[η]
[Μ]οιρίχου
[Ἐ]ρυθραία.

---

**195. Tit. sep. Berenices, s. III^a.** — Partem stelae sepulcralis marm., a tergo et supra incolumem, Agora inv. I 4311, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 270 n. 99, c. im. ph. pl. 57.

[Βερ]ενίκη
[Ἠπε]ιρῶτις.

---

**196. Tit. sep. Heracliti vel Heraclidae, s. III/II^a.** — Fragmentum stelae marm. eiusdem generis, infra atque a dextra fractum, Agora inv. I 3337, ed. id., *ib.* n. 100, c. im. ph. pl. 57.

Ἡράκλι[τος] (vel Ἡρακλί[δης])
Ἐπικρά[τους]
Ἡρακλε[ώτης].

---

**197. Tit. sep. Onesimi, Onesandri f., s. III^a.** — Frustum columellae marm., Agora inv. I 4047, ed. id., *ib.* n. 101, c. im. ph. pl. 57.

Ὀνήσ[ιμος]
Ὀνησάν[δρου]
[Ἡρ]ακλε[ώτης].

---

**198. Tit. sep. filii Soterichi, s. I^p.** — Fragmentum eiusdem generis, Agora inv. I 3801, ed. id., *ib.* n. 102, c. im. ph. pl. 57.

- - - - - - - - - -
[Σωτ]ηρίχου
[Ἡρα]κλεώτης.

---

**199. Tit. sep., s. III/II^a.** — Frustulum marm. undique mutilum, Agora inv. I 2759, ed. id., *ib.* n. 103, c. im. ph. pl. 57.

. . . ίδης
[Ἡρακ]λεώτη[ς].

---

**200. Tit. sep., s. IV^a.** — Stelam marm. paene integram, Agora inv. I 4465, ed. id., *ib.* n. 104, c. im. ph. pl. 58.

. . των χρηστὸς
[Ἡ]ρακλεώτης.

---



**201. Tit. sep. Euhemeri, Pisti f., s. II/I^a.** — Partem superiorem stelae marm., Agora inv. I 4562, ed. id., *loc. cit.*, 270/1 n. 105, c. im. ph. pl. 56.

Εὐήμερος
Πίστου
Θισβεύς.

---

**202. Tit. sep., s. III/IV^p.** — Fragmenta duo tabulae marm., cui forma aetomatis et (a sinistra) antae insculpta est. Titulus, ut videtur, post tabulam fractam scriptus; fortasse Christianus. Agora inv. I 3815. Ed. id., *loc. cit.*, 271 n. 106, c. im. ph. pl. 57.

Ἐνθάδε κεῖτ-
αι ὁ Καισαρεὺς
- - - - - στ - - - - - -
- - - - - - - - - - - -

---

**203. Tit. sep. Nicopolidis, s. III/II^a.** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3147, e tribus frustis compositum, ed. id., *ib.* n. 107, c. im. ph. pl. 57.

[Νι]κόπολις
[Κα]λλατιανή.

---

**204. Tit. sep., aetatis eiusdem.** — Columellam marm., Agora inv. I 3148, ed. id., *ib.* n. 108, c. im. ph. pl. 57. Supplementa proposuit C. F. Edson.

Μᾶ
[Κ]απποδό-
[κ]ισσα.

---

**205. Mon. sep., post med. s. IV^a.** — Partem superiorem stelae sepulcralis marm., a sinistra fractam, Agora inv. I 4122, ed. id., *ib.* n. 109, c. im. ph. pl. 58. Titulus infra coronam scriptus.

- - - - - - - Ἀντιπάτρου Κιτιεύς.

---

**206. Tit. sep. Pithani, s. I^p.** — Columellam marm. *Petroupoli* domo quadam privata inv. exscripsit S. N. Koumanoudes, qui ed., Νέον Ἀθήναιον I 1955, 60.

Πίθανον
Μουσαίο[υ]
Κλαζομενία.

---

**207. Tit. sep. Aristuchi Cythnii, s. IV^a.** — Stelam sepulcralem, infra atque a dextra fractam, Agora inv. I 2386, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 271 n. 110, c. im. ph. pl. 57.

Ἀριστοῦχος | Κύθνιος.

---

208. Tit. sep. Plangonis, Promachi filiae, paullo post a. 347ᵃ. — SEG XII 193 breviter tract. E. I. Mastrokostas, Ἀρχ. Ἐφ. 1952, 135/6, ubi de lectione in vs. 5 a primo editore exhibita dubitat, et ipse leg.

5 ὤλβισεν, ἀλλ' ἐδάκρυσε ἐκτὸς ἀποφθιμένην.

Cf. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1820.

209. Tit. sep. Callistus, Socratis uxoris, s. Iᵃ. — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3114, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 271/2 n. 111, c. im. ph. pl. 57.

[Κα]λλιστὼ
[Σ]ωκράτου
Μεγαρέ[ως]
[γυνή].

210. Tit. sep., aet. Rom. — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3261, ed. id., *loc. cit.*, 272 n. 112, c. im. ph. pl. 57.

Ἀσκ - - - - - - - -
Πομ - - - - - - - -
Μεταπ[όντιος].

211. Tit. sep., aetatis eiusdem. — Fragmentum stelae sepulcralis marm. valde mutilae, Agora inv. I 3691, ed. id., *ib.* n. 113, c. im. ph. pl. 57. Titulus a sinistra integer.

Ἀρτεμ - - - -
Ἀρτεμι - - -
Μιλήσιο[ς].

212. Tit. sep., aet. Rom. — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3761, ed. id., *ib.* n. 114, c. im. ph. pl. 57. Scaevus profecto lapicida.

- - - - - - - - -
[Δι]ονυ⟨σ⟩ίο[υ]
Με⟨ι⟩λησ⟨ί⟩α.

1. lap. Ε pro Σ. || 2. lap. ΜΕΛΗΣΑ.

213. Tit. sep. Erotii, Cyri uxoris, s. II/Iᵃ. — Fragmentum generis eiusdem, Agora inv. I 3776, ed. id., *ib.* n. 115, c. im. ph. pl. 57.

Ἐρώτ[ιον]
Μιλη[σία]
Κύρ[ου]
Θηβα[ίου]
5 γυ[νή].

214. Tit. sep. Zoidis, s. I/IIᵖ. — IG II² 9623, nuper denuo repertum (Agora inv. I 3614), exhibet id., *ib.* n. 116, c. im. ph. pl. 57.



215. Tit. sep. Onesus, ex. s. Iᵖ. — Partem superiorem columellae marm., Agora inv. I 3865, ed. id., *loc. cit.*, 272/3 n. 117, c. im. ph. pl. 57.

Ὀνησὼ
Εὐκάρπου
Μιλησία.

216. Tit. sep. Scopae, Eucharisti f., s. IIᵖ. — Columellam marm., Agora inv. I 3453, ed. id., *loc. cit.*, 273 n. 118, c. im. ph. pl. 57.

Σκόπας
[Ε]ὐχαρίσ⟨τ⟩ου
Μιλήσιος.

2. lap. ΥΧΑΡΙΣΟΥ.

217. Tit. sep. Hygini, Athenionis f., aet. Rom. — Fragmentum e parte superiore columellae marm., Agora inv. I 3903, ed. id., *ib.* n. 119, c. im. ph. pl. 57.

Ὑγεῖνο[ς]
Ἀθηνίω[νος]
Μ[ιλή]σ[ιος].

218. Tit. sep. Philistae, Diodori filiae, c.a. 200ᵃ. — Partem superiorem stelae sepulcralis marm., Agora inv. I 4497, ed. id., *ib.* n. 120, c. im. ph. pl. 59.

Φιλίστα
Μιλησία
Διοδώρου
θυγάτηρ.

219. Tit. sep. Onesus, s. IIᵖ. — Partem superiorem stelae sepulcralis marm. cum aetomate, Agora inv. I 4044, ed. id., *ib.* n. 121, c. im. ph. pl. 57. Infra titulum fornix, in quo olim anaglyphum stetit.

Ὠνησὼ Νεικοδήμου
Μειλησία.

220. Tit. sep. Onasiclis, s. Iᵃ. — *Cephisia*, in atrio domus n. 35 Ὁδ. Βασιλέως Κωνσταντίνου ΙΒ'. Columellam marm. albi exscripsit S. N. Koumanoudes, qui ed., Νέον Ἀθήναιον I 1955, 3, n. 2.

Ὀνασικλῆς
Κότυος
Παγαῖος.

221. Tit. sep., s. III/IIᵃ. — Fragmenta tria columellae marm., inter se coniuncta, Agora inv. I 3548, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 273 n. 122, c. im. ph. pl. 57.

Εὐα ⁝ ⁝ ⁝
[Ἀ]πολλ[ωνίου]
Περίν[θιος].

**222. Tit. sep. Rhodii, s. III$^a$.** — Partem superiorem stelae sepulcralis marm., supra atque infra fractam, Agora inv. I 4376, ed. id., *loc. cit.*, 273/4 n. 123, c. im. ph. pl. 58.

[Ῥό]διον Φιλοκράτους Πλαταιική.

**223. Tit. sep., s. II/I$^a$.** — Angulum superiorem a dextra stelae sepulcralis marm., Agora inv. I 3032, ed. id., *loc. cit.*, 274 n. 124, c. im. ph. pl. 59.

. . οναι . ς
. . μάρχου
[Σαλ]αμίνιος.

1. Vel -ΦΝΑΙ.Σ.

**224. Tit. sep. Zopyri, s. I$^p$.** — IG II² 10259. Primi versus, quem indicaverat Kirchner, reliquias nullas videre potuit S. N. Koumanoudes, Νέον Ἀθήναιον I 1955, 5, qui idcirco legere proponit

Ζώπυρ[ος] | Σερίφιος.

**225. Tit. sep. Artemidorae vel Artemidori, s. II/I$^a$.** — Fragmentum stelae marm. undique mutilum, Agora inv. I 3652, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 274 n. 125, c. im. ph. pl. 57.

| | | |
|---|---|---|
| [Ἀρτε]μιδώρ[α] | | |
| [Δημ]ητρί[ου] | | [Ἀρτε]μίδωρ[ος] |
| [Σηλυ]μβριαν[οῦ] | vel | [Δημ]ητρί[ου] |
| [θυγάτηρ] | | [Σηλυ]μβριαν[ός]. |
| - - - - - - - - - - - | | |
| - - - - - - - - - - - | | |
| [γυνή]. | | |

**226. Tit. sep. Onesimi, Onesippi f., s. IV$^a$ p. post.** — IG II² 10343 tract. S. N. Koumanoudes, *loc. cit.* supra (n. 224), 5/6. In eadem stela inscr. ac n. 194, q.v.

**227. Tit. sep. Lysidis, s. IV/III$^a$.** — Columellam marm., Agora inv. I 3454, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 274 n. 126, c. im. ph. pl. 59.

[Λ]υσὶς
Φιλικοῦ
Συρακοσία.



**228. Tit. sep. Eutychiani, s. I$^a$.** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3874, ed. id., *ib.* n. 127, c. im. ph. pl. 60.

[Ε]ὐτυχι[ανὸς]
[Νι]κοκλε[ίδου]
[Τα]ναγ[ραῖος].

2/3. Nomina alia, ut [Νι]κοκλέ[ους] et [Ἀ]ναγ[υράσιος], vix rationi spatiorum congruere videntur.

**229. Mon. sep. Aristomachae, c. a. 375/50$^a$.** — Lecythus marm. cum anaglypho, nunc *Novi Eboraci* in museo Metropolitano. Repraesentatur mulier sedens (Leonice), post quam adstat vir barbatus. Spectant ambo ad dextram, mulierem versus a dextra adstantem; et ultra hanc etiam mulier alia, ad frontem conversa, quacum famula parva. A sinistra, post sellam Leonicae, mulier et famula adstant. Vid. G. M. A. Richter, *Catalogue of Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 59/60 n. 88 c. bibliographia, et im. ph. pl. LXX*c*, *d*, LXXI*c*, *d*, LXXII.

(*a*). supra anaglypha singula praeter mulierem sedentem.

Στρατόκλεια, Αἴολος, Ἀριστομάχη, Ἀξιομάχη.

(*b*). in base sub sella.

Λεωνίκη.

**230. Tit. sep. Ammiae vel Ammii, aet. Rom.** — Fragmentum columellae, Agora inv. I 3957, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 274 n. 128, c. im. ph. pl. 60.

| | | |
|---|---|---|
| Ἀμμί[α] | | Ἄμμι[ον] |
| Διογένο[υ] | vel | Διογένο[υς] |
| . α ⁝ ⁝ ⁝ | | . α ⁝ ⁝ ⁝ |

**231. Tit. sep. Ammonii, s. II$^p$.** — Fragmentum stelae marm. cum aetomate, a sinistra et a tergo incolume, Agora inv. I 4325, ed. id., *loc. cit.*, 274/5 n. 129, c. im. ph. pl. 60.

Ἀμμώνιος - - - - - - - - -.

**232. Tit. sep. Antiphanis, s. III$^a$.** — Angulum superiorem a sinistra stelae marm., Agora inv. I 4529, ed. id., *loc. cit.*, 275 n. 130, c. im. ph. pl. 58. Infra titulum, fragmentum anaglyphi capitis diadema ferentis.

Ἀντιφάνης Ἀντιφ - - - - - - - - - - -.

**233. Tit. sep. Apollonii, aet. Rom.** — Fragmentum stelae marm., Agora inv. I 3892, ed. id., *ib.* n. 131, c. im. ph. pl. 60.

[Ἀπο]λλώνιο[ς - - - - - - - - - - - -].
(*hedera*)

**234. Tit. sep. Aristoclis, s. IV/III[a].** — Fragmentum stelae marm., Agora inv. I 3799, cui latus dextrum et corona superior partim iam exstant. Ed. id., *ib.* n. 132, c. im. ph. pl. 60.

[Ἀρισ]τοκλῆς
- - - - - - - - - -.

**235. Tit. sep. Aristus, aet. Rom.** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3680, ed. id., *loc. cit.*, 276 n. 136, c. im. ph. pl. 60.

Ἀρ(ι)στὼ
Ἀπολλω - - - - - - -
*litterarum reliquiae*

1. Iota in lapide omissum.

**236. Mon. sep. Archestratae, s. IV[a] p. post.** — Stelam sepulcralem marm., cum anaglypho duas mulieres manus iungentes exhibente, *Nova Ionia* apud n. 1 Ὀδ. Ἀχαΐας inv., ed. S. N. Koumanoudes, Νέον Ἀθήναιον I 1955, 3/4, n. 3. Titulus supra anaglyphum inscr.

Ἀρχεστράτη Εὐκολίνη.

**237. Tit. sep. Marci Aurelii cuiusdam, s. II/III[p].** — Fragmentum columnae marm., Agora inv. I 3778, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 275 n. 133, c. im. ph. pl. 60.

Μᾶρ. Αὐρ. - - - - - - - - -
Βάσσου - - - - - - - - - -

**238. Tit. sep. Aphrodisiae, s. IV[a].** — Parvam stelam marm., Agora inv. I 3488, ed. id., *ib.* n. 134, c. im. ph. pl. 60. Ἀφροδισία.

**239. Tit. sep. Aphrodisiae, Dori uxoris, s. IV[a].** — Fragmentum lecythi sepulcralis marm., undique mutilum, Agora inv. I 4102, ed. id., *ib.* n. 135, c. im. ph. pl. 59.

Ἀφροδισ[ία]
Δώρο[υ]
γυνή.

**240. Tit. sep. Bacchidis, s. II/I[a].** — Angulum superiorem a sinistra stelae sepulcralis marm. cum aetomate, Agora inv. I 3254, ed. id., *loc. cit.*, 276 n. 137, c. im. ph. pl. 60.

Βακχ[ὶς] Ὀ - - - - - -.

**241. Tit. sep. Beniamis, s. II/III[p].** — IG II² 10949 (EM 1226). Vs. 1, ubi IG Βενιδάης exhibet, lectionem veriorem Βενιάμης esse asseverat M. Th. Mitsos, Πλάτων VI 1954, 119. Hoc loco librum de titulis sepulcralibus quem scripsit G. Pfohl (SEG XIII 67) breviter recenset; cf. de eodem libro etiam J. Bingen, *Ant. Class.* XXIV 1955, 251/2.

Idem de nomine contenderat M. Schwabe, *Tarbiz* XXI 1949/50, 112/23 c. im. ph.

Vid. quoque J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 21; n. 88.



**242. Tit. sep., s. IV[a].** — Fragmentum baseos (stelae?) marm., a sinistra integrum, Agora inv. I 3544, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 276 n. 138, c. im. ph. pl. 60.

Βρυων[- - - - - ?]
. . μα - - - - - - - -
- - - - - - - - - -

1. De nomine cf. Bryonem IG II² 34 vs. 38 commemoratum.

**243. Tit. sep. Demaeneti, Demi f., s. II/I[a].** — Fragmentum stelae marm., a tergo integrum sed praeter hoc undique mutilum, et incendio valde laesum, Agora inv. I 3259, ed. id., *ib.* n. 139, c. im. ph. pl. 60.

[Δ]ημαίνε[τος]
[Δ]ήμου.

**244. Mon. sep. Democrateae, Demotelis, Malthacae, s. IV[a].** — De IG II² 11118 monumentisque aliis familias easdem bis exhibentibus tract. G. M. A. Richter, *Festschrift Bernhard Schweitzer* (*Beiträge zur klassischen Altertumswissenschaft*), 1954, 256/9 et praecip. 257.

**245. Tit. sep. Demostratae, aet. Rom.** — Frustum tabulae marm., a tergo et supra partim incolume, Agora inv. I 2389, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 276 n. 140, c. im. ph. pl. 60.

[Δ]ημοστρά[τη]
[χρ]ηστὴ χ[αῖρε].

**246. Tit. sep. Democharis, s. IV[a].** — Amphoram sepulcralem marm., Agora inv. I 4518, ed. id., *loc. cit.*, 276/7 n. 141, c. im. ph. pl. 61. Infra titulum, anaglyphum viri barbati stantis et ad sinistram conversi, adversus quem stat femina, quacum etiam infans.

Δημοχάρης.

**247. Tit. sep. Dionysii, s. IV[a].** — Partem stelae sepulcralis marm., a tergo et a sinistra incolumem, Agora inv. I 3905, ed. id., *loc. cit.*, 277 n. 142, c. im. ph. pl. 59. Infra titulum, reliquiae anaglyphi valde laesi, quod caput umerosque viri tantum exhibet.

[Δ]ιονύσιο[ς - - - - - - - - - -]
Φ - - - - - - - -.

**248. Tit. sep. Dionysodori, aet. Rom.** — Fragmentum stelae sepulcralis marm., Agora inv. I 3140, ed. id., *ib.* n. 143, c. im. ph. pl. 60. Titulus infra coronam stelae.

[Διο]νυσόδ[ωρος - - - - (vel - οτος)].

**249. Tit. sep. Doridis, s. IV[a].** — Fragmentum e parte superiore stelae sepulcralis marm., infra fractum, Agora inv. I 4306, ed. id., *ib.* n. 144, c. im. ph. pl. 60.

Δωρὶς | χρηστή.

**250. Tit. sep. Doridis, aet. Rom.** — Fragmentum monumenti parvi marm., a dextra fractum, Agora inv. I 3681, ed. id., *ib.* n. 145, c. im. ph. pl. 60.

Δωρὶς Η - - - - - -.

**251. Tit. sep. filiae Epithalis, post med. s. IV[a].** — Partem dextram stelae sepulcralis marm., undique nisi a sinistra salvam, Agora inv. I 4328, ed. id., *loc. cit.*, 277/8 n. 147, c. im. ph. pl. 59.

- - - - - - - - - 'Επιθάλ{λ}ου
[θ]υγάτηρ.

**252. Tit. sep. Hermiae, aet. Rom.** — Frustum columellae marm., undique nisi supra mutilum, Agora inv. I 2756, ed. id., *loc. cit.*, 278 n. 148, c. im. ph. pl. 60.

'Ερμεία[ς]
- - - - - - - -.

**253. Tit. sep., s. II[a].** — Fragmentum eiusdem modi, Agora inv. I 2794, ed. id., *ib.* n. 149, c. im. ph. pl. 60.

'Ερμοκ - - - - -
'Αρι - - - - - - -
- - - - - - - - - -.

**254. Tit. sep. Euthycriti, s. IV[a].** — Fragmentum stelae sepulcralis marm. cum actomate, supra, a tergo(?), et a sinistra partim incolume, Agora inv. I 3953, ed. id., *ib.* n. 150, c. im. ph. pl. 60.

[Ε]ὐθύκριτ[ος - - - - - - -].

**255. Tit. sep., aet. Rom.** — Fragmentum stelae sepulcralis marm., undique nisi supra mutilum, Agora inv. I 4327, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 278 n. 151, c. im. ph. pl. 60. Titulus infra coronam stelae.

- - - - - - ς Σείμου Εὐτυχία - - - - - -
Νέων Θε - - - - - - - - - -.

**256. Tit. sep. Eutychiani, aetatis eiusdem.** — Frustulum marm., Agora inv. I 3514, ed. id., *ib.* n. 152, c. im. ph. pl. 60.

[Εὐτυ]χιανό[ς].

**257. Tit. sep. Zeuxippae, s. IV[a] p. prior.** — Fragmentum lecythi marm., nunc *Parisiis* apud venditorem rerum antiquarum quendam, commemorat G. A. Stamires, *Archaeology* VIII 1955, 121 c. im. ph.



Anaglyphum mulieris sedentis, ad dextram conversae, quae manum dextram cum viro barbato adstante iungit.

Ζευξίππη Θε - - - - -.

**258. Tit. sep. Zenobii, aetatis eiusdem.** — Fragmentum e parte superiore monumenti marm., Agora inv. I 2718, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 278 n. 153, c. im. ph. pl. 62.

[Ζη]νόβιος.

**259. Tit. sep. Theodorae et viri eius(?), s. IV/III[a].** — Angulum superiorem a sinistra stelae sepulcralis marm. cum actomate, Agora inv. I 3043, ed. id., *loc. cit.*, 278/9 n. 154, c. im. ph. pl. 62.

Θιωδώρα (*sic*) Σ - - - - - - -.

**260. Tit. sep. Iridis, aet. Rom.** — Partem superiorem columellae marm., Agora inv. I 3282, ed. id., *loc. cit.*, 279 n. 155, c. im. ph. pl. 62.

'Ιρις.

**261. Tit. sep. Iridis alterius, aet. eiusdem.** — Frustulum marm., undique mutilum, Agora inv. I 3156, ed. id., *ib.* n. 156, c. im. ph. pl. 62.

'Ιρις
χρηστή.

**262. Tit. sep. Isiadis, s. II[a].** — Angulum superiorem a sinistra stelae sepulcralis marm. cum actomate, Agora inv. I 3607, ed. id., *loc. cit.*, 277 n. 146, c. im. ph. pl. 60.

Εἰσιὰς 'Αθ - - - - - - -
*vac.* ≋ Ν Η Κ - - - - -.

**263.** IG II² 11771a. Vid. G. M. A. Richter, *Catalogue of the Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 64 n. 97, c. im. ph. pl. LXXIXa.

**264. Tit. sep. Callistrati, Cephisodori (?) f., s. IV[a].** — Fragmentum stelae sepulcralis marm., infra atque a dextra fractum, Agora inv. I 3152, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 279 n. 158, c. im. ph. pl. 62.

Καλλίστ[ρατος]
Κηφισοδ[ώρου vel -ότου].

**265. Tit. sep., s. I[a]/I[p].** — Fragmentum e parte superiore monumenti sepulcralis, undique mutilum, Agora inv. I 2830, ed. id., *ib.* n. 157, c. im. ph. pl. 62.

Καλλισ - - - - -
. . φ - - - - - - - -
- - - - - - - - - -.

**266. Tit. sep. Cleostratae, Pythoclis, Melittae, ante med. s. IV[a].** — IG II² 11874. Vid. G. M. A. Richter, *Festschrift Bernhard Schweitzer (Beiträge zur klassischen Altertumswissenschaft)*, 1954, 257, et n. 244 supra.

**267. Tit. sep. Clodiae, aet. Rom.** — Angulum superiorem a sinistra stelae sepulcralis marm., quae fortasse anaglyphum olim ferebat, Agora inv. I 3357, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 279 n. 159, c. im. ph. pl. 62.

Κλωδία - - - - - - - -.

**268. Tit. sep. Cottabi, aet. Rom.** — Fragmentum monumenti sepulcralis parvi marm. cum aetomate, undique mutilum, Agora inv. I 3067, ed. id., *ib.* n. 160, c. im. ph. pl. 62.

[Κότ]αβος Πόθο[υ - - - - - - - -].

**269. Tit. sep. Comicae, c. s. II/I[a].** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3714, ed. id., *loc. cit.*, 280 n. 161, c. im. ph. pl. 62.

Κωμική | χρηστή.

**270. Tit. sep. Conopae, s. IV[a].** — Fragmentum lecythi sepulcralis marm., Agora inv. I 2413, ed. id., *ib.* n. 162, c. im. ph. pl. 59.

Κωνώπη.

**271. Mon. sep. Lysistratae, med. s. IV[a].** — IG II² 12013. Vid. G. M. A. Richter, *Catalogue of Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 58/9 n. 86, c. im. ph. pl. LXIX*b*.

**272. Tit. sep. Menophili, s. II[p].** — Angulum superiorem a sinistra stelae marm. cum aetomate, Agora inv. I 3612, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 280 n. 163, c. im. ph. pl. 62.

Μηνόφιλ[ος - - - - - - - -].

**273. Tit. sep., aet. Rom.** — Fragmentum lapidis superioris monumenti sepulcralis marm., utrimque fractum, Agora inv. I 4486, ed. id., *ib.* n. 164, c. im. ph. pl. 62.

- - - - - - - -ος Μηνοφίλου - - - - - - -.

**274. Monumentum sepulcrale Mnesicritae (?), s. IV[a].** — Anaglyphum viri barbati, a sinistra sedentis, cui dextram porrigit mulier adstans, nunc *Novi Eboraci* in Museo Metropolitano, commemorat et imaginem phot. exhibet D. von Bothmer, *Bull. Metr. Museum* XI 1952/3, 186/9. Titulus, plerumque erasus, in corona aetomatis.

[[- - ο - - - - - Μ]]νησικρίτη.



**275. Tit. sep. Moschionis, s. II/I[a].** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3383, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 280 n. 165, c. im. ph. pl. 59.

Μοσχίων
Μηνο - - - - -
- - - - - - - - -.

**276. Tit. sep. Myrtalae, s. I[p].** — Fragmentum stelae sepulcralis marm. cum aetomate, supra partim incolume, Agora inv. I 3154, ed. id., *ib.* n. 166, c. im. ph. pl. 62.

Μυρτάλη - - - - - - - - - - - - -
['Απο]λλ[- - - - - - - - γυνή].

**277. Tit. sep. Nicarii, aet. Rom.** — Fragmentum superius columellae marm., Agora inv. I 2705, ed. id., *loc. cit.*, 280/1 n. 167, c. im. ph. pl. 62.

Νικάριν.

**278. Carmen sepulcrale, s. III[p].** — IG II² 12318. Vs. 4 ἀ[γνὴ] ἐπ[ωνυ]μίην pro 'Α[τθίς], et vs. 10 Μουσάω[ν ἀγνῶ]ν pro Μουσάω[ν θνητ]ὸν κτλ. legit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 379/81. Vid. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1996.

**279. Tit. sep. Oenanthidis, s. IV[a].** — Fragmentum stelae sepulcralis parvae marm., Agora inv. I 3476, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 281 n. 168, c. im. ph. pl. 62.

Οἰνανθίς.

**280. Tit. sep. Pantaclis, s. IV[a].** — Fragmentum partis superioris stelae marm., Agora inv. I 3520, ed. id., *ib.* n. 169, c. im. ph. pl. 58. Supra titulum reliquiae anaglyphi ornamentum acanthi exhibentis.

[Π]αντακλῆς.

**281.** IG II² 12633, antea perditum, demo in Agora (inv. I 3094) inventum esse demonstrat id., *ib.* n. 170, c. im. ph. pl. 58. Nomen in vs. 2 nunc certa lectione Κέλαδος exstat.

**282. Tit. sep. Stephephori, s. II[p].** — Angulum superiorem a sinistra stelae sepulcralis marm. cum aetomate, Agora inv. I 3348, ed. id., *ib.* n. 171, c. im. ph. pl. 59. De hoc nomine, eadem fere aetate commemorato, cf. *Hesperia* XI 1942, 55 n. 21, vs. 37.

Στεφηφό[ρος - - - - - - - -].

**283. Tit. sep. Sosibii, s. II[p].** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 3264, ed. id., *ib.* n. 172, c. im. ph. pl. 62.

Σωσίβιος
- - - - - - - -.

**284. Tit. sep. Sosipatrae, s. II$^{p}$.** — Fragmentum marm. eiusdem modi, Agora inv. I 4131, ed. id., *loc. cit.*, 282 n. 173, c. im. ph. pl. 62.

[Σω]σιπάτρα
----------.

**285. Tit. sep. Phanodicae, s. II$^{a}$.** — Stelam parvam marm. cum aetomate, in Agora inventam (inv. I 4322), eandem ac IG II² 12867 esse putat Meritt, *ib.* n. 174, c. im. ph. pl. 61.

**286. Tit. sep. Philathenaei, aet. Rom.** — Fragmentum e parte superiore stelae marm., Agora inv. I 3516, ed. id., *ib.* n. 175, c. im. ph. pl. 62.

Φιλαθή[ναιος].

**287. Tit. sep., aet. Rom.** — Fragmentum stelae marm., a tergo integrum, Agora inv. I 3519, ed. id., *ib.* n. 176, c. im. ph. pl. 62.

------ος Φιλήτου ------.

**288. Tit. sep. Philomeli, s. IV$^{a}$.** — Columellam marm., infra fractam, Agora inv. I 4091, ed. id., *ib.* n. 177, c. im. ph. pl. 62.

Φιλόμηλος.

**289. Tit. sep. Orarii, aet. Rom.** — Angulum superiorem a sinistra stelae marm. cum aetomate, a tergo integrum, Agora inv. I 3506, ed. id., *loc. cit.*, 282/3 n. 178, c. im. ph. pl. 59.

Ὡράριος.

**290. Carmen sepulcrale, s. II/III$^{p}$.** — IG II² 13159/60. Vss 1/4 denuo suppl. W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 368/71.

[Ἐνθάδε γῆς ἱερῆς ὑπὸ κόλπους ἠπιοδώρου]
[Παίωνος πέλας ἱσ]αθέου νηοῖο βεβ[ᾶσιν]
[ὕπνον ἀποβρί]ζοντες ἐπαλλήλοισι τά[φοισι]
[λοίσθιον, ᾧ Θάνατος] στυγερῇ ἐπιτέρπεται ὕ[βρει],
[τοῦ δεῖνος παῖδες] πο(υ)λύφρονος ἰητῆρος.

**291. Carmen sepulcrale, s. II$^{p}$.** — *Patissia*. Fragmentum stelae marm., in muro septentrionali ecclesiae S. Andreae inv., exscripsit et ed. S. N. Koumanoudes, Νέον Ἀθήναιον I 1955, 4/5, n. 4.

---------- τον μον ----------
ν---------- οὐκέτι μ ----------
νο---------- τον ἀπο ----------
Ζην---------- πάντα κο ----------
παιδὶ---------- ας ἐνεχυ ----------
ἢ γὰρ ἀν --------



**292. Tit. sep. cum diris et poenarum sanctionibus, s. II$^{p}$.** — *Cephisia*. Fragmentum stelae marm., undique nisi paullulum a dextra fractum, in muro septentrionali ecclesiae Παναγίας τῆς Ξυδοῦ inaedificatum, ed. S. N. Koumanoudes, *loc. cit.*, 1/3.

----------
[---------- με]-
[τακεινοίη τ]ο[ύτωι μήτε γῆν]
[καρπὸν φέρε]ιν μή[τε θάλασ]-
[σαν πλωτὴ]ν ε[Ι]ναι κ[ακῶς τε ἀ]-
[πολέσθαι αὐτὸν καὶ γένος] ·
[ὅστις δὲ κατὰ χώρα]ν φ[υλά]-
[ττοι κα]ὶ τιμῶν τὰ εἰωθό γ -
[τα καὶ αὔ]ξ[ων δι]αμένοι πολ-
[λ]ὰ κ[α]ὶ ἀγ[αθ]ὰ εἶ[ν]αι τούτω[ι]
[κα]ὶ [αὐ]τῶι [καὶ ἐκγ]όνοις · [λυ]-
[μήνασθαι δὲ μηδὲ λωβήσα]-
[σθαι μηδὲν ἢ ἀπ]ο[κρ]οῦσαι [ἢ]
[συν]θ[ραῦσαι ἢ συνχε]ῦαι τῆς
[μορφῆς καὶ τοῦ σχή]ματος
----------

De hoc genere titulorum cf. IG II² 13188,208.

**293. Tit. sep., s. IV$^{a}$.** — Fragmentum epistylii e monumento parvo sepulcrali provenientis, Agora inv. I 3469, ed. B. D. Meritt, *Hesperia* XXIII 1954, 283 n. 179, c. im. ph. pl. 61.

[---]ταίχμη
[---]κλέους
---------.

1. [Ἀρισ]ταίχμη vel [Κλει]ταίχμη (cf. *PA* 8530)?

**294. Tit. sep., s. II/I$^{a}$.** — Fragmentum columellae marm., Agora inv. I 2831, ed. id., *ib.* n. 180, c. im. ph. pl. 62.

---------

χρηστή.

**295. Abecedarium, aet. Rom.** — Fragmentum marm., undique mutilum sed a tergo integrum, Agora inv. I 3005. Titulus ex imagine photographica legi debet, nam in vs. 1 apparent litterae Π, Ρ, Σ, Τ (Ρ et Σ sinistrorsum incisae), et in vss. 2/4 fragmenta litterarum aliarum, quae omnes nisi Γ dextrorsum scriptae sunt. Fortasse lapicida quidam iunior suam artem discebat. Ed. B. D. Meritt, *loc. cit.*, n. 181, c. im. ph. pl. 62.

**296. Tit. Christianus, aet. Byzant.** — *Brauron.* Fragmentum columnae, postea in usum basilicae Christianae refectum, commemorat E. Stikas, Πρακτικά 1951, 54/6 c. del. fig. 4.

Χ(ριστ)ὲ βοήθι
[τ]ῷ δεομένῳ.
Α ω

## AEGINA

**297. Dedicatio, ex. s. VIII[a].** — Fragmentum tabulae pictae dedicatoriae, prope urbem *Aeginam* repertum sed nunc *Athenis* apud Scholam Britannicam, ed. J. Boardman, *BSA* XLIX 1954, 184/6, c. im. ph. pl. 16, 1, et del. fig. 1.

- - - - σονοσεπιστ - - - - - -.

Ut fragmentum hexametri supplevit L. H. Jeffery, quae proposuit [- - - Λύ]σονος Ἐπιστ[έμον ἀνέθεκε].

**298. Dedicatio, s. II/III[p].** — *Aegina*, in museo. SEG XI 4 adducit A. D. Nock, *Aegyptus* XXXIII 1953, 295, qui ut dedicationem imperatori cuidam (fortasse Caracallae) titulum (*b*) interpretatur.

299. IG IV 53 (SEG XI 32) adducit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 382/3 n. 15. De eodem titulo vid. W. Peek, *Zeitschr. d. Martin-Luther-Universität Halle-Wittenberg* IV 1954/5, 216/7.

## CORINTHIA

**300. Dedicatio, ex. s. VI[a].** — In *Isthmo. Graffito* in labro poculi incisum, ad fanum Neptuni reperti, inv. IP 335, ed. O. Broneer, *Hesperia* XXIV 1955, 133/4 n. 19, c. im. ph. pl. 52a. Vas Athenis confectum est, et titulus quoque Atticus, non Corinthius, videtur esse.

*hι*ερὸς Ποσει[δῶνος - - - -].

Signaturae fragmentum in cylice pictae, ibid. repertum et eodem loco n. 17 commemoratum, SEG vol. XV edetur.

**301. Telarum pondera, s. IV/III[a].** — *Ibid.* Sigilla in ponderibus impressa, haud procul ab eodem fano reperta, commemorat id., *loc. cit.*, 140 nn. 18/9, c. imm. ph. pl. 56.

(*a*) Inv. IM 327 ; Broneer n. 18. Cf. G. R. Davidson, *Corinth* XII, 1952, 156/8 nn. 1146 etc.: c. a. 350[a]. ΜΕΛ.

(*b*) Inv. IM 343 ; Broneer n. 19. Cf. G. R. Davidson, *op. cit.*, 159 n. 1153 : a. 350/250[a]. ΓΛΥΚ.



**302. Donarium Cypselidarum, s. VII/VI[a].** — SEG I 94, *Olympiae* repertum, breviter commemorat, et imaginem pulcherrimam photogr. exhibet R. J. Hopper, *Greece and Rome* (2nd ser.) II 1955, 10. Im. ph. pl. CLI(*a*), c. adn. p. 47.

**303. Dedicatio Pyrrhiae, c. a. 580/75[a].** — *Corinthus.* Aryballum cum titulo picto et delineatione tibicinis cum choro iuvenum edd. M. C. et C. A. Roebuck, *Hesperia* XXIV 1955, 158/63, c. imm. ph. pl. 63 et del. pl. 64. Cf. quoque *ibid.*, 151/2. (*a*) sinistrorsum, (*b*) partim sinistrorsum partim dextrorsum.

(*a*). Πολυτερπός.

(*b*). Πυρρίας προχορευόμενος · αὐτῶ(ι) δέ ϝοι ὄλπα.

**304. Honores C. Aelii Themisonis, a. 100/150[p].** — *Ibid.* SEG XI 52c. Vs. 10 ἑαυτῷ μελοποιεῖν = 'selbst in Musik setzen' contendit K. Latte, *Eranos* LII 1954, 125/7. Themison igitur tragoedias Sophoclis Euripidisque et poemata Timothei excerpsit, et musicorum numeros ipse addidit.

Eundem tit. tractat id., *ib.*, LIII 1955, 75/6, et confert A. Rehm, *Indogermanische Forschungen* LXI 1952/4, 178/80, qui in titulo Milesio Timotheastas commemoratos adducit. Cf. J. et L. Robert, *REG* LXVII 1954, 128/9 n. 111, LXVIII 1955, 216 n. 99, 260 n. 196; D. Tabachovitz, *Eranos* LIII 1955, 76/8.

**305. Graffito.** — *Ibid.* SEG XI 147 repetit O. Broneer, *Corinth* I iv, 1954, 101 c. adn. 1, qui nunc legit

Λούκιος ¦ Κάν[ι]ος.

**306. Tituli vasorum.** — *Ibid.* Fragmenta vasorum cum titulis vel pictis vel *graffiti* incisis in stoa meridionali reperta commemorat O. Broneer, *op. cit.*, 63/4, quorum pleraque iam in SEG XI 212 tabulantur. Vid. pl. 14 (5). Addenda sunt

(*a*) Ἀντέρωτος. (*b*) Εἰράνας.
(*c*) [Ο]ἰνῶπ[ος](?). (*d*) Φιλίας.
(*e*) Ὦ παρ' ἐλπίδας φανείς. (c. del. fig. 41).

**307. Tabula lusoria, s. IV/III[a].** — *Ibid.* SEG XI 188. Vid. etiam Broneer, *op. cit.*, 64, c. im. ph. pl. 15 (1).

**308. Tegula, aet. Rom.** — *Ibid. Graffito* in tegula, in cloaca prope porticum meridionalem inventa, commemorat id., *op. cit.*, 65 c. adn. 31, et im. ph. pl. 16 (1). ΑΥΤΑ

## SICYONIA

**309. Dedicatio (?), s. VI[a] p. post.** — *Sicyon.* Basem nunc *Sicyone* in museo commemorat A. K. Orlandos, Πρακτικά 1951, 189/90 n. 3 c. del. fig. 4. Litterarum formae Sicyoniae.

------ ἑτιμος : Ἀπο---
---- Θελξαγόραν Ὀν--

**310. Titulus agonisticus,[1] a. 500/450[a].** — *Ibid.* SEG XI 257 = L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 29/30 n. 12, qui ca. a. 475[a] attribuit.

Vs. 1. Ἀγαθᾶ [τύχα] SEG XI : [τύχα] reicit Mor.
6. Σεκυῶ[νι] SEG XI : Σεκυῶ[νι] Mor.
7. [Ἀ]θάν[ασι] SEG XI : [Ἀ]θάν[αις] Mor.

**311. Tit. agonisticus Callistrati, c. a. 260/20[a].** — *Ibid.* IG IV 428 = Moretti, *op. cit.*, 103/8 n. 40, qui in col. II vs. 11 [Ῥί]ε[ια πάλαν κ]αὶ πυγμὰν καὶ παγκράτιον legit.

**312. Dedicatio gymnasiarchi, aet. Rom.** — *Ibid.*, in museo. Discum aeneum cum titulo commemorat A. K. Orlandos, Πρακτικά 1951, 190/1 c. del. fig. 5. Duo versus in circulo, primus in margine exteriore, alter prope centrum scripti.

Μηνόδοτος (Μηνοδότου) γυμνασιαρχῶν Ἑρμᾶι Ἡρακλεῖ,
ἔτους ἑ[β]δομηκοστοῦ.

1. Patronymicum cum signo ⊋ expressum.

**313. Tit. sepulcralis, s. V[a].** — *Ibid.* Basem lecythi sepulcralis ed. id., *ib.*, 189 n. 2, qui titulum ita exhibet :

HXPOOM.

## CLEONAEA

**314. Carmen dedicatorium, s. VI[a].** — *Nemea.* SEG XI 290 = L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 6/7 n. 3.

## ARGIA

**315. Dedicatio Timoclis, ex. s. VI[a].** — In *Heraeo Argivorum.* IG IV 510 = L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 13/5 n. 7.

**316. Honores C. Iulii Bassi, s. II[p] p. post.** — *Argi.* W. Vollgraff, *Mnemosyne* (Ser. II) XLVII 1919, 258/60 n. xxvi. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 215/9 n. 74 ; eund., *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 281/2, 285.



**317. Dedicatio Aeschyli, in. s. V[a].** — *Ibid.* IG IV 561 ; SEG XI 328. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 21/3 n. 10 ; W. Peek, *Zeitschr. d. Martin-Luther-Universität Halle-Wittenberg* IV 1954/5, 231 n. 51.

**318. Dedicationes Phrygiae, s. III[a].** — *Ibid.* Fragmenta stelarum duarum lap. calc. cum aetomatibus, in quibus anaglypha simillima mulieris vittam tenentis quae ad Dionysum, Cererem, et Proserpinam sedentes adpropinquat. Supra utrumque anaglyphum titulus idem. Ed. W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 345/7, c. im. ph. pl. II/III.

Φρυγία ἀνέθηκε.

**319. Titulus agonisticus, c. a. 200/180[a].** — *Ibid.* SEG XI 338. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 117/21 n. 45, qui in. s. II[a] attr. (SEG s. III[a]). Vs. 14 ad fin. τετρ?]ά[κ]ις profert. Cf. eund., *Athenaeum* XXXII 1954, 115.

**320. Tit. sepulcralis, s. IV[a] p. prior.** — *Ibid.* Stelam parvam, fortasse super sepulcro infantis positam, commemorat S. Charitonidis, *BCH* LXXVIII 1954, 422, c. im. ph. fig. 21 (p. 419).

Τίμωνος.

**321. Tit. sepulcralis, s. IV[a].** — *Ibid.* IG IV 631 tract. W. Vollgraff, *loc. cit.* supra (n. 318), 318/23, qui legere mavult

---- Ἡρ[ὼ] σημ(αιοφόρος)
-----ου Λυκοφρον[ίς].

2. Λυκοφρ. nomen phratriae.

**322. Tit. sep. Maeniae, s. II[a].** — *Ibid.* IG IV 620 vss. 4/8 exhib. W. Vollgraff, *loc. cit.*, 357. Vid. nuperrime W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 973.

**323. Tit. sep., aet. eiusdem.** — *Ibid.* Fragmentum lap. calc., olim partem orthostatae e muro templi provenientis, quod olim viderat J. K. Kophiniotis, ed. W. Vollgraff, *loc. cit.*, 315/50, c. del. 316 et im. ph. pl. Ia. Titulus supra anaglyphum crateris et caducei inscr.

[Τοῦ δεῖνος τοῦ δεῖνος ἀρχα]γέτα · μὴ ἀνοιγέ-
[τω μηδείς. τοῦ δεῖνος] Φιλιστίδα ἀρχαγέτα.

**324. Tit. sep., aet. eiusdem.** — *Ibid.* IG IV 642 tract. id., *loc. cit.*, 317/50, c. del. 318 et im. ph. pl. Ib, qui legit

[Μυ]ρτία ν̲ ση(μαιοφόρος) ν̲
ἀρχαγέτις.

## TROEZENIA

**325. Honores L. Licini Anterotis.** — *Methana.* IG IV 853 a. 1/2$^{p}$ attribuendum esse contendit A. J. Gossage, *BSA* XLIX 1954, 56. Cf. n. 348 infra.

## EPIDAURIA

**326. Honores Socratis, Socratis f., c. a. 100$^{a}$.** — *Epidaurus.* IG IV$^{2}$ 1, 629, exhibet et tract. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche,* 1953, 140/1 n. 53.

**327. Dedicatio Apollini, s. IV/III$^{a}$.** — *Ibid.* Partem superiorem stelae marm. c. acroteriis, in fano Apollinis Maleatae inv., ed. J. Papademetriou, Πρακτικά 1950, 196, c. im. ph. Πρακτικά 1951, 208 fig. 6.

Ἀριστοκλῆς ἰαρεὺς Εὐέτης πυρφόρος ἀνεθέταν.

De Aristocle vid. IG IV$^{2}$ 1, 108 vs. 160.

**328. Dedicatio eidem, eiusdem fere aetatis(?).** — *Ibid.* Basem cum titulo breviter commemorat id., Πρακτικά 1951, 212.

Φιλικὸς Ἀρχιδάμου ἀνέθηκε Ἀπόλλωνι.

## LACONIA

**329. Dedicatio Aeglatae Apollini Carneo, c. a. 500/480$^{a}$.** — *Sparta.* IG V 1, 222 (SEG XI 672) = L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche,* 1953, 19/21 n. 9, qui in. s. V$^{a}$ attribuit.

**330. Dedicatio Damononis Minervae, c. catal. victoriarum, c. a. 440/35$^{a}$.** — *Ibid.* IG V 1, 213 (SEG XI 650) = Moretti, *op. cit.,* 36/40 n. 16.

**331. Dedicatio Arexippi, s. IV$^{a}$ p. prior.** — *Ibid.* IG V 1, 255 (SEG XI 701) = Moretti, *op. cit.,* 45/8 n. 18.

**332.** *Ibid.* IG V 1, 728 adducit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 358 n. 2. Vid. nunc W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1406.

**333. Asopitae honorant C. Iulium Euryclem, aet. Imp. Aug.** — *Asopus.* IG V 1, 970 (SEG XI 901) = Ehrenberg-Jones, *Documents illustrating the reigns of Augustus and Tiberius* (ed. 2, 1955), n. 351. In SEG XI p. 234 per errorem sub n. 904 citatur.

**334. Edictum Diocletiani de pretiis rerum venalium, a. 301$^{p}$.** — *Geronthrae.* Fragmenta edicti I et V Geronthris reperta tract. J. Bingen, BCH LXXVIII 1954, 352/5, c. del. fr. V fig. 1. Vid. IG V 1, 1115.



(*a*). *Geronthrae* Γi, 14 (Mommsen-Blümner 7, 76). Coll. frag. *Megara* I (βαλανεῖ πρειουάτου), in lapide legit B. βαλανεῖ πιβράτου.

(*b*). *Geronthrae* V ii, 6/9 (Mommsen-Blümner 32, 17). Coll. frag. *Lebadeia* IV, 9/10, legit B. καννά|βεως ἐνεσ|μέν(ης) ἰς ⟨σ⟩χοιν[ἰο]ν (vel ⟨σ⟩χοιν[ἰ]|ν).

*Geronthrae* V i, 7/11, e fragmento *Pettorano* supplere etiam potuit, *ibid.,* 351/2, ubi nunc legit

[Λουκουλλ]είου πο(ὺς) α′ (δην.) ρν′.
[πυρροπ]οικίλου
πο(ὺς) α′ (δην.) ρ′.
[Κλαυδιαν]οῦ
[πο(ὺς) α′] (δην.) ρ′.

De edicto eodem vid. nn. 380 et 408 infra, et SEG XII 483, XIII 245. Bibliographiae addenda sunt L. C. West, *The coinage of Diocletian and the edict on prices,* in *Studies in honor of Allan Chester Johnson,* 1951, 290/302; H. Michell, *Canadian Journal of Economics and Political Science* XIII 1947, 1/12.

**335.** *Ibid.* IG V 1, 1134; SEG XI 919. Vid. W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 353.

## MESSENIA

**336. Tit. sepulcralis, aet. imp. Rom.** — *Corone.* IG V 1, 1399 adducit W. Vollgraff, *loc. cit.,* 368 n. 6.

**337-45. Tituli rupestres.** — In insula *Prote.* IG V 1, 1533/58, et titulos eiusdem generis (SEG XI 1005/24*a*) tractavit Nils Sandberg, ΕΥΠΛΟΙΑ (*Acta Universitatis Gotoburgensis* 1954, 8), 6/31 nn. 1/28, quorum in textibus hic et illic nova supplementa vel lectiones novas proponit. Unde textus aliquo modo mutatos exhibemus, et omnium numerorum comparationem cum IG V 1 et SEG XI subiungimus.

**337.** IG V 1, 1543; SEG XI 1015. Sandberg 9/11 n. 6.

Εὔπλοια τῶν
Διοσεραπι(ασ)τῶν
Ἐρ - - - - - - - -
Γ. οτηδε τῷ Ἑρμοδώ-
ρου τῷ εὐτυχῇ.
Εὔ[πλοια - - -]
- - - - - - - - - - -

**338.** IG V 1, 1546. Sandberg 12/3 n. 9.

Εὔπλοιά σοι
εὐτυχής, Ἰρα-
------ Εἰρη[ν]α[ί]-
[ου --------]
[π]ρ[ο]να[υκλήρου].

**339.** IG V 1, 1553. Sandberg 24/5 n. 16. Tit. nunc deperditus.

Εὔπλοια . . . ΑΙΗ Ἀθηνᾷ καὶ ΙΝ
ΓΕΜΙΑΙ ταῖ[ς] Μειλησίαι{αι}ς
ταῖς ΦΙΑΛΥ Μαρκια(ν)οῦ τ(ο)ῦ
----------

**340.** IG V 1, 1554 ; SEG XI 1019. Sandberg 25/6 n. 17.

Εὔπλοια πλοίῳ
Μαρίᾳ Ἀνι-
εους βεά-
τῳ [καὶ]
πᾶσι
Κυπρ[ίοις].

**341.** SEG XI 1010. Sandberg 26/7 n. 21.

Εὔπλοιά σοι
εὐτυχῇ Διο-
νύσῳ κα[ὶ] Ὀσίρε[ι].

**342.** SEG XI 1011. Sandberg 27/8 n. 22.

Εὔπλοια τῇ Ἀθηνᾷ [καὶ]
Ἑστίᾳ ἐν Καμίρῳ τῷ
Σ[ω]σικλέους Νισυρίου.

**343.** SEG XI 1016. Sandberg 29 n. 25.

Εὔπλοιά σοι ε[ὐτυχῇ].

**344.** SEG XI 1023. Sandberg 29/31 n. 27.

Εὔπλοια
τῇ Ἀφροδί-
τη ⟨εὐ⟩τυχῇ.

**345.** Ceterorum titulorum quos adducit Sandberg comparationem addimus.



| IG V 1 | SEG XI | Sandberg |
|---|---|---|
| 1538 | — | 6/8 n. 1 |
| 1539 | — | 8 n. 2 |
| 1540 | — | 8 n. 3 |
| 1541 | — | 8 n. 4 |
| 1542 | — | 9 n. 5 |
| 1544 | — | 11 n. 7 |
| 1545 | — | 11 n. 8 |
| 1547 | 1020 | 13/21 n. 10 |
| 1548 | — | 21 n. 11 |
| 1549 | — | 22 n. 12 |
| 1550 | — | 22 n. 13 |
| 1551 | — | 22 n. 14 |
| 1552 | — | 23/4 n. 15 |
| 1553 adn. | — | 26 n. 20 |
| 1555 | — | 26 n. 18 |
| 1556 | — | 26 n. 19 |
| — | 1012 | 28/9 n. 23 |
| — | 1014 | 29 n. 24 |
| — | 1022 | 29 n. 26 |
| — | 1024 | 31 n. 28 |

## ARCADIA

**346. Titulus agonisticus Damatri, Aristippi f., ex. s. III[a].** — *Tegea.* IG V 2, 142 ; *SGDI* 1232. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 115/6 n. 44.

**347. Honores --- ippi, Cleonis filii, aliusque cuiusdam, s. II[p].** — *Megalopolis.* Fragmentum stelae marm. undique fractum ed. D. A Tsirimpas, Πλάτων VI 1954, 86/91 c. im. ph., et supplementa coll. IG V 2, 516, proponit. Litt. ε c ω.

---

[---------- β]αλαν[εῖον δαμόσιον
ἰδίοις κα]-
[τεσκεύασαν ἀναλώμασι · τᾷ τ]ε πόλει ἐσ[ενηνόχασι πάσας τὰς
εἰσφο]-
[ρὰς · νῦν δὲ ----------] ἀνατίθεντι · ⟨ὡ⟩ς κ[αλῶς δ' οὖν
τά τε ἄλλα πολιτευ]-
[σαμένους τᾷ πόλει, παν]τὸς ἐπαίνου δ' [ἀξίους γενομένους ἔδοξε]
[τᾷ πόλει τᾷ Μεγάλᾳ ----ι]ππον Κλέωνος κ[αὶ ------ ἐπαινέ]-
[σαι, ἀνδριάντας δὲ ἀναστῆσα]ι αὐτῶν καὶ εἰκ[όνας, ἐπιγραφὰν
ἐχούσας]

['Α Μεγάλα πόλις - - - - - - - - ιππο]ν Κλέωνος κα[ὶ - - - - - - -, οἳ δ' ἀρέ]-
[σκειαν πρὸς τὰν πόλιν γυμ]νασιαρχοῦν[τες πάσας τὰς δαπάνας ἐπε]-
[τέλεσαν. παρακαλεῖν δ' αὐτο]ὺς καὶ εἰς τὰ με[τὰ ταῦτα ὁμοίως τὰν πόλιν]
[εὐεργετοῦντας, παραιτίου]ς γείνεσθαι [ἀεί τινος ἀγαθοῦ, γινώσκον]-
[τας ὅτι καὶ ἁ πόλις ἐν χάρι]τος ἀποδό[σει οὐδέποτε λειφθήσεται].
[ἀναγραψάτωσαν δὲ καὶ εἰς στ]άλαν λιθ[ίναν καὶ ἀναθέτωσαν εἰς τὸ ἱερὸν]
[Διὸς τοῦ Σωτῆρος τόδε τὸ ψάφ]ισμα, [ὅπως ἢ πᾶσιν ἀνθρώποις γνωστὴ]
[ἃ τε εὐεργεσία τῶν ἀγαθῶν ἀνδρῶν καὶ ἁ τᾶς πόλιος εὐχαριστία].

3. Lap. OCK.

**348. Decretum Lycurasiorum.** — *Lycosura*. IG V 2, 516; SEG XI 1158; *Syll.*³ 800. Huic titulo, quem priores a. 42ᵖ attribuerunt, aetatem anteriorem proponit A. J. Gossage, *BSA* XLIX 1954, 51/6 : aeram Actiacam, non aeram Thessalicam apud Peloponnesios valuisse contendit, quare a. 1/2ᵖ hic mavult. Vid. n. 325 supra.

## ELIS

**349. Leges de ludis Sebastis Neapoli celebrandis, s. IIᵖ.** — *Olympia*. *I. v. Ol.* 56; SEG XI 1200. Vid. G. Buchner, D. Morelli, G. Nenci, *La Parola del Passato* VII 1952, 406/7.

**350. Dedicatio Atheniensium, paullo post a. 500ᵃ.** — *Ibid.* SEG XI 1212*b* (p. 235) denuo ed. E. Kunze, *Festschrift für Carl Weickert*, 1955, 7/21 (et praecip. 18/19), c. im. ph. galeae pl. 1/3 (eius partis titulum exhibentis pl. 3). Occasionem dedicationis post expeditionem Miltiadis et coloniam Atheniensium in insulam Lemnum deductam fuisse contendit, coll. Her. VI 136,140.

'Αθεναῖοι | [τ]ὸν ἐγ Λέμν[ο].

**351. Dedicatio Miltiadis, eiusdem fere aetatis.** — *Ibid.* Galea aenea cum dedicatione in laeva prognathide inscr. Commemorat E. Kunze, *Gnomon* XXVI 1954, 142 c. im. ph.; cf. eund., *Festschrift für Carl Weickert*, 1955, 8/9. Vid. etiam *Archaeology* VII 1954, 251 c. im. ph.; *JHS* LXXIV 1954, 156; *BCH* LXXVIII 1954, 126/8 c. im. ph. fig. 28.

Μιλτιάδες ἀνέ[θ]εκεν [: τ]ῶι Δί.

Vid. nunc Kunze, *Bericht über die Ausgrabungen in Olympia, 1941/2 und 1952* [*V Ber.*], 69/74, c. imm. ph. pl. 34/5 et fig. 35.



**352. Dedicatio Messeniorum et Naupactiorum, c. a. 425ᵃ.** — *Ibid.* IG V 1, 1568; *I. v. Ol.* 259; *Syll.*³ 80; SEG XI 1210. Vid. R. Harder, *Festschrift Bernhard Schweitzer* (*Beiträge zur klassischen Altertumswissenschaft*), 1954, 192/201.

**353-67. Dedicationes agonisticae.** — Dedicationes huius generis *Olympiae* repertos in unum colligit L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, quas infra tabulavimus, si qua in textu exhibendo ab aliis editoribus discrepat etiam notantes.

**353. Dedicatio Bybonis, s. VIᵃ.** — *I. v. Ol.* 717; SEG XI 1217. Moretti, 4/6 n. 2, qui ad fin. ὁ Φόρυ[ος] legit et c. med. s. VIᵃ attribuit.

**354. Dedicatio Euthymi Locri, post a. 472ᵃ.** — *I. v. Ol.* 144; SEG XI 1224 = Moretti, 30/2 n. 13.

**355. Dedicatio Acmatidae Lacedaemonii, s. Vᵃ.** — SEG XI 1227 = Moretti, 15/9 n. 8.

**356. Dedicatio Cynisci Mantineensis, c. med. s. Vᵃ.** — *I. v. Ol.* 149; SEG XI 1229. Vid. Moretti, 32/3 n. 14, qui c. a. 460ᵃ attribuit.

**357. Dedicatio Cyniscae Lacedaemoniae, in. s. IVᵃ.** — IG V 1, 1564*a*; *I. v. Ol.* 160; SEG XI 1238 = Moretti, 40/4 n. 17.

**358. Dedicatio Troili, Alcinoi f., a. 372ᵃ.** — *I. v. Ol.* 166 = Moretti, 48/9 n. 19. Cf. A. Wilhelm, *Jahresh.* XXXIII 1941, 42/3.

**359. Dedicatio Xenoclis Maenalii, c. a. 380/50ᵃ.** — *I. v. Ol.* 164. Vid. O. Walter, *Rh. Mus.* XCIII 1950, 170/7, Moretti, 49/50 n. 20.

**360. Dedicatio Xenombroti Coi, s. IVᵃ p. post.** — *I. v. Ol.* 170; SEG XI 1242. Vid. Moretti, 75/8 n. 30, qui textum secundum *I. v. Ol.* exhibet et c. a. 330ᵃ attribuit.

**361. Dedicatio Deinosthenis Lacedaemonii, a. 316ᵃ.** — *I. v. Ol.* 171; SEG XI 1244 = Moretti, 79/82 n. 31.

**362. Dedicatio Philippi Arcadis, c. a. 300ᵃ.** — *I. v. Ol.* 174 = Moretti, 84/7 n. 33.

**363. Dedicatio Telemachi, Telemachi f., eiusdem fere aetatis.** — *I. v. Ol.* 177 = Moretti, 87/9 n. 34.

**364. Dedicatio Acestoridis Alexandrensis (Troadis), non post a. 204ᵃ(?).** — *I. v. Ol.* 184; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 932*a*. Vid. Moretti, 114/5 n. 43. Titulum s. II/Iᵃ attr. J. Bingen, *BCH* LXXVII 1953, 630/3 (vid. etiam SEG XII 279); cf. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 220/1 n. 115.

**365. Dedicatio civitatis Erythraeorum in honorem Epithyrsis, c. a. 180ª.** — *I. v. Ol.* 186 = Moretti, 122 n. 46.

**366. Dedicatio P. Cornelii Aristonis Ephesii, a. 49ᵖ.** — *I. v. Ol.* 225; SEG XI 1247. Vid. Moretti, 169/74 n. 64.

**367. Dedicatio P. Aelii Artemae, c. a. 140ᵖ.** — *I. v. Ol.* 237 = Moretti, 196/8 n. 70, qui vs. 4 ad fin. Ζμύρναν [κοινὰ Ἀσίας] proponit.

## ACHAIA

**368. Dedicatio Hagemonidae Antiocho IV Syriae regi, familiaeque eius, a. 174/68ª.** — *Dyme* (*Kato Achaia*). *SGDI* 1622; Michel, *Recueil* 1096. Denuo tract., coll. G. D. Zekides, Νέα Ἐφημερίς (Athenis), 17 Aug. 1892 n. 8 (cf. S. Thomopoulos, Ἱστορία τῆς πόλεως Πατρῶν², 235 n. 8), J. Bingen, *BCH* LXXVIII 1954, 395/6 n. 7, c. im. ph. fig. 1. Partem sinistram stelae tantum superesse, et *Patris* in museo nunc conservari monet B., qui ex apographis Zekidis in vs. 2 υἱὸ[ν] legit.

**369. Hagemonidas a Laodicensibus honoratur, eiusdem fere aetatis.** — *Ibid.* Tabulam lap. calc. paene integram, domi privatae conservatam, ed. id., *loc. cit.*, 396/8 n. 8, c. im. ph. ectypi fig. 2. Hunc titulum, una cum dedicatione praecedenti, locationem Dymes in Kato Achaia confirmare asseverat ed., qui annis c. 169ª titulos ambos accuratius tribuendos putat. De Laodicea τῇ πρὸς θαλάσσῃ fortasse agitur.

Ἁ πόλις ἁ τῶν Λαοδικέ[ων]
Ἀγημονίδαν Ζεφύρου
Δυμαῖον ἀρετᾶς ἕνε-
κεν καὶ εὐνοίας τᾶς
[ε]ἰς αὐτὰν θεοῖς.

**370. Honores Euphranoris, s. Iª.** — *Ibid. SGDI* 1632 novo supplemento auxit id., *loc. cit.*, 396/8 adn. 4, coll. tit. praecedenti, et legit

Ἁ πόλις Φαραιέων Εὐφράνορα [- - - Δυμαῖον]
ἀρετᾶς ἕνεκεν καὶ καλοκαγαθίας ἃς ἔχω[ν διατελεῖ εἰς αὐτάν].

**371-3. Tituli sepulcrales.**

**371. Tit. sep. Stratonici et Irenae, s. IIª.** — *Ibid.* Stelam lap. calc. cum aetomate ed. id., *loc. cit.*, 398 n. 9, c. im. ph. lapidis fig. 3.

Στρατόνικε Τιμοκράτεος, Εἰρήνα,
χαίρετε.



**372. Tit. sep. Archedai, Sosistrati f., s. II/Iª.** — *Ibid.* Stelam lap. calc. in forma aediculae ed. id., *loc. cit.*, 398/400 n. 10, c. im. ph. lapidis fig. 6.

Ἀρχέδαε Σωσιστράτου
χαῖρε.

Sed nonne Ἀρχέ(λ)αε vel Ἀρχέδα(μ)ε potius legendum?

**373. Tituli sepulcrales.** — *Ibid.* Titulos etiam sex e schedis G. D. Zekidis ed. id., *loc. cit.*, 400 nn. 11/16, quos non reperire potuit.

(*a*) Bingen n. 11. Λέαινα Τρωΐλου.
(*b*) ,, 12. Πρέπουσα χαῖρε.
(*c*) ,, 13. Φίλα Λέωνος χαῖρε.
(*d*) ,, 14. Φιλίστα Οἴκιος χαῖρε.
(*e*) ,, 15. - - - ν Μνα[σικ]λέος χαῖρε.
(*f*) ,, 16. Φιλοκράτης | Φαραιεύς.

**374. Terminus, s. Vª (?).** — *Patrae.* Partem inferiorem termini lap. calc., haud procul a museo inv., ed. id., *loc. cit.*, 400 n. 17, c. im. ph. fig. 4. *Theta* in forma crucis.

- - - - θεος.

**375. Fragmentum foederis (?), ex. s. IVª.** — *Aegium.* Fragmentum tabulae marm. albi, undique nisi partim a sinistra mutilum, nunc in museo, eodem loco ac SEG XIII 278 inventum, ed. id., *loc. cit.*, 402/7, n. 18, c. im. ph. fig. 8. Litterae insolito modo quadratae — 'ce qui donne . . . une allure archaique trompeuse'.

Στοιχ.
[- - - -

**376. Honores Philonidae Cretensis, a. 330/23a.** — *Ibid.* Partem superiorem stelae marm. albi, c. aetomate et acroteriis, nunc *Patris* in museo, ed. id., *loc. cit.*, 407/9 n. 19, c. im. ph. fig. 9 (p. 403). De Philonida cf. notissimam dedicationem *Olympiae* inv., *Syll.*³ 303, Tod *GHI* II 188 et bibliographiam ibi collectam. Vid. nunc H. Bengtson, *Symbolae Osloenses* XXXII 1956, 35/9.

Θεός· τύχα ἀγαθά.
Φιλωνίδαι Ζωίτου
Κρητὶ Χερσονα-
[σ]ίωι - - - - - - - - -
- - - - - - - - - - - - - -

**377. Honores cuiusdam, s. I/IIp.** — *Ibid.* A. von Duhn, *Ath. Mitt.* III 1878, 65. Lapidem, nunc in museo inaedificatum, denuo exscripsit J. Bingen, *loc. cit.*, 409 n. 20, c. im. ph. fig. 5 (p. 399).

'Η πόλ[ις ἡ Αἰγιέ]- μήσα[ντα, ἀρετῆς(?)]
ων· Λ(εύκιον)· . . . . . ἕνεκε[ν καὶ τῆς]
ον· Μαξ . . . . . εἰς αὖτ[ὴν εὐνοί]-
τὸν φιλ . . . . . ας καὶ [φιλοτι]-
καλῶς [ἀγορανο]- μί[ας].

6, 8. Litteras lineis subductas, quas viderant edd. priores, videre non potuit B.

## MEGARIS

Quod in volumine tertio decimo huius *Supplementi* rogavimus ut de titulis Megaricis quos ibi omissos tractare debuissemus certiores fieremus, e monitu amicorum nostrorum additamenta nonnulla nunc exhibere possumus.

**378. De Graeciae horreis, a. 401/2p.** — *Megara.* IG VII 24; *Syll.*³ 908. Vid. E. Groag, *Die Reichsbeamten von Achaia in spätrömischer Zeit*, 1946, 72.

**379. Diogenis comitis opus Megaricum, ex. s. Vp.** — *Ibid.* IG VII 26; *Syll.*³ 909. Vid. E. Groag, *op. cit.*, 77/8; O. Fiebiger, *Inschriftensammlung zur Geschichte der Ostgermanen, Neue Folge* (*Denkschr. Wien LXX*, 3, 1939), n. 36.

**380. Honores C. Iuli Caesaris, a. 48a.** — *Ibid.* IG VII 62 adhib. A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 67/75 L, qui etiam pro [δικτάτορα] (IG) legere [αὐτοκράτορα] mavult.

**381. Honores Iuliae, Augusti filiae, a. 16/13a.** — *Ibid.* IG VII 65. Vid. C. Hanson et F. P. Johnson, *AJA* L 1946, 390 n. 2, qui titulum hunc (cum IG VII 64) annis quos indicavimus attribuere volunt.



## BOEOTIA

**382. Titulus agonisticus, c. med. s. IIIa.** — *Tanagra.* IG VII 530; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 938. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 99/101 n. 38.

**383. Honores C. Iuli Caesaris, a. 46a.** — *Thespiae.* IG VII 1835; A. Plassart, *BCH* L 1926, 439 n. 75. Adhibuit et novis supplementis auxit A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 70/5 S.

[Ὁ δῆμ]ος Θεσπι[ε]ίων [Γάϊον Ἰούλιον]
[Καίσα]ρα ἀρχιερεῖα [ὕ]πατόν [τε τὸ τρί]-
[τον κ]αὶ δικτάτορα ἀπο[δεδειγμέ]-
[νον τ]ὸ τρίτον, τὸν ἑατ[οῦ πάτρω]-
[να καὶ] εὐεργέτην, ἀρε[τῆς ἕνεκεν]
[καὶ δικαιοσύν]ης καὶ ἀ[νδραγαθίας]
[θε]οῖς.

**384. Titulus agonisticus Aeschyli Thespiensis, c. med. s. IVa.** — *Ibid.*, nunc *Thebis* in museo. Partem sinistram baseos lap. calc. ed. W. Peek, *Ath. Mitt.* LXVI 1941, 70/1 n. 17, c. im. ph. ectypi pl. 40,1, post A. D. Keramopoullos, Ἀρχ. Ἐφ. 1936, παρ. 45. Att. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 64/5 n. 26, cuius textum exhibemus.

Αἰσχύλε ὀλυμπιονῖκα, π[άλην παίδων] | στεφανωθείς,
Γλαυκία[ν ἠδὲ πάτραν] | Θέσπιαν εὐκλεΐσας.

1. - - - γ[ονῆά τε δίς] | κτλ. Peek.

**385. Titulus agonisticus, c. med. s. IIIa.** — *Thisbe*, nunc *Thebis* in museo. SEG III 354 = L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 101/3 n. 39; J. J. E. Hondius, *Tit. ad dial. Gr. ill. sel.* 34. Cf. M. Feyel, *Contributions à l'Épigraphie béotienne*, 60 adn. 1, 63 adn. 1, 64/6.

**386. Edictum Diocletiani de pretiis rerum venalium, a. 301p.** — *Thebae.* Fragmentum edicti notissimi *Thebanum II* e novo fragmento in Italia nuper invento (vid. n. 635 infra) supplori posse monet J. Bingen, *BCH* LXXVIII 1954, 348/52, qui e textibus ambobus novam lectionem conflat.

(*Thebanum II* + *Pettorano* vss. 15/17); Mommsen-Blümner 32, 58/61.

Περὶ θηρίων Λιβυκῶν
λέων φώρμης πρώτης (δην.) ΙΡ M
λέων φώρμης δευτέρας (δην.) ΙΙΡ M [,ε]
λέαινα φώρμης πρώτης (δην.) ΙΙΙ M
λέαινα φώρμης δευτέρας (δην.) Ι M

Litteras in fragmento Thebano exhibitas lineis subscripsimus. De eodem edicto vid. nn. 334 et 408.

**387. Carmen dedicatorium Euancriti Thebani, c. 300/280a.** — *Ibid.* IG VII 2470; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 938*a*. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 91/3 n. 36; W. Peek, *Hermes* LXXII 1937, 235 n. 5; L. Robert, *Études Épigraphiques* 91/2.

**388. Carmen dedicatorium Athanici Thebani, s. III/IIa.** — *Ibid.*, nunc deperditum. IG VII 4247 att. L. Moretti, *op. cit.*, 111/3 n. 42. Cf. W. Peek, *Philologus* LXXXVII 1932, 230 n. 3, qui legit vs. 1

['Ισθ]μῶ[ι κ]αὶ Νεμ[έ]αι νικῶ καὶ τρὶς Βασίλεια κτλ.

## DELPHI

**389. Decretum Amphictyonum, c. a. 272a.** — *Delphi. F. de Delphes* III i, n. 474. Vs. 5. Pro [ὁλι]γοτρόφων proponit [ξευ]γοτρόφων G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 368/9, coll. IG II² 1576, Plut. *Per.* 12, etc.

**390. Cyrenaei a Delphis honorantur, a. 322/1a.** — *Ibid.* J. Bousquet, *BCH* LXIV/LXV 1940/1, 80/2, c. im. ph. fig. 2. Supplementa nova proposuit id., *F. de Delphes* II (*Le Trésor de Cyrène*), 1952, 69/70, c. del. fig. 11 (qua comprehenditur etiam del. proxeniae Hippiae Molossi, *BCH*, *loc. cit.*, 83).

[Θ ε ο ί]. Στοιχ.
[Δελφοὶ ἔδωκαν]
[Κυραναίοις]
[προξενίαν καὶ]
[προμαντείαν],
[ἄρχοντ]ος
[Μεγα]κλέ[ος, βου]-
[λε]υόντω[ν]
['Ιέ]ρου, 'Αγ[ίωνος],
[Ν]ικέα.

De anno Megaclis archontis vid. *Chronologie Delphique* E. 5, Bousquet, *F. de Delphes*, *vol. cit.*, 69.

**391. Fragmentum decreti proxeniae, s. IVa p. post.** — *Ibid.* Fragmentum stelae marm., undique nisi a dextra mutilum, ed. G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 374/5 n. 3, c. im. ph. pl. XIV, 2. Litterae adhuc reliquias coloris retinent, rubri in vss. 1, 3, 5, nigri in vss. 2, 4, 6; modus hic pingendi in decreto civitatis Sigei quoque apparet, quod communicat Daux, *BCH* LXXX 1956, 53/6 (vid. SEG XV).

[- - - - - - - - - - - - - κ]αθά- Στοιχ. 16.
[περ Δελφοῖς, ἄρ]χοντ-
[ος . . .⁷. . . ., β]ουλευό-
[ντων . . . .]στράτου, Π-
. . .⁷. . . ., Καλλίππου,
. . .⁶. . . υ, Δαμοτίμου.
*vacat*



**392. Honores Epitelis Atheniensis, a. 330/26a.** — *Ibid. F. de Delphes* III i, n. 408 novo fragmento (inv. n. 7245), e quo fines versuum 7/12 habemus, auxit G. Daux, *loc. cit.*, 375/6 n. 5, c. im. ph. totius tituli fig. 5. Ad eundem titulum alia nonnulla supplementa proponit D., et textum novum a vs. 6 usque ad finem exhibemus. Στοιχ. 16.

αὐτῶι καὶ
[ἐκγόνοι]ς, προξενί-
[αν, προμα]ντείαν, προ-
[εδρίαν], προδικίαν
[ποτὶ Δελ]φούς, ἀτέλε-
[ιαν πάντ]ων κατὰ τὸν
[νόμον, ἄρχ]οντος
[Κάφιος, β]ουλευόντ[ω]-
[ν Θηβαγ]όρα, Κλεοβού-
[λου, Λυ]σιδάμου. *vac.*

De Caphe archonte vid. *Chronologie Delphique* C. 26.

**393. Honores cuiusdam, a. 325/4-315/4a.** — *Ibid. F. de Delphes* III i, n. 406; G. Daux, *BCH* LXVIII/IX 1944/5, 97 n. 3. Novum fragmentum, inv. n. 5755, quod partem inferiorem a dextra stelae praebet, addidit J. Bousquet, *BCH* LXXIX 1955, 478, et textum totius tituli denuo exhibet. De Pleistone archonte vid. *Chronologie Delphique* D. 2.

[Θεοί].
[Δελφοὶ ἔδωκαν . . . . .¹⁰. . . . .] Στοιχ. 22.
[. . . . . .¹⁷. . . . . αὐτῶι]
[κα]ὶ ἐ[κγόνοις, προξενίαν],
[π]ροκαντ[είαν, προεδρίαν],
[π]ροδικί[αν ποτὶ Δελφούς],
[ά]τέλειαν π[άντων, ἐπιτιμὰν]
[κ]αθάπερ Δελφ[οῖς, ἄρχοντος]
[Π]λείστωνος, βουλ[ευόντων]
'Ερασίππου, Εὐαρχίδα, Μνα[σι]-
δάμου, Αὐτία, 'Αριστοξένου.

**394. Fragmentum decreti generis eiusdem, eiusdem aetatis.** — *Ibid.* Fragm. partis inferioris a sinistra stelae marm., inv. n. 241, commemoravit G. Daux, *Chronologie Delphique* E. 14 et edidit *BCH* LXXIII 1949, 261 n. 7. Eidem archonti ac n. 393 attribuit J. Bousquet, *loc. cit.*, 478/9 et novis supplementis auxit.

[. . . ἄρχοντος Πλε]- Στοιχ. 14.
[ίστωνος, βουλευό]-
[ντων 'Ερασίππου, Ε]-
ὐ[αρχίδα, 'Αριστοξ]-
ένου, [Μνασιδάμου],
Αὐτία. *vac.*

**395. Honores cuiusdam, a. 321/0-308/7[a].** — *Ibid.* Fragmentum stelae marm. undique nisi a dextra mutilum (de quo vid. etiam *BCH* LXIV/V 1940/1, 91 adn. 1 et fig. 3), inv. n. 547, ed. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 376/7, n. 6, c. im. ph. fig. 6. De Menaechmo archonte vid. *Chron. Delph.* D. 6.

[. . . . . .[23]. . . . . ἐπ]- Στοιχ. 25.
[ιτιμὰν καθάπερ Δελφ]οῖς · Μεναί-
[χμου ἄρχοντος, βουλευ]όντων ν ν
[Εὐαρχίδα, Νεοκλεῦς, Δα]μοχάρευ-
[ς, . . . . . .[20]. . . . . ]. *vacat*

**396. Fragmentum decreti proxeniae, s. III[a].** — *Ibid.* Fragmentum stelae marm., undique nisi a sinistra mutilum, inv. n. 1420, ed. id., *loc. cit.*, 378 n. 7, c. im. ph. 377 fig. 7.

*reliquiae nonnullae*
καὶ ΤΟΙ[- - - - - - - - 'Απολ]-
λοφάνου[ς - - - - - - - - - - - -]
'Αριστάγο[ρ - - - - - - - - - -]
Θεοπροπίδ - - - - - - - - - - -
'Αλκείδηι Α - - - - - - - - - - -
[.]οις, καὶ ἔδ[ωκαν - - - - -]

**397. Honores, c. 280[a].** — *Ibid. F. de Delphes* III iii, nn. 158 et 159 (decreta duo proxeniae in uno lapide inscripta). Novum fragmentum, inv. n. 6197, titulorum horum commemorat J. Bousquet, *F. de Delphes* II (*Le Trésor de Cyrène*), 1952, 106 n. 4, quod non nisi in minimis textum n. 158 mutasse asseverat.

**398. Honores (*a*) Andronici Macedonis, (*b*) Nicandri Epidaurii, (*c*) Sanni, c. a. 270/60[a](?).** — *Ibid.* Orthostatam lap. calc., a dextra fractum sed alibi paene integrum, inv. n. 4799, eiusdem tituli partem praebere ac fragmentum inv. n. 704 vidit J. Bousquet, *BCH* LXXIX 1955, 479/82, c. del. fig. 1 et im. ph. pl. XXI. Fragmentum n. 704, quod partes dextras titulorum *a* et *b* exhibet, iam ediderat G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 382/4 n. 13, c. im. ph. fig. 9.

(*a*) [Ἔδοξε τᾶι πόλει τῶν Δελφῶν · ἐπειδὴ 'Ανδρόνικος *patronymicum*]
Μακ[ε]δὼ[ν διατελεῖ τά τε ποτὶ τὸν θεὸν καὶ ποὶ τὸ ἱερὸν εὐσεβέων]
καὶ τᾶι π[όλει κοινᾶι καὶ τοῖς ἐντυγχανόν]τοις ἀεὶ καθ' ἰδ[ίαν]
Δελφῶν φ[ιλανθρώπως χρείμενος, ἀν]αγράψαι 'Ανδρόνι[κον εὐ]-
εργέταν τ[οῦ ἱεροῦ καὶ τᾶς πόλιος καὶ] πρόξενον · ὑπάρχε[ιν δὲ]
αὐτῶι καὶ τ[οῖς ἐγγόνοις προμαντε]ίαν, προδικίαν, ἀτέ[λειαν]
πάντων, προε[δρίαν ἐν τοῖς ἀγώνοις], ἀσυλίαν, ἀσφάλειαν, κ[αὶ τὰ]
λοιπὰ πάντα ὅ[σα καὶ τοῖς ἄλλοις εὐεργέτ]αις τοῦ ἱεροῦ καὶ τᾶς
πόλ[ιος]



δέδοται · ἄρχον[τος 'Επικράτεος, βουλ]ευόντων 'Ορέστα,
Κλέωνος. *vac.* Κα[λλικράτεος]

(*b*) Ἔδοξε τᾶι πόλει τῶν Δελφῶν · ἐπ[ειδὴ Νίκανδ]ρος Νικηράτου
'Επιδαύριο[ς]
διατελεῖ τά τ[ε] ποτὶ τὸν θεὸν καὶ π[οὶ τὸ ἱερὸν εὐσεβέ]ων, καὶ
τᾶι πόλει κοινᾶι κα[ὶ τοῖς]
ἐντυγχανόντοι[ς] ἀεὶ καθ' ἰδίαν Δε[λφῶν φιλανθρ]ώπως
χρείμενος, ἀν[αγρά]-
ψαι Νίκανδρον εὐε[ργ]έταν τοῦ ἱ[εροῦ καὶ τᾶς πόλιος] καὶ
πρόξενον · ὑπ[άρχειν]
δ' αὐτῶι καὶ τοῖς ἐγγόνοις προμ[αντείαν, προδικίαν, ἀτ]έλ[ε]ιαν
πά[ντων, προ]-
εδρίαν ἐν τοῖς ἀγώνοις, ἀσυλία[ν, ἀσφάλειαν, καὶ τἄλλα ὅσα καὶ
τοῖς ἄλλοις]
εὐεργέταις τοῦ ἱεροῦ καὶ τᾶς πόλι[ος δέδοται · ἄρχοντος
'Επικράτεος],
βουλευόντων 'Ορέστα, Καλλι[κ]ράτ[εος, Κλέωνος, ('Ατεισίδα,
'Αχαιμένεος)],

(*c*) Θ ε [ο ί].

Δελφοὶ ἔδωκαν Σάννωι 'Αντα[- - - - - -, *ethnicum*, αὐτῶι καὶ
ἐκγόνοις],
προξενίαν, πρ[ο]μαντείαν, προε[δρίαν, προδικίαν, ἀσυλίαν],
ἀτέλειαν, καὶ τἄλλα ὅσα καὶ τ[οῖς ἄλλοις προξένοις καὶ εὐεργέ]-
ταις, ἄρχοντος 'Επικράτεος, βο[υλευόντων 'Ορέστα,
Κλέωνος, ['Ατ]εισίδα, 'Αχ[α]ιμένε[ος]. Καλλικράτεος],

'Epicrates archon antehac ignotus fuit ; de Epicrate senatore vid. *Chron. Delph.* G. 4 (a. 276/5[a]).

**399. Decreta duo proxeniae, eiusdem fere aetatis.** — *Ibid.* Duo fragmenta marm. subcaerulei, inv. nn. 7244 et 369, titulis eisdem attribuit J. Bousquet, *loc. cit.*, 482/3, c. del. fig. 2, sed inter se non coniunguntur. N. 7244, supra integrum, partem decreti *a* a sinistra praebet, et initia decreti *b*; n. 369 vs. 4 decreti *a*, et partes a dextra decreti *b* exhibet.

(*a*) [Ἔδοξε τ]ᾶι πόλει τῶν Δελφῶν · ἐπει[δὴ - - - - - - - διατελεῖ τά τε
ποτὶ τὸν θεὸν καὶ ποὶ τὸ ἱερὸν εὐσεβέων, καὶ τᾶι πόλει]
[κοινᾶι καὶ] τοῖς ἐντυγχανόντοις ἀεὶ καθ' [ἰδίαν Δελφῶν
φιλανθρώπως χρείμενος, ἀναγράψαι - - - - - εὐεργέταν τοῦ
ἱεροῦ καὶ τᾶς πόλιος καὶ πρόξενον] ·
[ὑπάρχειν δ]ὲ αὐτῶι καὶ τοῖς ἐκγόνοις προμ[αντείαν, προδικίαν,
ἀτέλειαν πάντων, προεδρίαν ἐν τοῖς ἀγώνοις, ἀσυλίαν,
ἀσφάλειαν, καὶ τὰ λοιπὰ πάντα]

[ὅσα καὶ] τοῖς ἄλλοις εὐεργέταις τοῦ ἱερ[οῦ καὶ τᾶς πόλιος
(δέδοται)· ἄρχοντος -----]υ, βουλευ[ό]ντ[ων --------].
(*b*) 5 [Ἔδοξε τ]ᾶι πόλει τῶν Δε[λφῶν· ἐπειδὴ ----] διατελεῖ τά τε
ποτὶ τὸν θεὸν κα[ὶ ποὶ τὸ ἱερὸν εὐσεβέων, καὶ τᾶι πόλει]
[κοινᾶι καὶ τοῖς ἐντυγχανόντοις ἀεὶ καθ' ἰδίαν Δελφῶν φιλανθρώπως
χρείμενος, ἀ]ναγράψαι *vacat*

**400. Honores Atheniensis cuiusdam, s. III[a].** — *Ibid.* Fragmentum stelae marm. undique mutilum, inv. n. 5635, ed. G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 378/9 n. 8, c. im. ph. pl. XV, 1.

Στοιχ. 16.

[Δελφοὶ ἔδωκαν .... ]
[.....11..... Ἀθηνα]-
[ίωι φυλῆς Α]ἰα[ντίδο]-
[ς δήμου Ῥ]αμνο[υσίωι]
[αὐτῶι κ]αὶ ἐκγό[νοις]
[προξενί]αν, προ[εδρί]-
[αν, προμα]ντεί[αν, προ]-
[{προ}δικί]αν, ἀσ[υλίαν],
[ἀσφάλει]αν, θε[αροδο]-
[κίαν, ἀτέ]λεια[ν πάντ]-
[ων καὶ ἐπ]ιτιμ[ὰν καθ]-
[άπερ Δελφ]ο[ῖς, κτλ.]

**401. Honores Mytilenaei cuiusdam, s. III[a] p. prior. (?)** — *Ibid.* Fragmentum lap. calc. undique mutilum, inv. n. 4801, ed. id., *loc. cit.*, 379 n. 9, c. im. ph. pl. XV, 2.

----------ΟΙΤΑΙ--------
-- Μυ]τιληναίωι Α--------
------ι αὐτὸν καὶ ἐκγο[νο---]
------ΛΙ προδικία---------

**402. Honores, s. III[a].** — *Ibid.* Fragmentum stelae marm. undique mutilum, inv. n. 6061, ed. id., *loc. cit.*, 380 n. 10, c. im. ph. pl. XV, 3. E quaestore commemorato haurit Daux, coll. *F. de Delphes* III iii, n. 224, vix de proxenia privati cuiusdam hic agi.

[--- Δ]ελφοὺς ἐγ-------
[-- Κα]λαυρεατα--------
-- ὁ ταμίας δ----------
-- καὶ τὰν ἐτ[έραν ------
5 -------- ΛΓ---------

3/4. [μίαν ἐν ---- | ----] καὶ τὰν ἐτ[έραν ἐν ----.



**403. Honores Pyth----- Erythraei, a. 270/69[a](?).** — *Ibid.* Lap. calc. a dextra et a tergo fractus, olim baseos pars, inv. n. 7521. Ed. id., *loc. cit.*, 380/1 n. 11, et Erythras, honorati patriam, civitatem Locrensem ita nominatam esse putat. De anno cf. *Chron. Delph.* G. 10.

Δελφοὶ ἔδωκαν Πυθ[----, *patronymicum*, *ethnicum*]
ἐξ Ἐρυθρᾶν αὐτῶι καὶ ἐκγόνοις [προξενίαν],
προμαντείαν, [προεδρίαν, προδικίαν, ἀσυλίαν],
ἀτέλεια[ν πάν]των [καὶ τἄλλα ὅσα καὶ τοῖς ἄλλοις]
5 προξένοις [κ]αὶ εὐεργέταις, ἄρχοντος Θεσσάλου,
βουλευόντων Ἀγάθωνος, Ἰατάδα, [Κρί]τωνο[ς, Ἀμύντα],
Ἀριστοκράτευς.

1 ad fin. Αἰτωλῶι] vel Λοκρῶι]?

**404. Honores Niconis, a. 233[a].** — *Ibid. F. de Delphes* III i, n. 103. Vs. 2. Pro Νίκωνι Ἑρμοξένου Σ-- (*F. de D.*) legendum esse Νίκωνι Ἑρμογένους -- monet G. Daux, *loc. cit.*, 368.

**405. Honores Atheniensium duorum, s. III[a].** — *Ibid.* Fragmentum lap. calc. undique nisi supra (et a sinistra?) mutilum, inv. n. 2118, ed. id., *loc. cit.*, 381/2 n. 12. Supra titulum repraesentatio bipennis incisa est.

Θ ε [ο ι].
Δελφοὶ ἔδωκαν ----------
Διομεεῖ καὶ Νι----------
Ἀθηναίοις, αὐτ[οῖς καὶ ἐκγόνοις, προ]-
5 ξενίαν, εὐ[εργεσίαν, προμαντεί]-
αν, προεδ[ρίαν, προδικίαν, ἀσυλί]-
[α]ν καὶ τ[ἄλλα ὅσα καὶ κτλ.]

**406. Fragmenta decretorum duorum in uno lapide incisorum, a. 181/0[a] (?).** — *Ibid.* Fragmentum stelae marm. undique nisi a sinistra mutilum, inv. n. 4525, ed. id., *loc. cit.*, 385/6 n. 15.

(*a*) ....|--------
λάου, Νικι----
*vacat*
(*b*) *vacat* Νικομη[δέων? -----]
..ος Ἀνδρονίκου, βο[υλευόντων ----]
3-4 ἔδοξε τοι ἀνφι[κτιον ---------]
6-7 ^ΙΣ ὁ ἱδρύσ[ας(?) ---------]
5 7-8 ΓΙΣΑΙΕΛ----------
9-11 τοῦ Πυθ[ίου *vel* ικοῦ ----]

(*b*) yss. 1/2. [ἄρχο|ντ]ος? || 3. τ(ῶ)ι vel τοῖ⟨ς⟩?

**407. Decretum de dono L. Gellii Menogenis, a. 318/9ᵃ.** — *Ibid.* Fragmentum lap. calc. undique mutilum, inv. n. 1880, ed. G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 391/2 n. 18, c. im. ph. pl. XVI, 1, quod, quamvis ad hoc donum pertineat, non partem esse stelae (marmoreae) SEG XII 226, ut putabat Homolle, *BCH* XX 1896, 719 adn. 2, 729, asseverat. Exstant in hoc lapide reliquiae paucissimae tituli prioris, et initia versuum septem tituli alterius, qui fortasse decretum anterius fuit, a textu magno SEG XII 226 correctum et definitum.

(*a*) ----------ΙΩΤ----------
-----ου θεοῦ Αὐτ[οκράτορος ---]
*vacat*

(*b*) Ὑπατείᾳ τῶν κ[υρίων ἡμῶν ----------]
καὶ Φλαβίου Οὐαλ[ερίου ----------]
ἐπὶ ἄρχοντος ἐ[ν Δελφοῖς ----------]
εἰσηγησαμένο[υ ----------]
5 Πυθίου Ἀπόλλ[ωνος ----------]
Γελλίου Μ[ηνογένους ----------]
ΑΝ[ ----------

**408. Edictum Diocletiani de pretiis rerum venalium, a. 301ᵖ.** — *Ibid.* Novum fragmentum edicti — fragm. tabulae marm. a sinistra integrum, inv. n. 4534, nunc *Delphis* in museo — ed. J. Bingen, *BCH* LXXVIII 1954, 355/60, c. im. ph. fig. 2. Hoc fragmentum initia versuum partis eius edicti quam Mommsen-Blümner 19 comprehendit, ubi textus iam a fragmentis *Carystus* I, *Megara* IV, *Megalopolis* instructus est (quae cum *Aphrodisias* IV Latine scripto confert B.): sed vss. 5/6 a textibus ceteris absunt. De edicto eodem vid. nn. 334 et 386 supra.

| Momm.-Blüm. no. | | | |
|---|---|---|---|
| | | ---------- | |
| 29 | | λο---------- | |
| 30 | | δελ[ματικὴ λάγειος ------] | |
| | | ἀ[νδρεία ἔχουσα ἰσγίνης πορ]- | |
| | | φ[ύρας λ . α] | [(δην.) . .] |
| 30*a* | 5 | στ[ίχη λάγειος ---------- πορφύ]- | |
| | | ρα[ς(?) ---------- λ . α] | [(δην.) ς] |
| 31 | | δελμ[ατικομάφετρος λάγειος] | |
| | | ἔχω[ν ἰσγίνης πορφύρας λ . α] | [(δην.) . .] |
| 32 | | βίρος Νε[ρβικὸς ἢ λεωνεῖνος κάλ]- | |
| | 10 | λιστο[ς] | [(δην.) . .] |
| 33 | | βίρος ταυ[ρογαστρικός] | [(δην.) Ͱ 'β] |
| 34 | | βίρος Ῥει[πήσιος] | [(δην.) 'η] |
| 35 | | βίρος Νω[ρικός] | [(δην.] . .] |
| 36 | | βίρος Βρ[εταννικός] | [(δην.) 'ς] |
| 37 | 15 | βίρος ---------- | -------- |
| | | ---------- | |

1. Fortasse ex ὑπόλοιπα vel ἐνλογεῖσθαι.

Fragmentum aliud Delphis repertum (inv. n. 3487), quod olim edidit P. Perdrizet, *BCH* XXII 1898, 403/9, etiam tractat Bingen, et nonnullis lectionibus melioribus auget; imaginem phot. addit fig. 3.

**409. Rationes naopoeorum templi Apollinis, c. a. 334/3ᵃ.** — *Ibid. F. de Delphes* III v, n. 62. Vss. 13/21 adducit J. Bousquet, *F. de Delphes* II (*Le Trésor de Cyrène*), 1952, 27, et novum fragmentum tabulae eiusdem commemorat, inv. n. 6440, quod tamen cum textu maiore nullo modo coniungi potest.

[---- μνα]ῖ εἴκοσι μία ------
[--------- ἀ]νελομ[ένωι ---]

**410. Catalogus Amphictyonum, s. I/IIᵖ.** — *Ibid. F. de Delphes* III i, n. 498. Novum fragmentum huius tituli, inv. n. 6065, commemorat J. Bousquet, *BCH* LXXVIII 1954, 427/8, et novum textum exhibet. Notat etiam fragmentum tertium, inv. n. 398, probabiliter partem stelae eiusdem esse, sed negat fragmentum illud in *F. de D.* (*loc. cit.* adn. 1) adductum, inv. n. 59, hic esse attribuendum.

-------ω(?)-------
Ἀθηνα[ίω]ν Αὐρ. ------
Νικοπ[ο]λειτῶν [τῶν πρὸς τῷ Ἀκτίῳ]
Πό. Π--------(?)
5 Κλαύ[διος(?) -----]
Θηβαίων Πό. Ὑ----------
Χ[αλ]κιδέων Π----------
[Δωρι]έων ἐκ Πε[λοποννήσου]
[Ἀργεί(?)]ων Γ. Ἰού[λιος -----]
10 Γ. Ἰού[λιος -------]
[Δωριέω]ν ἐκ Μα[τροπόλιος]
*reliquiae nonnullae*

**411. Epistula Adimanti cuiusdam ad Demetrium regem, s. IIᵃ (?).** — *Ibid.* G. Daux, *Delphes au IIème et au Ier siècle*, 1936, 351 adn. 2. Eundem tit. iterum tract. id., Ἀρχ. Ἐφ. 1953/4, 245/54, c. im. ph. ectypi 251, qui haesitat hanc epistulam Adimanto ei nn. 58, 573, commemorato (ex. s. IVᵃ) attribuere, ut quae litteris saeculi IIᵃ scripta esse videatur. Cf. J. et L. Robert, *REG* LIV 1941, 256 n. 114; L. Robert, *ib.* LV 1942, xii; eund., *Hellenica* II 1946, 15/33.

'Αδείμαντος βασιλεῖ Δημητρίωι χαίρειν· τό τε ψήφισμα
ὃ ἐπεποίηντο οἱ 'Αμφικτίονες πέ[ρυ]-
σι προθέντες μὲν ἐν 'Ισθμίοις, ἐπικυρώσαντες δὲ ἐν Δελφοῖς,
ἀπέσ[τ]αλκα καθάπερ ὤιου δεῖν· [ὁμοί]-
[ω]ς δὲ καὶ τὰς παρὰ τῶν φίλων ἐπιστολάς, ἵνα παρακολουθῆς
ἑκάστοις ...c. 9... ον ἀναγράψαντας εἰστ[ήλην]
....Α τὸ γενόμενον δόγμα ἀναθεῖναι ὃ κ[αὶ ἐπ]εποιήκειμεν ἐν
ΤΟΙΣ [...8-10... κ]αὶ τὰ γεγονότα δημ[ο]σ.4.
[...c. 10... π]αρὰ τῶν 'Αμφικτιό[νω]ν Γ...c. 7...ΟΙ..Ο 3-4 ΙΙ
...c. 16... ΟΝΒΟΥΛΟ...c. 8...

**412. Dedicatio civitatium contra Persas confoederatarum, a. 479/8a.** — *Ibid. Syll.*³ 31: Tod, *G H I* I² 19 c. bibliographia pleniore p. 259. Tract. U. Cozzoli, *Annali della Facoltà di lettere e filosofia, Università di Napoli*, IV 1954, 5/24, ubi praecipue de ratione atque ordine nominum ibi inclusorum disserit.

**413. Dedicatio Iovi Apollinique, s. V/IVa.** — *Ibid.* Fragmentum partis superioris cippi lap. calc. undique nisi supra mutilum, inv. n. 4535, ed. G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 372/4 n. 2, c. im. ph. fig. 3 et del. foraminum ad dedicationem infigendam fig. 4. Vs. 1 minoribus litteris scriptus, sed *alpha* in vss. 1/2 formam Α habet, in vs. 3 tamen Α. *Lambda* in vs. 1 formam Argivam praebet.

[Δ]ιός· 'Απόλλονο[ς].
1-2 ΛΟΝ ἀνέθ[εκε]
2-3 ειον Α 4-5
*vacat*

**414. Honores Theogenis Thasii, c. a. 370/65a.** — *Ibid. Syll.*³ 36 tract. W. Peek, *Ath. Mitt.* LXVII 1942, 240/3 n. 2, cuius textum non sine dubio repetit L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 51/6 n. 21.

**415. Dedicatio agonistica (Doriei Rhodii?), c. a. 370/60a.** — *Ibid. Syll.*³ 82 adducit L. Moretti, *op. cit.*, 57/60 n. 23.

**416. Dedicatio agonistica Messenii cuiusdam, c. a. 366/58a.** — *Ibid.* SEG III 398. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 61/2 n. 24, qui restitutiones nonnullas a Pomtow (SEG, *loc. cit.*) propositas reicit.

**417. Dedicatio Sostrati Sicyonii, a. 356a.** — *Ibid. BCH* VI 1882, 446/8. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 62/4 n. 25 et textum *F. de Delphes* III i, p. 332, exhibitum.



**418. Dedicatio Calliadis, c. med. s. IVa.** — *Ibid. F. de Delphes* III i, n. 510 tract. W. Peek, *Ath. Mitt.* LXVII 1942, 243/5 n. 3. Textum ab illo suppletum exhibet L. Moretti, *op. cit.*, 65/6 n. 27.

**419. Thessalorum dynastae a Daocho dedicati, a. 337a.** — *Ibid. Syll.*³ 274 (SEG III 397) adducit E. Sjöqvist, *Opuscula Atheniensia* I 1953, 93/4. N. 4 (statua Telemachi) vs. 4, ubi Homolle, *BCH* XXI 1897, 593, legit

κτεῖνα, ἐθέλοντο[ς ἑοῦ]· Τηλέμαχος δὲ ὄνομα.

ἐθέλοντο[ς θεοῦ] proponit R. M. Cook, *Cl. Rev.* NS V 1955, 118 adn. 2. De dedicatione tota vid. etiam L. Moretti, *op. cit.*, 68/75 n. 29.

**420. Dedicatio Hermesianactis Tralliani, c. a. 45a.** — *Ibid. F. de Delphes* III i, n. 534; *Syll.*³ 802. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 165/9 n. 63, qui in vs. 1 Κο[ρίνθιος], a Bourguet (*F. de D.*) reiectum, accipere mavult.

**421. Dedicatio agonistica, in. s. IIIa.** — *Ibid. F. de Delphes* III i, n. 550. Tract. L. Robert, *Rev. Phil.* (IIIe Sér.) IV 1930, 53/5, cuius textum exhibet Moretti, *op. cit.*, 237/9 n. 81. Cf. eund., *Athenaeum* XXXII 1954, 118/20.

**422. Dedicatio agonistica, c. med. s. IIIa.** — *Ibid. F. de Delphes* III i, n. 555. Vid. L. Robert, *loc. cit.*, 50/3, Moretti, *op. cit.*, 257/9 n. 87. De vs. 26, τειμηθέντα προβάσει ἐν τῇ βασιλίδι 'Ρώμῃ, vid. Robert, *Hellenica* VII 1949, 113 adn. 3.

**423. Statuae Cleobis et Bitonis, in. s. VIa.** — *Ibid. Syll.*³ 5; SEG III 395, XII 262. Tractavit R. Heidenreich, *Wissenschaftliche Zeitschrift der Friedrich-Schiller-Universität Jena*, IV 1954/5, 49/57 (et praecip. 55/6), ubi nomen artificis ['Αγα]μέδες fuisse contendit.

**424. Dedicatio Leontidis, Theoclis (?) filiae, s. Ia p. post.** — *Ibid.* Fragmentum lap. calc. undique nisi supra fractum, inv. n. 832, quod ed. L. Ross, *Inscr. inedit.* I 25/6 n. 69, denuo tract. G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 388/91 n. 17, c. im. ph. lapidis fig. 13 et del. unius litterae (F) fig. 14. De Novio Prisco (cf. Tac. *Ann.* XV 71) plenius explicavit H. G. Pflaum, *ib.* LXXIX 1955, 424/6.

----------ν Θεοκλέα Δελφὸν καὶ *vacat?*
[----------Π]ό. Νόβιον Πρεῖσκον πρεσβευτὴ[ν]
[ἀντιστράτηγον 'Αχαΐας καὶ πρεσβευτὴν λεγεῶ]νος . F.
Νεικηφόρου καὶ στρατη-
[γὸν δήμου 'Ρωμαίων ----]Ε τειμαῖς ἀγωνοθετικαῖς ΔΟ
[---------- Θεοκ]λέου θυγάτηρ Λεοντὶς *vac.*
['Απόλλωνι Πυ]θίωι.

4. τειμαῖ ἀγωνοθ. Vid. SEG XIII 244.

**425. Dedicatio Iovi Hypsisto, act. imp. Rom.** — *Ibid.* Cippum marm. infra fractum, inv. n. 2415, ed. id., *loc. cit.*, 392/4 n. 19, c. im. ph. lapidis fig. 15 atque ectypi pl. XVI, 2. Inter vss. 3 et 4, anaglyphum formae lunatae.

. . Τυχικὸς Τ.
[Φ]λ. Μεγαλί-
[ν]ου δοῦλος
*anaglyphum*
[Δ]ιὶ (vel [Θε]ῶι) Ὑψίστῳ.

**426. Manumissio, s. II/I[a].** — *Ibid.* Fragmentum marm., inv. n. 3190, quod pars thesauri Cyrenaici fuisse videtur, ed. J. Bousquet, *F. de Delphes* II (*Le Trésor de Cyrène*), 1952, 106 n. 2.

[. . . . τ]ῶι Ἀπόλλωνι τῶ[ι Πυθίωι σώματα γυναικεῖα]
[τρία], οἷς ὀνόματα Εὐα - - - - -, - - - - -, - - -
- - α, γένος οἰ[κογενῆ - - - - - - - - - - - - - - - - -]

**427. Manumissio, a. 177/6[a].** — *Ibid.* Fragmentum orthostatae ex eodem thesauro provenientis ed. id., *BCH* LXIV/LXV 1940/1, 85/6 n. 9. Inv. n. 3638. Vss. 2/3 correxit G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 368 adn. 1. De Melissione archonte vid. *Chron. Delph.* L. 22.

[Ἄρχ]οντος Μελισσίων[ος - - - - - - - - - - - - - - - -

**433. Titulus sepulcralis, s. III$^a$ (vel IV$^a$?).** — *Ibid.* Fragmentum stelae lap. calc., supra et fortasse infra fractum, inv. n. 4083, ed. G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 386/7 n. 16, c. im. ph. fig. 11.

[Ἰ]διωτικὸν
Εὐβιάδας,
Εὐκράτης,
Δεξώνδας,
Φαινώ.

Contendit Daux titulum hunc non terminum generis cotidiani sed stelam veram sepulcralem fuisse, et alia exempla adducit quae infra (nn. 434/7) exhibemus.

**434. Tit. sep. Bulonis, s. IV/III$^a$.** — *Ibid.* SEG XIII 380 add. Daux, *loc. cit.*, 388, c. im. ph. fig. 12.

**435. Fragmentum tituli sep., s. III$^a$.** — *Ibid.* Fragm. lap. calc., inv. n. 6724, ed. id., *ib.*

- - - - - - ι Ἰδιωτικόν.

**436. Tit. sep. Charixae, s. II$^a$(?).** — *Ibid.* L. Ross, *Inscr. inedit.* I, 29 n. 72, adducit id., *loc. cit.*, 387, et verbum in vs. 1 (ubi Ross 'χαρίξας est pro χαρίσας' scripsit) nomen proprium esse agnovit.

Χαρίξας | Ἰδιωτικόν.

**437. Tit. sep. Sosiae, aet. eiusdem(?).** — *Ibid.* Stelam lap. calc. c. aetomate, inv. n. 4367, commemorat id., *loc. cit.*, 388.

Σωσίας
Ἰδιωτικόν.

**438. Fragmentum incerti generis, s. V$^a$.** — *Ibid.* Fragmentum lap. calc., inv. n. 4111, ed. id., *loc. cit.*, 371/2 n. 1, c. del. fig. 2.

- - - σενθα - - - -
- - - σιαιφι - - -
- - - ν ὑπο - - -

**439. Fragmentum incerti generis, s. III$^a$ p. post.** — *Ibid.* Fragmentum stelae marm. undique nisi a sinistra mutilum, inv. n. 6392, ed. id., *loc. cit.*, 385 n. 14, c. im. ph. fig. 10. Litterae valde detritae.

. . . Ο ι ι - - - - - - - - - - - - - -
. . ΣΑΓΟ - - - - - - - - - - - -
ΛΤΥΓΕΔΟΥΤΟ - - - - - -
κοινοῦ ἀποδο - - - - - - - - - -
ΓΟΔΟΥ . Ο . . Κ - - - - - - -
μη[δ]ὲ θυσίαν - - - - - - - - -

συντελου - - - - - - - - - - - -
εναι καὶ ν̲ τὸ Γ - - - - - - - - -
ρωματ. ΕΝΤ - - - - - - - - - -
. Α . ΙΟΜΕΝ - - - - - - - - - -
. . . ΙΕΙΟΥ / - - - - - - - - - -
*reliquiae*

6. Vel μὴ [ἐ]ξουσίαν.



**440.** *Ibid. F. de Delphes* III iv (2). Novum volumen, quod titulos in vicinitate templi Apollinis et regione fani septentrionali repertos, nn. 87/275, comprehendit, a. 1954 proditum edidit R. Flacelière. Ratione in 'Corporibus' tractandis solita usi titulos secundum genera tabulavimus; nam titulorum maxima pars iampridem edita est. Cum scribebamus, librum iam recensuerant J. Bousquet, *BCH* LXXVIII 1954, 427/37, et W. Vollgraff, *Mnemosyne* (Ser. IV) VIII 1955, 324/6; unde titulos ab illis tractatos singillatim commentariis quanti utiles videbantur infra exhibemus, eundem numerorum ordinem servantes. Cf. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 226 n. 120; W. K. Pritchett, *AJA* LX 1956, 195/6.

Decretum Delphorum de iure asyli urbi Smyrnae tribuendo (= *OGIS* 228) 153
Decreta urbis Lilaeae in honorem militum a rege Attalo I missorum (textus a L. Robert elaborati) 132/5
Pactum inter civitates duas Locrenses (*Klio* XVI 176, n. 137) 159
Proxeniae civitatesque donatae 87/104, 106/19, 121/3, 136, 136 *bis*, 138/41 *bis*, 145, 149/52, 154/7, 161, 163, 167/75, 177, 180, 210/11, 213, 225, 238
Monumentum Crateri Macedonis (Hiller von Gärtringen, *Hist. Gr. Epigr.* 82) 137
Signaturae artificum (nonnullae a J. Marcadé, *Recueil des Signatures de Sculpteurs grecs* I, 1953, exhibitae) 146, 148, 158, 162, 164, 166b, 176, 179, 194, 199, 202/3, 209, 212, 214/5, 219, 222, 224, 226, 229, 242
Statuarum bases 142/4, 226, 230, 239, 242/3, 258, 260/75
Manumissio 105
Victores in ludis Soteriis (vid. Flacelière, *Les Aitoliens à Delphes*, 405/8 nn. 35/8) 125/8
Tituli agonistici 216, 222/3 (vid. *BCH* XLIX 1925, 35/6, et n. 459 infra)
Dedicationes Apollini 124, 130/1, 147, 165, 166a, 176, 178/9, 181/93, 195/209, 212, 215, 217, 219, 221, 224, 227, 231/7, 240/1, 244/57, 259
Dedicatio Dictynnae (cf. F. Courby, *F. de Delphes* II — *La Terrasse du Temple*, 80 adn. 7) 228
Epistula (*Syll.*$^3$ 826 *K* etc.) 160
Carmina 137, 184, 198, 200, 202, 218, 220, 222/3
Tit. Latinus (cf. Courby, *op. cit.*, 116) 120
Incertum (pondus ?) 129

**441. Manumissio, ex. s. I$^p$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, 105. Vs. 4. Pro πόλιος (*F. de D.*) proponit πόλεως G. Daux ap. J. Bousquet, *BCH* LXXVIII 1954, 428.

**442. Decretum proxeniae, s. I/II$^{p}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 111. Vss. 10/11 tract. G. Daux, *BCH vol. cit.*, 369/70, ubi supplementum quod proposuit J. Bingen profert, et in vs. 11 legit

Κλαυδίω[ν Κα]λλιστράτου καὶ Ερ - - - -

---

**443. Honores Damasceni cuiusdam, c. med. vel p. post. s. I$^{p}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 118. Vs. 3 ad fin. Σέξ[τος] legendum esse notat Daux ap. Bousquet, *loc. cit.* supra (n. 441).

---

**444. Tit. Imperatoris Domitiani de templo refecto, a. 84$^{p}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 120. Titulum hunc, Latine scriptum, tract. J. Bousquet, *loc. cit.*, ubi de rebus architectonicis praecipue agitur.

---

**445. Victores in ludis Soteriis, c. a. 226$^{a}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv. nn. 126 et 127. Vid. Bousquet, *loc. cit.*, 429, qui legit

126 vss. 2/3 Τηλέα, | [Π]αιπάλου, κτλ.
4/5 Ἀθ[α]|| ν νίωνος.
11 ad fin. Νικ[οκλῆς] e textu nondum communicato.
14 κωιμωιδὸς.

127 vs. 6 pro οἵδε [ἐνίκων] lege οἵδε ἐ[νίκων].
10 ad fin. Fortasse Συ[ρακόσιος].

---

**446. Pondus, s. V$^{a}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 129. Vid. Bousquet, *loc. cit.*, qui de litteratura disserit, et monet pro A legendum esse M (unde 11½ minas habemus). H = ½, non 100, secundum Bous., unde 2 stateres, non 102, commemorantur.

---

**447. Monumentum Lilaeensium, c. a. 208$^{a}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, nn. 132/36 *bis*. 132 non fragmentum dextrum ex eodem lapide fractum esse sed lapidem alterum integrum esse monet Bousquet, *loc. cit.*, qui lectiones hic et illic corrigit:

4 Ubi *F. de D.* ὑπάρχει(ν) δὲ καὶ ἐκγόνοις πᾶσιν legit ὑπάρχει (*sic*) δὲ αὐτοῖς καὶ ἐκγόνοις πᾶσιν.
Col. III vs. 12 legit Ἀσσκληπιάδει.
16 [Μη]τροδώρωι (Τ certum).

---

**448. Monumentum Crateri Macedonis, paullo post a. 321$^{a}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 137. Vss. 7/8 tract. W. Vollgraff, *Mnemosyne* (Ser. IV) VIII 1955, 324/5, qui errorem lapicidae in vs. 8 profert, coll. Paus. 1 13,3; quare legere mavult

ὅμ ποτε, Ἀλ[εξά]νδρωι τότε ὅθ' εἵπετο καὶ συνεπόρθει.
τῶι πολυαιν[ή]τωι τῶιδε Ἀσία⟨ν⟩ βασιλεῖ, κτλ.

---



**449.** *Ibid. F. de Delphes* III iv, nn. 142/6 et 147/52. De monumentis duobus hic agitur, sed num lapides illis in *F. de D.* attributi re vera sint attribuendi dubitat Bousquet, *loc. cit.*, 430/1, qui de genere lapidum complurium pauca explicat. In n. 149 (Proxenia Charicli Aeginensis, c. a. 270/69$^{a}$) reliquias versus 6 notat.

---

**450.** *Ibid. F. de Delphes* III iv, nn. 153/70. Huc congessimus commentarios de titulis in basibus statuarum equestrium nonnullos quos adducunt Bousquet et G. Daux (nn. 161 et 170), *loc. cit.*, 431.

153. Vs. 13. ἐπέστελκε *sic*. Hoc verbum nunc a titulo deperditum est.
159. Vs. 12, ad init. μὲν legendum.
161. (= *OGIS* 150). Vs. 5. Pro [ἐπάγ]γελλον mavult Daux [ἀπάγ]γελλον.
Vs. 8. Lege κοινᾶι τᾶι (Bousquet).
Vss. 9/10. Legit Daux συνεργεῖ με[τὰ πάσ ας προ]θυμίας.
163. Vs. 29 ad init. Lege Ἰατροκλέος.
170. Ubi in commentario suo de urbe apud Aetolos *Arsinoe* scripserat Flacelière, hoc in urbem *Arsinoeiam* esse corrigendum monet Daux.

---

**451. Dedicatio Milesiorum Apollini, a. 346/4$^{a}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 176; M. N. Tod, *GHI* II 161 B; *Syll.*$^{3}$ 225 (cf. SEG XIII 379). Bibliographiam auget Bousquet, *loc. cit.*

---

**452. Dedicationes Liparaeorum, s. V/IV$^{a}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, nn. 181/5. De natura monumentorum vid. Bousquet, *loc. cit.*, 431/2.

Ad n. 184 vs. 2, ubi proposuerat Bourguet (cuius textus in *F. de D.* exhibetur) [ἐξὸς δου]λοσύνα[ς], et Peek, *Ath. Mitt.* LXVII 1942, 246/9 [ῥύσιος δου]λοσύνα[ς] maluerat, profert [ἀλκᾶς δου]λοσύνα[ς] W. Vollgraff, *Mnemosyne* (Ser. IV) VIII 1955, 325.

---

**453. Fragmentum dedicationis, s. VI/V$^{a}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 189. Litteram cuius reliquiae ad fin. exstant non *sigma* sed probabilius *delta* fuisse putat Bousquet, *loc. cit.*, 432.

---

**454. Carmen dedicatorium, s. IV$^{a}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 198. Carmen in honorem Pythionicae cuiusdam inscriptum fuisse contendit Bousquet, *loc. cit.*, qui etiam ad vss. 4/5 proponit

[- - - - - - - - - - - - - - νίκ]ησε δὲ καὶ τόσον
5 [Ἰσθμοῖ(?) - - - - Πυθίου] ἐς τέμενος.

---

**455. Dedicatio filii Hetaerichi, s. IV$^{a}$ p. prior.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 199. Textum in *F. de D.* exhibitum omnino reicit Bousquet *loc. cit.*, 432/3, qui lapide reviso huncce profert:

*reliquiae incertae*

Ἑταιρίχου : Θι[σοαῖ]ος
Ἄρκας : πρόξεν[ο]ς
ἔγγονος : Πετήλο : ἀνέθ-
ηκε.
Νικόδαμος : ἐποίησε.

De Nicodamo vid. J. Marcadé, *Recueil des Signatures* I, 1953, 84.

**456.** *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 200. Epitheton καλλίχορος tract. Bousquet, *BCH* LXXVIII 1954, 433.

**457. Dedicatio Pythionicae, s. IV$^a$ p. prior.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 202. Vs. 1 praecipue tractat Bousquet, *loc. cit.*, qui supplere proponit

Πατρίδος [ἐκ Σαμίης Λε]ύκων ὅδε
vel Πατρίδος [ἐγ Ζμύρνης Ν]ίκων ὅδε κτλ.

De Daedalo sculptore vid. J. Marcadé, *op. cit.*, 22.

**458. Fragmentum dedicationis, s. V/IV$^a$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 203. Alterum fragmentum, quod titulo eidem pertinere possit, addit Bousquet, *loc. cit.*, (inv. n. 6828), et textum sic recomponit :

Τ[ιμ]άνθης Κλεο . . . . . | Ν[ίκ]ον Θεβαῖος ἐ[πόησε].

**459. Titulus agonisticus, s. IV/III$^a$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 216. Hunc lapidem super n. 223 positum fuisse et partem monumenti eiusdem esse monet Bousquet, *loc. cit.*, 434/5, qui tertium etiam fragmentum, inv. n. 4166, reperire potuit. Unde titulum totum denuo exhibemus.

Ἡρογείτων [.....$^{8-10}$..... Μάγνης]
Πύθια παῖδ[ας στάδι]ον · [Ἴ]σθμ[ια]
[π]αῖδας ἵππ[ι]ον · Παναθήναια
[π]αῖδας ἵππιον · Ἐφέσεια παῖδας
[σ]τάδιον.
Μάγνης μὲν γενεάν, στάδιον δέ με Πύθια παῖδας
νικ[ῶ]ντα ἐστεφάνωσε εἰκόνι τῇδε πόλις,
Μαιάνδρου ῥείθροις προσκειμένη, ἱπποτρόφος δὲ
[Θ]εσσαλία πατρίδος μητρόπολις λέγεται.

**460. Dedicatio Phocensium, a. 304$^a$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 218 (eiusdem monumenti ac n. 219). De lectione nonnihil adfert Bousquet, *loc. cit.*, 435, et vss. 5/6 tract. W. Vollgraff, *loc. cit.* supra (n. 452).



Vs. 1. Ubi σωίζου[σ]' Flacelière, in lapide videt Bous. σοίζου[σ]'.
Vs. 3. Pro ἐὼν κείναν (*F. de D.*) ἐὼγ κείναν mavult Bous., secutus Peek, *Ath. Mitt.* LXVII 1942, 252/5 et 269/70.
Vs. 5. Ad init. lectionem [ὅ]σσα δὲ confirmat Bous., secutus Peek. Ad finem pro [ἄλλα] mavult [ἔργα].
Vollgraff retinet [ὡ]ς τάδε, sed fines versuum 5 et 6 novis supplementis auget, ut distichum hunc in modum exhibeat:

[ὡ]ς τάδε Φωκεῦσιν καὶ ἐπὶ πλέον ἄνυσας [ἄθλα]
γείτονα, τὶς μαθέτω χαλκὸν ἐπόντ' [ἀθρέων]

(*F. de D.* ἐπόντα [βλέπων]. An ἐπόντ' ἀ[θρέων] inde scribendum ?)

**461. Honores Xanthippi, a. 284/1$^a$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, nn. 220 + 221. N. 220 = *Syll.*$^3$ 361*C*, Hiller von Gärtringen, *Hist. Griech. Epigr.* 89, W. Peek, *Ath. Mitt.* LXVII 1942,255/8. Litterae nonnullae nunc deperditae sunt (hic lineis subscriptae), sed lapidem denuo vidit Bousquet, et textum carminis novum exhibet, *loc. cit.*, 435/6, quem transcripsimus.

Ὧδε χρὴ Φοῖβον παρὰ Πύθιον αἰὲν ἀλαθ[ῶς]
αὐχεῖν, ὡς ὅδ' ἀνὴρ Ἑλλάδος ΩΝΑΤΑΡ - - -.
Διὶ μὲν γὰρ σφετέρας ἀπὸ δ[έσμ(?)]ια δ[ειν]ὰ τυράννων
λῦσαί φατι, καμὼν ἄλκιμ[α πολλά, πάτρ]ας,
ἀνίκα δῖα Ἐλάτεια κατείχε[το], τὸμ [μὲν ἐν] ἀρχ[ᾶι],
τὸν δὲ μέσαι τελέσας μόχ[θο]ν ἐν ἀλ[ικίαι].
οὗτος καὶ βασιλῆα Μακη[δονίας] φρεσὶ [πε]ίσας
τὰν ἄδολον κ[ε]ίναν ὥρμι[σεν εἰ]ς φιλίαν,
Λυσ[ίμα]χον, χρυσὸν δὲ τὸν ἀ[στ]εα καὶ τὰ πατρῶια
ἄγαγεν [Ὀ]ρυντιδᾶν ῥυσάμενον δάπεδα.
τοὔνεκα καὶ Φωκεῖς δεκάκις, ξένε, ταγὸν ἔθεντο,
τόν γε μετ' εὐδο[κί]α[ς] πάντες ἐπευχόμ[εν]οι.
ἀλλά τ[ις αὖ(?) Ξ]άν[θιπ]πον ἰδὼ[ν] Ἀμφα[ρέ]του υἱὸν
φάσθω · ἰδ[ὲ ὡς] μεγάλαι τοῖς ἀγαθοῖς [χ]άριτες.

De eodem carmine nonnihil animadvertit Vollgraff, *loc. cit.* (supra n. 448), qui in locis nunc deperditis errores editorum priorum duos postulare proponit, et in vs. 2 ad fin. ὥνατ' ἄγ[ας] et in vs. 5 ad fin. τὸν [μὲν ἐν] ἀκμ[ᾶι] profert. In vs. 2 ὥνατ' ἀρ[ᾶν] proposuerat Peek.

**462. Honores Charixeni, s. III$^a$ p. post.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 230. Bibliographiam auget Bousquet, *loc. cit.*, 436.

**463. Dedicatio Babbii Aurelii Nicobuli, c. a. 250/80$^p$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 266 breviter tract. Bousquet, *loc. cit.*, 437, qui dedicationem non cippum sed hermam fuisse inter alia monet.

**464. Honores Leontici, Achaiae proconsulis, aet. Septimii Severi.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 269. Vss. 16/7 legit Bousquet, *loc. cit.*,

[Αὐρ]ήλιος Μ[ᾶ]ρκος ὁ κ[αὶ Σέ]ξτος(?) ὁ ἐφεστὼς
τῇ κατασκευῇ τοῦ [νεὼ κτλ.

**465. Honores eiusdem, in. s. III$^{p}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 270. Fragmenta plura baseos eiusdem invenit Bousquet, et negat *Syll.*$^{3}$ 877 *B* tituli huius partem esse; quattuor igitur, non tres, tituli in honorem Leontici sunt erecti.

**466. Honores Imperatoris Constantini, paullo post a. 317$^{p}$.** — *Ibid. F. de Delphes* III iv, n. 275. Vs. 1 [τὸν] θειότατον et vs. 3 Κωσταντεῖνον veriores esse lectiones notat Bousquet, *loc. cit.*

## PHOCIS

**467. Arbitrium de praediis, a. 118$^{p}$.** — *Daulis.* IG IX 1, 61, adducit U. Kahrstedt, *Das wirtschaftliche Gesicht Griechenlands in der Kaiserzeit*, 1954, 15/16.

**468. De aere alieno, c. a. 170$^{a}$.** — *Drymaea.* IG IX 1, 229; Schwyzer, *DGE* 355 II D; *SGDI* 1529. Vs. 11, ubi in IG Ἀλ[α]ῖοι exhibetur, Ἀχ[α]ιοί proponit G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 369 adn. 1.

## LOCRI OCCIDENTALES

**469. Manumissio, c. med. s. II$^{a}$.** — *Naupactus*, in gymnasio. Stelam marmoris surrubri, infra fractam, in Σκάλᾳ Ναυπάκτου inv., ed. S. N. Koumanoudes, Νέον Ἀθήναιον I 1955, 59/60. Cf. SEG XII 291/7.

Στραταγέοντος Τεισίππ-
ου Τριχονέος, μηνὸς Ἀθα-
ναίου, ἀπέδοτο Δίων [Ν]αυπά-
κτιος σῶμα ἀνδρεῖον τοῖ Ἀ-
σκλαπιοῖ τοῖ ἐν Κρουνοῖς, τι-
μᾶς ἀργυρίου ἐπ' ἐ [[. .]]λευθ-
[{θ}]ερίᾳ [Ⅎ, οἱ [ὄ]νο[μ]α Θρασυμ-
. . . ς, τὸ γένος Μάγνης. Βε-
[βαιωτ]ῆρες κατὰ τὸν νόμο-
[ν ------]ιος Δίωνος Ναυ-
[πάκτιος, ----]ων Βουκατι-
[εύς. μάρτυροι · Α]ἰσχύλος
----------σπρο
----------

Teisippus praetor fuit a. 163$^{a}$ et 156$^{a}$, secundum G. Klaffenbach, IG IX$^{2}$ 1, p. LII.



## INSULAE MARIS IONII

**470. Dedicatio Exoedae, s. VI$^{a}$.** — *Cephallenia.* IG IX 1, 649; *BMI* 952; Schwyzer, *DGE* 430; Friedländer, *Epigrammata*, 43. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 12/13 n. 6, qui c. a. 550/40$^{a}$ attribuit.

**471. Dedicatio Mnasiae, s. V$^{a}$(?)** — *Ibid.* IG IX 1, 610; *SGDI* 1660. Vid. Schwyzer, *DGE* 432.

**472. Tit. sepulcralis, s. V/IV$^{a}$.** — *Ibid. SGDI* 1659 = Schwyzer, *DGE* 431.

## THESSALIA

**473. M. Terentius Varro Lucullus honoratur, c. a. 72/1$^{a}$.** — *Demetrias.* SEG XII 307. Vs 6 init. supplet A. E. Raubitschek, per ep.

[π]εζῶν κ[αὶ ἵππων - - -]ψας ἄπαργμα Διί.

**474. Honores C. Iuli Caesaris, a. 48$^{a}$.** — *Ibid.* In capitulo columnae, supra quam statua C. Caeli Rufi steterat, sine dubio post proelium Pharsalium remota. A. S. Arvanitopoulos, Πολέμων I 1929/33, 201/6 n. 424; tract. A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 66/75 I.

Γάϊος Ἰούλιος Καῖσαρ αὐτοκράτωρ
θεός.

## EPIRUS

**475. Dedicatio Iovi Naio, c. a. 300$^{a}$.** — *Dodona*, nunc *Oxonii* apud Sir John Beazley. Circulum aeneum, qui in caput anguis finitur, ed. P. M. Fraser, *JHS* LXXIV 1954, 56/8, c. im. ph. fig. 1, coll. *SGDI* 1334/7. Litterae e punctillis incisis formatae.

Αἴσχρων Διὶ Ναίωι δῶρον ἐ(κ) Στράτου ἀνέθηκεν.

## MACEDONIA

**476. Carmen sepulcrale, c. med. s. IV$^{a}$.** — *Vergina* (Βεργίνα), haud procul a *Verria* (Βέροια). Stela sepulcralis marm. e decem fragmentis recomposita, *Verginae* in schola conservata, quae anaglyphum exhibet mulieris sedentis atque ad sinistram conversae; dextram iungit defuncta cum viro barbato adstante, qui cum puero comitatur. Titulus supra anaglyphum inscriptus est. Ed. M. Andronikos, *BCH* LXXIX 1955, 87/101, c. imm. ph. fig. 1/4. Supplementa exempli gratia inserta. Vid. nuperrime W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1444*a*.

'Αθάνατα μνημεῖα ἀ[ρετῆς τῆς σῆς προλιποῦσα]
κεῖσαι ἀγηράτωι τῶιδε [τάφωι φθιμένη]·
ἐν ταὐτῷ δὲ σύνευνος [⏑ ‒ ⏑ος ὃν ⏑ ⏑ ‒ μὲν]
φῦσε πατήρ, θρέψεν δὲ ἥδ[ε Μα]κηδον[ίη].

**477. Titulus sepulcralis, c. a. 325ª.** — *Ibid.* Stelam sepulcr. cum aetomate, quae, sicut n. 476 supra, adhuc reliquias colorum exhibet, ed. id., *loc. cit.*, 101, c. im. ph. fig. 5.

Θεύκριτος
Θευφάνους.

**478. Victoriarum recensus, c. a. 100ª.** — *Cassandrea* (*Potidaea*). Tabulam marm. ed. D. M. Robinson, *TAPA* LXIX 1938, 64/5 n. 16, c. im. ph. pl. XII: corr. id., *ib.* LXX 1939, 62. Titulum Graecum attulit L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 141/3 n. 54, qui s. II/Iª attr. (Robinson s. IIIª).

(*a*).

'Ολύμπια τὰ ἐν Δίωι ἄνδρα[ς]
ὁπλίτην, Νέμεα ἄνδρας στάδι[ον],
Βασίλεια στάδιον, δίαυλο[ν],
ὁπλίτην τεῖ αὐτεῖ.

In latere averso:

(*b*).

L. APV[LEIVS]
CHRY[SEROS]
SIBI ET [SVAE]
FORT[I VXO]-
RI.

(*b*). 3/5. [AVR. (e.g.)] | FORT[VNI VXO]|RI A. M. Woodward per ep., coll. Dessau, *ILS* 8445.

**479. Epistula Imperatoris Antonini Pii de vectigalibus augendis, a. 158ᵖ.** — *Rangel*, prope *Sveti Vrač*, nunc *Sofia* in museo. Partem inferiorem tabulae marm. ed. D. Detschew, *Jahresh.* XLI 1954, 110/8, c. im. ph. fig. 58, et Sveti Vrač coloniam Alexandropolim a Philippo II rege deductam fuisse contendit. Versus deperditi, qui initium epistulae praebebant, fortasse ex *IGRR* III 467 (titulo anni eiusdem) suppleri possunt.

[κοιν]ωνήσουσιν οἱ ξέ[νοι τῆς πεντηκοστῆς(?) κατὰ τοὺς νόμους]
κυ[ρ]ίους ὑπὲρ τῆς χώρας, ὁπότε οἱ πολεῖτ[αι περὶ τῶν βο]-
ῶν καὶ δούλων καὶ ἀργυρωμάτων, ἃ οὐκ {ο[ὐ]κ} [ἀναθή]ματά
ἐστιν, τοσοῦτον τελεῖτε. εἴ τι αὖθις ἦρχ[ετε ποιεῖν], περὶ τού-
του διδάξαιέν με. ὃ ἄξιόν ἐστιν γνῶναι ὑμᾶς, [εἴρηται].
συνχωρῶ ὑμεῖν καὶ τοῖς σώμασι ἐλευθέ[ρο]ις, ἃ [δι]ὰ χρό-
νου φόρον διδόασιν, δηνάριον ἑκάστῳ ἐπιβαλεῖν, ὥστε



καὶ τοῦτον σχοίητε πρὸς τὰ ἀνανκαῖα ἑτοῖμον πόρον. [β]ου-
λευταὶ ὀγδοήκοντα ὑμεῖν ἔστωσαν, διδότω δὲ ἕκαστος
πεντακοσίας 'Αττικάς, ἵνα ἀπὸ μὲν τοῦ μεγέθους τῆς βου-
λῆς ἀξίωμα ὑμεῖν προσγένηται, ἀπὸ δὲ τῶν χρημάτων,
ἃ δώσουσι, πρόσοδος. οἱ ἐνκεκτημένοι παρ' ὑμ[εῖν] ὑπακουέ-
τωσαν τοῖς ἄρχουσι πρὸς τὰς δίκας καὶ διώκοντες καὶ φεύ-
γοντες μέχρι διακοσίων πεντήκοντα δηναρίων. ἐπρέσ-
βευον Δημέας Παραμόνου καὶ Κρίσπος Τόσκου, οἷς τὸ ἐ-
φόδιον δοθήτω, εἰ μὴ προῖκα ὑπέσχηνται. εὐτυχεῖτε.

*vacat*

'Εγράφη καὶ ἐτέθη πολιταρχούντων τῶν πε-
ρὶ Οὐαλέριον Πύρρον, ἔτους θπρ'.

1. Vel [συγχ]ωρήσουσιν. || Vss. 1/8 litteris maioribus scripti.

**480. Donationes Claudii Tiberii Achyrii synagogae Iudaeae apud Stobenses, a. 281ᵖ.** — *Stobi. C. I. Iud.* 694 tract. F. M. Heichelheim, *The Jewish Standard*, 15 May 1953, 7 et 16.

## THRACIA

**481. Dedicatio Dianae, s. IIIª p. prior.** — *Neapolis* (*Kavalla*). Lap. marm. a sinistra fractum, in muro inaedificatum sed olim fortasse naisci vel arae partem, ed. D. I. Lazarides, Μακεδονικά II 1941/52, 263/5, c. im. ph. fig. 1. Cf. Ch. I. Makaronas, *ibid.*, 651/2 n. 117.

['A]ρτέμιδι 'Οπιταΐδι
[Φ]ιλῖνος Στρατοκλέους
[Ζ]ακύνθιος κατὰ πρόστ-
[αγ]μα.

1. 'Οπιταΐς. Vid. IG IX 1, 600.

**482. Milliarium, a. 198/209ᵖ.** — *Bisanthe* (*Rhadaestus — Tekir Dağ*), sed sine dubio illuc e *Perintho* (*Heraclea — Ereğli*) transvectum. Ed. Z. Taşlikliođlu, *Belleten* XVII 1953, 483/7.

'Αγαθῆι τύχηι·
Αὐτοκράτορσιν
Σεπτιμίῳ Σεουήρῳ
Περτίνακι 'Αραβικῷ
'Αδιαβηνικῷ Παρ-
θικῷ μεγίστῳ κα[ὶ]
Μ. Αὐρηλίῳ 'Αντω-
νίνῳ Σεβαστοῖς
καὶ Πουβλίῳ Σεπτι-
μίῳ Γέτᾳ Καίσαρι
ἡ νεωκόρος Περιν-
θίων πόλις.
μείλιον.

1. ἀγεθῆ, ed. per errorem; correxi. || 6/7 καὶ Αὐρηλίῳ ex apographo ed., quod vix probabile credit; haud dubium est quin debeamus κα[ὶ] | Μ. Αὐρηλίῳ legere.

483. **Dedicatio Mercurio Herculique, s. III$^{a}$(?).** — *Baltaliman* (*Phidalea*). Titulum e schedis B. Mystakidis breviter ed. G. G. Arnakis, *AJA* LIX 1955, 176.

Ὀλυμπιόδωρος Μενδι-
δώρου στεφανωθεὶς
τᾷ λαμπάδι τῶν ἀνή-
βων τὰ Βοσπόρια τὸ
ἄθλον Ἑρμ{μ}ᾷ καὶ Ἡ-
ρακλεῖ.

484. **Carmen epidicticum, s. II/I$^{a}$.** — *Ibid.*, nunc *Constantinopoli* in museo. W. Peek, *Ath. Mitt.* LVI 1931, 129 n. 13; R. Herzog, *Philologische Wochenschrift* LII 1932, 1017/20. Titulum denuo tract. G. G. Arnakis, *loc. cit.*, qui textum novum praebet. Cum tamen commentaria supra collata ignoraret, et lapidem iam exstantem deperditum esse crederet, non est cur editionem male fortunatam hic transcribere debeamus.

485. **Dedicatio, c. a. 169/74$^{p}$.** — *Baschikarovo*, prope *Philippopolim* (*Plovdiv*), nunc *Tatar-pazardschik* in museo. SEG III 525 denuo tract. R. Egger, *Anthemon* (*Scritti di archeologia e di antichità classiche in onore di Carlo Anti*), 1955, 171/5 c. del., qui novum textum exhibet; de bello Marcomannico Marci Aureli et dilectibus a. 169$^{p}$ et paullo post habitis fortasse agitur, cum Dizes civitate donatus vexillationi leg. XV Apollinaris adscriptus est.

Αὐρ(ήλιος) Δίζ[ης σ]τρατιώτης
λεγ(ιῶνος) . ει' . Ἀπολ(λ)η⟨ν⟩αρίας
ὑπὲρ ἑαυτοῦ καὶ τῆς στρα-
τείας εὐχήν.

486. **Titulus sepulcralis Christianus, post a. 311$^{p}$.** — *Philippopolis* (*Plovdiv*). Stelam marm. albi cum aetomate atque acroteriis ed. V. Laurent, *Échos d'Orient* XXXVII 1938, 1/16, c. im. ph. Vid. R. Flacelière, J. et L. Robert, *REG* LII 1939, 478 n. 195. De litteris in epistylio et infra titulum additis egit H. Grégoire, *La Nouvelle Clio* IV 1952, 374/7. Quamvis titulus hic paene viginti abhinc annis primum sit editus, ut plerisque lectoribus δυσεξεύρετον textum denuo transcripsimus. Cf. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 237 n. 157.

in epistylio: ΩΠΗ Δ - -

in tabula: Τοῦτον ἐμοὶ Τατιανῷ ἐργοδ[ότῃ]
δόμον δώρου χάριν ἐξετέλεσ[εν]
ἀγάπην ἔχων παρὰ Θ(εο)ῦ Ζώσιμος [ὁ ἀ]-



ὁ]δοτῆς. Ἐξ Ἀσίης δ' ἐξελθὼν πᾶ-
σαν πόλιν περινοστήσας ἦλθον
ἰς μητρόπολιν Θρῃκῶν Φιλιπ[π]-
όπολιν ἐνθάδε· ζῶ. Ἐξ Αἰγύ-
πτου δέ με ῥύσας [ὁ Κ(ύριο)ς πᾶσαν]
γνῶσιν ἔδωκε Θ(εο)ῦ λοῦσα[ς ζῆν ὧ]-
δ' ἐν ἀϊδίοι⟨ς⟩ ὕδασι Κ(υρίο)υ· νῦ[ν μὲν]
ἀμέριμνον ἔχω ζωὴν δῶρον - - - - -
ἔχων τοῦτον δόμον ὃν π[αρὰ τοῦ]
Πάπα Ζωσίμου. Ζῶ. Ἅ[μα βρο]-
τοῖσι Θ(εο)ῦ δοῦλος ὑπά[ρχων ἐμοὶ]
πλείονα ⟨α⟩ἴλεον ἄν[εγκα πλύ]-
νων νύκτας ὅλας [τὴν κλίνην· οὗ ση]-
μεί{μ}ωμα γράφων δ[όξαν ὑμνῶ]
Θ(εο)ῦ.
ΝΖΗ.

1. ΩΠΗ cryptogramma nominis Domini nostri (Ἰησοῦς, i. e. 10 + 8 + 200 + 70 + 400 + 200 = 888). Cf. *Oracula Sibyllina* I 326/31. In hoc titulo nonnullas Gnosticorum reliquias vidit Grégoire, de qua re iam dubitat Laurent, *Byz. Zeitschr.* XLVII 1954, 475.

## ORA SEPTENTRIONALIS PONTI EUXINI

487. **Carmen dedicatorium Anaxagorae, ex. s. IV$^{a}$.** — *Olbia. Ios PE* I$^{2}$ 195 = L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 82/4 n. 32.

488. **Iusiurandum civile, in. s. III$^{a}$.** — *Chersonesus. Ios PE* I$^{2}$ 401; SEG III 602. Vss. 24/5; de verbo σαστήρ tractat V. D. Blavatskij, *Sov. Archeol.* XIX 1954, 231/8, qui interpretationes editorum priorum reicit et ipse σαστήρ nomen verbale esse credit, e σάττω = σάζω derivatum. Unde significationem ut thesaurum vel armamentarium vel etiam horreum attribuit — quorum 'horreum' ut magis 'τῶι δάμωι' consentaneum mavult. Cf. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 244 n. 164.

489. **Cultores Dei Hypsisti, s. III$^{p}$.** — *Tanais*. De nomine Sambathion, quod in titulis synodi huius hic vel illic invenitur (*Ios PE* II 434, 446/8, 451), vid. V. Tcherikover, *Scripta Hierosolymitana* I 1954, 81/2.

## DELUS

**490.** Scribas cum ναοποιῶν tum Ἀμφικτυόνων secundum ordinem tribuum ("Lex Fergusonia") officiis suis functos esse demonstrat J. Coupry, *REA* LVI 1954, 37/9.

**491. Dedicatio Apollini a primis architheoris Atheniensibus facta, a. 425ª.** — *Inscr. Délos* 43. Lacunam inter fragmenta duo quanta re vera sit accuratius mensus, vss. 1/3 denuo suppl. J. Coupry, *BCH* LXXVIII 1954, 285/7, c. im. ph. fig. 1; in vs. 5 reliquias litterae ante *sigma* vidit. De architheoris, quare in anno quoque quinto plerique legati hoc officio fungerentur, et de Nicia et Callia, quando architheori essent et num solus uterque officium exploret, tractat id., 287/90.

[Οἵδε τῆς πρ]ώτης [πεντε]τηρίδος
[αἱρεθέντε(?)]ς ἀρχε[θέωρ]οι ἀνέθεσ-
[αν τῶι Ἀπ]όλλωνι·

**492. Dedicatio choregica, s. Vª.** — *Inscr. Délos* 45. Fragmenta male disposita in *Inscr. Délos* notat id., *ib.*, 291, c. im. ph. fig. 3, unde novam praebet lectionem.

--Ἀπολ[λ---]
--ης Ἀθ[ηναῖ]ος ἐδίδ[ασκε].

**493. Dedicatio eiusdem generis.** — *Inscr. Délos* 46, vss. 4/6, correxit id., *ib.*, 292.

τοὺς κιθ- Στοιχ.
αριστὰς ἐδ[ί]δ-
[ασκε].

**494. Dedicatio Apollini et Minervae, s. Vª.** — *Inscr. Délos* 47. Duo fragmenta sub hoc numero exposita non eidem dedicationi esse attribuenda monet id., *ib.*, 292/3, c. im. ph. fig. 4.

**495. Prohibitio, s. Vª.** — *Inscr. Délos* 69. Vs. 3 tractavit G. Klaffenbach, *Deutsch. Litzg.* 1951, 106; versibus 5/6 litteras novas addit J. Coupry, *loc. cit.*, 293. Unde vss. 3/6 nunc sunt exhibendi

μηδὲ [βάλ]λ[εν] κ[α]- Στοιχ.
τὰ τὴν κρήν[ην μηδέν ....]
.....ΟΕΓ..... δραχμ-
αὶ Ͱ Ͱ [ἱ]ερ[α]ί(?) ----

**496. Honores Cephisodori, s. IVª.** — *Inscr. Délos* 79. Vs. 4, ubi legerat Plassart ⌜_H, [ἀεί τε] ἕξη proposuit Klaffenbach, *loc. cit.* Sed in lapide nunc legit ⌜EN vel ⌣EN Coupry, *loc. cit.*, qui supplementa non profert. Reliquias versus 13 etiam vidit, et leg. (vss. 12/4)



τ]-
[οἷς ἄλλοις προξένοις] καὶ εὐ[ερ]-
[γέταις ----------]

**497.** *Inscr. Délos* 80. Vs. 3 paullo correxit Coupry, *loc. cit.*, et leg. [Κλ]|εώνυμ[ο]ς.

**498.** *Inscr. Délos* 83. Vss. 2/3. τ[οῖς Δηλ]|ίων ordini κατὰ στοίχους melius congruere monet id., *ib.*, et confert n. 499 sequentem.

**499. Honores quorumdam, s. IVª.** — *Inscr. Delos* 85. Dubitaverat Klaffenbach, *loc. cit.* (n. 495 supra), num re vera haec fragmenta essent consocianda; lapidibus tamen revisis rem confirmare potest Coupry, *loc. cit.*, 293/4, et textum compositum ita exhibet.

[---------- ε]ὐεργέταις Στοιχ.
[τοῖς Δηλί]ων δέδ[ο]ται· ἐ-
[πιμ]έλεσ[θ]αι δὲ αὐτ[ῶ]ν τ-
[ὴν βο]υλὴν [τ]ὴν ἀεὶ βουλ-
[εύου]σαν ὅ,[τ]ι ἂν ἐπαγγέ-
[λλ]ωσιν· ἀν[α]γράψ[αι δὲ τ]-
[όδ]ε τὸ ψήφ[ισμα τὴν μὲν]
[βο]υλὴν εἰς [τὸ βουλευτ]-
[ήρ]ιον, τοὺς [δὲ ἱεροποι]-
[οὺ]ς εἰς τὸ ἱ[ερόν].
*vacat*

**500.** *Inscr. Délos* 36, 39, 40, 59, 70, 82, 84, et 86 breviter tract. Coupry, *loc. cit.*, 291/4, et rebus in minoribus textum vel argumentum illius editionis corrigit.

**501. Tabulae hieropoeorum, a. 314/166ª, et magistratuum post a. 166ª ab Atheniensibus electorum.** — IG XI 135/289, *Inscr. Délos* 290/498 et 1400/79. De litteris quae his in tabulis ad dedicationes numerandas atque ordinandas adhibentur tract. M. N. Tod, *BSA* XLIX 1954, 5/8. Cf. n. 85 supra.

**502. Honores C. Iuli Caesaris, a. 48ª.** — *Inscr. Délos* 1587 vss. 1/4 attulit A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 65/75 B, c. im. ph. lapidis pl. III, ubi vss. 3/4 τὸν | [κοινὸν εὐεργ]έτην pro τὸν | [σωτῆρα καὶ εὐεργ]έτην (Homolle) legit.

**503. Victoriae agonisticae Menodori Atheniensis, c. a. 135/30ª.** — *Inscr. Délos* 1957 tract. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 131/8 n. 51. Vid. eund., *Athenaeum* XXXII 1954, 118/20.

**504. Titulus agonisticus C. Helvii, c. a. 30ᵃ.** — *Inscr. Délos* 1956 = Moretti, *op. cit.*, 146/8 n. 57.

**505. Imprecatio, ex. s. IIᵃ.** — *Inscr. Délos* 2532; *C. I. Iud.* 725; *Syll.*³ 1181. Tractavit F. M. Heichelheim, *The Jewish Standard*, 1 Oct. 1953, 6.

## RHODUS

**506. Honores Hermagorae Clasii, ex. s. Iᵖ.** — *Rhodus*. IG XII 1, 58. Vss. 23/4 novis supplementis augent P. M. Fraser et G. E. Bean, *The Rhodian Peraea and Islands*, 57 adn. 2, ubi suppl.

[ὑπὸ τοῦ δ]άμ[ου τ]οῦ Ἀμίων Δράκων Ἑρμ[αγόρα Κλάσιος]
[καὶ ἁ δεῖνα Ἑ]ρμαγόρα Κλασία τὸν π[ατέρα].

Eundem titulum adducunt etiam p. 2 adn. 1, p. 80 adn. 1.

**507. Honores T. Flavii cuiusdam, eiusdem fere aetatis.** — *Ibid.* A. Maiuri, *Annuario* II 1916, 147/8 n. 20. Vss. 14/15 denuo suppl. eidem, *op. cit.*, 2; supplementa paullulum correximus.

τοὶ κατοικεῦ[ντες καὶ γεωργεῦντες] | καὶ ν[αυκλαρεῦντες - - -.

**508. Carmen sepulcrale, s. IV/IIIᵃ.** — *Ibid.* IG XII 1, 142. Vss. 3/4 restituit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 367. Vid. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1964.

[οὐρανί]ου δέ μ' ἔχει τέμενος Διός, ὅρρα τ' Ἀπόλλων
[τύμβ]ου ἄμειψεν ἑλὼν ἐκ πυρὸς ἀθάνατον.

ὅρρά τ' Ἀπόλλων | [λησ]τοῦ Peek.

**509. Carmen sepulcrale, in. s. IIIᵃ.** — *Ibid.*, nunc *Neapoli* in museo. Stela sep. c. aetomate, in qua anaglyphum puellae defunctae cum serva: in aetomate sirenis anaglyphum. Vid. A. De Franciscis, *Rendic. dei Lincei* (Ser. VIII) I 1946, 432ff.; M. Guarducci, *La Parola del Passato* VIII 1953, 211/4, quae in. s. IIIᵃ attr. (De Franc. ex. s. IIᵃ) et textum pleniorem excudere potuit. Cf. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 247 n. 175; W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1534.

[Πένθο]ς ἀείμνηστον μητρί τε σῇι καὶ ἐμοί,
Ἀντιγόνη, λείπε[ις - - - - -]|λεῦς θυγάτηρ.

**510. Tit. sep., s. Iᵃ.** — *Ibid.* A. Maiuri, *Nuova Silloge* n. 391 correxerunt P. M. Fraser et G. E. Bean, *The Rhodian Peraea and Islands*, 144 adn. 1, ubi pro Χρώνο[υ] | γ | Καρπαθιοπολίτα malunt [Αἴσ]-χρωνο[ς] | γ̄ | Καρπαθιοπολίτα (= Αἴσχρ. τοῦ Αἴσχρωνος τοῦ Αἴσχρωνος).



**511. Honores C. Iulii Dardani, s. Iᵖ.** — *Lindus*. Chr. Blinkenberg, *Lindos* II 384*b*. Vss. 15/16 correxerunt P. M. Fraser et G. E. Bean, *The Rhodian Peraea and Islands*, 2, ubi legunt

15 [τοὶ κατοικεῦ]ντες ἐν Λινδίᾳ πόλει καὶ γεωργεῦντες
[καὶ ναυκλ]αρεῦντες ἐν τᾷ Λινδίᾳ κτλ.

**512. Dedicatio Nicagorae Lindii, a. 300/290ᵃ.** — *Ibid. Lindos* II 68 adducit L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 89/91 n. 35.

**513. Titulus agonisticus Hagesistrati Lindii, c. a. 172ᵃ.** — *Ibid. Lindos* II 699*b* tract. W. Peek, *Hermes* LXXVII 1942, 209/11. Vid. etiam L. Moretti, *op. cit.*, 123/5 n. 47, qui in vs. 7, ubi θεσπεσί[α δ]ὲ Ῥόδομ (Blinkenberg, Peek), θεσπεσί[α σ]ε Ῥόδομ legit, et in vs. 9 pro ἀεὶ σὸν (Bl., P.) mavult ἄεισον.

## CHALCE

**514. Tit. sep., aet. Rom.** — IG XII 1, 976. Vs. 1 Θεύδωρος β' Ἄμιος pro Θεύδωρος Βάμιος legunt P. M. Fraser et G. E. Bean, *The Rhodian Peraea and Islands*, 24: sed vid. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955 267 n. 214, qui monent supplementum idem iam esse propositum (ab H. van Gelder, *Mnemosyne* (Ser. II) XXIV 1896, 96).

## CARPATHUS

**515. Tit. sepulcralis, act. imp. Rom.** — IG XII 1, 987, in insula Carpatho inv. sed nunc *Athenis* in Museo Epigr., denuo exhibuerunt L. et J. Robert, *La Carie* II, 337 n. 181, qui lectionem versus 4 e (Πε)ρ(γ)αμ(η)νοῦ (IG XII 1) ab Ad. Wilhelm correctam inter testimonia urbis Kidramorum accipiunt.

Ξενοκρατέας
Ἐφεσίας,
Καλικλέου
Κιδραμηνοῦ
5 ἡρώων.

## LESBUS

**516.** *Mytilene*. IG XII 2, 74/80, tract. D. P. Mantzouranes, *Byz. Zeitschr.* XLIV 1951, 410/2.

**517. Honores C. Iuli Caesaris, aet. Imp. Augusti.** — *Ibid.* IG XII 2, 151; *IGRR* IV 57. Tract. A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 71/5 T c. adn. 16.

Notanda sunt: Vs. 1. Γαίωι Ἰουλίω IG
Γαίῳ Ἰουλίῳ *IGRR*
Γαΐωι Ἰουλίω[ι] Raub.
Vs. 2 fin. ἀρχει- IG, Raub.
ἀρχ[ιε]- *IGRR*
Vs. 3. εὐεργέτα IG
εὐεργέτᾳ *IGRR*
εὐεργέτα[ι] Raub.

## NISYRUS

**518.** IG XII 3, 94. Vid. W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 353, qui, secutus Poland, θαλίαρχο[ς], non Θαλ., legendum esse monet.

## ASTYPALAEA

**519. Epistula Imperatoris Augusti ad Cnidios, a. 6ª.** — IG XII 3, 174; *IGRR* IV 1031; *Syll.*³ 780. Vid. F. F. Abbott et A. C. Johnson, *Municipal Administration in the Roman Empire*, 1926, 333/41 n. 36; V. Ehrenberg et A. H. M. Jones, *Documents illustrating the reigns of Augustus and Tiberius*² n. 312.

## THERA

**520. Testamentum Epictetae, s. III/IIª.** — IG XII 3, 330, adducit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 383/4 n. 17.

**521. Dedicatio Doroclidae, c. med. s. Iª.** — IG XII 3, 390; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 942. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 143/4 n. 55.

**522. Mon. sepulcrale, s. VIIª p. prior.** — IG XII 3, 762, c. IG XII Suppl. p. 89. Titulum hunc notissimum attulit Vollgraff, *loc. cit.* (n. 520 supra), 331/3, qui ἀρκ*h*αγέτας nomen officiale sacerdotis non regis esse contendit. Cf. M. Guarducci, *Annuario* NS I/II, 1939/40, 41/5, c. im. ph. fig. 1/2, quae contra Hillerum Ἀρκ*h*αγέτας nomen proprium esse asseverabat, neque Proclem neque Rhexanorem Theraeorum regem fuisse.

## MELUS

**523. Dedicatio Ecphanti, c. med. s. VIª (?).** — IG XII 3, 1075, c. IG XII Suppl. p. 91; Friedländer, *Epigrammata*, 114. Vid. R. Harder, *Festschrift Bernhard Schweitzer* (*Beiträge zur klassischen Altertumswissenschaft*), 1954, 198/201, c. im. ph. pl. 44, qui ad sententiam priorum nonnullorum accedit Γρόφων nomen proprium artificis esse.

Cf. W. Peek, *Wissenschaftl. Zeitschr. d. Martin-Luther-Universität Halle-Wittenberg* IV 1954/5, 231.



## COS

**524. Decreta asyli, a. 242ª.** — SEG XII 368/84. Quaestiones nonnullas de statu rerum publicarum, quae ex illis decretis magis illucescunt, tract. H. Bengtson, *Historia* III 1954/5, 456/63; inter quas praecipue notemus res in Sicilia, quomodo eo tempore starent, societatem inter Romanos Aegyptiosque et Romanos Syriosque, statum denique civitatium Macedonicarum, quarum duae rempublicam suam expressius memorant.

**525.** De duodecim dis apud Coos tractavit Mortimer H. Chambers, *Harvard Theological Review* XLVIII 1955, 153/4, ubi testimoniis plerisque epigraphicis usus est. De supplementis Herzogii, *Heilige Gesetze* n. 5 A, vs. 18, dubitat.

**526. Victoriarum recensus, c. a. 5ª.** — *Cos. Syll.*³ 1065; *SGDI* 3660; *IGRR* IV 1064. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 156/9 n. 60.

**527. Victoriarum recensus, eiusdem aetatis.** — *Ibid. Syll.*³ 1066; *SGDI* 3661; *IGRR* IV 1065. Vid. Moretti, *op. cit.*, 160/2 n. 61.

**528. Fanum a Philerato dedicatum, s. IVª.** — *Ibid.* Paton-Hicks, *Inscr. of Cos* 53 sic interpungere vult G. E. Bean, *JHS* LXXIV 1954, 96, qui 'regem Caunum deum' conditorem eponymum civitatis Cauniae fuisse contendit.

Φιλήρατος Ἀριστείδα, βασιλέως Καύνου
τοῦ θεοῦ προστάξαντος, τὸ ἱερὸν ἱδρύσατο.

**529. Dedicatio fani Dianae, Iovis, Deorum patriorum, et manumissio, s. IIª.** — *Ibid.*, in vico *Cephalo* inv., nunc in museo Coo n. BE 28. Tabulam undique integram (nisi supra, ubi fortasse versus anterior olim exstabat) ed. P. M. Fraser, *BSA Alex.* XL 1953, 35/62, c. im. ph. ectypi p. 35. Textum hic vel illic correxit G. Klaffenbach, *Studia antiqua Antonio Salač septuagenario oblata*, 1955, 122/4.

----------?
[ἱερὸν ἔστω τόδε] τὸ τέ[μενος καὶ τὸ] ⏑ ⏑ ⏑ ⏑ ⏑
ἱερὸν Ἀρτέμιτο[ς . . . . . ]ας καὶ Διὸς Ἰκ[ε]-
σίου καὶ θεῶν πατρώιων· ἀνέθηκε δὲ
Πυθίων Σιρασίλα καὶ ἁ ἱέρεια [[. . . .]] παιδ-
5 ίον ὧι ὄνομα Μακαρῖνος ἐλεύθερον ἱε-
ρὸν τᾶς θεοῦ, ὅπως ἐπιμέληται τοῦ ἱερο[ῦ]
καὶ τῶν συνθυόντων πάντων διακονῶν
καὶ ὑπηρετῶν ὅσσωγ κα δῆ ἐν τῶι ἱερῶι·
ἐπιμελέσθω καὶ Μακαρῖνος καὶ τῶν ἄλλων

ἱερῶν καὶ βεβάλων καθάπερ καὶ ἐν τᾶι ἱερᾶι δέλ-
τωι γέγραπται, καὶ τῶν λοιπῶν ὧγ καταλεί-
πει Πυθίων καὶ ἁ ἱέρεια· τοῖς δὲ ἐπιμελομέ-
νοις καὶ συναύξουσι τὸ ἱερόν, εὖ αὐτοῖς
ἔη καὶ αὐτοῖς καὶ τέκνοις εἰς τὸν ἀεὶ χρόνον·
ἀγνὸν εἰσπορεύεσθαι - τὸ δὲ ἱερὸν ἔστω
τῶν υἱῶν πάντων κοινόν - ἀπὸ λεχοῦς καὶ
ἐγ δια⟨φθ⟩ορᾶς ἁμέρας δέκα, ἀπὸ γυναικὸς τρεῖ[ς].

4. De nomine patronymico dubitat Klaff., qui errorem postulat et Κρατίλα vel Πραξίλα proponit. || 7. διακονῶν Klaff., διακόνων Fraser. || 14. Punctum post χρόνον Klaff. Cf. J. Bingen, *Chronique d'Égypte* XXX 1955, 406. || 15/7. Sic Klaff. Punctum post εἰσπορεύεσθαι inserit Fraser, qui et in vs. 17 lectionem lapidis non resolvit et in textu ΕΓΔΙΑΣΦΟΡΑΣ exhibet. ἡμέρας Fraser, ἁμέρας Klaff.

## CEUS

**530-48.** Titulos Ceos post Bellum Secundum Universale repertos ediderunt Christiane Dunant et J. Thomopoulos, *BCH* LXXVIII 1954, 316/48. Omnes nisi nn. 537, 541, 546, 547, 548 nunc *Khora* (*Iulis*) in δημαρχείῳ conservantur, ubi et IG XII 5, 544, 563, 587, 625, 633/4 exstant. Cf. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 251/3 n. 180.

**530. Decretum ἰσοπολιτείας inter Ceos et Eretrienses, in. s. IV[a].** — *Iulis*. Fragmentum stelae marm., undique mutilum, Dunant et Thomopoulos (D-T), 316/22 n. 1, c. im. ph. lapidis fig. 1, coll. IG XII 5, 594 (n. 531 infra).

[- - - - - - - - - - - - - - - - - ἐὰν ὁ Κεῖος βόληται ἐ]- Στοιχ. 34.
[ν Ἐρετρίηι πολιτεύεσθαι, πρὸς τὸς στρατη]-
[γὸς τὸς ἐν Ἐρετρί]ηι ἀπ[ογ]ραψά[σθω τὸ ὄνομα]
[τὸ αὐτῶ· οἱ δὲ στρ]ατηγοὶ φυλὴν κ[αὶ χῶρον δό]-
[ντων αὐτῶι ἐν] ὧι ἂμ μέλληι πολιτεύ[εσθαι· ἐ]-
[ὰν δὲ ὁ Ἐρετρ]ιεὺς βόληται ἐγ Κέωι πολ[ιτεύ]-
[εσθαι, ἀπογ]ραψάσθω πρὸς τὸς θεσμοφύλακ[α]-
[ς τὸ αὐτῶ ὄ]νομα· οἱ δὲ θεσμοφύλακες δόντω[ν]
[αὐτῶι φυλὴ]ν καὶ τριττὺν καὶ χῶρον.
[Θεοί(?). Ἔδοξε]ν[ι] τῆι βολῆι προσγράψαι πρ[ὸς . .]
. . . . . [14] . . . . . [1] . . . . . [19] . . . . . .

**531. Decretum eiusdem generis inter Ceos et Histiaeenses, eiusdem fere aetatis (paullo post tit. praecedentem).** — *Ibid.* IG XII 5, 594; *Syll.*[3] 172; Tod, *GHI* II 141. Vss. 3/11 e tit. praecedenti novis supplementis auxerunt D-T, 319, et rebus Ceis quarti saeculi a. C. breviter tractatis tempori anteriori quam edd. priores attribuere malunt.



ἐὰν ὁ Ἰστιαι[εὺς βούληται ἐγ Κέ]-
[ω]ι πολιτεύεσθαι, ἐλθὼν ἀπο[γραψάσθω πρὸς τοὺς θεσμο]-
[φύλ]ακας τὸ ἑαυτοῦ ὄνομα· οἱ [δὲ θεσμοφύλακες]
[δό]ντων φυλὴγ καὶ τριττὺν [καὶ χῶρον αὐτῶι]·
[ἐὰν δὲ] ὁ Κεῖος βούληται ἐν Ἰστ[ιαίαι . . . ᶜ. ¹⁰ . . .]
[πο]λιτεύεσθαι, πρὸς τοὺς στρ[ατηγοὺς τοὺς ἐν]
[Ἰστ]ιαίαι ἀπογραψάσθω τὸ ὄν[ομα τὸ ἑαυτοῦ· οἱ δὲ]
[στ]ρατηγοὶ φυλὴν καὶ δῆμον [δόντων αὐτῶι ἐν ὧι ἂμ]
μέλληι πολιτεύεσθαι.

**532. De pecuniis ad muros reficiendos collatis, s. III[a].** — *Ibid.* Stela marm. albi, supra atque infra fracta. D-T, 322/6 n. 2, c. im. ph. lapidis fig. 2. De hoc genere stipum vid. A. Kuenzi, Ἐπίδοσις (1923), L. Robert, *BCH* LVII 1933, 505/7, IG II[2] 791, etc.

- - - - - - - - - E . N - - - O[- - - - - τῶν]
[πολ]ιτῶν καὶ τῶν πολιτ[ίδων καὶ]
[τῶν ἄλλων τῶ]ν ἐν τεῖ πόλει κα[τοι]-
[κούντων], ἐάν τε βούλωνται . . . .
. ᶜ. ⁷ .. ἄλλο τι τῶν χρησίμων [τῶν]
[εἰς τὴν οἰκο]δομίαν τῶν τειχῶν . .
[ἐπ]ανγελ[λ]όμενοι καταβαλεῖ[σθ]α[ι]
[. ᶜ. ¹ ἐν τ]ῶι Μαιμακτηρι[ῶνι μηνί]
.. ᶜ. ⁷ .. Υ . ας δύο ἐν τεῖ . . . ⁷ . . . .
. . . . . ᶜ. ¹⁶ . . . . . ΛΑΣΚ . . . ⁶ . . .
. . . . . ᶜ. ¹² . . . ΕΣΓΑ . . . ⁹ . . . . .
. . . . ⁶⁻⁷ . . . . ον ἐπιδοῦναι εἰς τὴν [τῶν]
[τειχῶν] οἰκοδομίαν ΤΑΚ . . . ΕΥΤΙ
. . . . ⁶⁻⁷ . . . τῆς γινομένης αὐτοῖ[ς]
. . . ³⁻¹ . ον· τοὺς δὲ ἐπιδόντας τῶν . .
. . ων καὶ τῶν φυλῶν καὶ τῶν [ἄλ]-
[λω(?)]ν κοινείων καὶ τὸ ψήφισμα [ἀνα]-
γραψάτω ὁ γραμματεὺς εἰς σ[τήλην]
καὶ θέτω εἰς Λύκειον· τὸ δὲ ἀν[άλω]-
μα εἰς τὴν ἀναγραφὴν καὶ [τὴν ἀνά]-
[θεσιν] ὡς δοθήτω ἀπὸ τούτων. [Οἵδε ἐπέ]-
[δ]ωκαν· Τιμομένης Ζηλουμέν[ους ¹⁻²],
Δεινογένης Θευτιμίδου ΔΔΓ,
[Ἀν]δρόνικος Ἐπικτήτου ΔΔΓ, *vac.*
. . ³⁻³ ένης Πανκλέους ΔΓ, ΣΕΚΥ/ . .
. . ³⁻³ έργου ΔΔΓ, Τιμοφάνης Χορη-

[γ]ίωνος ⌈ᴀ⌉, Ξενοφὼ Ληίαντος ⌈ᴀ⌉, *vac.*
[Κρ]ιτόλεως Ἀριστόλεω ΔΔ, Ἀπο[λ]-
λώνιος [Ἀρ]ίστωνος ΔΓ, Μεν[ε]-
κράτης Ἄρλητος ΔΓ, Μητρόδω-
ρος Ἀπολλ[ω]νίου Γ, Διονύσιος
Ἀπολλοδώ[ρ]ου Δ, Λέων Ἀρισται-
νέτου Δ, Ξενοκλῆς Ξενομή-
δου ΔΔ, Ἀμφίκριτος Ἀμφία ⌈ᴀ⌉.

15/6. τῶν [ἰδι|ωτ]ῶν? || 27. Ξενοφῶ(ν)? || 30. Vel Ἄρδητος.

**533. Fragmentum tituli honorarii, s. III$^a$.** — *Ibid.* Pars superior stelae marm. albi c. aetomate, cuius titulus vix legendus. D-T, 328 n. 3, c. im. ph. fig. 5.

[Ἔδοξεν τ]εῖ βουλεῖ καὶ τῶι δήμωι· ἐπειδὴ
[οἱ παραγεγ(?)]ονότες τῶν πολιτῶν ἀνα[γγέλλουσιν(?)]
----------ΕΡΟΝΤ..ΕΝΩΤΟΝ----------

**534. Fragmentum eiusdem generis, s. II/I$^a$.** — *Ibid.* Fragmentum e medio partis superioris stelae marm. albi, supra integrum. D-T, 328/9 n. 4, c. im. ph. fig. 6.

[Θ ε] ο ί.
[Ἔδοξεν τῆι βουλῆι καὶ τῶι] δήμωι· ἐπειδ[ὴ ---]
----------ος ἐγλαβὼν τὸ α---
----------ε ἐπισκευάσαι ---
[εὔνους ὢν διετέλει τῆι] πόλει ἡμῶν, πο[ιῶν]
[ὅ,τι ἠδύνατο ἀγαθὸ]ν, καὶ ἀνέστ[ραπται]
[συμφερόντως τῶι] δήμ[ωι ----------]

**535. Dedicatio Mercurio, s. I$^a$ (vel I$^p$?).** — *Ibid.* Basem marm. albi, supra atque a sinistra fractam, edd. D-T, 329/31 n. 5, c. im. ph. fig. 7. Bellum in vs. 3 commemoratum primum Mithridaticum fuisse haesitanter proferunt.

---------νοκλῆς Φιλίνου
γυμνασιαρχήσας
πρῶτος ἐκ τοῦ πολέμου
Ἑρμῆι.

**536. Dedicatio Mercurio Herculique, s. I$^p$ (?).** — *Ibid.* Basem marm. albi, a dextra fractam, edd. D-T, 331 n. 6, c. im. ph. fig. 8; καὶ Ἡρακ-- in rasura scriptum.

Ἑρμῆι καὶ Ἡρακ[λεῖ].



**537. Honores Octaviani Caesaris, a. 31/27$^a$.** — *Ibid.* Basis statuae, iam *Khora* in arce inter parietinas ecclesiae τῆς Παναγίας. D-T, 331/3 n. 7, c. im. ph. fig. 9, qui conferunt IG XII 5, 628, fortasse eodem tempore dedicatum.

Ὁ δῆμος
Αὐτοκράτορα Καίσαρα θεὸν
θεοῦ ὑόν.

**538. Fragmentum tituli imperatorii, s. II/III$^p$.** — *Ibid.* Fragmentum marm. subcaerulei, undique mutilum. D-T, 333 n. 9, c. im. ph. fig. 11.

[---αὐτο]κρατο[ρ---]

**539. Fragmentum incertum.** — *Ibid.* Fragmentum marm. albi, a dextra fractum. D-T, 333 n. 8, c. im. ph. fig. 10, qui nihil supplere malunt, sed de catalogo nominum cogitaverunt.

ΚΤΗ-----
ΚΛΕ-----
ΔΗΛ-----

**540. Graffito, aet. imp. Rom.** — *Ibid.* Fragmentum marm. subcaerulei, undique mutilum, in quo titulus litteris rudibus incisus. D-T, 334 n. 10, c. im. ph. fig. 12.

Μαραγὶς: καλή.

An ----μαραγις vel [Σ]μαραγ⟨δ⟩ὶς legendum?

**541. Filius Aristonis et filius Lysiae honorantur, s. III/II$^a$.** — *Coresia*, nunc *ibid.* in domo privata. Fragmentum marm. albi undique nisi a dextra mutilum: D-T, 334/5 n. 11, c. im. ph. fig. 13.

[Ἔδοξεν τῆι βο]υλῆι καὶ τῶι δήμωι·
[ἐπειδὴ -------]ος Ἀρίστωνος
[καὶ ----------] Λυσίου Ἰουλιῆ[ται]
[ἄνδρες ἀγαθοί ε]ἰσιν περὶ τὴν π[ό]-
[λιν τὴν Κορησίων] καὶ ποιοῦσιν [ὅ],-
[τι δύνανται ἀγα]θὸν τὴν πόλιν
[ἡμῶν καὶ τοὺς ἐντυγ]χάνοντας α[ὐ]-
[τοῖς τῶν πολιτῶν] καὶ περὶ τοὺς
---------- ΗΛΗΜΟΝΟΣ καὶ
[οἱ παραγενόμενοι τῶν] πολιτῶν ἀν-
[αγγέλλουσιν ------]ενοντο ------
---------- δυν -------

**542. Fragmentum dedicationis, s. II$^{p}$.** — *Ibid.* Fragmentum a sinistra integrum baseos marm. albi cum corona. D-T, 335/6 n. 12, c. im. ph. fig. 14. De Herodiano Attico, Herodis Attici fratre, cf. IG XII 5, 631 (*Syll.*$^{3}$ 855).

Τι . Κλαύδιο[. Ἀττικὸ .]
Ἡρωδιαν[ὸ . Τι . Κλαυδίου]
Ἀττικ[οῦ - - - - - - - - - - - - -]

Proponunt haesitanter edd. Τι. Κλαύδιο[ν Ἀττικὸν] | Ἡρωδιαν[ὸν Τι. Κλαυδίου] | Ἀττικ[οῦ καὶ Βιβουλλίας] | [Ἀλκίας υἱόν, ἀρετῆς] || [ἕνεκεν, κτλ.]

**543. Honores Atheniensis cuiusdam, c. med. s. III$^{a}$.** — *Carthaea.* IG XII 5, 541, denuo repertum edd. D-T, 336/8 n. 13, c. im. ph. fig. 15. Fragmentum marm. albi, undique mutilum.

[- - - - - - - - - - - - - - - - - - ἐπειδὴ ὁ δεῖνα - - - - στράτου]
[Ἀθηναῖος τεταγμένος ὑπ]ὸ τὸμ βασιλέα Πτολεμαῖον - - - - -
- - - - - - - - - - - - - - - - δικαστὴς ἐν τῶι στρατηγ[ίωι(?) - -]
- - - - - - - - - - - - τις ἀναγγελλ - - - - - - - - - - - - - - - -
- - - - - - - - - - - - σι τῶι κριτηρίωι τούτωι Η - - - - - - - -
[- - - - - - - - - - - - ὅπ]ως ἂν μηθεὶς τῶμ πολιτῶν ΕΛΛ - - - - - -
- - - - - - - - - - - - - - τοῦ κριτηρίου ἀποχωρήσηι ὅπως - - - - -
- - - - - - - - - - - - - - ἄριστός ἐστιν καὶ τιμ[ιώτατος - - -]
- - - - - - - - - δεδόχθαι τῆι βουλῆι καὶ τῶι δήμ[ωι ἐπαινέσαι]
[- - - - - - - - σ]τράτου Ἀθηναῖον Ἀλαιέα κα[ὶ στεφανῶσαι αὐτὸν θαλλοῦ]
[στεφάνωι ἀρε]τῆς ἕνεκεν καὶ δικαιοσύνη[ς καὶ ἀνακηρῦξαι τὸν]
[στέφανον Διονυσ]ίοις τῶι ἀγῶν⟨ι⟩ τῶν τραγωιδῶ[ν, καὶ εἶναι αὐτὸν]
[πολίτην καὶ τοὺς ἐκγόνους αὐτ]οῦ μετέχοντας [πάντων ὧν καὶ οἱ]
[ἄλλοι πολῖται, καὶ φ]υλῆς καὶ [οἴκου οὗ ἂν] βούλωντα[ι - - -]
[- - - - - - - - - - πα]ρὰ τῶι δήμωι τῶι Καρθαι[έων - - - - -]
- - - - - - - - - - - - - ΤΕΡΕΕΚΑΙ . . . . . ΝΟ - - - - - - - - -
*reliquiae unius versus*
[- - - - - - - - - - τὸ δὲ ἀνάλωμα δοῦ]ναι τὸ[ν ταμίαν - - - -]

7. καὶ τιμ[ῆς πάσης καὶ χάριτος ἄξιος (cf. *Syll.*$^{3}$ 768 vs. 21), M. N. Tod per ep. || 11. lap. ΤΩΙΑΓΩΝΤΩΝ.

**544. Honores Aristarchi, Theronis f., Rhodii, c. a. 200$^{a}$.** — *Ibid.* Stela marm. albi, cui primi atque ultimi versus, lapide postea in novum usum vocato, sunt erasi. D-T, 338/44 n. 14, c. im. ph. fig. 17. E vss. 9/10 proponunt classem Rhodiam, quae insulam visit, eandem fuisse atque illam a Polybio (XVI 26, 10) commemoratam quae a. 201/00$^{a}$ legationem *Athenas* transvexit. Cf. P. M. Fraser et G. E. Bean, *The Rhodian Peraea and Islands*, 159/60.



- - - - - - - - - - - - - - - - - -

**547. Dedicatio eidem, s. V$^a$.** — *Pocessa*, in muro prope ecclesiam τῆς Παναγίας in arce conservata. Columna parva quadrata, cum titulo in parte superiore inscripto. D-T, 346/8 n. 17, c. imm. ph. fig. 21/2.

Στοιχ.

[Δι]οφάνες
[Δι]όδορος
[Ἐ]τεοκλείδου
. ο . οιτους
ἐνθεμολογήσαντες
Ἀπόλλονι
ἀνέθεσαν.

**548. Fragmentum dedicationis, aet. incert.** — *Ibid.* Fragmentum baseos marm. subcaerulei, infra atque a dextra fractum. D-T, 348 n. 18.

Ἐτεοκλείδης
Διοφάνους
ΕΡΛ-Τ---
ΑΡΚΑ--ἀνέ[θ]η[κεν].

**549. Honores C. Iuli Caesaris, a. 48/6$^a$.** — *Carthaea.* IG XII 5, 556 et 557 adhibuit A. E. Raubitschek; *JRS* XLIV 1954, 66/75 G/H. N. 556 post victoriam ad Pharsalum, n. 557 post victoriam ad Thapsum partam (vid. p. 74 adn. 26) erectos esse contendit.

## SYRUS

**550-2. Tituli rupestres.** — In litore *Syri* occidentali. IG XII 5, 712 tractavit Nils Sandberg, ΕΥΠΛΟΙΑ (*Acta Universitatis Gotoburgensis* 1954, 8), 31/5 nn. 29/38: titulos duos quibus novas adfert lectiones denuo exhibemus, et ceteris comparationem numerorum cum IG XII 5, 712, tantum addimus.

**550.** IG XII 5, 712, 28. Sandberg 34 n. 33.

Εὔπλοι|ά σοι εὐτυ|χῆ.

**551.** IG XII 5, 712, 29. Sandberg 34 n. 34.

Εὔπλοιά | [σ]ο[ι ε]ὐτυχεῖ.

**552.** IG XII 5, 712, 22 = Sandberg 32 n. 29.
,, ,, 25 = ,, 32/3 n. 30.
,, ,, 26 = ,, 33 n. 31.



IG XII 5, 712, 27 = Sandberg 33/4 n. 32.
,, ,, 30 = ,, 34 n. 35.
,, ,, 33 = ,, 34 n. 36.
,, ,, 59 = ,, 34/5 n. 37.
,, ,, 69 = ,, 35 n. 38.

IG XII 5, 712, 27 attigit L. Robert, *Études Anatoliennes*, 273.
De IG XII 5, 712, 33/5 vid. eundem, *Hellenica* X 1955, 58 c. adn. 1, ubi de formula qua gratias agunt deis navigatores (εὐχαριστεῖν θεοῖς) exemplis plurimis collatis tractat.

## TENUS

**553. Catalogi magistratuum sacerdotumque Teniorum sacrificia publica facientium, s. II/I$^a$.** — *Tenus* prope ecclesiam τῆς Εὐαγγελιστρίας. Basis magna marmoris albi, cuius in fronte quinque catalogi nominum, qui e formis litterarum, et coll. IG XII Suppl. 312, s. II$^a$ tribuendi videntur. Sub catalogis I, III, IV, V etiam inscripti sunt VI, VII, VIII, qui nomina archontis et uxoris eius tantum exhibent et s. II/I$^a$ tribuendi sunt. Ed. N. M. Contoleon, Γέρας Ἀντωνίου Κεραμοπούλλου, 1953, 224/41, c. im. ph. ectyporum pl. 16/17: I = pl. 16 n. 1, II = pl. 17 n. 5, IV = pl. 16 n. 2 (pars superior), VI = pl. 16 n. 1, VII = pl. 16 n. 3. Basem olim in prytaneo stetisse contendit pp. 236, 683. Vid. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 253/4 n. 181.

I. Ἄρχων Πύρρακος Λοχαγοῦ

Πάρεδροι
Ἀρχίδικος
Νικόδημος
Ἀκρόδημος
Θεόδωρος
Σωκλῆς
Αἰσίων
Θρασύδημος
Θρασύβουλος
Τεισικράτης
Ἀρχήνωρ
Τηλέστρατος
Ἀναξικλῆς

Παῖδες
Γρυπίων
Λοχαγός
Νικάσιππος
Ἀλύπαντος
Θρασύδημος
Μορυχίων
Φιλώτας
Πολύαινος
Θεόδωρος
Οἰνοπίδης
Θεοπ(ρόπ)ος
Κλεοφῶν
Κῆρυξ
Ταλθύβιος

Μάντις
Πολύφαντος
Εὔλει
Θηβαῖς
Ὑπηρέτει
Σφαῖρος
Ὠινοχοοῦσαν
Αἶνος
Στέφανος
Δάϊος

II. Ἄρχων Κλεοστρατίδης Τιμάνορος

Πάρεδροι
Νίκυλλος
Ἀριστόλοχος
Αἰσχρίων
Κριτόξενος
Ἀκεσίμβροτος
Αἴσχρων
Διόφαντος
Φερεκλῆς
Ἀλκίμαχος
Θέομνις
Ἀντιφῶν
Νικησίας
Λυσίθεος
Ἰατροκλῆς
Σωσιάδης
Φιλόφαντος
Μένιππος
Φανοσθένης
Λεύκαιος
Τιμήσαρχος
Παῖδες
Αἴσχρων
Φωκίων
Πειρίθους
Πλειστῶναξ
Νικώνυμος
Ἐπιγηθίδης
Διόγνητος
Ἀκήρατος
Νίκυλλος
Χρυσόγονος
Ἡνίοχος
Φανοκράτης
Προκλῆς
Κῆρυξ
Ταλθύβιος
Μάντις
Πασίφιλος
Θεοπρόπος
Στομῆς
Εὔλει
Ἤπιος
Ὑπηρέτει
Ἴνωπός
Ὠινοχοοῦσαν
Δαρδανεύς
Πέπλος
Κάρπος
Πρυτανικός
Ὑμέναιος

III. Ἄρχων Φερεκλῆς Αἰσχρίωνος

Πάρεδροι
Πειρίθους
Φορμίων
Αἰσχρίων
Κλεοστρατίδης
Ἀναξικλῆς
Πύρρακος
Εὐαντίδης
Νικάσιππος
Ἀλύπαντος
Σωσίβιος
Ἀριστόλοχος
Νίκυλλος
Σωκλῆς
Παῖδες
Πειρίθους
Αἴσχρων
Φωκίων
Δημόνικος
Γρυπίων
Κλεοφάνης
[[Λοχαγός]]
[[Νικάσιππος]]
[[Εὔνομος ]]
Θεοπρόπος
Στομῆς
Κ ῡ ῆρυξ
Πασίφιλος
Μάντις τὴμ πρώτην ἐξάμηνον Νίκυλλος, τὴν δευτέραν
Ταλθύβιος
Εὔλει
Ζηνόδοτος
Ὑπηρέτει
Σφαῖρος
Ὠινοχοοῦσαν
Ἐπίδαυρος
Πέπλος
Δαρδανεύς



IV. Ἄρχων Σῖμος Σίμου

Πάρεδροι
Ἰφικράτης
Ἡγέας
Νικησίας
Χαρίδαμος
Διόγνητος
Φορμίων
Ἡγίας
Χαρτάδης
Φιλῖνος
Θέομνις
Καλλισταγόρας
Ἀναξικλῆς
Νεοπείθης
Νεοπτόλεμος
Τεισικράτης
Παῖδες
Πολέμαρχος
Σῖμος
Ἀρκεσίλας
Ἐπιγηθίδης
Δημέας
Βίττων
Θεοπρόπος
Στομῆς
Κῆρυξ
Πασίφιλος
Μάντις
Ταλθύβιος
Εὔλει
Ζηνόδοτος
Ὑπηρέτει
Σφαῖρος
Ὠινοχοοῦσαν
Κάρπος
Ἀσφάλης
Γανυμήδης

V. Ἄρχων Σωσίβιος Εὐνόμ[ου]

Πάρεδροι
Φιλοφῶν
Σάτυρος
Κλεοχάρης
Σωσίβιος
Σωσιμήδης
Ξενόφιλος
Εὐαντίδης
Ἀλκίμαχος
Αἰσίων
Φερεκλῆς
Ἄριστις
Φορμίων
Πολύμνηστος
Παῖδ[ες?]
Κ[λεομέ?]νης
- - - ς
Φιλοκλῆς
Μνήμων
Ἐπάλκης
Σάτυρος
Πλειστῶναξ
Νικώνυμος
Ἀριστογένης
Μαντινεύς
Χαιρέας
Καλλιδά[μας]
Θέστιος
Αἰσχρίων
[Π]ειρίθους
Θεοπρόπος
Στομῆς
Κῆρυξ
Ταλθύβ[ιος]
Μάντις
Πασίφιλ[ος]
Ὑπηρέτ[ει]
Σύμαι[θος] (?)
(Ὠ)ινοχο[οῦσαν]
Δίων
Λάχης
Χρῆσμος
Εὔλει
Ἰωνία

VI. Ἄρχων Γλαύκων Γλαύκωνος φυλῆς Ἡρακλειδῶν Ἀρχὶς Φίλιννα Κλεοφράδου.

VII. Ἄρχων Πεισικλῆς Καλλισταγόρου φυλῆς Δονακίδος.

VIII. Ἄρχων Κλεοστρατίδης Καλλίππου φυλῆς τῆς Ἐσχατιωτῶν Ἀρχὶς Κλεὼ Μνήμονος.

**554. Catalogus eiusdem generis, s. I$^a$.** — Pars tabulae marm. a dextra fractae. Ed. N. M. Contoleon, *loc. cit.*, 228 n. 2, c. im. ph. ectypi pl. 16 n. 4.

Ἄρχων Εὐέλθων Εὐέλθοντος φυλῆς τῆς Ἐ- - - -
Ἀρχὶς Μέλιννα Μελανίππου καὶ - - - - - -.

1. Ἐ[σχατιωτῶν] vel Ἐ[λειθυαίδος].

**555. Catalogus eiusdem generis, s. III$^p$.** — Tabulam marm. albi undique nisi infra fractam ed. id., *ib.*, 228/41 n. 3, c. im. ph. lapidis pl. 17 n. 2 (quamquam in ipsa imagine 'ex ectypo' legimus).

[- - - - - - - - - - - - - - - - - Οὗτοι ἤρξαν]
[τὸ θυσμικὸν] ἔτος [- - - - - - - - - - - - - - τὸ]
[θυμιατήριον] ἔφερον Α[ὑρ. - - - - - - - - - - - - - - -] ·
[ἐπὶ τούτ]ων ἦν ὑγεῖα, εἰρ[ήνη, ὁμόνοια, εὐετηρία] ·
[τὰ ἱερ]ὰ ἐπεσκόπει Αὐρ. - - - - - - - - - - - - - - -
- - - - - - - Ἀρτεμιδώρου.

[Στε]φανηφόρος ἐπώνυμος Αὐρ. Ο - - - - - - -,
[Ἀρ]χὶς Αὐρ. Πρίσκιλλα ἡ θυγάτηρ Τ - - - - -,

Ἄρχων ἐπώνυμος Αὐρ. Ἀριστόλοχος β'(?) [- - - Ἀν]-
τωνείνου · τὸ θυμιατήριον ἔφερον Αὐρ. Ἀν - - - - - - - -
Αὐρ. Αἰσχίνης Τροφίμου · τὰ ἱερὰ ἐπεσκό[πει - - - - - -]-
του · ἐπὶ τούτων ἦν ὑγῖα, εἰρήνη, ὁμόνοια, εὐ[ετηρία. Οὗτοι]
ἤρξαν τὸ θυσμικὸν ἔτος.

## SAMUS

**556. Dedicatio Aeacis Iunoni, s. VI$^a$ p. post.** — *Samus.* SEG XII 392; *Syll.*$^3$ 10; Schwyzer, *DGE* 714. Adducit M. White, *JHS* LXXIV 1954, 38 c. adnn. 20/21.

**557. Honores C. Iuli Caesaris, a. 48$^a$.** — *Ibid. IGRR* IV 970; E. Preuner, *Ath. Mitt.* XLIX 1924, 44. Adhibuit cum novis lectionibus nonnullis A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 67/75 M, c. im. ph. pl. III.

[- - - - τῆς ἡμετ]έρα[ς πόλεως]
[ὑὸν τοῦ εὐ]εργέτου καὶ πάτρωνος
τῆς πόλεως Γαΐου Ἰουλίου Γαΐου
Καίσαρος, ἀρετῆς ἕν⟨ε⟩κεν καὶ ε⟨ὐ⟩νοίας



5 ἧς ἔχων διατελεῖ καὶ κοινῶς πρὸς πάν-
τας τοὺς Ἕλληνας καὶ κατ' ἰδίαν
εἰς ἑαυτόν. Ἥρηι.

1/2. Suppl. Raub. Cf. IG XII 5, 556, vs. 4 (n. 549 supra).
3 fin. Γάϊον υἱὸν Γαΐου *IGRR*: Γαΐου Ἰουλίου Γαΐου [υἱοῦ] Preuner.
4. lap. ΕΝΚΕΝ, ΕΝΟΙΑΣ.
5. init. ἣν *IGRR*, Preuner: lap. ΗΣ.

**558. Honores eiusdem, a. 46$^a$.** — *Ibid.* Fragmentum basis ed. id., *loc. cit.*, 69/75 Q, c. im. ph. pl. III.

[Ὁ δῆ]μος
[Γάϊον Ἰούλιον] Γαΐου Καίσαρα,
[τὸν αὐτοκράτορα, τ]ὸ τρίτον ὕπατο[ν καὶ ἀρχι]-
[ερέα, τὸν ἑαυτοῦ εὐε]ργέτην, ἐπαυξή[σαντα]
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

**559. Honores Calpurniae, Caesaris uxoris, a. 46$^a$.** — *Ibid. IGRR* IV 1715; SEG I 382. Adduxit et denuo rest. id., *loc. cit.*, 69/75 R, c. im. ph. fig. 5. Cf. *AJA* LVIII 1954, 148.

[Ὁ δῆμος Καλπουρνίαν Λευ]-
[κίου Καλπουρνίου Πίσωνος]
[Καισωνίνου θυγατέρα, γυναῖ]-
κα δὲ Γαΐου Ἰουλίου Καίσαρος
τοῦ αὐτοκράτορος, τὸ τρίτον
ὑπάτου καὶ ἀρχιερέως μεγίσ-
του, διὰ τὴν ἐκ τοῦ ἀνδρὸς
αὐτῆς γενομένην περὶ
[τὴν πόλιν - - - - - - - - - - - -]

3. Καισωνίου Raub. Correximus.

## CHIUS

**560. Honores C. Iuli Caesaris, a. 48$^a$.** — *Chius. IGRR* IV 928; CIG II 2215. Att. A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 65/75 D.

**561. Honores eiusdem, a. 48$^a$.** — *Ibid. IGRR* IV 929 att. et novis lectionibus auxit id., *loc. cit.*, 67/75 N, c. del. vss. 1/7 fig. 4.

Ὁ δῆμος
τὸν αὐτοκράτο[ρα]
Γάϊον Ἰούλιον Γαΐο[υ]
υἱὸν Καίσαρα, ἀρχιερέα
5 ὕπατον κ[α]ὶ δικτάτορα
τὸ δεύτε[ρ]ον, εὐεργέ-
την ὄντα κ[α]ὶ σ[ωτῆρα]
[π]ά[ντων τῶν Ἑλλήνων].

**562. Carmen honorarium, s. II$^p$.** — *Ibid.* Fragmenta quattuor basis marm. rubri, in quattuor lateribus titulos ferentis, ed. W. Peek, Ἀρχ. Ἐφ. 1931, 109/12 n. 7. Tractavit L. Robert, *BCH* LVII 1933, 539/43, c. im. ph. ectypi frag. (*a*) fig. 1. Fr. (*c*) vs. 5 nuperrime adduxit L. Moretti, *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 277/8. Supplementa nonnulla infra exhibita prop. M. N. Tod et A. M. Woodward per ep.

*frag.* (*a*).

[τὸν κλυτὸν] ἐν σ[τα]δ[ί]οις [ἐσορᾷς ⏑⏑– ⏑⏑–⏑]
[στῆθι] δὲ καὶ μάθ' ὅσους ἠνυ[σάμην ἀέθλους] ·
[Πεισαῖ]ον κότινον δὶς ἐφ' ἥμε ⏑ –⏑⏑ –⏑
[Νεαπό?]λιος δύ' ἔχω καὶ Καπετ[ώλια τρεῖς] ·
[καί με] Πανελλήνων κριτὸς ἀνδ[ράσιν ἔστεφεν ἄθλος],
[καὶ] πίτυν Ἰσθμιακὴν ἀμφὶ [μέτωπον ἔχω] ·
[ἠδ'] ἔλον Ἀλείων στεφάνου[ς ⏑⏑–⏑⏑–⏑]
[τ]ὸν παρ' Ἀθηναίοις δὶς δὲ β[ραβεῖον ἅμα] ·
[καί] με τὸ Βειθυνῶν ἔθνος ἐ[στεφάνωσε ⏑–⏑]
[κλειτ]ὸν Ὀλυμπείων νῖκος ἐ[λόντα δρόμῳ].
–⏑⏑ –⏑⏑ –⏑⏑ HNATC –⏑⏑– ⏑

*frag.* (*b*).

[Σμύρ]να μ' Ὀλυμπείοις –⏑⏑– ⏑⏑–
αὐτή, καὶ κοινόν μ' Ἀσίης σ⏑⏑– ⏑⏑– ⏑
Κητείων τε πόλις Πέ[ργαμον –⏑⏑–] ·
[Εὐ]σεβέων ἔλαβον Ποτιο[ύλοις –⏑⏑–⏑]
[κα]ὶ Παναθηναίων θαλλὸ[ν ἐν ἀκροπόλει(?)] ·
[πολ]λάκι καὶ πάτρη με κλυτὴ [Χίος εἵνεκα νίκης]
[στέ]ψατο νήριθμοί τ' ἄλλ[οι ἔασ' ἄεθλοι] ·
[καί ποτ'] ἐριζόμενος τρισὶν ἥ[μασι –⏑⏑–⏑]
–⏑⏑ καὶ κάμπτω Καισα[ρέων δόλιχον].
*vacat*
[– – – – – – – – ὠ]κυπέτη – – – – – – – – – – – – – – –
– – – – – – – – – – – – Ν – – – – – – – – – – – – – – – –

*frag.* (*c*). — *angulus lapidis*

*a laeva*

– – – – οις
[– – – – Ἀδρι]ανείων
– – – – – – – – Ἐφέσου
[– – – ἔστ]εφε, τρὶς δ' ἐν Ἀθήναις,
[– – – – – – – – ἑ]νὶ σταδίοις,
– – – – – – – – ο, τετράκι δ' αὖτε
– – – – – – – – – – Ἀμαζονίῃ.

*a dextra*

εν στάδιον [– – – – ἐν Ἀθή]-
ναις ⟩ Καπετώλ[ια – – –]
Νέαν Πόλιν Σε[βαστὰ, Ποτι(?)]-
όλους ⟩ Σμύρν[αν]
κοινὰ Ἀσίας Ἀδ[ριάνεια]
στάδιον Ἴσ[θμια – – – – – στά]-
διον δίαυλον – – – – –
στάδιον δίαυλον – – – – –
στάδιον ὁπ[λείτην, Ἀδριά]-
νεια ἐν Ἀθήν[αις].



*frag.* (*d*). — *angulus alter.*

*a laeva*

θ – – – | ε . . εμ – – – | – – – λας *vac.* | [– – – ἔ]στεφε – – –

*a dextra*

βουλὴ – – – – | Ἥλιον – – – | [σ]τάδιον α – – – | τὸ κοινὸν τὸ Πανελ[λήνων – – –].

**563. Carmen sepulcrale,** s. I$^{a}$. — Columellam lap. calc., prope *Tambakika* (ad septentr. urbis Chii) inv., in qua foramen ad monumentum aliquod infigendum, ed. N. M. Contoleon, *Rev. Phil.* (III$^{e}$ Sér.) XXIII 1949, 15 n. iv, c. im. ph. ectypi fig. iii. Vid. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 807.

Εἰμὶ Μένωνος μὲν θυγάτηρ · | θνήσκω δὲ πρὸ μοίρας · |
λίπω δὲ αἰνοπαθῆ δάκρυα | ματρὶ φίλᾳ ||
Καλλινόῃ καὶ παιδὶ παν|ορφάνῳ · οὔνομα δὲ αἰὼν |
οὔποτ' ἀμαυρώσει τοὐμόν, | ἐπεὶ λεγόμαν |
Εὐκτήτη · στέρξας δ' ἐμὲ || Ἀριστόλοχος κτερέϊξεν |
καὶ στερχθίς, ᾧπέρ μ' ἥρμο|σεν αὐτὸς Ἔρως.
Χαῖρε καὶ εἰν Ἀΐδεω χρηστή · | κούφη δέ σ' ἑνερθε ||
εὐνάζοι κόλποις γαῖα | ὑποδεξαμένη.

9. δέ με Peek. || 14. Ita I. Th. Kakrides, Ἑλληνικά XII 1952, 145. Contoleon κούφη δ' ἐς ἑνερθε.

**564. Tegulae,** s. I$^{a}$. — Fragmenta tegularum in iugo *Kofinà*, prope urbem Chium, inv. commemorat J. K. Anderson, *BSA* XLIX 1954, 171 nn. 370 et 371, c. imm. ph. pl. 14*c*.

(*a*). Ἱερὸν | Ἑρμμυ. (i.e. Ἑρμοῦ?). *Graffito.*
(*b*). ΑΠΗΛΙΝΩΝ. *Til. impressus.*

## THASUS

**565. Monumentum Glauci Parii, ex. s. VII$^{a}$.** — *Thasus*, in Agora. Lapis marmoreus in basem porinam inserta, quae pars cenotaphii Glauci, herois et amici Archilochi, videtur fuisse, inv. n. 1355. Ed. et tract. J. Pouilloux, *BCH* LXXIX 1955, 75/86, c. imm. ph. fig. 1 et pl. III. Cf. quoque 348/51. Litterarum formae antiquae Paro Thasoque propriae : C = β, Ω = ο, ου, Ο = ω, Β = η.

Γλαύφο εἰμὶ μνῆ- → Βουστροφηδόν.
μα τῶ Λεπτίνεω · ἔ- ←
θεσαν δέ με οἱ Βρέντ-
εω παῖδες.

Cf. J. Pouilloux, *Archaeology* VIII 1955, 198/204; W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 51a; G. Daux, *CRAI* 1954, 478/9; *JHS* LXXV 1955, Suppl. 16.

**566. Fragmentum metopae, s. III/II$^{a}$.** — *Thasus*, nunc *Constantinopoli* in museo. G. Mendel, *Catalogue des sculptures* (1914) III, 325/6 n. 1087. Breviter commemorat L. Budde, *Belleten* XVII 1953, 481/2, et imaginem ph. praebet pl. 17.

--- δος Διονυσ ---

**567-9. Precationes prosperae navigationis, aet. imp. Rom.** — *Thasus.* IG XII 8, 581A/86 tractavit Nils Sandberg, ΕΥΠΛΟΙΑ (*Acta Universitatis Gotoburgensis* 1954, 8), 35/8 nn. 39/44. Titulos duos quibus novas adfert lectiones denuo exhibemus; ceteris numerorum comparationem cum IG XII 8 tantum addimus.

**567.** IG XII 8, 583. Sandberg 36/7 n. 41.

Εὔπ[λοια τῷ --]
Ἀσκλ[ηπιῷ ---]
τῷ [-- καὶ τοῖς]
συπ[λέουσιν ἐν αὐ]-
τῷ ε[ὐτυχῶς].

**568.** IG XII 8, 586. Sandberg 38 n. 44. Cf. M. Launey, *BCH* LVIII 1934, 493 adn. 1. Vss. 6/9 legit Sandb.

Σ---- ΣΥΝΕ---- ἀσπασ[ίως],
[θύσας θε]οῖς [κ]ατ' ἔθος
καὶ [πάντας] εὐφράνας ---ΑΙΝΑΥΤΙ
--ΟΤ--[π]ερ(ι)έπλευσα.

**569.** IG XII 8, 581A = Sandberg 35/6 n. 39.
,, 582 = ,, 36 n. 40.
,, 584 = ,, 37 n. 42.
,, 585 = ,, 37 n. 43.

**570.** *Ibid.* IG XII Suppl. 446 vs. 13. Pro [ἄρχον]τες proponit [γέρον]τες L. Robert, *Hellenica* X 1955, 59 adn. 2.

**571. Tit. sepulcralis, s. IV$^{a}$ p. prior.** — *Ibid.* Stelae pars superior commemoratur *BCH* LXXVIII 1954, 203, c. im. ph. fig. 30.

Ἀσίνης Στοιχ.
τῆς Ἀντιγένεος.

## SAMOTHRACIA

**572.** Titulos litteris Graecis sed, ut videtur, lingua Samothracia scriptos colligit et tractat K. Lehmann, *Hesperia* XXIV 1955, 93/100, c. imm. ph. pl. 39/40. Cf. G. Bonfante, *ibid.*, 101/9. Titulorum quadraginta omnes nisi n. 40 (Lehmann) *graffiti* sunt, in fragmentis



vasorum scripti. N. 40, in fragmento lap. calc. supra atque a sinistra fracto scriptum, fortasse carmen vel precationem esse putat L.

Nn. 19/21 et 34/5 in SEG XII 397 commemoravimus.

Cf. K. Lehmann, *Archaeology* VI 1953, 30/5.

## EUBOEA

**573. Honores Adimanti Lampsaceni, ex. s. IV$^{a}$.** — *Eretria.* IG XII 9, 198, adducit G. Daux, Ἀρχ. Ἐφ., 1953/4, 245/54. Vid. Ad. Wilhelm, *Rh. Mus.* XC 1941, 21/2.

**574. Terminus 'phratricus'.** — *Ibid.* IG XII Suppl. 642 denuo recognovit atque edidit G. Daux, *BCH* LXXVIII 1954, 282/4 c. im. ph., et demonstrat versus aetatibus diversis scriptos fuisse; unde vss. 1/2 terminum s. V$^{a}$ attribuendum habemus; vs. 4 ut videtur s. IV$^{a}$, et versus reliquos s. III$^{a}$ ascribere debemus. Ante versum ultimum videre reliquias versus novi potuit quas non viderat Ziebarth (IG Suppl.). De genere atque occasione titulorum disserere nonvult.

ὅρος
[φ]ρατρικός.
[ΑΒ]ΓΔΕΞ ΗΘΙΚΛΜ
[νι]κήσας
[ΝΞ]ΟΠΡΣΤΥΦΧΨΩ
*vac.*? ΝΑ.ΙΛ
[Ἐ]πίγονος.

**575. Edictum Diocletiani de pretiis rerum venalium, a. 301$^{p}$.** — *Carystus.* De fragmento edicti notissimi *Carystio I* tract. J. Bingen, *BCH* LXXVIII 1954, 355/60, et lectiones meliores nonnullas addit p. 360 adn. 1.

## CRETA

**576. Titulus sepulcralis, s. I$^{p}$.** — *Aradus* (*Aradena*). *Inscr. Cret.* II p. 40 n. 2, lapide reviso, correxit F. Matz, *Forschungen auf Kreta* 1942 (1951), 130 c. adn. 4.

Βηδοκλέα Θαρσύτα χαῖρ[ε].

**577. Tituli sepulcrales, s. I/III$^{p}$.** — *Tarrha. Inscr. Cret.* II pp. 307/8 nn. 1/7 revisit F. Matz, *op. cit.*, 131 c. adn. 3, qui praecipue notavit:

(*a*) *Inscr. Cret. l. c.*, n. 4 vs. 1. [Εὐφρα]ῖος nunc tantum superest.
(*b*) *Inscr. Cret. l. c.*, n. 7. Μαλκοίδων Ἥρωνος legendum est.

**578. Proxeniae Ptolemaei Numenii aliorumque, s. II$^a$ p. prior.** — *Gortyn. Inscr. Cret.* IV pp. 284/6 n. 208, c. im. ph. Partem *A* adduxerunt W. Peremans et E. Van 't Dack, *Historia* III 1954/5, 338/45, qui de prosopographia praecipue tractant.

**579.** Titulos Christianos in insula Creta repertos tractavit A. Ferrua, *Riv. Arch. Crist.* XXX 1954, 137/42, quorum pars maxima in sepulcris inscripta est, et praecipue sententias in defunctis celebrandis iteratas animadvertit (137/40). Titulos plerosque s. V/VII$^p$ tribuendos esse contendit.

## SICILIA

**580. Fragmentum decreti (?), c. med. s. I$^a$.** — *Syracusae.* Tabulam marm., a dextra integram, ed. G. Cultrera, *Mon. Ant.* XLI 1951, 809/11, c. del. fig. 87.

---
[-------- φυ]λάρχων
[------ τοῦ] Τιμαίου
-------- τοῦ Τίμωνος
---------νο[υ] (*vel* -νο[ς]).

Cf. J. et L. Robert, *REG* LXVI 1953, 211 n. 281.

**581.** *Ibid.* IG XIV 1; SEG XII 406. Vid. G. Cultrera, *loc. cit.*, 703 adn. 5, 849 adn. 1.

**582. Tit. sepulcralis Castinae, s. III/IV$^p$.** — *Ibid.*, in catacumba S. Luciae. Titulum in cubiculo prope loculum depictum commemorat S. L. Agnello, *Riv. Arch. Crist.* XXX 1954, 22/3, c. im. ph. fig. 2.

Καστεῖνα Ῥωμαία
ἀγαθόν ----
Καστεῖνα ἐτῶν ---

2. I. c., bonum est mors, ut proposuit A. Ferrua ; nisi fortasse Ἀγαθονείκῳ δσήσις (ζήσεις) legendum est, ut notat id.

**583. Tituli vasorum.** — *Ibid. Graffiti* in vasorum fragmentis apud Apollonium-Artemisium inv. commemorat G. Cultrera, *loc. cit.* (supra n. 580), 796/8, c. dell. fig. 60/73.

**584. Ansae amphorarum.** — Titulos in ansis amphorarum impressos, *ibid.* inventos, ed. id., *loc. cit.*, 800/1, c. del. fig. 76.

i. ἐπὶ Ἀρχιλαΐδα Δαλίου.
ii. Φιλαινίου Πανάμου.



iii.[v] ἐπὶ Καλλικρατίδα Ἀρ[τ]αμ[ιτί]ου.
iv. ἐπὶ Εὐκρατίδα.
v. Βασιλε---.

v. Vid. J. et L. Robert, *loc. cit.* (n. 580 supra).

**585. Lucerna, aet. Byzant.** — *Ibid.* Cultrera, *loc. cit.*, 802/3, c. del. fig. 78.

+ ὠ ἅγιος Λεώνηως.

**586. Signum ponderis (?), II/I$^a$.** — *Ibid.* Fragmenta dolii, in domo quadam sub Case Popolari in Piazza della Vittoria inventa, commemorat G. V. Gentili, *Not. Scav.* (VIII Ser.) V 1951, 159.

VII ⊢ P V

**587-92. Tituli sepulcrales.** — *Acrae.* Titulos sepulcrales Christianos nunc *Syracusis* in Museo Iudica tractat G. Pugliese Carratelli, *Not. Scav.* (VIII Ser.) VII 1953, 345/52, quorum duo antehac inediti manebant. Omnes aetatis infimae.

**587. Tit. sep. Iohannis Iustini.** — Stela lap. calc., cum litteris pessime incisis. PC n. 1, c. im. ph. fig. 1.

Ἰοάνις | Ἰοστῖνος | διάκον|ος.

**588. Precatio.** — Tabula lap. calc. male quadrata. PC n. 2, c. im. ph. fig. 2 (p. 346).

Κ(ύρι)ε βοήθη μοι.

Supra titulum litterarum reliquiae incertae.

**589. Tit. sep. Clodiani.** — IG XIV 237 exhibet PC n. 3, c. im. ph. fig. 3, et vss. 3/4 legit τελεύτα (= ἐτελεύτα) μη|ν(ῶν) ι' κ(α)λ(άνδαις) Φεβλαρίες.

**590. Tit. sep. Marcellinae.** — IG XIV 238 tract. PC n. 4, c. im. ph. fig. 4 (p. 348), et praeter nomen defunctae alia quoque vel corrigere vel supplere potuit; quare textum totum denuo exhibemus.

Ἐνθάδε κῖτε Μαρκιλίνη,
☩ σεμνὴ ἄμεμπτος βιώσα(σα)
ἰς τὸν κόσμον τοῦτον. ἀπεκ-
χώρι πρὸς (Κ)ύριον ἐτῶν
ιζ' ΑΙΧΗΝ πράττουσα τῇ
Α ☩ ω πρὸ θ' καλ(ανδῶν) Ἰανουαρί-
ων. τὸν δὲ Θεόν σε, φίλε,
μή μου σκύλῃς τὸν (β)όθ-
ρον, μή μοι δίξῃς φῶς.

ἂν δὲ θελήσῃς φῶς μοι
δῖξε, σοὶ τὸ φῶς
ὁ Θ(εὸ)ς χόλιον δώσῃ.
A ϕ ω ΙΧΘΥΣ

4. Lap. ΠΡΟCЄLYP. || 5. ἀ(νο)χὴν vel ἀ(πο)χὴν prop. ed. || 8. Lap. ΠΟΘ.

**591. Fragmentum tit. sep.** — J. Führer et V. Schultze, *Die altchristl. Grabstätten Siziliens* (*Jahrb. Ergänzungsheft* VII 1907), 135 n. 3; A. Ferrua, *Riv. Arch. Crist.* XVIII 1941, 205/6 n. 79, c. im. ph. fig. 39. Exhibet PC n. 6, c. im. ph. fig. 6, qui ut falsarii opus titulum damnat. In eodem museo titulum alterum pro falso notandum commemorat, cuius exemplar antiquum Führer-Schultze, *op. cit.*, 148 fuisse videtur.

**592. Graffito.** — Führer-Schultze, *op. cit.*, 145/6, c. del. fig. 51. Pro Μαρκία legit Μαρκιανός PC n. 7, c. del. fig. 7.

**593. Tabella defixionis, aet. Rom.** — *Ibid.*, in eodem museo. IG XIV 2413(17), cui novum textum elaboravit A. Vogliano, *Acme* I 1948, 73/6 c. im. ph. pl. I, et commentaria addidit K. Preisendanz, *ibid.*, 77/85, denuo attigit E. Peterson, *Aegyptus* XXXIII 1953, 172/8, qui verbum καστυ (vss. 8/9, 23/5) = 'atramentarium' contendit, et de interpretatione versuum 1/7 praecipue disserit.

**594. Dedicatio Alexiae, in. s. V$^a$.** — *Selinus.* IG XIV 270; *SGDI* 3048. Plures litteras videre potuit M. Guarducci, unde textum pleniorem exhibet, *La Parola del Passato* VIII 1953, 209/11, et Alexiam fortasse mercennarium Arcadem a Gelone tyranno in Gela collocatum esse credit.

Ἀ[λε]ξίας *hιο* Ξένονος
Ἀρκὰς Γελοῖ τᾶι *hεκάται*
ἀ[νέθ]εκε.

**595. Fragm. monumenti sepulcralis, aet. Hellenist.** — *Tripi* (Ἀβάκαινον) prope *Messanam.* Monumentum sep. in forma baseos commemorat F. Villard, *Not. Scav.* (VIII Ser.) VIII 1954, 49.

Λ - - - - - - ΙΣ

**596. Tit. sepulcralis, s. I$^a$(?)** — *Ibid.* Frag. cippi ed. id., *loc. cit.*

- - - - - - μανικοῦ
- - - - - - μια
- - - - - - υροπωλα

3. [μ]υροπῶλα vel [πορφ]υροπῶλα supplent J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 296 n. 305.



**597. Tit. sepulcralis, aet. Rom.** — *Catana.* IG XIV 452 novis supplementis adduxit Nils Sandberg, ΕΥΠΛΟΙΑ (*Acta Universitatis Gotoburgensis* 1954, 8), 41/2. Restitutiones paullo mutavimus ut lapidis spatiis accuratius congruant.

Θή[κη]
Ἀρτέμ[ωνος]
καὶ τοῦ [ἀδελφ?]-
οῦ αὐτο[ῦ . . .$^5$. .] ·
εὐπλ[οεῖτε].

2. Ἀρτεμ[ισίου] Sandb. || 4. αὐτο[ῦ] Sandb.

**598. Dedicatio, s. III$^a$.** — *Enna.* M. Guarducci apud P. Orsi, *Not. Scav.* (VI Ser.) VII 1931, 388/91, c. im. ph. fig. 15 et del. fig. 16; A. Ferri, *Riv. di Fil.* NS XI 1933, 78 — cui respondit Guarducci, *ibid.*, 78/80; P. Roussel, *REG* XLV 1932, 232; M. Segre, *Il Mondo Classico* IV 1934, 234/8. Quorum omnium interpretationes quamquam nunc necesse est praetermittamus, commentarium tantummodo addamus recentius; nam titulum nuper repetiit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 350/3, qui legit

Ἀρχὸς ¦ Δαμ(ατριαστᾶν) ¦ Ἐνναίων.

Vel si ad sinistram, ubi planities lapidis detrita est, litterae plures legendae videntur esse, restituit id.

[ὁ δεῖνα] ἀρχὸς
[τοῦ κοινοῦ τῶν] Δαμ-
[ατριαστᾶν] Ἐνναίων.

**599. Dedicatio (?), c. med. s. VI$^a$.** — *Megara Hyblaea.* Titulum in crure dextro statuae marm. virilis, qualis 'kouros' nominatur, ed. G. Pugliese Carratelli, *Annuario* XXIV/VI (NS VIII/X) 1946/8, 66/8, c. del. De ipsa statua vid. L. Bernabò Brea, *ibid.*, 59/66, c. im. ph. fig. 1/4 et pl. VII/IX. Adduxit A. G. Woodhead, *Cambridge Historical Journal* X 1950/2, 247.

*Sinistrorsum.*

Σομροτίδα : τõ *hιατρõ* : τõ Μανδροκλέος :

**600. Tit. vasis, c.a. 470$^a$.** — *Ibid. Graffito* in pede crateris Attici, in sepulcro M reperti, commemorat G. V. Gentili, *Not. Scav.* (VIII Ser.) VIII 1954, 104/5, c. im. ph. vasis fig. 26.

A O Ξ

## ITALIA

**601. Tituli sepulcrales Iudaeorum, aet. Rom.** — *Venusia* (*Venosa*). *C. I. Iud.* 569/619 tract. H. J. Leon, *Jewish Quarterly Review* XLIV 1953/4, 267/84, ubi de lingua, scriptura, nominibus defunctorum praecipue agit. Lectionibus nn. 569, 576, 586, 591, 596, 599, 608, 611, 616, 619 correctiones minores adfert pp. 268/9 adn. 4. De titulis iisdem vid. G. P. Bognetti, *CRAI* 1954, 193/202.Cf. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 295/6 n. 301.

**602. Seia Spes honoratur, a. 154p.** — *Aenaria* (*Pithecusa; Ischia*). Basem marm., *Lacco Ameno* in ecclesia S. Restitutae inaedificatam, ed. G. Buchner, *La Parola del Passato* VII 1952, 408. Cf. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 169.

Σεῖαν ·
Σπῆν
Σεἰου Λειβερ-
άλεως ἀνδρὸ-
ς · ταμιεύσαντ-
ος ἀγορανομή-
σαντος θυγατ-
έ[ρ]α · νικήσασαν
σ[τ]άδιον βουλε-
υτῶν θυγατέρ-
ας 'Ιταλίδι λθ'
ἀνέθηκεν · Λ.
Κοκ[κ]ήϊος Πρίσκ-
ος · ἀνὴρ · δόγμα-
τι · βουλῆς.

**603. Dedicatio deo Aristaeo, s. II/Ia.** — *Ibid.* Basem parvam ed. G. Buchner, *Rend. della Accademia di Archeologia, Lettere e Belle Arti di Napoli* XXIV/V 1949/50, 3/12, c. del. fig. 1. De nomine Megacle cf. IG XIV 777. Vid. J. et L. Robert, *REG* LXVI 1953, 210 n. 272.

Μεγακλ[ῆς]
Λουκίου
ὁ 'Ρωμαῖος
'Αρισταίῳ.

**604. Tit. vasis, in. s. VIIa.** — *Ibid. Graffito* sinistrorsum in scypho 'Rhodio' subgeometrico incisum edd. G. Buchner et C. F. Russo, *Rendic. dei Lincei* (Ser. VIII) X 1955, 215/34, c. dell. fig. 1/4 et im. ph. pl. I/IV. Titulus aetati paullo post lecythum Tataies (Schwyzer, *DGE* 786) tribuendus videtur.

Νέστορος : ε . . . ι : εὔποτ[ον] : ποτέριο[ν] ·
*h*ὸς δ' ἀ⟨ν⟩ τόδε π[ιε]σι : ποτερί[ο] :, αὐτίκα κῆνον
*h*ίμερ[ος : *h*αιρ]έσει : καλλιστε[φά]νο : 'Αφροδίτες.

1. ἔ[ρρο]ι edd., vix tamen probandum. ΕΜΙ haud spatio sufficit. An ἔ[στα]ι vel ἀ[θλο]ν maius quam quod contineri possit? || 2. *Graff.* ΒΟϤΔΑΤΟ.



**605. Titulus agonisticus T. Flavii Artemidori, c. a. 90p.** — *Neapolis*. IG XIV 746; *IGRR* I 445. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 183/6 n. 67, *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 285/6; E. J. Bickerman, *AJP* LXVIII 1947, 353/62.

**606. Tit. agonisticus T. Flavii Archibii, c. a. 110p.** — *Ibid.* IG XIV 747; *IGRR* I 446. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 186/91 n. 68, qui, quamvis textum secundum *IGRR* exhibeat, de Ἴσθμια (vs. 17) valde dubitat, et ad fin. vs. 21 - - παγκρ[άτιον, καὶ τῇ ἑξῆς] supplet.

**607. Tit. agonisticus, s. IIp p. post.** — *Ibid.* IG XIV 739; *IGRR* I 444. Tract. L. Robert, *Rev. Phil.* (IIIe Sér.) IV 1930, 42/4; vid. etiam L. Moretti, *op. cit.*, 224/6 n. 77, qui negat M. Aurelium Hermagoram eundem ac - - - - ὁραν *IGRR* IV 1344 (Magnesia ad Sipylum) commemoratum, sed fortasse filium eius esse accipit, ut proposuerat Rob.

**608.** Documenta ad historiam civitatis Neapolis pertinentia collegerunt G. Buchner, D. Morelli, G. Nenci, *La Parola del Passato* VII 1952, 370/419, inter quae testimonia multa epigraphica adducunt. Tituli Graeci plerumque in IG XIV 714/894 inveniuntur (index p. 418). Vid. etiam n. 602 supra.

**609. Graffito in lucerna inscr., aet. Rom.** — *Puteoli*. CIG IV 8514 adhibuit Nils Sandberg, ΕΥΠΛΟΙΑ (*Acta Universitatis Gotoburgensis* 1954, 8), 40 n. 47.

**610. Fragmentum tituli sepulcralis (?), s. IVp.** — *Capua*, prope viam Appiam, in sepulcreto Christiano circum ecclesiam S. Augustini. Fragmentum marm. supra integrum ed. A. de Franciscis, *Riv. Arch. Crist.* XXVII 1951, 203/4, c. im. ph. fig. 2.

- - - - - - γγα - - - - - -
- - - - - οδεσ - - - - - - - -
- - - καὶ εἰσ - - - - - - - -
- - - - - - εσω - - - - - - -
- - - - - - - γεμ - - - - - - -

**611. Responsum oraculi Imperatori Vespasiano (vel Tito) de Veleda captiva datum, a. 78/81p.** — *Ardea* (*Contrada Casalinaccio*) in arce. Fragmentum tabulae marm. undique nisi infra fractum primum ed. M. Guarducci, *Rendic. Pont. Ac. Rom. di Arch.* XXI 1945/6, 163/76; post tractationes aliorum plerasque iterum ead., *id.* XXV/VI 1949/51, 75/87. Cf. J. et L. Robert, *REG* LXV 1952, 201 n. 193. Vid. nunc E. Stefani, qui Guarducci secutus rem breviter attingit *Not. Scav.* (VIII Ser.) VIII 1954, 29/30, c. del. fig. 32. Titulum eundem tractat P. Mingazzini, *Bull. Comm. Arch.* LXXIV 1951/2, 71/6 c. del., quare textus duos, secundum Guarducci et secundum Mingazzini, exhibere debuimus.

(*a*). Guarducci.

---

[Οὐεσπα]σιανῷ [Καίσαρι Σεβαστῷ]
[ἀμφὶ] Βελήδαν. *vacat*
[Βου]λεύῃ τί σε δεῖ ποιεῖν, [Σεβαστέ],
[τῆ]ς μακρῆς περὶ παρθένο[υ Βελήδας],
ἣν οἱ Ῥηνοπόται σέβουσιν, [ἔργα]
φρίσσοντες χρυσέης Κερα[στιδείης].
[τὴ]ν ἀργὴν ἵνα μὴ τρέφ[ῃς, κορείτω(?)]
[κ]αὶ χαλκοῦν ἀπομυσσέτω [δίμυξον].

(*b*). Mingazzini.

[Διάταξις]
[τοῖς τὴν μαντ]είαν ἐ[ρωτῶσιν]
Βελήδαν.
[Εἰ δὲ βου]λεύῃ τις ἔδει ποιεῖν [τι]
[χρησίμω]ς μακρῆς περὶ παρθένο[υ, τὴν]
[μάντιν], ἣν οἱ Ῥηνοπόται σέβουσιν
[μνῆμα] φρίσσοντες χρυσέης κερα[ίας],
[μαντικὴ]ν ἀργὴν ἵνα μὴ τρέφ[ηται],
[πήραν κ]αὶ χαλκοῦν ἀπομυσσέτω [πρίν].

---

**612. Carmen sepulcrale, in. s. III$^{p}$.** — *Albanum* (*Albano Laziale*). Stela marm., quae in fornicem supra terminatur: supra titulum, anaglyphum pueri ad dextram equitantis, cuius supra caput sidus; aquila supra caput equi volitat. Ed. A. Galieti, *Röm. Mitt.* LVIII 1943, 70/5, c. im. ph. pl. III. Vid. P. Boyancé, *REA* LIV 1952, 283/6, et nuperrime (cum bibliographia) W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 861. Cf. J. et L. Robert, *REG* LXIII 1950, 217 n. 236, *ib.* LXVII 1954, 190/2 n. 286.

---

**613. Victoriarum recensus Ti. Claudii Patrobii, c. a. 60$^{p}$.** — *Roma*, nunc in Museo Nazionale. Basem marm., a dextra fractam, in *Casal Morena* prope viam Latinam inv., ed. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 174/9 n. 65. Patrobium eundem ac illum a Dione Cassio Plinioque commemoratum (vid. *R.E.* XVIII 4, 1949, 2253, s.v. Patrobius) fuisse negat Mor. Cf. eund., *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 276/89, ubi Κοινὰ Ἀσίας tractat et hunc titulum inter testimonia adducit, *Athenaeum* XXXII 1954, 115/20.

Τιβέριος Κλαύδιο[ς]
Κυρείνᾳ Πατρόβ[ιος]
Ἀντιοχεὺς ἀπὸ Δάφνης, ὁ καὶ Ἀλ[εξαν]-
δρεύς, νεικήσας ἀνδρῶν πάλην τ[ὴν περίο]-
δον· Ὀλύμπια γ̄, Ἴσθμια κατὰ τὸ ἑξῆς, Πύθ[ια τρίς(?)],
Νέμεα δίς, ἐν Νεαπόλει, κοινὸν Ἀσία[ς Πέρ]-
γαμο⟨ν⟩, ἐν Ἀλεξανδρείᾳ τῇ κατ' Αἴγ[υπτον]



πενταετηρικόν, ἐν Ἀντιοχείᾳ τῇ π[ατρίδι]
Πυθικῶν πάλην, καὶ τῷ ἐχομένῳ [πενταετη]-
ρικῷ ἀγενείων, καὶ ἀνδρῶν πάλ[ην ἐφεξῆς(?)]
τρίς, καὶ ἀπὸ καταλύσεως ἐν Ῥώμῃ [τιμηθεὶς(?)]
ὑπὸ Νέρωνος Κλαυδίου Καίσαρο[ς· κοινὸν]
Ἀσίας ἐν Λαδικείᾳ πενταετηρ[ικόν, κοινὸν]
Ἀσίας ἐν Σάρδεσιν πενταετη[ρικόν, κοινὸν]
Βειθυνία[ς ἐ]ν Νεικαίᾳ πεντ[αετηρικόν],
κοινὸ[ν Γαλα]τίας ἐν Τα[ουίῳ(?) πενταετηρι]-
κό[ν, κοινὸν Γαλ]ατίας ἐ[ν Ἀγκύρᾳ(?) πενταετη]-
[ρικόν, ----------]

---

**614. Tit. agonisticus M. Aurelii Asclepiadae, c. a. 200$^{p}$.** — *Ibid.* IG XIV 1102; *IGRR* I 153. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 228/35 n. 79; G. E. Bean, *AJA* LX 1956, 198/9.

---

**615. Tabella defixionis, ex. s. II$^{p}$ (?) vel s. III$^{p}$ (ante a. 270$^{p}$).** — *Ibid.* Lamellam plumbeam c. titulo columnis duabus inscr., in sepulcreto prope portam Ardeatinam inv., ed. M. Guarducci, *Bull. Comm. Arch.* LXXIV 1951/2, 57/70, c. im. ph. fig. 1 et del. fig. 2. De interpretatione eius (praecipue in vss. 4, 9, 12/14) valde dubitant J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 290/2 n. 292, et ipsi commentaria nonnulla proferunt.

Κατάσχες Ἀρτεμίδω-
ρον τὸν ἰατρὸν τὸν
τῆς τρίτης χώρτης τῆς
εἰς τὰ πραιτώρια. ὑπηρετεῖ
ὁ Δημητρίου τοῦ ἀποθα-
νόντος ἀδελφός, ὃς βού-
λεται νῦν ἐξελθεῖν ἰς
τὴν πατρίδα τὴν ἰδίαν.
μὴ σάγητε οὖν αὐτόν,
ἀλλὰ κατάσχετε τὴν Ἰ-
ταλικὴν γῆν, ἐχ-
θεινο[ί]η[τ]ε
τὰς Ῥωμαίων πύλασ-
ς. ἀλλὰ κατάσχετε Ἀρτε-
μίδω[ρ]ον τὸν Ἀρτεμιδώ-
ρου υἱὸν τοῦ ἰατροῦ.
Εὐλάμων
Λαιμειλα . . . ων
. ρειοχερσοφριξ
Ομηλιεύς
Αξηιεύς
Ἀρηιεύς
καὶ Λάθε καὶ Θάμβ[ε]
κατάσχετε.

13. Τὰς Ῥωμαίων πύλασ. I.e., Ostia Tiberis, secundum Guarducci; hanc tamen interpretationem non accipiunt Robb.

---

**616. Titulus imagunculae, aet. Rom.** — *Ibid.*, nunc *Novi Eboraci* in Museo Metropolitano. Imaguncula mulieris, aetatis Romanae sed operis Graeci ca. a. 460$^{a}$ imitatio. Vid. G. M. A. Richter, *Catalogue of Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 25/6 n. 30 c. bibliographia, et im. ph. pl. XXIX.

*In base imagunculae* — Εὐρώπη.

**617. Signatura artificis, vix ante s. I$^{a}$.** — *Ibid.*, nunc *Novi Eboraci* in Museo Metropolitano. Statua viri sedentis, de qua vid. G. M. A. Richter, *op. cit.* supra (n. 616), 99/100 n. 190, c. im. ph. pl. CXXXIII. Litt. ZΠ.

Ζεῦξις | ἐποίησεν.

**618. Imago Christi crucifixi cum capite aselli, s. IV$^{p}$.** — *Ibid. Graffito* in monte Palatino inv. (in paedagogio(?) domus Augustianae), nunc in Museo Nazionale. Im. ph. apud G. Lugli, *I monumenti antichi di Roma e suburbio* (*I Zona archeologica*), 1931, 325/6 et fig. 73; id., *Roma Antica*, 1946, 522/3, c. bibliographia. Tract. R. Verdière, *La Nouvelle Clio* VI 1954, 322/6 (praecip. 324/6).

**619. Carmen sepulcrale, s. II$^{p}$.** — *Ibid.* In sepulcreto ad viam Ostiensem. Stelam marm. albi, quam ediderat G. Pątriarca, *Bull. Comm. Arch.* LXII 1934, 151/5 c. im. ph., nunc repetit B. E. Thomasson, *Opuscula Romana* I 1954, 137 n. 123 c. im. ph. meliore pl. VIII. Cf. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1885.

Τερμησσὸν ναίων Σολύμοις | ἐνὶ κυδαλίμοισιν |
ἦλυθον ἐς Ῥώμην τρίτος | ἀστῶν, κῆρι πιθήσας· ||
ἀλλὰ θανὼν ἡβῶν συνοδ⟨οι⟩πόρον | Ἄϊδος ε[ἶ]σω |
δεύτερον αὖτ' ἀνέ[μ]εινα | [τ]ὸν ἐκ πάτρης ἅμ' ἰ[ό]ντα. |
['Αμ]φοῖν δ' ὀστέα κεῖται || [πολλὰ κακο]ῖσι καμόντων |
['Αρτεμά?]νου 'Ορθαγόρου παιδὸς | . . . συρου τε 'Ερμαίου. |
Σοὶ [δ' ἐ]γώ, 'Ορθαγόροιο τέκος, | προϊόντι κατ' αἶσαν ||
εἰς 'Αΐδαο δόμους συνεφέσ[πο]μαι | ἡΐθεος φώς, |
'Ερμαῖος 'Αρτείμου Σολυ[μήϊ]ος. | Αὖτ' ἀπὸ γαί[ας] |
σάρκας μὲν πῦρ νῶ[ιν ἐπρή]σατο, || ὀστὰ δὲ κεύθ[ει] |
ἥδε χθὼν πάμφορβ[ος]· ἀτὰρ | ψυχαὶ θεόπεμπτοι |
οἰχεσθον κατὰ γῆς ἐνὶ δαίμονι | ξυνὰ κέλευθα. ||
Κόνων 'Ερμαίου [τ]οῖς φίλ[οις] | μνήμης χάριν.

5. Lap. -οδυπορον. || 10. [ὁμοῦ νούσ]οισι Peek. || 11. [Παρμέ]νου Peek. || 12. [βλο]συροῦ Peek. || 19. ἐδαί]σατο Peek.

**620. Carmen sepulcrale Theonoae, s. III$^{p}$.** — *Ibid.* SEG II 524. Vid. A Ferrua, *Riv. Arch. Crist.* XXI 1944/5, 205, c. im. ph. fig. 8; H. Grégoire, *La Nouvelle Clio* V 1953, iii/iv; W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 394.

**621. Carmen sep. Sempronii Nicocratis, s. III$^{p}$.** — *Ibid.* IG XIV 2000; *IGRR* I 346; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 613; *BMI* 1096, c. del.; W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1049. Adducit W. Vollgraff, *Mem. Acad. Inscr.* XIV 1951, 377/9 n. 11, qui contendit Nicocratem in fano Musarum sepultum fuisse.



**622-5. Tituli sepulcrales Iudaeorum, aet. imp. Rom.**

**622.** *Ibid.*, in sepulcreto Vigna Randanini ad Viam Appiam. *C. I. Iud.* 120. Titulum olim perditum denuo repperit H. J. Leon, quem commemorat *Riv. Arch. Crist.* XXIX 1953, 101/3, c. im. ph. fig. 1.

**623. Tit. sep. Margaritae.** — *Ibid.*, nunc in Museo Nazionale. *C. I. Iud.* 136. Titulum *B* in latere postico tit. *A* inscriptum fuisse notat H. J. Leon, *loc. cit.*, 103/5, c. im. ph. *A* fig. 2, *B* fig. 3, et lectiones profert meliores nonnullas.

*A* vs. 7 OC ETH Δ Frey (qui tamen Δ in lapide non vidit). De Δ dubitat Leon.

*B* (totum titulum denuo exhibemus)

⟨'Ε⟩ν⟨θ⟩ά⟨δ⟩ε {θ} κ[εῖτε Μαργ]α⟨ρ⟩ῖτα,
ἥτις ἔζησ[εν ἔ]τη ιθ',
μετὰ τοῦ συ[μβί]ου αὐ-
τῆς ἔτη δ'. [ἐν ε]ἰρήνῃ
ἡ κοίμησίς σου. (*candelabrum*)

**624. Tit. sep. filiarum Gadiatis Iudaei.** — *Ibid.*, in Museo Laterano. *C. I. Iud.* 543 et 535 tract. H. J. Leon, *TAPA* LXXXIV 1953, 67/72, c. im. ph. pl. I. In n. 535 contendit Κάρα nomen proprium secundae filiae esse (cf. M. Schwabe, *Zion* IX 1943/4, 46), et *C. I. Iud.* 510, nunc in Museo Nazionale, filiam tertiam Gadiatis eiusdem commemorare putat. Cf. eund., *Harv. Theol. Rev.* XLV 1952, 168/9, J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 292 n. 294.

**625.** Nomen Sabbathaios vel sim. (quod etiam non solum apud Iudaeos usurpabatur) in titulis *Romae* vel alibi Italiae inventis tractat V. Tcherikover, *Scripta Hierosolymitana* I 1954, 82.

**626. Tabula Iliaca, s. I$^{p}$.** — *Ibid.* Fragmentum partis superioris a dextra tabulae, nunc *Novi Eboraci* in Museo Metropolitano. K. Bulas, *AJA* LIV 1950, 112/8; G. M. A. Richter, *Catalogue of Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 116/7 n. 236, c. im. ph. pl. CLXId (lat. posticum), CLXII (a fronte). Cf. IG XIV 1284/9.

(*a*). Supra tabulam totam:

[– ◡ ◡ – Θεοδώρηον μάθε τάξιν 'Ομήρου, ὄφρα δαεὶς τ]έχνην μέτρον ἔχῃς σο[φίας].

(*b*). Supra anaglyphum magnum in medio tabulae:

['Ιλιὰς κατὰ Ὅμηρο]ν καὶ 'Ιλίου πέρσις.

(*c*). Supra anaglypha singula circum anaglyphum medium disposita:

1. 'Ιλιάδο[ς Σ].
2. 'Ιλιάδος Τ. Θέτιδος παρ(ουσία), 'Ηφαίστου πα(ρουσία).
prope personas Θέτις, 'Αχι[λλεύς].

3. Ἰλιάδος Υ. Ἀχιλλέως ἄθλος.
prope personas [Αἰ]νήας, Ἀχιλλεύς, Ποσιδῶν.
4. Ἰλιάδος Φ. Παραποταμία μάχη.
prope personas Ποσιδῶν, Ἀθηνᾶ, Ἀχιλλεύς.
5. Ἰλιάδος Χ. Ἕκτορος θάνατος.
prope personas Πρίαμος, Ἕκτωρ, Ἀχιλλεὺς σύρων τὸ σῶμα.
6. Ἰλιάδος Ψ. Ἐπιτάφιος ἀγών.
prope personas Ἀχιλλεύς, ἁρματοδρομία.
7. [Ἰλιάδος Ω. Ἕκτορ]ος λύτρα.
prope personas Ἀχιλλεύς, Πρίαμος, λύτρα.

(*d*). In latere postico tabulae:

i. --- γραμμα μέσον καθ ---.
ii. [Ἰλι]ὰς Ὁμήρου Θεοδώρητος ἡ τέχνη.
(litt. stoichedon in quadris ordinatae.)

De litteris ad libros Iliadis designandos usurpatis vid. M.N. Tod, *BSA* XLIX 1954, 2.

**627. Tit. imaginis, s. II$^{p}$.** — *Ostia*. Tit. in columna sub imagine ed. G. Becatti, *Rend. Pont. Ac. Rom. di Arch.* XXI 1945/6, 123/41, c. fig. 2/12, (cf. M. Guarducci, *ib.* 143/5), qua Hippocratem medicum repraesentari putavit. Vid. tamen P. Mingazzini, *id.* XXV/VI 1949/51, 33/5, qui non Hippocratem sed Pindarum celebrari contendit. Textum nuperrime exhibet W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1657.

Βραχὺς ὁ βίος,
μακρὸν δὲ
τὸν κατὰ γᾶς
αἰῶνα τελε-
τῶμεν βρο-
τοί· (*hedera*) πᾶσι δὲ
μοῖρα φέρεσ-
θαι δαίμο-
νος αἶσαν,
ἃ τις ἂν τύχῃ.

**628. Tituli sepulcrales Iudaeorum.** — *Portus Traiani* (*Porto*). *C. I. Iud.* 536/41 tract. H. J. Leon, *Harv. Theol. Rev.* XLV 1952, 165/75, quos, ut demonstrat, non Portui Traiani sed potius *Romae* in sepulcreto Monteverde re vera attribuere debemus; quomodo ad Portum transierint breviter explicat.
Ad nn. 539 et 541, dubitat L. num de Iudaeis agant.

**629. Tit. sepulcralis Telesillae.** — *Patavium* (*Padova*). IG XIV 2317. Vid. A. Ceresa-Gastaldo, *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 408/9.



**630. Carmen sep. Bassillae mimae, s. III$^{p}$.** — *Aquileia*. IG XIV 2342; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 609; W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 675. Bassillam in fano Musarum sepultam fuisse e vss. 13/6 contendit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 379 n. 12.

**631. Dedicatio, s. II/III$^{p}$.** — *Tergeste* (*Trieste*). De ara parva quam ed. P. Sticotti, *Not. Scav.* (V Ser.) XVII 1920, 100/1, vid. nunc eund., *Inscriptiones Italiae* X 4, 336, c. im. ph. et bibliographia plena.

Θησεὺς
Ὀνησίμου
ὑπέρ τε αὐ-
τοῦ καὶ παρ[ὰ]
Ἀρτέμιδος
[Ποσ]ιδωνίο[υ]
[χ]αρισστ[ή]-
ριον.

**632. Tit. sepulcralis.** — *Ibid.*, in museo. Fenestra sepulcralis marm. cum protomis duabus, sub qua tituli reliquiae. *Inscr. Italiae, vol. cit.*, 388, c. im. ph. et bibliographia.

----------σι τῇ ἰδί-
ᾳ συμβίῳ καὶ Σιλβάνῃ τῇ θυ-
γατρὶ μνήμης χάριν.

**633. Tit. sep. Ammonii.** — *Gorizia*, in museo. Tabula marm., *Inscr. Italiae, vol. cit.*, 394, sed sine imagine.

Ἀμμώνιος
Ἀμμωνίου Ἀλε-
ξανδρεὺς
ἐτῶν κζ'.

**634. Dedicatio, aet. Rom.** — Stelam marm., nunc *Tergeste* in museo conservatam sed sine dubio ab Asia transvectam, in qua anaglyphum manuum supinarum, exhibet P. Sticotti, *Inscr. Italiae, vol. cit.*, pp. 133/4 n. 2*. De deo Hosio et Dikaio vid. n. 779 infra.

Λουκιφέρα
(*anaglyphum*)
Ὁσίῳ καὶ Δικαίῳ.

**635. Edictum Diocletiani de pretiis rerum venalium, a. 301$^{p}$.** — *Sulmo* (*Sulmona*). Fragmentum edicti notissimi in *Pettorano* prope *Sulmona* tract. J. Bingen, *BCH* LXXVIII 1954, 349/52, coll. fragmentis

*Thebae II* et *Geronthrae V*; textus inde compositos ibi sub nn. 334 et 386 exhibuimus. De fragm. *Pettorano* vid. M. N. Tod, *JHS* LXV 1945, 60; J. et L. Robert, *REG* LVII 1944, 179/80 nn. 19/20, ubi bibliographiam invenies.

**636. Tit. sepulcralis, s. II/III$^{p}$.** — *Originis incertae*, nunc *Novi Eboraci* apud C. J. Kraemer. Partem inferiorem tabulae cum tit. sepulcrali, *Romae* apud venditorem rerum antiquarum emptam, ed. D. W. Prakken, *AJA* LVIII 1954, 322 n. vi, c. im. ph. pl. 65.

---
------ω Κυζικηνῷ ζή-
σαντι ἔτη · λη̄ · Γαληνὸς
ἀδελφὸς ἐποίει ·
χαίρετε.

**637. Tit. sepulcralis, s. II/III$^{p}$.** — *Originis incertae*, nunc *Kansas City* apud Universitatem. Tabulam marm., ex Italia transvectam, quae olim sepulcrum in columbario quodam designabat, ed. L. R. Lind, *AJA* LIX 1955, 161 H, c. im. ph. pl. 49.

Μάρθα
Λακεδαιμονία.

## CARIA

**638-74.** *Caunus.* Titulorum Cauniorum seriem alteram eis qui SEG XII 461/78 exhibentur addidit G. E. Bean, *JHS* LXXIV 1954, 85/110. Omnes ipsa in Cauno inventi sunt, nisi aliter notavimus, et nonnullorum ectypa *Cantabrigiae* in Museo Archaeologiae Classicae conservata invenias.

**638. Lex Cauniorum de piscando(?), s. I$^{a}$.** — Fragmenta duo stelae inter se coniuncta. Bean, 85 n. 20, c. im. ph. lapidis fig. 35.

--------- ΑΙΩΝΑ[5-6] ΙΙΙ
[------ ε]ὑρεθῇ ἅπαντα τὸν ὑ-
[πὸ? --- λαμβ]ανόμενον ἰχθὺν σ[.]
--------- πρὸς τοῦτο ἀνηκ[ον]-
[τ----- λαμβ]ανέτω τὸ ὄγδο[ον μέ]-
[ρος? ------]ς ἀργυρίου τ[5-6]
[--------τω]σαν ο[ἱ] ἀγο[ρανόμοι]
---------- κρινέτ[ωσαν --------]

1. Ad fin. ΕΠΙ? || 6. Ad fin. Vel π.



**639. Rationes Cauniorum de vectigalibus imponendis, s. I$^{p}$.** — Inter ruinas aedificii lapides septem e muris delapsos invenit Bean qui fragmenta unius tituli composita praebent. Hoc in aedificio, ut appareret, rationes portoriorum Cauniorum exhibitae sunt; partes tituli quas descripsit artissime componere potuit B., et quamvis partes iam aliae desint, nihilominus quomodo titulus ordinatus sit exhibet fig. 48, et textum tractat 97/105 n. 38, c. imm. ph. ectyporum *B* et *C* pl. II. Im. ph. aedificii, sine dubio ipsius portitorii, 96 fig. 47. Fragmenta *C-F* spatii causa litteris minoribus transcripsimus.

*Reliquiae quattuor versuum* (*A*).

[--- τ]οῦ Ἐστιαίο[υ] Καύνιο[ς] καὶ Μενέστρα[το]ς τρὶς Μι---------
-----ους β' τοῦ Ἐστιαίου Καύνιος καὶ κατὰ ΤΟΝΕΝΤΑ....ΟΝ-----
[-- ἠσ]φαλισμένα καὶ κατὰ τήνδε τ[ὴ]ν διαγρ[αφὴν ----------]
-----ημένων ... ἄρχοντος τοῦ χρόνο[υ ----------]
----- μηνὸς τοῦ ἐνεστῶτος ἔτους Α----------
-----αγομένων πάντων καὶ κατὰ γῆν καὶ κατὰ θάλασσαν ---------
-----νομένων ἐν τῷ δημοσιωνικῷ νόμῳ εἰκοστὴν τῆς τειμήσ[εος ..c. 1..]

(*B*).

Textus trans tres lapides scriptus erat, quorum primus nunc deperditus est. Lapis tertius = *F*, cuius pars sinistra terminos versuum horum continet, ut exhibemus.

--------|....ΟΜΕΝΩΝ....ΟΥΔΗΜΟΤΙΙΟΥ..ΛΥ.....|ΙΚΟ...
[---- Ἀγ|ρε]οφῶντος ν̲ τοῦ Μηνοφάνους β' τοῦ Ἐστιαίο|υ Καύνιον
--------|.ου Ἀγρεο[φ]ῶντος τοῦ Μηνοφάνους β' τοῦ Ἐσ|τιαίου Καύ-
--------|.ΙΟΥ... δεδωκέναι ὑπὲρ τῆς τῶν ἰσαγομένω|ν ἀτελεί-
[ας-----]|ΑΝΓΕΛΩΣ δηλοῦται ἀργυρίου (δην.) ἑξακισμύρια Κ|ΛΟ..ΕΞΑ
--------|ένην ἀπαγομένων ἐντεῦθεν δουλικῶν σωμάτων |λήμψονται
--------|ον δίδοσθαι κατὰ τὸν δημοσιωνικὸν νόμον. *vac.* |ἡ δὲ ἰσαγωγ|ή
--------|μεμισθωμένον τὴν ἁλικὴν ὠνὴν κατὰ τὰ προϋποκείμ|[ε]να. *vac.*
--------|ενοι οὐδὲ τῶν πρὸς ἀκολουθίαν ἢ χρήσεος ἕνεκεν κα|τὰ τὸν δημ|
--------|ων. *vac.* ἔστω δὲ ἐπάνανκες τοῖς τε ναυκλήροις |ἀφ' ἧς ἂν
--------|άγουσιν φορτία ἐπὶ τῷ πάλιν αὐτὰ εὐθέως ἐξαγ|αγεῖν ἀπο
--------|αὐθημερὸν ἢ τῇ ἐχομένῃ ὑπὲρ μόνον τούτω|ν ὧν ἂν ἔχ|ω
[σι-----]|ν· καὶ ἐὰν διὰ τῆς γῆς παραγώγιμον φορτίον ἔχ|ωσιν, καὶ τα|
[----ἀπ]|ογραφῆς. *vac.* τῶν δὲ οὕτως ὑπό τινων καθὼς προγ|[έγ]ραπται ἐ|
--------|ων ἢ μὴ καταπωλουμένων ἐνθάδε καὶ μὴ ἀπογραφ|[ομέν]ων κα|
--------|μόνων τῶν φορτίων στέρεσις ἔστω τῷ τελώνῃ |[κατὰ τὸν]

*B6-C1.* Sensum textus integri hunc in modum restituit B.:
[---ὑπὲρ μὲν τῶν ἰς τὴν ξ]ένην ἀπαγομένων ἐντεῦθεν δουλικῶν σωμάτων λήμψονται
[τὰ εἰθισμένα, ὥστε τὸ ἐξαγώγι]ον δίδοσθαι κατὰ τὸν δημοσιωνικὸν νόμον. ἡ δὲ ἰσαγωγὴ

[τῶν ἀλῶν ὑποτελὴς ἔσται ἰς τὸν] μεμισθωμένον τὴν ἁλικὴν ὠνὴν κατὰ τὰ προϋποκείμενα.
[ἀτέλειαν δὲ οὐχ ἕξουσιν οἱ ξ]ένοι οὐδὲ τῶν πρὸς ἀκολουθίαν ἢ χρήσεος ἕνεκεν κατὰ τὸν δημο-
[σιωνικὸν νόμον εἰσαγομέν]ων. ἔστω δὲ ἐπάνανκες τοῖς τε ναυκλήροις ἀφ' ἧς ἂν κα-
[ταπλέωσιν ἡμέρας, εἰ μὴ τοῖς ἰσ]άγουσιν φορτία ἐπὶ τῷ πάλιν αὐτὰ εὐθέως ἐξαγαγεῖν, ἀπο-
[γραψαμένοις διὰ τῶν ἀρχείων] αὐθημερὸν ἢ τῇ ἐχομένῃ, ὑπὲρ μόνον τούτων ὧν ἂν ἔχω-
[σιν πρατῶν δοῦναι τὸ ἰσαγώγιο]ν· καὶ ἐὰν διὰ τῆς γῆς παραγώγιμον φορτίον ἔχωσιν, καὶ ταῦ-
[τα μηδενὶ ὑποκείσθω χωρὶς ἀπ]ογραφῆς. τῶν δὲ οὕτως ὑπό τινων καθὼς προγέγραπται εἰ-
[τε ἐπὶ τῷ πωλεῖσθαι ἰσαγομέν]ων ἢ μὴ καταπωλουμένων ἐνθάδε, καὶ μὴ ἀπογραφ[ομέν]ων κα-
[τὰ τὰ προγεγραμμένα, τούτων] μόνων τῶν φορτίων στέρεσις ἔστω τῷ τελώνῃ [κατὰ τὸν] δημοσιωνικ[ὸν] νόμον.

Textus in duobus lapidibus inscr. infra *B*, cuius rationem perficit.

δημοσιωνικ[ὸν] νόμ|ον. *vacat ?* (*C*).
πάντες δὲ οἱ ἰσάγοντες ἀπ[ὸ] τῆς ξένη[ς ὁ]τιοῦν κατὰ γῆ⟨ν ἢ⟩ κατὰ θάλασσαν, ἐάν
τε χρῶνται αὐτοὶ ἢ πιπράσκω-
σίν τι ἐνθάδε, χωρ[ὶ]ς μόνων τῶν ὡρισμένων εἶναι ὑποτελῶν, μηδενὶ
ὑποκείσθωσαν τέ-
λει ἰς τὸ ἐλλιμένιο|ν ΙΙΟ . ., μὴ ἐχόντων ἐξουσίαν τῶν τὸ ἐλλιμένιον
μεμισθωμένων
μήτε ἀργύριον πρά|σσε[ι]ν ὑπὲρ τῶν ἰσαγομένων καθὼς ἐπ' εἴδους
δεδήλωται, μήτε ἀ-
π' αὐτῶν τῶν ἰσαγο|μένων λαβεῖν τι τέλους ἢ φιλανθρώπου ὀνόματι εἰς
Ἀφροδείτην
μηδ' εἰς ἠντιναοῦν ἀπογραφήν. *vacat*
οἱ δὲ προσπλέοντε|ς ξένοι καὶ πωλοῦντές τι, ἔχοντες καὶ αὐτοὶ τὴν τῆς
ἀτελεί-
ας ὧν ἰσάγουσιν ἀν|εσιν μετὰ τὸ καταπλεῦσαι, ὅσα ἂν ἀπὸ τῶν
εἰσενεχθέντων
ὑπ' αὐτῶν καὶ ἰς τὴν| γῆν τεθέντων μείνῃ αὐτοῖς ἄπρατα, ἐντιθέμενοι πάλιν
αὐτὰ ἰς τὰ πλοῖα καὶ| ἐξάγοντες αὐτοὶ ἐν ἄλλαις ἡμέραις εἴκοσι. *vacat* καὶ
οἱ διὰ γῆς
δὲ ἰσκομίσαντέ|ς τι ξένοι ἐπὶ τῷ πωλῆσαί τι, ὅσα ἂν αὐτοῖς μείνῃ
ἄπρατα ἐξά-
γοντες αὐτὰ αὐ[τ]|οὶ πάλιν διὰ τῶν αὐτῶν ὧν εἰσήγαγον ὁρῶν ἐν
ἄλλαις ἡμέ-
ραις τριάκοντα, οὐ|χ ὑποκείσονται τῷ τοῦ ἐξαγωγίου τέλει ἢ
φιλανθρώπου τι-
νὸς ἢ Ἀφροδείτης| ὀνόματι. *vac.* ἀπογράψονται δὲ οὗτοι τ(ὴ)ν ἡμέραν
μόνον διὰ τῶν
ἀρχείων καὶ τὸν τό|πον δι' οὗ ἰσήγαγον ἐπὶ τοῦ στεφανηφόρου Βασιλέως
τοῦ θεοῦ
[με]τὰ [τ]ὸ [κ]αταγαγ[εῖ]|ν ἐν ἄλλαις ἡμέραις τρισίν, προσγράφοντες καὶ τὸν
ἐπηγγελμένον



Textus infra *C* in duobus lapidibus, quorum primus a sinistra fractus. Lapis dexter infra *G*, ut videtur, aedificatus est, sed praeter litteras extremas partis *D* nullum titulum tulit. Unde videmus *G* finem totius tituli fuisse.

---------- ΔΟΝ . . (*D*).
---------- ΦΙΩ . . ΔΟΙΑΙ
[--------- οὐχ ὑ]ποκείσονται [ἰ]τ[ῶ τ]έλει οὐ-
[δὲ ------ οὐδὲ ἀ]πογραφῇ τι νι *vacat*
---------- νεων ὑπὸ ξ ένων κα[ι μ]ετοί-
[κων ----------]καὶ ταῦτα Π . . ΔΕ . . .
---------- ῆναι τὴν παν ἡγυριν
[---------- διὰ] γῆς ἢ διὰ θ αλάσσης
[---------- ὑ]ποκείσθω σαν περὶ
[---------- τ]ῷ τοῦ ἐξαγ ωγίου τέ-
[λει ---------- ἀ]πογραφῆς ὀ νόματι
---------- πανήγυρ[ι]ν διαγον-
[τ----------] καὶ πάλιν οἱ ἀπὸ ταυ-
[τ----------]εἰς τὴν ἰδίαν χρῆ σιν ΡΟΔΙ
---------- ΕΙΤ . Α

(*reliquiae trium versuum*)

Textus in uno lapide infra *D*. (*E*).

---------- ΛΕ-
---------- ΑΜΟΝΟΥ τοῦ ἐν τῇ ἐλλει-
ΙΙ . . ΙΙΑΙ[---------- ἀπογράψονται] καὶ τειμήσονται ἐπὶ
[τοῦ] τότε [στεφ]ανηφό[ρ]ου [Βασιλέως τοῦ] θεοῦ τὴν ποσότητα καὶ τὰ εἴδη
τῶν φορτίων [μ]όνων ὅσα μὴ [ὑ]ποκ[είμενα] τῶν μονοπωλίων κωλύεται· καὶ
πωλήσου[σ]ιν ἀ[πὸ τῶν οὕτω τετειμημένων(?)] οὐκ ἔλασσον τοῦ τρίτου μέρους·
τὰ δὲ λοιπὰ φορ[τ]ία ἐὰν βούλωνται ἐξάγειν αὐτοί, ἀπογραφόμενοι διὰ τῶν ἀρχείων καὶ τειμώμενοι πάλιν ἐπὶ τοῦ τότε [σ]τεφανηφόρου, οὐχ ὑποκείσονται οὐδὲ αὖ[τ]οὶ περὶ τῶν ὑπολοίπων φορτίων οὐδὲ τῷ τοῦ ἐξα]γωγίου τέλει
οὐδὲ φιλανθρώπου τινὸς ἢ Ἀφροδείτης ὀνόματι οὐδ' ἠτινιοῦν παρευρέσει κατ' οὐδένα τρόπον. ἐὰν δέ τις ξένος βουληθεὶς πωλῆσαι φορτίων τὰ τρίτα
μὴ δυνηθῇ τὴν διάπρασιν αὐτῶν ποιήσασθαι, καὶ τοῦτο αὐτὸ δηλώσει διὰ τῆς δευτέρας [ἀπογρα]φῆς καὶ τειμήσεος, οὗτος ὑπὲρ ὅσων ἂν ἐξάγῃ φορτίων περισσῶν ἐκ τῆς δ[ε]υτέρας ἀπογραφῆς δώσει μόνον τὸ τοῦ ἐξαγωγίου τέλος.
οὐ λήμψο[νται δὲ] τέλος οὔτε παρὰ πολειτῶν οὔτε μετοίκων ἢ ξένων τῶν κατοικούντ[ων καὶ] π[ρ]αγματευομένων ἐν Καύνῳ ὑπὲρ ὧν ἂν κατασκευάσωσιν πλοί[ων] ἢ εἰσαγάγωσιν ἢ εἰς ἀλλήλους ἀγοράσωσιν, χωρὶς ἐάν μὴ ὑπό τινος . . . . . α πιπράσκηται. *vac.* οὐδὲ ὑπὲρ τῶν ξενικῶν δὲ πάντων πλοίων τῶν ἀποκλ[ε]ινόντων ἢ θε[ρ]απευομένων τι ἢ τῶν παραχειμαζόντων καὶ
τῶν μεθαρ[μοζόντων τι ἢ] τῶν ἐπισκ[ευ]αζομένων τι ἢ ἀντισοδιαζόντων τι ἢ καὶ τῶν λοιπῶν τι σκ[ευῶν τοῦ πλο]ίου ὄντων ἀχρήστων ἢ ὑπὲρ τῶν λει[π]όντων αὐτοῖς σὺν ᾗ ἂν ἕκαστον

Textus in eodem lapide qui litteras extremas partis *B* continet, et rationem partis *E* sine intermissione perfert.

α[ὐ]τῶν ἔχ[η . ]N. . . . ΙΛΗ . . . . . ΗΣ . . . . . ἢ κατ' ἐ[ξ]αρτεία[ν] (*F*).
ὡς πρὸς πλοῦν, ἢ κατασ[κ]ευαζομένης ὀπουδηποτεοῦν σκα-
φῆς, οὐδὲν πρά[ξ]ουσιν ο[ὐ]δ' εἰς λόγον τινὸς [φ]ιλανθρώπου οὐδ' ἡ-
τινιοῦν παρευρέσει κατ' οὐδένα τρόπον. *vac.* πράξονται δὲ τέ-
[λος] τῆς πίσσης [καὶ] ῥητείνης ΙΣΗ . Α . ΚΑΙ . . . ΑΣ . . τοῦ μὲν κεραμίο[υ]
τῆς πίσσης καὶ τῆς ῥητείν[ης ἑ]κάστου κεραμίου εἰσαγώγιον τὸ ἀνὰ
λόγον ὡς τῶν [δ]εκαδύ[ο κ]εραμίων Υ καὶ ἐξαγώγιον τὸ ἀνὰ λό-
γον ὡς τῶν [δ]εκ[α]δύο κ[ε]ραμίων . . Α[. . . . . τοῦ] δὲ βώλου τῆς πίσ-
σης καὶ τῆς ῥη[τ]είνης εἰ[σ]αγώγιον [βώλου ἑκάσ]του καὶ ἐξαγώγιον
τὸ ἀνὰ λόγον ὡς - - - - ΝΤΗΣΣ . . . . . c. 17-18 . . . . . Α Υ πράξονται
δὲ τέλος καὶ - - - - ΟΥ . Ω Ν . . . ΝΙ . τὴν πίσσαν καὶ τὴν ῥητείνη[ν]
ἰσκομιζο - - - - - - ἐάν τε αὐτ[ὰ ὁ π]αν[τ]οπώλης ἰσφέρῃ ἐάν τε
- - - - - - - - - - - - Α ἀγοράσῃ . . . ὁμοίως ἐνγράψουσιν τὰ
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - πεποιημένων καὶ οἱ παρα
- - - - - - - - - - ΣΤΗΝΕΙ . . ΕΚ . . . . . c. 11 . . . . . τὰ φορτία ΕΙ
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - τῶν φορτί[ων]

(*G*).

Lapis infra *F* et a dextra *C* aedificatus, in quo reliquias litterarum vidit Bean quas legere non potuit.

**640. Titulus Imperatoris Nervae vel Traiani, s. I/II$^{p}$.** — Fragmentum epistylii. Bean, 107 n. 50.

[Αὐτοκράτορ]α Νέρου[αν - - - - -].

**641. C. Scribonius Curio a Cauniis honoratur, ante a. 31$^{a}$.** — Basis magna valde laesa, cum titulo supra atque infra integro sed praecipue ad dextram lectu difficili. Bean, 89 n. 23, c. im. ph. ectypi fig. 37. Scribonius hic honoratus fortasse ille qui post bellum Actiacum ab Octaviano interfectus est, cuius pater quaestor provinciae Asiae a. 55/4$^{a}$ fuit et in bello Africano occisus est.

['Ο δῆμος ὁ Καυνίων ἐ]παιν[εῖ καὶ στεφανοῖ]
[χρυσῷ στεφά]νῳ, τιμᾷ [δὲ καὶ εἰκόνι χαλκῇ, Γάϊ]-
[ον Σκριβ]ώνιον Γαΐου υἱὸν [Κουρίωνα διὰ]
[τὰς] γεγενημένας [εὐεργεσίας ὑπὸ Σκρι]-
[β]ωνίου Γαΐου υἱοῦ Κο[υρίωνος *vac.*?]
τοῦ πατρὸς αὐτοῦ.

**642. Uxor Scribonii Curionis eiusdem a Cauniis honoratur, aetatis eiusdem.** — Basis simillima, eodem modo laesa. Bean, 89/90 n. 24, c. im. ph. ectypi fig. 38. Mulier honorata, C. Memmii filia (tribuni pl. a. 54$^{a}$, cos. suff. a. 34$^{a}$ — nisi de Memmiis duobus agitur), probabilius uxor, sed fortasse mater, Curionis nostri esse potuit.

['Ο δῆμος ὁ] Καυνίων ἐπαινεῖ [καὶ στεφανοῖ]
[χρυσῷ στε]φάνῳ, τιμᾷ δὲ καὶ εἰκό[νι χαλκῇ, - -]-
[- - -]ν Γαΐου Μεμμίου θυγ[ατέρα, γυναῖκα]
[δὲ Γαΐ]υ Σ[κ]ριβωνίου Γαΐου υ[ἱοῦ Κουρίωνος, διὰ]



[τὰ]ς γεγενημένας εὐερ[γεσίας ὑπὸ Σκρι]-
[βω]νίου Γαΐου υἱοῦ Κουρίωνο[ς - -]

6. Correximus, adnuente Bean.

**643. Magulnius quidam a Cauniis honoratur, eiusdem fere aetatis.** — Basis valde laesa, cum titulo supra atque infra integro sed magnopere detrito. Bean, 90 n. 25, c. im. ph. ectypi fig. 39.

['Ο δῆ]μος [ὁ Καυνίων ἐτείμησεν(?)]
. . . ον Μαγούλ[νιον τοῦ δεῖνος]
[υἱ]ὸν Φαβίᾳ Νεικ[- - -, Ῥωμαῖον]
[κ]αὶ Καύνιον, ἀνδρα[γαθήσαντα (?) ἐν]
ταῖς τῆς πόλεως χρε[ίαις καὶ φιλοτει]-
[μήσ(?)] άμενον *vacat* [ἀρετῆς ἕνεκα καὶ]
εὐνοίας ἧς [ἔχων εἰς αὐτὸν]
διατελ[εῖ].

**644. A. Afranius L. f. a Cauniis honoratur, s. I$^{a}$ p. post.** — Basis statuae; Bean, 90/1 n. 26, c. im. ph. ectypi fig. 40. L. Afranius pater sine dubio Pompeianus ille qui consul a. 61$^{a}$ fuit. L. Afranius filius in *Inschr. v. Magnesia* 143 commemoratur.

'Ο δῆμος ὁ Καυνίων ἐπα[ινεῖ]
καὶ στεφανοῖ Αὖλον Ἀφρ[άνι]-
ον Λευκίου υἱὸν τὸν ἀδε[λφὸν]
τὸν Λευκίου Ἀφρανίου [Λευ]-
κίου υἱοῦ τοῦ ἑαυτοῦ π[άτρω]-
νος χρυσῶι στεφάνω[ι, τει]-
μᾶι δὲ καὶ εἰκόνι χαλκῆι, δι[ὰ]
τὰς γεγενημένας εὐεργε-
σίας εἰς ἑαυτὸν ὑπὸ Λευκίο[υ]
υἱοῦ τοῦ ἀδελφοῦ α[ὐτ]οῦ.

**645. C. Fufius Geminus a Cauniis honoratur, s. I$^{a}$/I$^{p}$.** — Basis magna, quae primum statuas tres ferebat, sed postea in usum statuae Gemini refecta est. Bean, 91 n. 27, c. im. ph. ectypi fig. 41. Litterae detritae.

'Ο δῆμος ὁ Καυνίων
ἐπαινεῖ καὶ στεφανοῖ
χρυσῷ στεφάνῳ, τ[ειμ]ᾷ
δὲ καὶ εἰκόνι χαλκῆι,
Γάϊον Πούφιον Γέμενον
τὸν ἑαυτοῦ πάτρωνα
καὶ εὐεργέτην.

**646. Plautia, P. Petronii uxor, a Cauniis honoratur, a. 33/4$^{p}$.** — Basis statuae; Bean, 91/2 n. 28, c. im. ph. ectypi fig. 42. De Petronio, cos. suff. a. 19$^{p}$, vid. *PIR* III 26, n. 198; Plautia, Auli Plautii filia, in CIL VI 6866 commemoratur.

Ὁ δῆμος ὁ Καυνίων ἐπαινεῖ
καὶ στεφανοῖ χρυσέωι στεφάνωι,
τειμᾶι δὲ καὶ εἰκόνι χαλκῆι,
Πλαυτίαν Αὔλου θυγατέρα,
γυναῖκα δὲ Ποπλίου Πετρωνίου
τὸ πέμπτον ἀνθυπάτου.

**647. Q. Cascellius Geminus a Cauniis honoratur, eiusdem fere aetatis.** — Basis rotunda; Bean, 93 n. 30, c. im. ph. ectypi fig. 44. Aetas e formis litterarum proponitur, quae simillimae ac n. 646 videntur. Cascellius ceterum ignotus.

Ὁ δῆμος ὁ Καυνίων ἐπαινεῖ
καὶ στεφανοῖ χρυσῶι στε-
φάνωι, τειμᾶι δὲ καὶ εἰκόνι
χαλκῆι, Κοΐντον Κασκέλλιον
Κοΐντου υἱὸν Γέμεινον
εὐεργέτην καὶ σωτῆρα
καὶ πάτρωνα γεγονότα
τῆς πόλεως ἡμῶν.

**648. Soror Iulii Quadrati a Cauniis honoratur, in. s. II$^{p}$.** — Pars inferior baseos statuae; Bean 92/3 n. 29, c. im. ph. ectypi fig. 43. C. Antius A. Iulius A. f. Quadratus cos. suff. fuit a. 93$^{p}$, cos. ordinarius a. 105$^{p}$, proconsul Asiae c. a. 106$^{p}$.

----------ν τὴν
ἀδελφὴν Ἰουλίου Κου-
αδράτου τοῦ δικαιοδό-
του Καυνίων ἡ βουλὴ
καὶ ὁ δῆμος.

De significatione verbi δικαιοδότης vid. J. A. O. Larsen, *Cl. Phil.* XXXVIII 1943, 188/9.

**649. Honores Dionysiae et Zenonis, ex. s. I$^{a}$.** — *Horozlar*. Duo tituli in uno lapide inscr. Bean, 95/7 n. 37, c. im. ph. ectypi pl. II*a*.

(*a*). Ad sinistram lapidis.

[Ὁ δῆμος ὁ Καυνίων ἐτείμησεν (?)]
[χρυσῶ στεφάν]ῳ καὶ εἰκόνι
[χαλκῆ Διον]υσίαν Ἀγρεοφῶν-



[τος τοῦ . . . .]ότου Καυνίαν, (*hedera*)
[πατρὸς καὶ] προγόνων στε- (*hedera*)
[φανηφόρω]ν καὶ ἐνδόξων, ἱ-
[ερασαμένη]ν τῶν Σεβαστῶν
[σεμνῶς καὶ] φιλοτείμως ΑΛΙ
[. . . . . ]νην, ἀρετῆς ἕνε-
[κεν καὶ εὐν]οίας τῆ[ς εἰς αὐ]τόν.

(*b*). Ad dextram.

[Ὁ δῆμος ὁ Καυνίων στεφανοῖ χρυσῷ]
στεφάνῳ, τειμᾶι δὲ καὶ εἰκόνι χαλκ[ῆι],
Ζήνωνα Ἀγρεοφῶντος τοῦ Ἀντιπ[ά]-
τρου Καύνιον, ἄνδρα καλὸν καὶ ἀγαθὸν
ἐκ προγόνων καλῶν καὶ φιλοδόξων,
πατρὸς στεφανηφόρου, στεφανηφ[ο]-
ρήσαντα Βασιλέος τοῦ θεοῦ καὶ γυ-
μνασιαρχήσαντα ἐκ τῶν ἰδίων καὶ
ἱερασάμενον τῶν Σεβαστῶν καὶ στ⟨ρ⟩α-
τηγήσαντα ἐπὶ τῆς πατρίου πολιτεί-
ας καὶ πρεσβεύσαντα δωρεὰν πρὸς
Αὐτοκράτορα, ἀρετῆς ἕνεκεν καὶ εὐ-
νοίας τῆς εἰς αὐτόν· τὴν δὲ ἀνάστα-
σιν τοῦ ἀνδριάντος ἐποιήσατο
ἐξ ἰδίου Διονυσία Ἀγρεοφῶντος
ἡ γυνὴ (*hedera*) αὐτοῦ.

**650. Honores cuiusdam, s. I$^{p}$ (?).** — Basis quadrata; Bean, 93/4 n. 31, c. im. ph. ectypi fig. 45.

[Ὁ δῆμος ὁ Καυνίων]
[ἐπαινεῖ καὶ στεφανοῖ]
[χρυσῷ στεφ]άνῳ, τει[μᾶι δὲ]
[καὶ εἰκόν]ι χαλκῆι, ΜΑΡΤΙι-
. . . . . ι ΚΙΟΥ τὸν ἑαυτοῦ
[εὐ]εργέτην καὶ σωτῆρα
καὶ πάτρωνα γεγονότα
διὰ προγόνων καὶ τῆς
ἡμετέρας πόλεως.

**651. Fragmentum eiusdem generis.** — Bean, 94 n. 32.

ΙΟΝ ὁ δῆμος ὁ Καυνίω[ν τὸν]
ἑαυτοῦ σωτῆρα καὶ εὐ[ερ]-
γέτην. *vacat*

**652. Honores cuiusdam.** — Lapis valde laesus; Bean, *ibid.* n. 33.

[Ὁ δῆμος ὁ Καυνίων στεφανοῖ]
[τὸν δεῖνα, εὐεργέτη]ν καὶ
[πάτρωνα γεγονότ]α τῆς
[πόλεως ἡμῶν, χ]ρυσῷ στεφάνῳ,
τειμ[ᾷ δὲ καὶ εἰκ]όνι χαλκῇ,
ἀρετῆ[ς] ἕνεκε[ν κ]αὶ εὐνοίας
ἣ[ς] ἔχων διατελεῖ εἰς τὸν
δῆμον ἡμῶν.

**653. Basis statuae Demo - - - -, publica pecunia sepulti (?), s. I$^{a}$ (?).** — Basis magna quadrata, pessime fracta, cum titulo infra integro sed alibi vel fracto vel detrito. Bean, *ibid.* n. 34, c. im. ph. ectypi fig. 46.

----- ΨΕΝΔΗΜΟ ----------
---- ΕΑΝ ἄνδρα ἀγαθὸν [γενόμενον καὶ ἐν]-
[δόξως] τελευτήσαντα ἀγω[νιζ]ό[μενον ὑπὲρ τῆς πα]-
[τρί]δος ἐπὶ τῆς ξένης. [*vac.*? ἡ δεῖνα]
[Ἀρ]ιστοδήμου ἀν[έστησεν τὸν]
αὐτῆς ἀνδ[ρα].

1/2. Prop. B. [Ὁ δῆμος ἔθα]ψεν Δημο[--- τοῦ δεῖνος τὸν καὶ ---]έαν, ἄνδρα ἀγαθὸν κτλ. Διόγν[η]τον Δ[η]μη[τρίου] ex im. ph. legere proponit A. M. Woodward, per ep.

**654. Honores cuiusdam, aet. Rom.** — Lapis quadratus, cum titulo valde detrito qui sine dubio in alterum lapidem ad dextram provectus est. Bean, 95 n. 35.

-- αν Φῆσταν --------
-- ΜΕΝΤΟΣΕΠΙ -----
--- ΑΣΤΟΝΠΕ -------
---- ρα δὲ ----------
--- ΕΝΤΟΣ ---------
[-- Λ]ικιννίου ---------
-- θυγατέρες Φ/-------
--- Ε.ΑΚΑΙΕΙ -------
----------
----------
-- ΙΙΙΚ.Ν τὴν ἑα[υτ --]
-- ΙΝ

2, 5. [Κλή]μεντος? || 11/2. τὴν ἑα[υτοῦ εὐεργέτ]ιν?



**655. Responsum oraculi, s. I$^{a}$.** — Pars superior stelae, nunc *Çandır* apud Ali Demir. Bean, 85/7 n. 21, c. im. ph. ectypi fig. 36.

Ἐπὶ ἱερέως Εὐνόμου
τοῦ Λεωνίδου
Μηνόδωρος Σωσικλέους
Ἴμβριος
ἀποσταλεὶς εἰς Γρύνειον
ἀνήνεγκεν χρησμόν.
Ἀγαθῇ τύχῃι· ὁ δῆμος ὁ Καυνίων
ἐπερωτᾶι τίνας θεῶν
ἱλασκομένου αὐτοῦ καρπο[ὶ]
καλοὶ καὶ ὀνησιφόροι γίνοιντο.
Θεὸς ἔχρησεν·
Τιμῶσιν Λητοῦς Φοῖβον | καὶ Ζῆνα πατρῶιον |
ὔμμι κλέος δεσμοῖς Λ - - · | *vac.* ἀραρίσκετε - - - |
----------

Eundem tit. (vss. 12;16) attigit P. H. J. Lloyd-Jones, *JHS* LXXV 1955, 155 (quod paullulum ipse per ep. correxit), qui ἀραρίσκετε esse initium sententiae novae negat, sed ἀραρίσκετ' ἐ- - - (= ἀραρίσκεται ἐ- -) mavult; τιμῶσιν participium cum ὔμμι coniungendum.

τιμῶσιν Λητοῦς Φοῖβον καὶ Ζῆνα πατρῶιον
ὔμμι κλέος δεσμοῖς ἀ[λύτοις· ἀραρίσκετ' ἐ[ς αἰεί].

Item W. Morel eandem rem tractavit, *JHS*, *loc. cit.*, et supplementa haecce vix probanda proponit:

τιμῶσιν Λητοῦς Φοῖβον καὶ Ζῆνα πατρῶιον
ὔμμι κλέος δεσμοῖς λ[υγίνοις] ἀραρίσκετε [ἄγαλμα]
[Ἀρτέμιδος ----------]

**656. Decretum pagi, s. II$^{a}$.** — *Okçular*, haud multum a *Dalyan* distans. Lapis qui olim aedificii pars erat, nunc infra fractus, cum titulo infra et a dextra detrito. Bean, 87/8 n. 22, c. im. ph. ectypi pl. I.

[Ἔ]δοξεν Εὐξινέ[ω]ν [τῆι συνόδωι(?)· ἐπειδὴ κα]-
λῶς ἔχον ἐστὶν π[ρ]όνο[ι]αν ἐ[κτενῆ(?) ποιεῖσθαι]
ἵνα αἱ προγον[ικ]αὶ [σύ]νοδοι καὶ θ[υσίαι φυλάσ]-
σωνται, οἵ τε ὑπάρχοντες β[ωμοὶ τῆς δεούσης(?)]
ἐπισκευῆς τύχωσιν, [κα]ὶ ὁ ἐ[ν(?) .....]. κα]-
λυβὸς διατηρῆται, τά τε [------- ἐμ]-
βαλλόμενα φυτὰ εἰς τὸν --------
νον τόπον διαφυλάσσηται, τῶ[ν μὲν βωμῶν]
τὴν ἐπισκευὴν καὶ τὴν ἐπ[ιμέλειαν γενέσ]-
θαι διὰ τοῦ ἱεροκήρυκος, το[ῦ ἀναλώματος]
δοθέντος ὑπὸ τῶν δικαστῶν· [καὶ ἐπειδὰν]
ἐπιτελέσηι, στεφανῶσαι α[ὐ]τὸν [ἐν τῆι συνό]-
δωι θαλλοῦ στεφάνωι εὐσεβείας ἕ[νεκεν]·

τοῦ δὲ καλυβοῦ τὴν ἐπιμέλεια[ν] κα[ὶ] σ[τεγνο(?)]-
ποιίαν γίνεσθαι διὰ τῶν δικαστῶν, κα[ὶ] ε[ὐνόως(?)]
διαφυλάξαντας αὐτὸν [στ]εφαν[ω]θ[ῆναι ἐν τῇ]
συνόδωι θαλλοῦ στεφάνω[ι] ἐπιμελε[ί]ας [ἕνε]-
κεν· τῆς δὲ φυτείας τὸν φυτ[ε]ύσαντα ἐ[πί]-
καρπα φυτὰ μὴ ἐλάσσονα τῶν τριῶν καὶ δ[ια]-
φυλάξαντα ἐφ' ἔτη [π]έντε στεφανο[ῦ]σθ[αι],
παρελθόντων τῶν πέντε ἐ[τῶν, ἐπ' ἄλλα ἔτη]
[π]έντε κατ' ἐνιαυτὸν ἐν τοῖς Κ[α]τ[ασποριοις]
[θ]αλλοῦ στεφάνωι ἐπιμελε[ίας ἕνεκεν. *vac.*]
[τ]οῖς τε βουλομένοις φιλοδοξε[ῖν καὶ συναύ]-
ξειν τὴν κώμην ὑπάρχειν τίμια· τῶ[ι μὲν γὰρ ἐ]-
παγγειλαμένωι μὴ ἔλασσον (δρ.) λ' [ὑπάρξει]
στέφανος διὰ βίου κατ' ἐνιαυτὸν [ἐν τοῖς Κα]-
ταστοριοις· τῶι δὲ ἐπ[αγ]γε[ιλαμένωι μὴ ἔ]-
λασσον (δρ.) ν' ὑπάρχειν στ[έφανον διὰ βίου θαλ]-
λοῦ καὶ ταινίαν διωβελιείαν [χρυσῆν(?) κα]-
τ' ἐνιαυτὸν ἐν τοῖς Κατασπ[ο]ρίο[ις εὐνοί]-
ας καὶ φιλοδοξίας [ἕνεκεν· τῶι δὲ ἐπαγγειλα]-
μένωι μὴ ἔλασσον (δρ.) ρ', ἢ ------
[ἄ]ξιον (δρ.) ρ', ὑπάρχειν στε[φ]ά[νωσιν θαλλοῦ]
στεφάνωι διὰ γένους [κατ' ἐνιαυτὸν ἔν τε]
τοῖς Κατασπορίοις καὶ [τ]οῖς [..$^{5\text{-}6}$..σιείοις]
ἀρετῆς ἕνεκεν καὶ εὐνο[ίας καὶ φιλοδοξίας]·
[τ]ῶι δὲ ἐπαγγειλαμένω[ι μὴ ἔλασσον (δρ.) σ' ἢ δι]-
[δ]όντι κατὰ διαθήκην [ὑπάρχειν στεφάνω]-
σιν χρυσῶι στεφάνωι [διὰ γένους κατ' ἐνιαυ]-
τὸν ἔν τε τοῖς Κατασπορίοις [καὶ τοῖς $^{3\text{-}4}$]
..σιείοις εὐσεβείας ἕν[εκεν καὶ ἀρετῆς καὶ]
[εὐ]νοίας καὶ φιλοδοξίας, δί[δοσθαι δὲ αὐτῶι]
[κα]ὶ διμοιρίαν τῶν ἐ[πὶ τῶν βωμῶν ἀεὶ θυομέ]-
[νων(?)]· τῶι δὲ ἐπαγγε[ι]λ[αμένωι ἢ διαθεμένωι μὴ]
[ἔλασ]σον (δρ.) φ' [ὑπ]ά[ρ]χ[ε]ιν ----------
.....θαι δὲ αὐτο ----------
----------

**657-66. Tituli sepulcrales.** — Omnes aetatis Romanae.

**657.** Nunc *Dalyan*. Lap. marm.; Bean, 105 n. 39.

Δημητρία Διοκλέους
χρηστὴ χαῖρε.



**658.** Bean, *ibid.* n. 40. Lap. postea in aedificii usum refectus.

[Ἀ]ρτεμισία Νεοπτολέμου
[χρη]στὴ χαῖρε.

**659.** Tituli duo in uno lapide inscripti, quorum posterior (*b*) ita priorem circumdat ut vs. 1 supra et versus ceteri infra illum appareant; finem in altero lapide habet (*b*). Bean, *ibid.* n. 41, c. imm. ph. lapidum fig. 49*a* et *b*.

(*a*) Τοῦτο τὸ μνη-
(*hedera*) μεῖον Κλαυδίου (*hedera*)
Δείου.

(*b*) [Μ. Αὐρ]η(λίου) Ἐπιγόνου τάφος·
[μετὰ δὲ] τὴν τελευτή (*sic*) μου μηδένα ἐξὸν εἶναι
[τεθῆνα]ι εἰ μὴ τὴν σύνβιόν μου Ἀρτεμεισίαν
[κὲ Ἐπίγο]νον τὸν υἱόν μου· αἰὰν δέ τις μετὰ τοὺς
5 [γεγραμμ]ένους βιάσητ ν ν ν αι *vacat*
θεῖναι, δώσι
τῇ πόλει
(δην.) φ'.

**660.** *Yanki*, haud multum a *Köyceğiz*. Pars sinistra tabulae magnae cum ansa. Bean, 106 n. 42, c. im. ph. lapidis fig. 50.

Τοῦτο τὸ μνημεῖο[ν κατεσκεύ]-
ασεν Μενεκράτης Ἰατρο[κλέους τοῦ]
Μενεκράτους, ὁ κτήτωρ τ[οῦ χωρίου, ἐ]-
αυτῷ καὶ τῇ γυναικὶ αὐτ[οῦ *nomen*]
5 καὶ τοῖς υἱοῖς αὐτῶν Ἰατ[ροκλεῖ],
Μενεκράτει *vac.* Φαν .....
Ἀγρεοφῶντι μόνοι[ς. ἐὰν δέ τις]
ἕτερον θάψῃ χωρὶς τ[ῶν προγεγραμ]-
μένων, *vac.* ἔνοχος [ἔσται ὁ θάψας]
10 τῷ τῆς τυμβωρυχί[ας νόμῳ *vac.*?]
καὶ διατά⟨γ⟩μασιν [οἷς *vac.*?]
Μενεκράτης *vac.* [Ἰατροκλέους(?)]
διετάξατ[ο].

11. lap. ΔΙΑΤΑΣΜΑΣΙΝ.

**661.** Supra ianuam sepulcri e rupe excavati. Bean, *ibid.* n. 43.

Θήρωνος δὶς τοῦ ΑΝΔΟΤΕΟΥΙΟΥ
ΟΥ

662. Inter parietinas sepulcri inv. Bean, *ibid.* n. 44.

Τοῦτο τὸ ἡροῖον [τοῦ δεῖνος τοῦ δεῖνος]
καὶ γυναικὸς αὐτοῦ .... ΕΤ---------
καὶ τέκνων αὐτῶν· ὃς ἂν δὲ [ἕτερόν τινα]
θῇ, δώσι τῇ γερουσίᾳ (δην.) πεν[τακόσια].

663. Fragmentum in puteali inaedificatum. Bean, 107 n. 45.

[Τ]οῦτο τὸ μνημεῖον Υ-----
.ΟΙΟΥ εἰς ὃ θ[----οἱ]
ἐμοῖ κλ[ηρονόμοι ---------]

664. Fragmentum lapidis flavi undique nisi supra mutilum. Bean, *ibid.* n. 46, c. im. ph. lapidis fig. 51.

-------κης τῆς κα[ὶ ----, γυναι]-
[κὸς Ἀπολλ]ωνιανοῦ Ε[---, θυ]-
[γατρὸς δ]ὲ Καικιλί[ου ------]
----------.

665. Fragmentum lap. calc. subnigri, prope n. 664 inv. (cuius textum repetere videtur), undique nisi supra mutilum. Litterae neglegentissime incisae. Bean, *ibid.* n. 47, c. im. ph. lapidis fig. 52.

[------- τ]ῆς καὶ Ν------
--------Ἀπολλων-------
----------ΕΚ----------

666. *Çandır*, in aedibus inaedif. Bean, 108 n. 52.

ἐὰ[ν δέ]
τις [τολ]-
μήσ[ῃ, ἀ]-
ποτ[είσ]-
ει τῷ ἱ[ε]-
ρωτά[τῳ]
ταμε[ίῳ]
(δην.) τ'(?).

667-74. Varia.

667. Pars epistylii, postea in postem ianuae refecta. Bean, 95 n. 36.

Γαΐου.

668. Bean, 107 n. 48.

---ΔΗΜΗ-----
---ΚΑΙΔΗ-----
---ΣΤΟΝΚ----
---ΠΤΟΥΑΔ---



669. Bean, *ibid.* n. 49.

-------ΟΣ
-------Η ΒΟΥΛΗ

670. *Çandır*. Pars inferior baseos, undique nisi infra fracta, nunc in aedificio. Bean, *ibid.* n. 51.

[---- τ]ὸ ἔργον *vac.*

671. **Fragmentum dedicationis agonisticae(?).** — *Okçular*, apud Durduoğlu Mehmet. Fragmentum lap. calc., infra et a dextra integrum. Bean, 108 n. 53.

[ὁ δεῖνα -----]άνδρου
[νικήσας(?) ---]κην
(*in corona*) Νέμεα.

672. **Fragmentum cursus honorum.** — *Kemaliye*, prope *Okçular*, apud Ali Yılmaz. Fragmentum lap. calc. undique mutilum; Bean, *ibid.* n. 54, c. im. ph. fig. 53, cuius textum corr. A. M. Woodward per ep.

------ ΕΙΛΟ -----
------ τον κρά[τιστον]
[ἐπίτρ]οπον τῶ[ν Σεβασ]-
[τῶν ...]ν ἑπα----

673. **Dedicatio vel tit. sepulcralis.** — *Okçular*. Ara rotunda, ab insula Rhodo transvecta. Tit. supra a sinistra detritus, act. Rom.; Bean (qui aram ipse non vidit), 109 n. 58.

[.....]δος Κώ-
[ας καὶ Ἀ]φροδει-
σίο[υ Κ]ώου καὶ
τῶν παιδείων
αὐτῶν.

674. **Signa in amphoris impressa.** — *Çandır*, apud Ali Demir. Tria signa huiusmodi commemorat Bean, 108/9 nn. 55/7, c. dell. fig. 54/6.

675. **Dedicatio victoris in ludis Deliis, ex. s. II$^{a}$(?).** — *Ilica*. SEG XII 465 adducit L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 137.

676-726. Eam partem Cariae, contra insulam Rhodum iacentem, quae Peraea vocabatur, studio elaboratissimo tractaverunt P. M. Fraser et G. E. Bean, *The Rhodian Peraea and Islands* (Oxonii 1954), in quo opere testimoniis epigraphicis largissime usi sunt. Indicem titulorum pp. 183/7 addiderunt, e quibus eos qui aliquo modo correcti vel suppleti sunt suo quemque loco in hoc volumine inclusimus. Bean

tamen ann. 1948/50, itineribus per Peraeam factis, titulos vel novos invenit vel antea cognitos denuo legit, qui pp. 1/50 libri eiusdem communicati sunt; hos omnes necesse erat lectoribus nostris praebeamus, et siglo F-B., cum numero ab illis dato, sumus usi. Testimonia ex his inscriptionibus exorta vel de locatione urbium vel de statu civitatium quantum ad totam rem publicam Rhodiorum pertinebat non repetimus, de quibus ipsum librum consulat lector. Cf. E. Meyer, *Gnomon* XXVI 1954, 473/6, J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 264/8 nn. 206/19, A. G. Woodhead, *Cl. Rev.* NS V 1955, 325/6.

**676. Honores cuiusdam, s. I$^a$ (?)** — *Physcus* (*Marmaris*). Partem inferiorem baseos rotundae edd. F-B., 2/3 n. 1, c. im. ph. ectypi pl. 3.

[------- ἀγεμόνα γενόμενον ἐπὶ]
Φύσκου καὶ Εἰ[ ----------
καὶ στεφανωθέν[τα τ]ε ὑπὸ τᾶν
βουλᾶν χρυσέοις στεφάνοις
πλεονάκις καὶ ὑπὸ τῶν κατοικεύν-
των καὶ γεωργεύντων καὶ ναυκλα-
ρεύντων καὶ παρεπιδαμεύντων ἐν Φύσκῳ
τοὶ κατοικεῦντες καὶ γεωργεῦντες καὶ ναυ-
κλαρεῦντες ἐν Φύσκῳ, ἄρξαντα ὁσίως
καὶ δικαίως, [εὐν]οίας ἕνεκα καὶ εὐχαρισ-
[τία]ς [θεοῖς?].

Init. De supplementis vid. eosd., *ib.*, 84.

**677. Honores cuiusdam, aetatis eiusdem.** — *Ibid.* Fragmentum baseos eiusdem generis, F-B., 3 n. 2, c. im. ph. lapidis pl. 4. Vss. 2/6 a dextra integri.

----------PEINOX----
[----- τοὶ κ]ατοικεῦντες
[καὶ ναυκλαρεῦντες κ]αὶ γεωργεῦντες
[ἐν Φύσκῳ, εὐεργέταν κ]αὶ φίλον, εὐνοίας
[ἕνεκα τᾶς εἰς τὸ κοιν]ὸν(?)
[θεοῖ]ς.

**678. Dedicatio Iovi Soli, Imperatori Augusto, populo Rhodio, ex. s. I$^a$.** — *Ibid.* Fragmentum tituli supra atque a sinistra integri. F-B., 3/4 n. 3, c. im. ph. lapidis pl. 4. De nomine Libuscidio vid. praecipue IG XII 1, 4, 859. Supplementa exempli gratia.

[Δι]ὶ Ἡλίῳ Με[γάλῳ καὶ Αὐτοκράτορι Σεβαστῷ]
[Κ]αίσαρι θεοῦ [υἱῷ, δημαρχικῆς ἐξουσίας τὸ ?],
καὶ τῷ δήμῳ τ[ῶν Ῥοδίων τὸ κοινὸν τῶν Ἀμίων (?)]



καὶ Φυσκίων ὁ [δῆμος τὴν ἐξέδραν *vel simile*]
κατεσκεύασα[ν *e.g.* ἀφοσιοῦντος Σέξτου Σωτιδί]-
[ου] Λιβουσκιδί[ου ----------]
Λιβουσκίδιος Τ----------
....σόλα υἱὸς ----------

3. τ[ῶν vel τ[ῷ Ῥωμαίων mavult Meyer, *loc. cit.*

**679. Dedicatio Latonae, s. IV$^a$.** — *Ibid.* *SGDI* 4266. Im. ph. ectypi pl. 4 praebent F-B., et tituli novam lectionem exhibent p. 5 n. 7. Vss 1/3 Στοιχ.

Δ[ω]ρικλῆς, Δωριφῶν,
Δωρίθεστος, Ἐπίχαρμος,
Δωριχάριος παῖδες,
Λατοΐ.

**680. Dedicatio Sarapidi, s. II$^p$.** — *Ibid.* Lapis in quo tabula ansata, F-B., 4/5 n. 4. Vid. etiam L. Robert, *Hellenica* X 1955, 88 c. adn. 5.

Μέγα τὸ
ὄνομα
τοῦ θεοῦ.

**681. Monumentum sepulcrale, aet. imp.** — *Ibid.* Basis cum titulo integro, prope nn. 676/7 reperta. F-B., 5 n. 5.

Ὀνησιφόρου Θεοδό-
του Νε(ττίδα) καὶ Νείκης Διονυ-
[σί]ου Ἀμί(ας) · Κλ(αύδιος) Διδύμις Ὀνησι-
φ[όρ]ου καθ' ὑ(οθεσίαν δὲ) Ἰάσονος Ἄμι(ος) καὶ
Ὀνησιφόρος β' Νε(ττίδας) [καὶ]
Ἀγαθήμερος [Ἡ]ρακλέωνος [*demoticum*]
ὑπὲρ τῶν εὐεργ[ετῶ]ν.

**682. Tit. sep.** — *Ibid.* Parva ostotheca, F-B., 5 n. 6.

Πυθόκριτος
Πυθοκρίτου τοῦ
Πυθοκρίτου.

**683-5. Conductiones fundorum tres, c.a. 200$^a$.** — *Amus* (*Hisarburnu*). Stelae tres lap. calc. opisthographae, F-B., 6/20 nn. 8/10. Supplementa ex alio in alium titulum hausta.

683. F-B. n. 8. Duo fragmenta inter se coniuncta, supra et partim a dextra salva.

(*a*). In fronte.

['Εφ' ἱερέως] 'Αριστείδα, μ[η]νὸς Πανάμου, Σωκρ[άτης Σωκρατίδα τοῦ]
[δεῖνος Ἄμιος, Ἡ]ρακλείδας Εὐ . . κλέος Ἄμιος, [ὁ δεῖνα τοῦ δεῖνος]
['Αμιος, καὶ 'Αμίω]ν τὸ κοινὸν ἀ[π]εμίσθωσαν ἀγρὸ[ν τῷ δεῖνι τοῦ]
[δεῖνος ---------] ΙΝΑΙ . . ΟΔΙΤΙΩΙ ἐπώνυμον----------
5 ----------τα ἔτη πεν[τή]κο[ν]τα ΤΟΝΕ ----------
[-- δρα]χμᾶ[ν] διακοσιᾶν τε[σσα]ρ[άκ]οντα [τοῦ ἐνιαυτοῦ -------]
----------ος, Χαρίδαμος Θ[υ]μοχ[άρη ----------]
[---- ἔγγ(?)]υος· ἀρχέ[τ]ω δὲ [τᾶς] μισθώσιο[ς μεί]ς Κάρ[νειος ἐφ' ἱε]-
[ρέως ὃς κα ἐπ' 'Α]ριστείδαι γένηται· καταβαλλέτω δὲ τὸ μίσ[θωμα καθ']
10 [ἕκαστον ἐνιαυτ]ὸν ἐπ[ὶ τ]ᾶν ἀρχᾶ[ν] ἱε[ρ]ομνάμο[σ]ι τοῖς ἐν ἀρ[χᾶι οὖ]-
[σι καὶ 'Αμίων κοινῶι ἐν] μη[νὶ Π]ανάμωι· [εἰ δ]ὲ [μή], ποτικαταβαλλέ[τω τρι]-
[άκοντα δραχμὰς ἑκάστ]ο[υ μη]νός· ε[ἰ] δέ τ[ί κ]α κώλυμα γίνηται πόλ[ιος ...]
[.....c. 17..... ἐν] τᾷ ἐκλησία[ι] ἱερομνάμοσι τοῖς ἐν ἀρχᾶ[ι οὖ]-
[σι .....c. 14..... ἐν τ]οῖς γεγραμμένοις χρόνοις· εἰ δέ κα μὴ κ . .
15 .....c. 20..... μήνωι καταβαλεῖν, ποτιθέντι τὰ ἐπιδ.
[.....c. 11..... καταβ]άλῃι, τό τε μίσθωμα ἀποτεισάτω ἡμιόλιον
[ἱερομνάμοσι καὶ 'Αμίων κ]οινῶι καὶ ἀπίτω ἐκ τοῦ ἀγροῦ. τοὶ δὲ ἱερο-
[μνάμονες τοὶ ἐν ἀρχᾶι ἐόν]τες ἀπομισθούντω τὸν ἀγρὸν ἐν τῶι
[ἐπιγενομένωι μηνὶ ἐν τᾶ]ι ἐκλησίαι κατὰ τὰν αὐτὰν συγγραφ-
20 [ὰν καθὰ καὶ τὸ πρότερον(?)] τῶι τὸ πλεῖστον διδόντι 'Αμίων· τῶι
[δὲ μὴ καταβαλόντι τὸ μίσθωμ(?)]α μηκέτι ἐξέστω μισθοῦσθαι τὸν
[ἀγρὸν ἐπὶ(?) παρευρέσει μηδ]εμιᾶι, μηδὲ τοὶ ἱερομνάμονες μισθ-
[ούντω αὐτῶι· εἰ δέ κα ἔγδεια] γίνηται, ἀποτεισάτω τὰν ἔγδεια-
[ν ὁ πρότερον μισθωσάμενος ἱερο]μνάμοσι καὶ 'Αμίων κοινῶι. ἐποι-
25 [κοδομήσει δὲ αὐτὸς(?) οἰκήματα μὴ ἐ]λάσσω τριῶν· τὸ μᾶκος δὲ ἔσ-
[τω ἑκάστου μὴ ἔλασσον ποδῶν εἴκοσι] πέντε, τὸ δὲ εὖρος μὴ ἔλασσ-
[ον ποδῶν εἴκοσι· τὰ δὲ οἰκήματα .....c. 7-8.....]όξυλα καὶ ἐπίστεγα ποιή-
[σει ---------- ὅσων κ]α(?) δέηται ἐπὶ τὰ οἰκή-
[ματα .....c. 17..... τῶν ἱερομναμόνω]ν τῶν ἐν ἀρχᾶι ἐόν-
30 [των ----------] ἐκ τοῦ ἱεροῦ τας
----------ΟΟΒΟΛΩΝΟΛΑ
[--- φυτεύσει δὲ κατὰ μνᾶν ἑκάσταν τοῦ μισθώμα]τος φυτὰ ἀμ-
[πέλους καὶ συκῆς, συκῆς μὲν τεσσαράκοντα, μὴ ἔλασσον] διὰ τεσσα-
[ράκοντα ποδῶν, βάθος ὀρύσσων μὴ ἔλασσον τεσσάρων] ποδῶν,
35 [ἀμπέλους δὲ χιλίας, βάθος ὀρύσσων ποδῶν τριῶν, σπο]ρὰν δι-
[αλείπων μὴ ἔλασσον ποδῶν ----------]



5. τὸν ἐ[νιαυτὸν ἕκαστον]?
12/17. Haesitanter proponunt F-B., 15:
ε[ἰ] δέ τ[ί κ]α κώλυμα γίνηται πόλ[ιος. τὰ]-
[ν ἐπιβολὰν καταβαλεῖ ἐν] τᾷ ἐκλησία[ι] ἱερομνάμοσι τοῖς ἐν ἀρχᾶ[ι οὖ]-
[σι καὶ 'Αμίων κοινῶι ἐν τ]οῖς γεγραμμένοις χρόνοις· εἰ δέ κα μὴ κ[ατ]-
[αβάλῃι, ἐξέστω ἐν ἄλλωι ἐξα]μήνωι καταβαλεῖν, ποτιθέντι τὰ ἐπιδ[έ]-
[κατα· εἰ δέ κα μὴ καταβ]άλῃι, τό τε μίσθωμα ἀποτεισάτω ἡμιόλιον
[ἱερομνάμοσι καὶ 'Αμίων κ]οινῶι καὶ ἀπίτω ἐκ τοῦ ἀγροῦ.
N. 685(*a*) vss. 11/17 eodem modo suppleri possunt.

(*b*). In latere postico stelae eiusdem.

[---------- ἀπο]τεισάτω ἱερομνάμοσι καὶ 'Αμ[ίων κοινῶι ἀργ]-
[υρίου δραχμὰς τρισ]χιλίας, καὶ τὰ ξύλα ἐν τῶι τό[πωι μενέτω(?)]
[ἐν ὧι κα κατακόψηι πα]ρὰ τὰ γεγραμ[μ]ένα· χόρτον δὲ κ[αὶ .....]
[καὶ καλάμαν καὶ] ἄχυρα κ[αὶ κ]όπ[ρο]ν μὴ ἐκφερέτω ἐκ [τοῦ ἀγροῦ]·
5 [εἰ δέ κα ἐκφέρηι], ἀποτεισάτω ἱερομ[ν]ά[μ]οσι καὶ 'Αμίων [κοινῶι]
[ἀργυρίου δραχμ]ὰς διακοσίας τοῦ ἐνιαυτοῦ οὗ κά τ[ι ἐκφέρηι]·
[μηδὲ ἐξέστ]ω θά[π]τειν ν[εκ]ρόν τ[ινα ἐν ἀγρ]ῶι [τῶι] μεμι[σθωμέν]-
[ωι· εἰ δὲ μή], ἀποτε[ισ]άτω [ἀρ]γ[υρί]ου [δ]ρ[αχμ]ὰς ἑ[κ]ατὸν ἱερ[ομνάμοσι]
[καὶ 'Αμίων κοιν]ῶι, καὶ τὸν [ν]ε[κρ]ὸν [ἐ]κφερέτω ἐκ τοῦ ἀγ[ροῦ. ἐξέσ]-
10 [τω δὲ κ]αὶ παρ[α]διδόμε[ν τὸν] ἀγρ[ὸ]ν ὧι κα δήληται 'Αμί[ων κατὰ τὰ]-
[ν αὐ]τὰ[ν] σ[υ]γγ[ρ]αφά[ν· εἰ] δέ [κα] παραδίδωι, συγγραψ[άσθων τὰν συγγρα]-
[φὰ]ν κατὰ ταὐτὰ εἰς τὸν ὑπόλοιπον χρόνον τοί τε [ἱερομνάμον]-
[ες] τοὶ ἐν ἀρχᾶι ἐόντες καὶ ὁ π[αρ]αλα[μ]βάνων ἐγγ[ύους κατασ]-
τάσας ἀξιοχρέους οὕς κα τοὶ ἱερομνάμονες δο[κιμάσωντι· εἰ δ]-
15 ἑ κα ἀφειμένο[ι] ὦντι τοὶ ἔγγυοι, συγγραψάσθω[ν ποτὶ μόνον τ]-
ὸν παραλαμβάνοντα· ποταναγραψάσ[θ]ω δὲ τ[ὰν παράδοσιν]
καὶ εἰς τὰν στάλαν τὰν ὑπάρχουσαν ἐ[ν τῶι ἱερῶι(?) ποτιγράψας]
τοῦ τε παραλαμβάνοντος τὸ ὄνομα [καὶ τὰ ὀνόματα πάντων]
τ[ῶ]ν ἐγγύων κατὰ ταὐτά, εἴ κα μὴ [ἀφειμένοι ὦντι, καὶ τὸν χρ]-
20 όνον καθ' ὅγ κα παραλαμβάνηι· κα[ὶ τὰν δαπάναν τὰν γινομέναν]
διδότω ὁ παραδιδούς· τὰν δὲ σ[υγγραφὰν τὰν προσυγγεγραμμέ]-
ναν ἐν τῶι δαμοσίωι ποτὶ τὸν π[αραδιδόντα, εἴ κα εὐτακτηκὼς]
ἦι πάντα τοῦ πρότερον χρόνου, [ὅσα δεῖ ἀλλοιοῦντες ἀνανεωσά]-
σθων τοί τε ἱερομνάμονες [καὶ ὁ παραδιδοὺς καθά κα ἀμφότεροι]
25 ποθίωνται. ἐπεὶ δέ κα ὁ χρόν[ος ἐξέλθηι ὁ γεγραμμένος, παρα]-
δειξάτω ἱερομνάμοσι τ[οῖς ἐν ἀρχᾶι οὖσι ἐν τῶι ἐπιγενομέ]-
νωι μηνὶ τά τε οἰκήματ[α μὴ ἐλάσσω τῶν τριῶν, εἰ δέ κα τριῶν]
πλείω ἦι, καὶ τὰ πλεί[ω, πάντα ὀρθὰ καὶ ἐπίστεγα, ἢ ἀποτεισάτω]
τοῦ οἰκήματος ἑ[κάστου τοῦ ἐγλείποντος ἀργυρίου δραχμὰς]

ἑπτακοσίας ἱε[ρομνάμοσι καὶ Ἀμίων κοινῶι· παραδειξάτω δὲ κ]αὶ τὰς ἀμπέλ[ους καὶ τὰς συκῆς πεφυτευμένας κατὰ τὰ γεγρα]μμένα καὶ [ζωούσας, μὴ νεωτέρας ἐτέων δέκα, ἢ ἀποτεισάτω τ]οῦ ἐγλεί[ποντος φυτοῦ ἑκάστου ἀργυρίου δραχμὰς ἑκατὸν(?) ἱερ]ομνάμ[οσι καὶ Ἀμίων κοινῶι ----------]

---

**684.** F-B., n. 9; im. ph. ectyporum lateris *b*, pl. 5. Duo fragmenta lap. calc. coniuncta, supra atque infra fracta, sed utrimque plerumque integra.

(*a*). In fronte.

----------τι Ἄμιοι τα
---------- ΩΓΟΔΟΥΤΑΝ
[---------- φυτεύσει] δὲ κατὰ μνᾶν ἑκάστα-
[ν τοῦ μισθώματος ἀμπέλους, φυτὰ] μὴ ἐλάσσω [χι]λίων, ἐμ μὲ-
[ν τᾶι λείαι βάθος ὀρύσσων τεσ]σάρων ποδῶν καὶ ἡμιποδίου,
[σποράν διαλείπων μὴ ἔλ]ασσον ποδῶν ἓξ, ἐν δὲ τᾶι τραχεία-
[ι βάθος ὀρύσσων τεσσ]άρων ποδῶν, σποράν διαλείπων μὴ ἔλασσ-
[ον ποδῶν τεσσ]άρων, βάθος ὀρύσσων τὰν τράφαν καὶ ἐν τᾶι λ-
[είαι καὶ τᾶι] τραχείαι μὴ ἔλασσον πέντε ἡμιποδίων· φυτεύσ-
[ει δὲ καὶ] συκῆς, φυτὰ μὴ ἐλάσσω τεσσαράκοντα κατὰ μνᾶν
[ἑκάσταν] τοῦ μισθώματος, μὴ ἔλασσον διὰ τεσσαράκοντα π-
[οδῶν, βάθ]ος ὀρύσσων μὴ ἔλασσον ποδῶν τρ[ι]ῶν. ἐπεὶ [δέ κα ἀπο]-
[δεί]ξηι τά τε οἰκήματα ὠικοδομημένα καὶ ἐπίστεγα κα[τὰ τὰ γε]-
γραμμένα κ[αὶ] τὰς ἀμπέλους καὶ τὰς συκῆς πεφ[υτευμένας κ]-
ατὰ τὰ γεγραμ[μένα] καὶ ζῶντα τὰ φυτὰ ΕΠΙΤ[.....] τοῖς ἱερομνά]-
μοσι ἀεὶ τοῖς ἐν ἀρχᾶι ο[ὖσι], ἀπαλειφόντω [τοὶ ἱερομνάμονες το]-
ὶ ἐν ἀρχᾶι ἐόντες τοὺς ἐγγύου[ς] ἀπ[ὸ] τ[ᾶς ἐν τῶι ἱερῶι(?) ὑπαρχούσα]-
ς [σ]τά[λ]ας, ἀνανεωσάμενοι τὰν συγ[γραφὰν εἰς τὸν ὑπόλοιπο]-
ν χρόνον, εἴ κα τὸν πρότερον χρόνον εὐτακ[τηκὼς ἦι πάντα, καὶ π]-
εφυτευμένων τῶμ φυτῶν ὁ ὑπόλοιπος χρ[όνος ἔτη ἦι μὴ ἐλάσ]-
σω ἐτέων δέκα· εἰ δὲ μή, μὴ ἀπαλειφόντω τοὺς ἐ[γγύους μηδὲ]
ἀνανε[ωσάσθ]ων τὰν συγγραφάν. τὰς δὲ ὁδοὺς τὰς κ[ατὰ Δάφ(?)]-
νας καὶ Μηθάσας καὶ Πισθμους μὴ ἐπεργαζέσθω. εἰ δέ κ[α ἐπεργά]-
ζηται, ἀποτεισάτω ἱερομνάμοσι καὶ Ἀμίων κοινῶι ἀργ[υρίου]
δραχμὰς τρισχιλίας, καὶ τὸν τόπον ἐξέστω ἀνομοι[ῶσαι τῶι]
δάμωι. εἰ δέ κα{ι} διὰ γᾶς γειτονεύηι [ὁ μ]ισθω[σάμενος(?) μὴ ἐ]-
περγαζέσθω ΤΟΥ[.....] ΤΟΡ----------
του γᾶν ποθο[ριζέσθω(?) ----------]
Ε.ΝΓΟΛ----------



(*b*). In latere postico.

[. ἐγγ]ύων κατὰ [ταὐτά, εἴ κα μὴ ἀφειμένοι ὦντι, καὶ τὸν χρόνο]-
ν κ[αθ' ὅγ] κα παραλα[μβάνηι· καὶ τὰν δαπάναν τὰν γινομέναν διδό]-
τ[ω ὁ π]αραδιδούς. τὰν δὲ [συγγραφὰν τὰν προσυγγεγραμμέναν ἐ]-
ν τῶι δαμοσίωι ποτὶ τὸν παραδ[ιδόντα, εἴ κα εὐτακτηκὼς ἦι πάντ]-
α τοῦ πρότερον χρόνου, ὅσα δεῖ ἀ[λλοιοῦντες ἀνανεωσάσθων]
τοί τε ἱερομνάμονες καὶ ὁ παραδιδ[οὺς καθά κα ἀμφότεροι ποθί]-
ωνται. ἐπεὶ δέ κα ὁ χρόνος ἐξέλθηι ὁ [γεγραμμένος, παραδειξά]-
τω ἱερομνάμοσι τοῖς ἐν ἀρχᾶι οὖσι ἐν [τῶι ἐπιγενομένωι μη]-
νὶ τά τε οἰκήματα μὴ ἐλάσσω τῶν τ[ρ]ι[ῶν, εἰ δέ κα τριῶν πλείω]
ἦι, καὶ τὰ πλείω, πάντα ὀρθὰ καὶ ἐπίστεγα, [ἢ ἀποτεισάτω τοῦ οἰ]-
κήματος ἑκάστο[υ] τοῦ ἐγλείποντος ἀργ[υρίου δραχμὰς ἑπ]-
τακοσίας ἱερο[μν]άμοσι καὶ Ἀμίων κοινῶι· παρ[αδειξάτω δὲ καὶ]
τὰς ἀμπέλους [καὶ] τὰς συκῆς πεφυτευμέν[ας κατὰ τὰ γεγρ]-
αμμένα καὶ ζωο[ύσ]ας, [μ]ὴ νεωτέρας ἐτέων δέ[κα, ἢ ἀποτεισά]-
[τω] τοῦ ἐγλείποντος φυτοῦ ἑκάστου ἀργυρίου [δραχμὰς ἑκατ(?)]-
[ὸν ἱερομ]νάμοσι καὶ Ἀμίων κοινῶι· παραδειξάτω [δὲ καὶ τὰς]
[χάρακας πάσ]ας αἷς κα ἑσταμέναι ὦντι ταὶ ἄμπελοι .....
[.....] ἢ ἀπ]οτεισάτω ἀργυρίου δραχμὰς πεντακοσ[ίας]
[ἱερομνάμοσι καὶ Ἀ]μίων κοινῶι· παρα[δ]είξας δὲ πάντα κατὰ τ-
[ὰ γεγραμμένα καὶ κα]ταλιπὼν ἐν τῶι ἀγρῶι ἀπίτω ἐκ τοῦ ἀγροῦ.
[εἰ δέ τί κα τῶν γ]εγραμμένων ἐπιτιμίων ὀφειλήσας μὴ ἀποδῶι
[ἐν τᾶι ἓξᾶν] ἑξαμήνωι, ἀποτεισάτω ἱερομνάμοσι καὶ Ἀμίων
[κοινῶι ἀργ]υρίου δραχμὰς δισμυρίας καὶ ἐκ τοῦ ἀγροῦ ἀπίτω.
[ἁ δὲ πρᾶξις] ἔστω καὶ ἐξ αὐτοῦ καὶ ἐκ τῶν ἐγγύων καὶ τῶν μισ-
[θωμάτων καὶ τῶ]ν ἐ[π]ιτιμίων πάντων. εἰ δέ κα Ἄμιοι ἀφέλωντι
[τῶν ἐπιτιμίων ἢ μὴ πράξωντ]ι τὰ πάντα κατὰ τὰν συγγραφάν,
[ἀποτεισοντι τᾶι πόλει ἀργυρίου δ]ραχμὰς δισμυρίας. *vacat*
----------λειτος Θυμ[ο]χάρη

---

**685.** F-B., n. 10. Fragmentum stelae lap. calc., supra atque a dextra incolume.

(*a*). In fronte.

[Ἐφ' ἱερέως τοῦ δεῖνος, μηνὸς τοῦ δεῖνος, Σ]ωκράτης Σωκρατίδα το[ῦ]
[δεῖνος Ἄμιος, ὁ δεῖνα τοῦ δεῖνο]ς Ἄμιος, Ἐπίστρατος Ἐπιχά-
[ρμου Ἄμιος, καὶ Ἀμίων τὸ κοινὸν ἀπεμίσθω]σαν ἀγρὸν Ἐπιφάνει Καλ-
[---------- ἐπώ]νυμον ὑπὸ Δάφναις τὸν
[---------- τ]ὸν ἐνιαυτὸν ἕκαστον
[---------- ἔγγ(?)]υος· Θυμώιδας Θυμοχάρ-
[η ἔγγυος(?)· ἀρχέτω δὲ τᾶς μισθώσιος μεί]ς Κάρνειος ἐφ' ἱερέως ὃς κ-

[α ἐπὶ τῷ δεῖνι γένηται· καταβαλλέτω δ]ὲ τὸ μίσθωμα καθ' ἕκαστο-
[ν ἐνιαυτὸν ἐπὶ τᾶν ἀρχᾶν ἱερομνάμοσι] τοῖς ἐν ἀρχᾶι οὖσι καὶ Ἀμί-
[ων κοινῶι ἐν μηνὶ τῷ δεῖνι· εἰ δὲ μή], ποτικαταβαλλέτω τριά-
[κοντα δραχμὰς ἑκάστου μηνός. εἰ δέ τί κ]α κώλυμα γίνηται πόλιος
[---------- ἐν τᾶι ἐκλησίαι ἱ]ερομνάμοσι τοῖς ἐν ἀρχᾶι
[οὖσι ---------- ἐν τοῖς γεγρα]μμένοις χρόνοις· εἰ δέ κα
[μὴ κ---------- ἐξα]μήνωι καταβαλεῖν, ποτι-
[θέντι τὰ ἐπιδ----------]αλῆι, τό τε μίσθωμα ἀπο-
[τεισάτω ἡμιόλιον ἱερομνάμοσι καὶ Ἀ]μίων κοινῶι καὶ ἀπίτω ἐ-
[κ τοῦ ἀγροῦ· τοὶ δὲ ἱερομνάμονες τοὶ ἐ]ν ἀρχᾶι ἐόντες ἀπομισ-
[θούντω τὸν ἀγρὸν ἐν τῶι ἐπιγενομένω]ι μηνὶ ἐν τᾶι ἐκλ[ησίαι ---]

7. ἐφ' ἱερέως, vid. F-B., appendix p. 174. || 11/17 suppleri possunt secundum n. 683(*a*) supra, vss. 12/16, ubi vid. adnotationem.

(*b*). In latere postico.

[τὰ]ν δὲ ἐργασίαν ἐργ[αζ----------]
ται δὲ ὄντω τοὶ ἱερομν[άμονες ---------- ἐξέ]-
στω δὲ τὰν ὕλαν προσ----------
ἐπταέτευς ΜΗΔΕΞΩΡ [---------- ὁ]
ὑπόλοιπος χρόνος . Ι . ----------
τὰν ὕλαν τὰν Ζωθαλί[αν ---------- μηδὲ ξυλοκο]-
πείτω εἰ μὴ χάρακας ὅ[σας κα δεήσηι κόπτειν εἰς τὰς ἀμπέλο]-
υς τὰς ἐν τῶι ἀγρῶι ΟΓ[---------- κατ]-
ακόψηι παρὰ τὰ γεγραμ[μένα ----------]
ἀποτεισάτω ἱερομνά[μοσι καὶ Ἀμίων κοινῶι ἀργυρίου δραχμ]-
ὰς τρισχιλίας καὶ τὰ ξύ[λα ἐν τῶι τόπωι μενέτω(?) ἐν ὧι κα κατα]-
κόψηι παρὰ τὰ γεγραμμ[ένα· χόρτον δὲ καὶ ..... καὶ καλά]-
μαν καὶ ἄχυρα καὶ κ[ό]πρ[ον μὴ ἐκφερέτω ἐκ τοῦ ἀγροῦ· εἰ δέ κα ἐκ]-
φέρηι, ἀποτεισάτω ἱε[ρομνάμοσι καὶ Ἀμίων κοινῶι ἀργυρίου]
[δ]ραχμὰς [διακοσίας τοῦ ἐνιαυτοῦ ----------]

**686. Honores Xenomenis Physcii, s. II$^a$.** — *Ibid.* Partem superiorem stelae lap. calc., prope nn. 683/5, 687/8 inventam, nunc *Marmaris* in schola. F-B., 23/4 n. 13, c. im. ph. ectypi pl. 6.

*reliquiae duorum versuum*

[ἐπε]ιδὴ Ξενομένης Ὀνασάνδρου Φύσκιος
[ἔν] τε τῶι πρότερον χρόνωι εὔνους ὢν διετέ[λ]ε[ι πο]-
[τὶ] τὸ π[λ]ῆθος τὸ Ἀ[μίω]ν, χειροτονηθείς τε ὑπὸ τοῦ
[σ]ύμπαντος δάμου ἀγεμὼν εἰς Ἄπειρον καὶ Φύσ-
κον καὶ Χερσόνασον τὰν πᾶσαν σπουδὰν καὶ πρό-



νοια[ν] ἐποιήσατο εἰς τὸ μηδένα τῶν κακουργῶν
διαφυγεῖν, τά τε δραπετικὰ σώματα ἀνεμάστευσε
ὧν τινα ΕΝ.ΑΕΞΕΚΡ..Α.ΤΑ καὶ πλείω χρόνον ΑΝΛ
..ΑΡΕΞΤΕ.....ΤΟ----------
[δ]ᾶμον· ὅπως ...ΛΛΛ..ΛΕΧΟΥΞΑΤ-------
ΟΝΟΝΤΙ τὰν [κ]α[θ]ή[κ]ουσαν ----------
..ΑΡ.ΑΛ.ΡΕΝΟ...ΑΝΑ ----------
...αὐταν ὑπὸ----------
...ΜΑΤΟ ----------

**687. Tabula rerum sacrarum, c. a. 200".** — *Ibid.*, eodem fere in loco repertum. Fragmentum stelae lap. calc. opisthographae, a sinistra integrum, nunc *Marmaris* in schola. F-B., 20-2 n. 11.

(*a*). In fronte.

[φιάλαν ἂν ἀνέθηκαν ----------]
κλεῦς, ----------
Ἀριστογέν ----------
Σ...νος Ἀπ ----------
.ε.ης Δαμοσ ----------
Ἀγελόχου, Τιμο ----------
τευς, ἄγουσαν [Η]𐅄 --------
φιάλαν ἂν ἀνέθηκαν Δαμο ------
Δαμαινέτου, Ἀγησικλῆς [Ὀνα(?)]-
σάνδρου, Σωκράτης Σωκρα[τίδα(?)],
ἄγουσαν [Η]𐅄ΔΔΔΔ..Ι
φιάλαν [ἂν] ἀνέθηκαν Ἐμφάνης
Θευφ[ά]νευς, Ἀγέλοχος Παγκρ[ά]-
τευς, Πραξίχαρις Πασικράτευς,
ἄγουσαν Η𐅄ΔΔΔΔ ----
φιάλαν ἂν ἀνέθηκαν Πάνταινος,
Τίμαιος, Ἀλεξίων, ἄγουσα[ν Η(?)]-
𐅄ΔΔΔ
φιάλ[α]ν ἂν ἀνέθηκαν Ἐμφάνης
Θευφάνευς, Ἀγίας Ἀγεστράτου,
Τίμαιος Σωσιθέου, Τιμόκριτος
Φαιναγόρα, Σ..... Διογέ-
νευς, Εὐάρατος Ἐπαγάθου,
..ακ...τος Ἀλ[κ]εσιδάμου,
ἄγουσαν [Η]𐅄ΔΔΔΔΓΙΙΙ
φιάλαν ἂν ἀνέθηκαν Χαιρήμων
Χάρμιος, Σῖμος Ἀκέστορος,
Ἀγησίδωρος Ἀριστοδάμ[ου],
Θαλ[ήτα]ς Ἀριστοδάμου,
Ξεναγόρας Λεωνίδας Ἐπικρ--,
ἄγουσαν ΗΔΔΔΔΓΙΙ
φιάλαν ἂν ἀνέθηκαν Χαιριππίδα[ς]
Διογένευς, Διότιμος Ἀγεστ--,
Παγκλείδας Πασικράτευ[ς],
[Ἐ]πίχαρμος Ἀ[.... ἀ]νακτο[ς(?)]--
πος Ν[ικ]αίου, Α....κρατίδα[ς--]
.ο., Ξενόκριτος, ἄγουσαν
𐅄ΔΔΔΔΓΙΙΖΙΙΙΙ
[φι]άλαν [ἂ]ν ἀνέθηκαν Ἀνταγ[όρας]
Ἀντι[γέν]ευς, Κριτίας Δαμ--,
Τιμακλῆς Σωπάτρου, ----
α..ικλου, Ἀριστόβο[υλος --],
Καλλίμαχος -------
----------

9. Σωκράτης. An idem ac n. 683(*a*) vss. 1? — 34. Ἀ[γορά]νακτο[ς---]? || 37. Ζ = obolus. Vid. M. Avi-Yonah, *Abbreviations in Greek Inscriptions*, 114.

(*b*). In latere postico. Fragmentum catalogi sacerdotum (?), aetatis posterioris quam (*a*), fortasse partis post. aetatis Hellenisticae. Vss. 10/12 in rasura scripti; vs. 4 etiam partim erasus videtur esse.

--------άχου
--------νμά[χου]
---------ροκλ[εῦ]ς
-------υ.α...ς
-----ων Εὐαράτου
---ος Σωσιπάτρου
----'Αναξίππου
----νης Λαφίδευς
-----ος Κλεάρχου
----της Πυργία
[----δ]ωρος Δαμαγόρα
----ης Φιλίσκου
----τος Θευπρόπου
----- Πυργία
---- Δ[α]μαγό[ρ]α

**688. Honores sacerdotis Apollinis Samnaei, aet. Rom.** — *Ibid.*, eodem fere in loco repertum. Fragmentum marm., nunc *Marmaris* in schola. F-B., 22/3 n. 12, c. im. ph. ectypi pl. 6.

ἱερεὺς 'Απ[όλλω]-
νος Σαμναί[ου --]
..σκος 'Ιατροκλ[εῦς].

**689. Tit. sep.** — *Ibid.*, nunc *Marmaris*. F-B., 24 n. 14.

'Αρτέμα β' 'Αμίο[υ].

**690. Decretum Rhodiorum de fano Hemitheae, c. med. s. II$^a$.** — *Gölenye* (inter Amum et Physcum), nunc *Marmaris* (*Physcus*) in schola. Stela paene integra sed tantum non omnino detrita. F-B., 24/7 n. 15, c. im. ph. ectypi versuum 1/12 pl. 7.

*corona*

'Επὶ ἱερέως Πεισιστράτου, Θεσμοφορίου δεχομηνίαι, ἔδοξε τῶι δάμωι·
[Βασ(?)]ιλείδας Κλευμβρότου Βυβάσσιος, καθ' ὑοθεσίαν δὲ Θευφάνευ[ς], εἶπε·
[ἐ]π[ε]ιδὴ τοῦ τεμένευς τοῦ ὑπάρχοντος ἐν Καστάβωι ποτὶ τὰν κλίσιν τῶν
...ετᾶν οὐ[χ ἱκ]ανοῦ ὄντος πο[τὶ] τὰν ὑποδοχὰν διὰ τὸ πλείονας
παραγί[ν]εσθαι, [ἄ]λλου δὲ τόπου συνορίζοντος τᾶι κλίσει οὐχ ὑπάρχοντος Βυβασ[σί]-
[οις], ὥστε μειο[ῦσθ]α[ι] τὰς παρ' αὐτῶν ποτιδό[σ]εις, ἀναγκαίας ἐούσας τᾶς Α..
---------- τοῖς Κα[σ]ταβείοις εἰς τὸ τέμενος ἀξίω[ς]
---------- ὑπά[ρ]χοντι ποτικατα-
[---------- ἐγ]καύσται καὶ κεράμω[ι]
---------- νωι ὡς ἂν



---------- τῶν τιμίων
[---------- σ]υναγοράζῃ
---------- ξ πάντας
---------- Ι ὑπὸ τοῦ
---------- ΑΘΑ
---------- ΟΔΟΧΗ

*reliquiae triginta quattuor versuum*

[---------- τ]ῶι δάμωι
---------- χρυσέωι

*reliquiae sex versuum*

[---------- εἰκόν]α χαλκέα[ν ----------
[---------- τ]ὸν δᾶμον τὸν 'Α[μίων(?)..]ω..

*reliquiae duorum versuum*

---------- τ[ο]ῦ 'Απόλλωνος τοῦ Σαμναίου
---------- ἐλέσθω ὁ δᾶμος [ἀν]δρας τρεῖς· τ[ο]ὶ δ[ὲ]
[------ αἱρεθέντες ----------]ΤΑΝ Λεωνίδαν
---------- ἐπιμεληθέντω τᾶς
[---------- ἀν]δρ[ι]άντος καὶ τᾶς στάλας
---------- ξΤΕΘΗΙ..
---------- ΑΝ...
[---------- τᾶ]ς στάλας καὶ εἰς τὰν ἀνάθεσιν
---------- ξ τελεσάντω Τ...ΟΜΙξΑΜ.
---------- τοῦ δάμου ΤΑ.... ξΔΕ

*reliquiae duodecim versuum*

τοῦ Σαμναίου *vacat (?)*

**691. Decretum Syrniorum, s. II$^a$.** — *Bayır* (*Syrna*), nunc *Marmaris* in schola. Pars superior stelae lap. calc., infra fracta et ubique detrita. F-B., 28/30 n. 16, c. im. ph. ectypi pl. 7.

['Επὶ] ἱερέως τοῦ 'Αλίου 'Αγησίππου, Βαδρομίου ἀμ[φει]-
[κ]άδι, ἔδοξε Συρνίοις· 'Αντιλέων Τιμαράτο[υ]
[εἶ]πε· ἐπ[ειδ]ὴ [Ε]ὐαγὶς Κλευσθένευς ἃς κύρι-
[ος ..] ΟΥξΙΑΝΔ..... τίμου Φύσκιος, προαιρ[ε]ύ-
[μένα ἀεὶ *e.g.* φιλοδοξεῖν περὶ] τὸ ἱερὸν τοῦ 'Ασκλα-
[πιοῦ .....$^{c.11}$.....]Α..ΙξΙΑ.ΥΟ αὐτᾶι δίδωτι
[---------- τό τε(?)] γειτονεῦον τῶι τεμ[ένει]-
[ν]ει τοῦ 'Ασ[κλαπιοῦ] κτῆμα [ὧν(?)] Κλευσθένης παρ.-
.ΝΤΙ[------ καὶ δραχμὰς κατ'(?)] ἰδίαν πεντα-
[κ]ο[σ]ία[ς, ὥστ]ε ἀπὸ τᾶς π[ο]θόδου γίνεσθαι θυσί-

αν τῶι Ἀσκλαπιῶι καὶ τοῖς [ἄ]λλοις θεοῖς τοῖς
περὶ τὸ[ν Ἀσ]κλαπι[ὸν κ]αθ' [ἕκ]αστον ἐνιαυτὸν
[ἐ]ν μην[ὶ ...c. 8... καὶ ἱστιᾶσθ]αι Συρνίους πάν-
τας [ἐν ἅι κα ἁμέρ]αι ἁ [θ]υ[σία] συντελῆται, . . ν δὲ
15 .ΥΝ----------ΝΙΑ [Κ]λευσθένει Α
----------εἰ δὲ καὶ τὰ . . . . Α μεταθήσει
----------Σύρνιοι καὶ ΑΝΟ
----------ΛΛΙ . . . τοῦ ποτιλαμβα-
[νομένου(?) εἰς τὰ]ν [κ]ατασ[κ]ευὰν τοῦ τεμένε[υς],
20 [ἐπαγγέλλεται δὲ(?) εἰς] ταὐτα δραχμὰς [ἰ]δίας πεντα-
[κοσίας] δωσε[ῖν . . .] ΑΙΓ . . . . . ΞΥΓΙΑΝ τᾶν γινο-
[μενᾶν ἁ(?)]λιᾶν καὶ τᾶν [συ]ναγωγᾶν τὸν Κλευσ-
[θένη] δραχμὰς ἑκατ[ὸ]ν πεντήκοντα· ὅπως
[οὖν ἅ τε θυ]σία καὶ τἄλλα συντελῆται, κυρωθέν-
25 [τος τοῦδε τ]οῦ ψαφίσματος, ἑλέσθαι ἄνδρας
[τρεῖς(?), οἵτινες παραδεξά]μ[ε]ν[οι(?)] παρὰ Εὐαγίδος
---------- τὸ κτῆμα, τὰς δραχμὰς ποτιγρά-
[ψοντι ----------]τι δὲ μισθῶ-
[σα(?)]ι τὸ κτῆμα ὁ ἱεροθ[ύ]τα[ς κ]αὶ τ[οὶ] Ἰ[ε]ρομνάμο-
30 [νες τοὶ ἐν ἀρχᾶι] ἐόντε[ς .....c. 11..... ]ΛΙΟΝ
----------ΑΤΕΥΗΙΓΡΑ
----------ΗΝΑΙ . . . τὰν δὲ γινομέναν
[πόθοδον? ---------- κτή]ματος ἀπαρ . ἰαν ἐν τᾶι
----------Αι . . ταν συναγωγα[ν]
35 ----------ΑΛΛΟΥ
----------ΩΙΑΕΙ . . .

15. An Κλευσθένεια (= ludi)? || 31/2. [ὁ δὲ γραμματεὺς ὃς κα γραμμ]ατεύηι γρα[ψάτω---]? || 33/4. Fortasse ἀπαρ[τ]ίαν ἐν τᾶι | [συναγωγᾶι].

**692. Stipum collatio, s. III/II[a].** — *Bayır*, in ecclesia Islamica. Vid. E. Hula et E. Szanto, *Sb. Akad. Wien* CXXXII 1895 (ii), 33. F-B., 30/3 n. 17.

*Col.* A.

Εὐφάης Σ[τ]ρα-----
. . φάης Στρ--------
. . . . . ης Πολυμήδε[υς]
τ[ὸ Ἀ]θαναϊστᾶν
θιασιτᾶν τῶν σὺν
Ἐ[πι]γόνωι κοινὸν ΗΗΗ
Κλευσθένης Π . επ . . ου

*Col.* B.

*reliquiae trium versuum*
---------- του ⟦Δ
----------ς Ἀγελόχου ΔΔ
*reliquiae duorum versuum*
Εὔμηλος----------
Ἀγάθανδρος Σωσικλεῦς Κλάσιος Δ
[ὁ δεῖνα] Παγκ[ράτ(?)ε]υς Κρυασσεὺ[ς]
Σταση[ί]ω[ν(?)] Ἐπικράτευς
*reliquiae trium versuum*
. . . . μαχος Νικάτορ[ος] Η
*reliquiae quattuor versuum*
[τὸ . . .]νιστᾶν θιασιτᾶν
[τῶν] σὺν Νικάτορι κοινὸν Η
Κλειτανορίδας Ἀμύντορος
[καθ'] ὑοθεσίαν δὲ Παυσανί[α]
. . τιμος Μενεκράτευς
----------
. . . των Τιμοκλεῦς Η
Εὔμηλος Εὐκτήμονος
Εὔτιμος Μενεκράτευς
*reliquiae septem versuum*
. . . . . ΑΣ[ . . . .κοι]νὸν ⟦Δ
----------νος καὶ
*reliquiae quattuor versuum*
. . . . . Π[ο]λυμήδευς
*reliquiae duorum versuum*



κατὰ γένεσιν, καθ' ὑοθεσίαν δ[ὲ]
Νικάνδρου ΔΔ
[ὁ δεῖνα] Παγκράτευς Κρυασσεὺς Δ
Ἀστυάναξ Κλευμάχου
Με . ικρά[τ]ης Δαμ[ο]στράτου
Εὐπο---------- ΔΔ
Νικόσ[τρ]α[το]ς Δαμοστράτου ΔΔ
----------
. . . ΔΔ . . ΙΑ . . . . . ΤΑΙ ὑπὲρ αὐτ-
*reliquiae duorum versuum*
. . . . . ιδαμ . . Γοργία ΔΔΔ
. . . . κράτης Ν . . . . . ου Δ
Ἀλεξικράτης Ἀλεξάνδρου Κρυασσεὺς Δ
----------
Δ . . . . . ας Δαμο[στρ]άτου Δ
Δ[α]μόνικος . . . δῶ[ρ]ου ΔΔ
. . . . . ος [Κ]λευφάντου
*reliquiae undecim versuum*

**693. Donationes ad Asclepieum aedificandum, s. III/II[a] (?)** — *Ibid.* E. Hula et E. Szanto, *op. cit.*, 32, corr. F-B., pp. 29, 32.

Τοίδε προαιρεύμενοι συνκατασκευάζειν
τὸ ἱερὸν τοῦ Ἀσκλαπιοῦ ἐπαγγειλάμενοι
ἔδωκαν ἐς τὰν κατασκευὰν τᾶ[ς στοᾶς (*vel sim.*)]
----------

**694. Precationes Christianae, aet. Byzant.** — *Gerbekilise* (inter Amum et Thyssanum). In porta ecclesiae vetustate dilapsae. F-B., 33 n. 18.

(*a*). Ad sinistram portae.
+ Εὐχὴ Γεορ|γίου οἰκον(όμου).

(*b*). In limine supero.
+ Ὑπὲρ εὐχῆς καὶ σωτηρίας καὶ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν Γε-
οργίου τοῦ εὐλαβ(εστάτου) διακόνο[υ] καὶ παντὸς τοῦ
κλ(ή)ρ(ι)κ(οῦ) τοῦ ἐνπορίου.

**695. Tit. sepulcralis, c. s. III[a].** — *Loryma* (*Bozuk, Oplasikabükü*). Lap. marm. cum titulo supra atque infra integro. F-B., 33/4 n. 19.

[Σῆμα τόδ' (?)] ἔστ' Ἀγορά[ν]ακτο[ς], παιδὸς Φιλ[υ – ⏑],
[σῶμα δ]ὲ Φοινίκη κατέχει, ψυχὴν δ' ἔ[λεν Ἄιδης(?)]
[καί με(?)] κασίγνητοι θάψαμ πατρίοισιν [ἐν ἀγροῖς(?)].

Si in ipsa Phoenice Agoranax sepultus est, proposuit W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1742, ad vss. 2/3

ψυχὴν δ' ἔ[λεν αἰθήρ] ·
[(*e.g.*) κεῖθι] κασίγνητοι θάψαμ πατρίοισι ν[όμοισι].

**696. Dedicatio, s. III/II[a].** — *Phoinix* (*Fenakel*). Fragmentum in muro domus inaedificatum. F-B., 34 n. 20.

- - - - - ομένευς | - - - - - - -
[ἱερ]ατεύσας Ἀφροδί[ται].

**697. Tit. sepulcralis, s. IV[a] (?).** — *Ibid.* F-B., 34 n. 22.

Ἄλεξος.

**698. Tit. sep., aet. Rom.** — *Ibid.* Eadem in domo ac n. 696 (et *SGDI* 4263) inaedificatum. F-B., 34 n. 21.

Ἀπολλώνιος
Χαιρήμονος,
Χαρμύλος Χαιρήμονος.

**699. Catalogus sacerdotum, s. II/I[a].** — Prope *Saranda* (*Thyssanus*). Stela magna, infra mutila et in duo fragmenta confracta. Titulus in fronte et in uno latere inscr. Catalogus, ut videtur, diversis temporibus suppletus est: manus primi lapicidae a vs. 1 usque ad (*c*) vs. 8 agnosci potest. F-B., 34/8 n. 23, c. imm. ph. ectyporum frag. (*a*)-(*d*) pl. 8 et (*e*)-(*f*) pl. 9. Cf. G. Pugliese Carratelli, *Studi classici e orientali* (*Università di Pisa*) III 1955, 129/33, qui aetatem tituli s. IV[a] p. post./c. med. s. II[a] esse arguit, et sacerdotes hic nominatos nonnullos et in titulis Camirensibus apparere monet.

i. In fronte fragmenti superioris.

Ἀρχῆναξ Ἀρχινόμου ἱερατεύσας Ἀσκλαπιῶι.

(*a*)

Ἱερεῖς Ἀσκλαπιοῦ
Τίμαιος Φιλοφάνευς
Φιλόφρων Τιμαίου
Κρατῖν[ο]ς Χάρμωνος
[Ε]ὐκλείδας Εὐκλεῦς
[Κ]αλλίστρατος Ἀριστάνακτ[ος]
Ἀρχωνίδ[ας] Ἀριστοπόλιος
Ἀριστεύ[ς] Ἀριστάνακτος

(*b*)

Ἀγέπολις Ἀριστοκλεῦς
Κοσμησιάναξ Πολυαράτο[υ]
Ἀριστεὺς Ἀγαθοβούλο[υ]
Γέραιστις Τιμοκράτευς
[Μ]ενέστ[ρ]ατος Δαμαγήτ[ου]
Ἀγέστρ[ατ]ος Χρυσοστράτ[ου]
[Χαρ(?)]μοκλῆς Φιλόφρονος
Ξενοκράτης Μενεστράτου



[Δ]αμόνικος Ἀριστάνακτ[ος]
Τιμοκράτης . . . οφάνευς
Τιμακράτης Μ[ενεστρ]άτου
Ξεναγόρας Ξενοκρίτου
Πολίτας Εὐκ[λ]εῦς
Ξενόκριτος Ἐπιγόνου
Δῶρος Ἀριστά[ν]ακτος
Ἀριστίων Ἀρ[ισ]τομάχου
Ἀγησιάναξ Τιμάρχου
Ἀγ[η]σαρχίδας Τιμακρατίνου
Ἀρι[στ]έας(?) Ἀπολλοδότου
Κυδα[ν]τίων Κυδοστράτου
Δαμάτριος Ξενοκρίτου
Δαμ[ό]στρατ[ος] Πεισίνου
Δαμ[αγ]όρα[ς] Δαμαρήτου
Ἀριστόπολις Ἀριστίωνος
Θεύδωρ[ο]ς Εὐκράτευς
Μίνδρων Ἀντιληίδα(?)
Τιμασίων Προποσσοκλεῦς(?)
Δωριεὺς Νικοστράτου
Διομένης Διοσκουρίδα
Εὐκρατίδας Εὐκράτευς
Ἀρεταγένης Δαμοφίλου
Τιμόκριτος Τι - - - - - - -
Εὐφραντίδας - - - - - - - -
Ἀριστώνδας - - - - - - - -
Ἀ[ρι]στάναξ Ἀριστά[ν]ακ[τος?]
Νίκων Εὐκλεῦς
Ἀρχῆναξ [Ἀρ]χιν[όμο]υ
Τιμοκρ[άτ]ης Ε[ὐρυκ]ρῶντος
Τιμακρατῖνος Μεγύλλου
Μενεκράτης Μενεστράτου
Δ . . . . . c. 13 . . . . . ΡΙ . . . . ΤΟΥ
Πολυάρατο[ς Ἀμ]υνεστ[ράτου?]
Τιμο . . . . . c. 9 . . . . . ωριμβρό[τ]ου
. . ΛΞΩΝ . . . . ἀνακτος
Μενέστ[ρατος] Τιμακράτευς
Πολυάρατ[ος] Ἀναξιστράτου
Πεισίστρατ[ος] Ἀ[γ]α[θο]δώρου
. . . . . μων Ἀναξιμένε[υς]

*vacat*
Εὐρυκρῶν Χάρμωνος
Ἀριστίων Ἀριστομάχου
Ταυρικὸς Τιμασικράτευς
Δαμοσθένης Τιμάρχου
Χρυσόστρατος Ἀναξιπόλιος
Ἀκέστωρ Ἀριστίωνος
Ἐπά[ρε]στος(?) Πολυαράτου
Πα[γ]κράτης Τιμαγένευς
Τεισίμαχος Ἱππάρχου
Ἀγήτωρ Δαμοκλεῦς
Ἀρχίνομ[ο]ς Θευφάνευς
Χάρμων Κλείτου
Κλευμένης Εὐφράνορος
Αἰνήσιος Χρυσοστ[ρά]τ[ου]
Ἐχεπάμων Ἱέρωνο[ς]
Ἀρατίδας Ἀριστ[ο]μάχο[υ]
Δαμοθένης (*sic*) Λ[ε]οντέως
Σωσίβιος Ἐρασικ[λεί]δα
Πεισίστρατος Ἀριστομάχο[υ]
Λεοντεὺς Στασαγόρα
Τιμόκριτος Ἀντιγόνο[υ]
[[- - - - - - - - - - - - - - -]]
[Τ]ιμόπολις Πεισιμβρότο[υ]
Ἐπάγαθος Ἀγαθάνορο[ς]
Τίμαιθος Τιμοκρίτου
Λαφάνης
Ἀνταγόρα
Μενέστρατος Μενεκράτ[ευς]
[Τ]ίμαρχος Τιμοδάμαντ[ος]
Ἀ[κέ]στωρ Ἀγητορίδ[α]
Στρατοκλῆς Μενίππου
Τιμώνδας Ἀρατύλου
. ΥΔ . . . ΟΣ Ἐπαρμόστου
Τι[. . . . T]ιμακρατίν[ου]
Πο[λύα]ρχος Ταυρικ[οῦ]
Ἀρατίδας Ἀρατύλο[υ]

ii. In fronte fragmenti inferioris.

(*c*)

Δαμ - - - - - - - - - - - - - - - - - -
Εὐαγ - - - - - - - - - - - - - - - - - -
Λεοντίσκος - - - - - - - - - - - - - -
Τιμο . . λος Α - - - - - - - - - - - -
Χρυσόστρα[τος - - - - - - - - - - -]
'Αναξιλείδα[ς - - - - - - - - - - - -]
Μένιππος Καλλι - - - - - - - - - - -
'Αγαθ[όβο]υλος 'Αρισ - - - - - - - -
Στρατ[ό]δαμος Χρ - - - - - - - - - -
Στρατοκλῆς Ο . . . υτα
[Εὐρυκ?]ρῶν 'Αρ - - - - - - - - - - -
. . . . οκλῆς - - - - - - - - - - - - - -
[Με]νεκρά[της - - - - - - - - - - - -]
'Αριστ - - - - - - - - - - - - - - - - -
ΕΛ . Α - - - - - - - - - - - - - - - - -
'Αριστ - - - - - - - - κράτευς
Τιμο . . . . . 'Αριστοτίμου
- - - - - - - - 'Αριστο - - - - - - -
Μέγυλλος Τιμακρατίνου
Νικαγόρας Νικατορίδα
[Π]εισίμβροτος 'Εχεπάμονος
'Αγησίδαμος 'Αγησιάνακτος
[Θ]εύπομπος Δαμοκρα[τίδ]α
'Ολβιογένης 'Επικράτευς
Μένιππ[ο]ς Πολυαράτου
Τιμ . κριτος Ξεναγόρα
'Ιάρων 'Εχενίκου
'Αρχῆς 'Αρχωνίδα
[Κ]λείταρχος Πασικράτευς
[Τι]μ[ό]δαμος 'Εχεπάμονος
[Κα]λλιάναξ{ι} Δαμοκράτευς
. . . . των Εὐφράνορος

(*d*)

Η . ΛΙΛ
. . . .

Εὐκρατίδας Τιμασιπόλι[ος]

Εὐδ . . . . Εὐκράτευ[ς]
- - - - - - - Πολυάρχου
'Επιν . . . . . 'Αντιγόνου

- - - - - ος 'Αγήμονος
'Α[ρι]σ[τόμ]αχος 'Αρατίδα
'Αριστόμαχος 'Αριστοτίμο[υ]
καθ' ὑοθεσ[ί]αν δὲ
'Αριστοτίμου

Διονύσιος
Διονυσίου

Μένιππος 'Αρχήνακτο[ς]
'Αγήτωρ Τιμάρχου
'Αριστόδαμος

Ξενοκράτευς
καθ' ὑοθεσίαν δὲ
'Αγησινείκου
'Αριστόμαχος
'Αριστίωνος
Εὐάρατος 'Αριστοδώρου
*vacat*

iii. In latere fragmenti superioris.

(*e*)

Σώπατρος
Δαμαινέτου
Πεισίρροδος

'Αρχοκλεῦς
Δαμόνικος
Δαμοσθένευς

[κ]αθ' ὑοθεσίαν δὲ
Δαμονίκου
Δαμαίνετος



'Αριστοδάμοῦ
'Ανδρόχαρις
'Αριστομάχου
Χάρμων
Κλείτου
['Α]ρετάκριτος
Τιμοκράτευς

- - υάρατος
- - υαράτου
- - σα[ν]δρο[ς]
*reliquiae 3 vss.*
[- - σ]τρατο[ς]
'Αρ[ιστ]ομά[χου]

Δα[μ]όνικος
- - - - μονος
ΑΝ
ΙΑ
ΩΡ
ΑΜ

iv. In latere fragmenti inferioris.

(*f*).

'Αριστόμαχο[ς]
[Κ]αλλ[ι]ξείνο[υ]
καθ' ὑοθεσίαν δ[ὲ]
'Αριστομάχο[υ]
Λυσανίας
Εὐαράτου
Ε . . . . . ης
Εὐκρατίδ[α]

Διονύσιος
Θευφάνευς
['Αγ]έπολις
. . . εστράτο[υ]
Κλείτων
Καλλίνου
*vacat*

*c* 8. 'Αρισ[τέως], *c* 16. 'Αριστ[άναξ Τιμα]κράτευς, *c* 32. [Κλεί]των,
*e* 23. ['Αγέσ]τρατος coll. titulis Camirensibus prop. Pugliese Carratelli.
*a* 36, 43. Suppl. A. M. Woodward. *b* 45. Suppl. M. N. Tod.

**700. Dedicatio deae(?) Creontidi, s. III[a].** — *Söğütkahvesi*, prope *Saranda*. Lap. calc. F-B., 38/9 n. 24, c. im. ph. lapidis pl. 9.

Βουλαγόρας
Κρεοντίδι.

**701. Tit. sep. Euphrantidis, act. Rom.** — *Ibid.* Basis parva quadrata. F-B., 39 n. 25.

Εὐφραντίς, γυνὰ δὲ
Διογένευς, χρηστὰ
χαῖρε.

**702. Decretum Tymniorum de sacrificiis faciundis, s. I[a].** — *Tymnus* (*Bozburun*). Lap. subroseus, paene integer, cuius planities partim mutila. F-B., 39/40 n. 26, c. im. ph. ectypi pl. 10. De Tymno in Bozburun locanda vid. eosdem, 61/2.

['Επὶ ἱερ]οθύτα Κλεινία τοῦ 'Επιγόνου, Πανάμου [δευ]-
[τέραι(?)] ἱσταμένου, ἔδοξε Τυμνίων τῶι κοινῶι· ['Ε]-
[πί]γονος Κλεινία εἶπε· τὰ μὲν ἄλλα πάντ[α] γ[ενέ]σθαι τὰ [πε]-
[ρὶ τῶ]ν ἱερῶν κατὰ τὰ προδεδογμένα τῶι κοινῶι· ὅπως δὲ [καὶ]
[τοὶ] προθύοντες περί τε τὰν κτοίναν καὶ περὶ τὸν [2-3]
[2-3]ν τῶι [Δ]ὶ καὶ τᾶι Ἥραι ἐπὶ τῶν ἐπιβ . . . ων τῶν ἐν [τᾶι]

[ἀγο]ρᾶι ἔ[χ]ωντι τὰ ποτὶ τὰν χρείαν, καὶ συναύξη[ται τὰ]
[τ]ῶν θεῶν τίμια, [ὁ] ἱεροθύτας ἀεὶ ὁ ἐν ἀρχᾶι ἐὼν δό[τω]
[α]ὐτοῖς τὰν στοὰν καὶ τὰ χρηστήρια τὰ ποτικατα[ρ]-
[τι]σθέντα τᾶι στοᾶι, ὥστε καταχρῖσθαι τὰ θυθέντα· κα-
[κο]ῦν δὲ μὴ ἐξέστω μήτε τούτοις μήτε ἄλλωι μηθενὶ μηθέν, μ[η]-
[δὲ] ποτ' ἄλλαν χρείαν μηδεμίαν ξύλα κάειν ἐν τᾶι στοᾶι· μὴ
ἐξέσ[τω δὲ(?)]
[μ]ηθενὶ μηδὲ ποθαλ[οῦ]ν μηθὲν μήτε ποτὶ τὰν στέγαν μήτε
ποτὶ τὰ [ἐ]-
[πι]στύλια· εἰ δέ τίς κα π[ο]ῆ τι παρὰ τὰ γεγραμμένα,
κωλυόντω α[ὐ]-
[τὸ]ν ὅ τε ἱεροθύτας καὶ ὁ δαμόσιος καὶ ἄλλος ὁ χρήζων τῶν συν-
[δ]αμετᾶν· τὸν δὲ μὴ πιθόμενον καὶ ἀπογραφόντω ποτὶ τοὺς ἱ[ε]-
[ρο]ταμίας ὀφίλοντα ἐπιτίμιον ἱερᾶς Ἀπόλλωνος δραχμὰς ἑκατό[ν],
[κα]ὶ ἀναιρεύντω τὰ ποθαλωθέντα. ὅπως δὲ κα[ὶ φ]ανερὰ ὑπ[άρχη]
[τὰ] γεγραμμένα καὶ μηθὶς ἁμαρτάνῃ μηθὲν εἰς τοὺς θεούς,
[δι]αμένε (*sic*) δὲ ὡς πλεῖστον χρόνον ἀσινῆ καὶ καθαρὰ τὰ ἀγάλμα-
[τα], ὁ ἱεροθύτας ὁ ἐν ἀρχᾶι ἐὼν ἀναγραψάτω τόδε τὸ ψάφισμ[α]
[ἐν] τᾶι στοᾶι ἐπὶ τὸν ἀντίον τοῖχον.

1/2. vel ἐβδ|όμαι. || 5/6. περὶ τὸν [δᾶ|μο]ν? || 6. fortasse ἐπιβ[ωμί]ων.

**703. Honores Imperatoris Claudii, a. 41/54$^{p}$.** — *Ibid.* Basis magna quadrata, F-B., 40/1 n. 27 (fortasse = N. et M. Chaviaras, Ἀρχ. Ἐφ. 1913, 6 n. 105).

Τιβερίου Κλαυδίου Καίσα[ρος]
Γερμανικοῦ Αὐτοκράτορ[ος]
Σεβαστοῦ, τοῦ πάντων ἀ[ν]-
θρώπων σωτῆρος καὶ εὐεργέτ[α].

**704.** *Ibid.* M. et N. Chaviaras, Ἀρχ. Ἐφ. 1911, 65/6 n. 63 nunc in sescenta fragmenta disiectum vidit Bean: vid. F-B., 41 n. 27*a*, ubi ad vs. 8 pro .θυρῶν proponunt [θ]οῦρον. Proponit θοῦρον W. Peek. *Griechische Vers-Inschriften* I, 1260, qui in vs. 13 quoque legit Ἀθ[ην]ίωνος.

**705. Imprecationes Christianae.** — *Ibid.* F-B., 41 n. 28.

Ὦ ἅγιος Κυρυ(α)κὸς ὅσα εὗρον
[ἐ]πλεονέκτησα τοσαῦτα ΕΜΟ
.ΜΑ ἁμαρτία ΕΛΟΓΙCΕΚΤΟC
---
θεσις τοῦ οἴκους (*sic*) τῶν λεγόν-
των αὐτά· εἰς τοὺς αἰῶνας



τῶν αἰώνων, ἀμήν. +
Κ(ύρι)ε Ἰε(σο)ῦ Χρισ(τέ), ἤ τις καταρῖτε τῷ κτίσ-
ματι τούτῳ ἢ ἐπιβουλεύ(ῃ) τινί(?),
κακὰ ἀπωλάβη παρὰ τοῦ Θ(ε)οῦ·
εἰς τοὺς{ς} ἠῶνας, ἀμήν. +

10. i.e., ἀπολάβοι.

**706. Monumentum sepulcrale, aet. incert.** — *Aylana*, prope Bozburun. Basis quadrata, F-B., 42 n. 29.

Μενάνδρου
Σελγέως.

**707. Tit. sep., aet. Rom.** — *Kırbaşı*, prope Bozburun. Ostotheca, F-B., 42 n. 30.

Διονυσίας.

**708. Tit. sep., aet. eiusdem.** — *Ibid.* Ostotheca, F-B., 42 n. 31.

Εἰσιδώρου καὶ
Εἰσίου.

**709. Tit. sep., aet. incert.** — *Hyla* (*Selimiye*). In porta ecclesiae vetustate dilapsae, F-B., 42 n. 32. De situ Hylae vid. eosd., 62/3.

Δαμοκράτης Δαματρίου.

**710. Tit. sep., s. III/II$^{a}$.** — *Ibid.* In domo prope ecclesiam inaedif. F-B., 42 n. 33.

Σύμμα[χο]ς
Θρασυδάμου.

**711. Tit. sep., aet. Hellenist.** — *Ibid.* Ostotheca, F-B., 42 n. 35.

Ἀπολλωνίδος.

**712. Tit. sep., aet. Rom.** — *Ibid.* F-B., 42 n. 34.

Ἑκάτωνος,
Εὐτυχίδος,
Ἰάσονος.

**713. Tit. sep., aet. eiusdem.** — *Ibid.* Pars inferior stelae parvae, F-B., 43 n. 37.

Θέων
Ὠδασσίτα.

**714. Tit. sep., aet. incert.** — *Ibid.* Fragmentum stelae, supra et infra mutilae, F-B., 43 n. 36.

Θαῖς.

**715. De sacris Veneri faciundis, aet. Rom.** — *Kızılköy*, prope Selimiye. Lap. inter parietinas aedium repertus, F-B., 43 n. 39.

[Ἀφ]ροδίτας · Καρνείου
[ικά]δι ἄρνα ἢ ἔριφον, καὶ
[Ἀγ]ριανίου ἕκται ἱσταμέ-
[νο]υ βοῦν καὶ ἐρίφους δύο.

716. **Tit. sep., aetatis eiusdem.** — *Ibid.*, in aedificio quodam. F-B., 43 n. 38.

Σῖμος
Δαμαράτου.

717. **Fragmentum dedicationis (?), aet. Hellenist.** — *Erine* (*Hisarönü*). Lap. nunc in aedibus quibusdam inaedif., sed olim pars epistylii et a *Pazarlık*, ut asseverabatur, transvectus. F-B., 43/4 n. 40, c. im. ph. ectypi pl. 10. De situ Erines vid. eosd., 67/8.

--ΑΙΛΕΩ--

718. **Carmen sepulcrale, s. III/II$^a$.** — *Turgut* (inter Hisarönü et Bayır). Sepulcrum iam paene integrum, cum titulo in limine superiore portae. F-B., 44/5 n. 41, c. im. ph. aedificii ipsius pl. 11. Cf. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1178.

Γ[οργ]ο[ὶ (?) κ]ἀργιόδοντες ἐπ' εὐξέστοιο μένοντες
τοῦ[δ]ε τόπ[ο]υ . . ΕΡΕ . ΘΕ, αὐτὰρ ἐγὼ κορυφᾶι
ἀκροτάται β[εβαὼς] ἐπιόσσομαι, ὄφρα ἑ μήτις
πημήνηι δειλὸς φὼς ἐπινισόμενος ·
ἦ γὰρ δὴ τόδε γε ἀνδρὸς ἀρειφάτου ἔπλετο σᾶμα
Διαγόρα κεδνᾶς τε ἀντιθέοιο ἀλόχου,
ἄν τε πατὴρ κίκλησκεν Ἀριστομαχαν, περὶ πασᾶν
ἔξοχον εὐτεκνίαι σωφροσύναι τε φ[ρε]νῶν.

719. **Honores Tisiae, in. s. II$^a$.** — *Cedreae* (*Şehir Ada*). SEG IV 178 revisit Bean, et textum novis lectionibus nonnullis augere potuit. F-B., 45/6 n. 42, c. im. ph. ectypi pl. 11. Melius videtur textum totum denuo exhibere.

[Τει]σίαν Θευδάμ[ου]
Καλλιάναξ Θευδάμου τὸν ἀδελφόν,
Ἀγησαγάθα Αἰσχίνα τὸν ἄνδρα,
Ἀγανωρὶς καὶ Ἀγησαγάθα Τεισία τὸν πατέρα,
στραταγήσαντα ἐν τῶι πέραν κατὰ πόλεμον,
καὶ πρυτανεύσαντα καὶ στεφανωθέντα χρυσέωι στεφάνωι
ὑπὸ φυλετᾶν Δυμά[ν]ων, καὶ πρωρατεύ-
σαντα κατὰ πόλεμον, καὶ ἱερατεύσαντα
ἐν Κεδρέαις Ἀπό[λλω]ν[ο]ς Πυθίου καὶ Κεδριέως,
καὶ ἀγεμόνα γενό[μεν]ον τετρήρευς κατὰ
[π]όλεμον, καὶ [στεφανω]θέντα χρυσέωι στε-



[φά]νωι ὑπὸ τῶν παρ[οίκ]ων τῶν ἐν Κεδρέαις [καὶ ὑπὸ]
[τῶ]ν συμπολεμη[σά]ν[τ]ων [δίς(?)], καὶ ἀγεμόνα [γ]ε-
[νόμ]ενον ἐμ Μεγίστ[αι κ]ατὰ πόλεμον,
[καὶ νικ]άσαντα Ἡράκλεια πάλαν καὶ παγκ[ράτιον]
[καὶ Διοσκ]ούρια καὶ Ποσειδάνια, καὶ τιμαθέντ[α]
[καὶ στεφ]ανωθέντα θαλλοῦ στεφάνωι ὑπὸ Τ----
[.... κ]αὶ ὑ[π]ὸ Κ[α]λλιπολιτᾶν καὶ ὑπὸ Τριπολιτᾶν,
[καὶ ἀγ]ωνοθετήσαντα ἐν τῶι ἄστει,
θεοῖς. Πυθόκρι[τος ἐποίησε].

720. **Honores Onasitelis, Onasistrati f., c. med. s. II$^a$.** — *Ibid. Syll.*$^3$ 1067; *SGDI* 4271. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 127/30 n. 50, qui in vs. 6 legit ἄν[δ]ρας (ἀν[δρ]ας Dittenb.), et in vs. 17, ubi Dittenb. [στάδιον καὶ] ὁπ(λ)ίταν exhibet, [----] ὁπ(λ)ίταν mavult. Cf. Fraser et Bean, *op. cit.*, 66, ubi s. I$^a$ titulum attribuunt (Moretti med. s. II$^a$, ut supra scripsimus); Bean, *AJA* LX 1956, 198.

721. **Honores Stephanionis Myndii, s. I$^a$/I$^p$.** — *Pisye* (*Pisiköy*). E. Hula et E. Szanto, *Sb. Akad. Wien* CXXXII 1895 (ii), 34 n. 1, revisit Bean, F-B., 47 n. 45. De situ Pisyes vid. eosdem, 73.

[Τ]ὸ κοινὸν τῶν κωμητῶν ὑπὲρ Σ[τε]-
φανίωνος Μυνδίου καὶ ΓΙΣ{ΣΤΕ}
Μυνδίας τῆς πρὸς αὐτοὺς
εὐνοίας.

1. τὸ κοινὸν τῶν κωμητῶν. De natura Communis huius vid. etiam eosd., p. 50.

722. **Honores Aristagorae(?), aet. imp. Rom.** — *Ibid.* Basis quadrata marm. albi. F-B., 47 n. 44.

Ὑπὲ[ρ Ἀριστ(?)]αγόρης Ἀριστείδα Ῥο[δί]-
ας Διονύσιος Μενίππου Ῥόδιος
ὑπὲρ τῆς γυναικός, σωφροσύνης
ἕνεκα τῆς εἰς αὐτήν (*sic*).

723. **Imperator Vespasianus a Theracis(?) honoratur, a. 69/79$^p$.** — *Thera* (*Yerkesik*). Fragmentum liminis vel coronae, F-B., 48 n. 47, c. im. ph. pl. 12. De Thera = Yerkesik vid. etiam eosd., 72.

[Κα]ίσαρα Οὐε[σπασιανὸν]
[τὸ κοι]νὸν τὸ Θηρ[αίων].

724. **Tit. sep. Dioclis, aet. Rom.** — *Ibid.* F-B., 47 n. 46.

Διοκλῆς Διονυσί[ου]
Θηρ[αῖος].

**725. Fragmentum honorum (?), s. I$^{p}$ (?)** — *Ibid.* Fragm. lapidis rudis in domo quadam inaedificatum, = W. R. Paton et J. L. Myres, *JHS* XVI 1896, 221 n. 15. F-B., 48/9 n. 49, c. im. ph. ectypi pl. 12, qui primum supplementa cautiora proferunt, sed tandem legere malunt

[Θηραίων τὸ κοινὸν ὑπ]ὲρ
[τοῦ δεῖνος *e.g.* Λεοντ]έως στρα-
[τηγήσαντος ἀμισθὶ ἐν] τῷ πέραν
[εὐνοίας ἕνεκα θ]εοῖς.

**726. Fragmentum incerti generis, aet. Rom.** — *Ibid.*, prope n. 723 inventum. Duo frusta inter se coniuncta, undique nisi supra mutila. F-B., 48 n. 48.

ΕΤΗΝ ν ΘΕΟ
ΓΟΥΔΙΩΝΟ
Ο^ Ο^

**727. Decreta de Chalcetis, c. med. s. IV$^{a}$.** — *Cnidus.* SEG XII 419. Supplementa quae proposuit G. Klaffenbach, a nobis *loc. cit.* exhibita, plenius elaboravit id., *Festschrift für Carl Weickert*, 1955, 94/6. Notanda sunt

vss. 2/3. [Κνίδ|ιοι] (SEG XII) corrigendum in [Κνί|διοι] (Klaff.)
vss. 6/7. ἐνων[ά|ν] cf. IG VII 3287, vs. 7.

**728. Victoriarum recensus, c. med. s. I$^{a}$.** — *Halicarnassus. Syll.*$^{3}$ 1064. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 144/6 n. 56.

**729. Dedicatio pro navigatione prospera, aet. imp. Rom.** — *Ibid. Brit. Mus. Inscr.* 1037a adhibuit Nils Sandberg, ΕΥΠΛΟΙΑ (*Acta Universitatis Gotoburgensis* 1954, 8), 38/9 n. 45.

**730. Victoriarum recensus T. Flavii Metrobii, c. a. 90$^{p}$.** — *Iasus.* W. R. Paton, *Cl. Rev.* III 1889, 333, + CIG II 2682 (Le Bas-Waddington III 301). Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 181/3 n. 66; *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 278/9.

**731. De aquis in urbem deducendis, ex. s. I$^{p}$.** — *Aphrodisias.* G. Doublet et G. Deschamps, *BCH* XIV 1890, 611/3 nn. 7/9 coniunxit et denuo ed. J. M. R. Cormack, *BSA* XLIX 1954, 9/10, qui etiam e schedis Kubitschekii nonnihil ad eandem rem haurire potuit. Ex his fragmentis n. 7 solum[1] reperire potuit a. 1934 W. M. Calder, unde cetera ut supplementa hic exhibentur, sed quae lineis subductis notavimus vel Kubitschek vel Doublet et Deschamps olim viderant. Cf. Cormack, *op. cit.* infra (n. 734), 30.

Θεᾷ Ἀφρο[δείτῃ κα]ὶ Αὐτο[κράτορι Δομιτιανῶι Καίσαρι Σεβαστῶι Γερμανικῶι]



καὶ τῶι σ[ύμπαν]τι οἴκωι [τῶν Σεβαστῶν καὶ τῶι δήμωι τῶι Ἀφροδισιέων]
Ἄδραστος Ἀπο[λλωνί]ου τοῦ Ὑψ[ικλέους τοῦ Μενάνδρου τοῦ Ζήνωνος ὁ γενόμενος]
ἱερεὺς Ἡλίου καὶ ἀρχ[ιερ]εὺς Οὐεσπ[ασιανοῦ Καίσαρος Σεβαστοῦ τὰ ὑδρεγδοχεῖα καὶ τὰς]
ἐν αὐτοῖς δεξαμενὰς καὶ τὰ ὕδα[τα καθ' ὅλην ῥέοντα τὴν πόλιν ὠνησάμενος τοὺς]
περικειμένους τόπους πάντας [καὶ τὰ ἄμφοδα καὶ ἀποκαταστήσας τῇ πόλει καὶ]
κατασκευάσας τὰ ἐν αὐτοῖς [ἔργα σὺν Ἀμμίᾳ Ἀδράστου τοῦ Ἀπολλωνίου τῇ ἰδίᾳ]
*vacat* *vacat*
θυγατρὶ ἀνέθηκε τοῖς προγεγρ[αμμένοις θεοῖς καὶ τῶι δήμωι ἐκ τῶν ἰδίων]
ὑπαρχόντων ἐπιμελη[θείσης καὶ Ἀμμίας τῆς θυγατρὸς αὐτοῦ].

**732. Honores M. Aelii Aurelii Menandri, c. a. 165$^{p}$.** — *Ibid.* CIG II 2810*b*; Le Bas-Waddington III 1620*b*. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 206/11 n. 72, Cormack, *op. cit.* infra (n. 734), 13.

**733. Honores M. Aurelii . . . . . i, in. s. III$^{p}$.** — *Ibid.* P. Paris et M. Holleaux, *BCH* IX 1885, 68/71 n. 1. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 235/7 n. 80, qui in vs. 1, ubi P. et H. ἡ βουλὴ καὶ ὁ δῆμος καὶ ἡ γερουσία καὶ οἱ νέοι, ipse καὶ ἡ γερουσία κτλ. omittit. Cf. Cormack, *op. cit.* infra, 29.

**734.** De titulis *Aphrodisiade* repertis fortunaque uniuscuiusque eorum a tempore Sherardi (a. 1705) usque ad nos, quot nunc deperditi sunt vel quorum fragmenta mera supersunt, et de editoribus editionibusque, tractat J. M. R. Cormack, *Notes on the History of the Inscribed Monuments of Aphrodisias* (Reading, 1955), cuius ad bibliographias uberrimas lectorem vocemus si quid de lapidibus Aphrodisiensibus quaerere volet.

**735. Tit. agonisticus, post a. 180$^{p}$.** — *Tralles.* Edhem Bey, *BCH* XXVIII 1904, 87/9 n. 10. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 226/8 n. 78.

**736. Victoriarum recensus, post a. 25$^{p}$.** — *Magnesia ad Maeandrum. Inschr. v. Magnesia* 149 tract., et huic aetati attribuit, L. Moretti, *op. cit.*, 162/4 n. 62.

**737. Tit. agonisticus P. Aelii Aristomachi, c. a. 140$^{p}$.** — *Ibid. Inschr. v. Magn.* 180/1 = Moretti, *op. cit.*, 198/206 n. 71. Cf. eund., *Athenaeum* XXXII 1954, 115/20.

IONIA

738. *Didyma*. De significationibus verborum complurium quae in titulis Didymaeis inventa sunt tractavit A. Rehm, *Indogermanische Forschungen* LXI 1952/4, 170/86; cf. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 259/61 n. 196. Verba sunt ἐνφαρσώματα (= 'Einsetztafel'), Ὀνοπήγανος et Πύννος (nomina propria), Τειμοθεασταί et Ἡγησιασταί, μήμη (= προμάμμη), ὑπομηλίς (genus pomi aureo simulacro repraesentatum; vid. CIG II 2855, vs. 32, et alibi), ἀρεσκοσύνη (vid. n. 739 infra).

739. **Honores Autophontis, ante med. s. II$^a$.** — *Ibid.* B. Haussoullier, *Rev. Phil.* (II$^e$ Sér.) XLIV 1920, 38. Vs. 3 praecipue tract. A. Rehm, *loc. cit.* supra, 171, unde vss. 2/4 hunc in modum sunt supplendi:

εὐσεβείας ἕνεκεν
τῆς εἰς τοὺς θε[οὺς] καὶ ἀρε[σκο]σύν[ης] κ[α]ὶ εὐνοίας τῆς *vac.*
[εἰς τοὺς ἀνθρώπους ----------].

740. **Decretum Milesiorum de exsilio tyrannorum vel factionis, paullo ante a. 442$^a$ (?).** — *Miletus. Milet* I vi, n. 187; Tod, *GHI* I$^2$ 35 et p. 261; *Syll.*$^3$ 58; SEG I 434. Tractavit A. J. Earp, *Phoenix* VIII 1954, 142/7, qui legem hanc non, ut antea, circa a. 450 attribuendam putat, sed artius cum testimoniis [Xenophontis] Ἀθ. Πολ. III 11 et *ATL* Tab. 9-11 collocat, et, post defectionem et deditionem Mileti c.a. 454/2, dominationem paucorum a. 452/46 alteramque defectionem a. 446/3 latam esse urget. Cf. L. Robert, *Études épigr.* 199/200; R. Meiggs, *JHS* LXIII 1943, 26.

741. **Lex sacra, s. I$^a$/I$^p$.** — *Ibid. Milet* I vii, n. 202. Vss. 5/10 adducit P. M. Fraser, *BSA Alex.* XL 1953, 45/6 (ubi per errorem typographi n. 262 exhibetur) c. adn. 1 (p. 46). In vss. 6/7 pro γυναικὸς [λ]ε|[χοῦ]ς legit γυναικὸς [τ]ε|[κούση]ς.

742. **Eudemus Milesius in usum scholarum pecuniam dat, a. 200/199$^a$.** — *Ibid. Syll.*$^3$ 577 adducit M. P. Nilsson, *Die Hellenistische Schule*, 1955, 48 et passim.

743. **Tit. agonisticus Xenothemidis, c. med. s. II$^a$.** — *Ibid. BMI* 929 adhibuit L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 126/7 n. 49.

744. **Tit. agonisticus Babonis, Nicomachi f., s. II$^a$ p. post.** — *Ibid. Milet* I iii, n. 164. Vid. Moretti, *op. cit.*, 138/9 n. 52.

745. **Tit. agonisticus - - - - cratis Milesii, c. a. 20$^a$.** — *Ibid. Milet* I ix, n. 369 novo fragmento auxit L. Robert, *Hellenica* VII 1949, 117/25. Vid. Moretti, *op. cit.*, 151/6 n. 59, qui nonnulla supplementa nova proponit:



B vss. 6/7. Ἴσθμια τὸ [δεύτερον ὁπλίτην καὶ Ἐ]λευσίνια κτλ.
C vss. 16/17. Ἴσθμια [τὸ δεύτερον(?) ὁπλί]την
(ubi Rob. Ἴσθμια [τὸ β' στάδιον(?) ὁπλί]την).

746. **Dedicatio Anaximandri, c. a. 560$^a$.** — *Ibid. Milet* I ii, n. 8. Statuam hanc — partem feminae stantis inferiorem — olim *Berolini* sed nunc, ut videtur, alio transvectam, tractavit W. Darsow, *Jahrb.* LXIX 1954, 101/17. c. imm. ph. fig. 1/5 (tituli, 1/2 et 5). Contendit dedicationem (e.g.) vel [ἄγαλμα Ἀν]αξιμάνδρο vel [Ἀν]αξιμανδρο[ς ἀνέθηκεν] vel etiam [ὁ δεῖνα Ἀν]αξιμάνδρο [ἀνέθηκεν] exhibuisse (vid. praecipue 113/4): certe num nomen solum in casu genitivo steterit valde dubitat.

747. **Honores C. Iuli Caesaris, a. 48$^a$.** — *Ephesus. Syll.*$^3$ 760; CIG II 2957. Adhibuit A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 65/75 E.

748. **Victoriarum recensus, c. a. 170$^p$.** — *Ibid. BMI* 605 tract. L. Robert, *Rev. Phil.* (III$^e$ Sér.) IV 1930, 38/41 n. XXV. Cf. etiam L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 211/15 n. 73. Vs. 1 [Βαρπίωνος] *P. Lond.* III 1178, Mor.; [Καρπίωνος] Robert. Eundem tit. adducit Moretti, *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 285.

749. **Victoriarum recensus, s. II$^p$ p. post.** — *Ibid. Ephesos* II n. 72. Vid. Moretti, *op. cit.*, 219/22 n. 75, qui nonnullis versibus nova supplementa proponit:

4. Pro π[αίδων] (*Eph.* II) supplet Ἰ[σθμικῶν(?)]
7/8. Pro Ἥρα[ια, τὴν ἐξ Ἄρ γ]ους ἀσπίδα suppl. Ἥρα[ς τὴν ἐξ Ἀρ|γ]ους κτλ.
10. Pro Ἀδριάνεια ἐν Λ - - - - suppl. Ἀδριάνεια ἐν Ἀ[θήναις].

750. **Victoriarum recensus, s. II$^p$.** — *Ibid.* Pars media baseos marm. Ed. J. Keil, *Jahresh.* XXX 1937, Beibl. 213/4 (cf. 202/3 n. 8); cf. Moretti, *op. cit.*, 213/4, 221, etc.

---
καὶ Ἐφέσιος καὶ (Ἡ)λεῖος
νεικήσας Ὀλύμπια ἐν
Ἐφέσῳ δίαυλον, Ὀλύμπια
ἐν Πείσῃ παίδων στάδιον, Διδύ-
5 μεια ἐν Μειλήτῳ παίδων στάδιο[ν],
Αὐγούστεια ἐν Περγάμῳ ἀγενείων
στάδιον, Ἀδριάνεια ἐν Ἐφέσῳ ἀγεν[εί]-
ων στάδιον, κοινὰ Ἀσίας ἐν Σάρδεσι[ν]
ἀγενείων στάδιον, Ἀπολλώνει[α]
10 Πύθια ἐν Ἱεραπόλει ἀγενείων σ[τά]-

διον, Τραϊάνεια ἐν Περγά[μῳ ἀγ]εν[εί]-
ων στάδιον, Βαρβίλληα [ἐν Ἐ]φέσῳ ἀ[γε]-
νείων σ⟨τ⟩άδιον, Τρα[ϊάνεια ἐν] Περ[γα]-
μῳ τὸ β', Ἐφέστια τὰ μεγάλ[α ἀν]δρῶ[ν δίαυ]-
[λ]ον, Ἄλεια ἐν Ῥόδῳ ἀνδρῶν [δίαυ]-
[λ]ον ὅπλον, Κόρηα ἐν Σάρδεσιν [δί]-
[α]υλον, Δεῖα ἐν Λαοδικείᾳ [δίαυ]-
λον, Νέμεα ἐν Ἄργει ἀν[δρῶν]
δίαυλον ὅπλον, Διδύμεια ἐν Μειλή-
τῳ ἀν[δ]ρ[ῶ]ν δίαυλ[ον ὅπλον(?)].

1. lap. ΠΛΕΙΟΣ. || 13. lap. ΣΡΑΔΙΟΝ.

**751. Polythrus Teiis in usum scholarum pecuniam dat, s. II$^{a}$.** — *Teus. Syll.*$^{3}$ 578 adducit M. P. Nilsson, *Die Hellenistische Schule*, 1955, 39 et passim.

**752. Catalogus prohibitionum in Dionyso venerando, s. II$^{p}$.** — *Smyrna*, nunc *Lugduni Batavorum* in museo. Tabulam marm. albi, infra fractam, ed. J. Keil, *Anz. Ak. Wien* XC 1953, 16/20 n. 1, c. im. ph. ectypi pl. II, 1. Vid. M. P. Nilsson, *Eranos* LIII 1955, 28/33, qui de significatione tituli, quo modo ad mysteria Bacchi interpretanda uti possimus, disserit; F. Sokolowski, *Lois sacrées de l'Asie Mineure*, 1955, 186/9 n. 84.

. . . . της Μενάνδρου ὁ θεοφάντης ἀνέθηκεν.
[Πάν]τες ὅσοι τέμενος Βρομίου ναούς τε περᾶτε,
τεσσαράκοντα μὲν ἤματα ἀπ' ἐχθέσεως πεφύλαχθε
νηπιάχοιο βρέφους, μὴ δὴ μήνειμα γένηται,
ἕκτρωσίν τε γυναικὸς ὁμοίως ἤματα τόσσα·
ἢν δέ τιν' οἰκείων θάνατος καὶ μοῖρα καλύψῃ,
εἴργεσθαι μηνὸς τρίτατον μέρος ἐκ προπύλοιο·
ἢν δ' ἄρ' ἀπ' ἀλλοτρίων οἴκων τι μίασμα γένηται,
ἡελίους τρισσοὺς μεῖναι νέκυος φθιμένοιο,
μηδὲ μελανφάρους προσίναι βωμοῖσιν ἄνακτ[ος],
μηδ' ἀθύτοις θυσίαις ἱερῶν ἐπὶ χῖρας ἰάλ[λειν],
μηδ' ἐν βακχείοις ᾠὸν ποτὶ δαῖτα τ[ίθεσθαι(?)],
καὶ κραδίην καρποῦν ἱεροῖς βωμοῖς ⏑⏑–⏑
ἠδὲ ὁσμοῦ τ' ἀπέχεσθαι, ὃν δὴ γ' ⏑⏑– ⏑⏑–⏑
ἐχθροτάτην ῥίζαν κυάμων ἐκ σπέ[ρματος –⏑]
Τειτάνων προλέγειν μύσταις ⏑⏑– ⏑⏑–⏑
καὶ καλάμοισι κροτεῖν οὐ θέσ[μιον εἶναι ⏑–⏑]



ἥμασιν οἷς μύσται θυσί[ας ⏑⏑– ⏑⏑ –⏑]
[μηδ]ὲ φορεῖν συ ⏑⏑ ⏑⏑– ⏑⏑– ⏑⏑ –⏑

14. ὁσμός = μήδιον Nilsson. ἡδεόσμου ( ἡδυόσμ.) prop. P. Maas ap. M. N. Tod, *Gnomon* XXVIII 1956, 460. || 15. De suppl. dubitat Nilsson. || 17. θέσ[μιόν ἐστιν – –] Sokolowski.

**753. Carmen sepulcrale, s. I$^{a}$.** — *Ibid.* Stela marm. albi, c. actomate (in quo corona) et anaglypho. W. Peek, *Ath. Mitt.* LVI 1931, 122/3 n. 5; id., *Griechische Vers-Inschriften* I, 768. Vss. 9/10 attulit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 366 n. 5.

**754. Carmen sepulcrale, s. II/III$^{p}$.** — *Ibid.* Le Bas-Waddington III 1529; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 310. Vss. 7/8 tract. W. Vollgraff, *loc. cit.*, 383 n. 16, qui rest.

στήλῃ τειμήσαντες ἐμὸν τά[φον ἄγχις ἐόντα]
Πειερίσιν κτλ.

τά[φον ἀθανάτοις τε] priores, et nuperrime W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 992, qui in vss. 1/2 et 5 alia quoque supplementa nova inserit.

**755. Carmen sepulcrale, s. I/II$^{p}$.** — *Ibid.*, nunc *Lugduni Batavorum* in museo. De stela sepulcrali, quam ed. J. Keil, *Anz. Ak. Wien* XC 1953, 20 n. 2, c. im. ph. lapidis pl. II, 3, vid. nunc W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1545.

Τέκνον ἐμὸν Παῦλα, φθιν⟨ύ⟩θ⟨ω⟩ δακρύοι⟨ς⟩ σὲ βοῶσα,
{τ} οἱά τις ἀλκυὼν παῖδά σ' ὀδυρομένη·
κωφ⟨ὴ⟩ δ' ἀνταχοῦσι πέτρ⟨η⟩ κ⟨αὶ⟩ τύνβος ἀπεχθής,
ὃς τὸν ἐμῶν τοκετῶν ἔσβεσεν ἠέλιον·
ἀεὶ δ' ὡς Νιόβη πέτρινον δάκρυ πᾶσιν ὀρῶμαι
ἀνθρώποις ἀχ⟨έ⟩ων πένθος ἔχουσα μόνη.
ὦ τάφε καὶ δαίμων, μικρὸν μέθες ἰς φάος ἐλθεῖν
παῖδαν ἐμὴν Παῦλαν, δοῖς δέ μοι εἰσιδ⟨έ⟩ειν·
οὐ σοί, Φερσεφόνη, τόδε μέμψεται οὐδέ τι σ', Ἄδη,
ἢν τόσον ἀν⟨σ⟩τήσ⟨η⟩ς παῖδα⟨ν⟩ ἐμὴν κατ' ὄναρ.
Παῦλα χρηστή, χαῖρε.

1. lap. ΦΘΙΝΙΘΟ. δακρύοις ἐβόωσα Keil. || 2. lap. ΤΟΙΑ. παῖδας mavult M. N. Tod. per ep. || 3. lap. ΚΩΦΕ, ΠΕΤΡΕ, ΚΕ || 6. ΑΧΗΩΝ. || 7. ΜΕΘΕΣΙΣ. || 8. ΕΙΣΙΔΕΙΝ. || 9. οὐδέ τις Ἄδη Tod. || 10. ΑΝΤΗΣΕΣ ΠΑΙΔΑΕΜΗΝ.

## LYDIA

**756. Tit. agonisticus M. Aurelii Demostrati Damae, a. 212/7$^{p}$.** — *Sardes. IGRR* IV 1519; *Inscr. Sardis* 79. Vid. L. Robert, *Rev. Phil.* (III$^{e}$ Sér.) IV 1930, 44/9 n. XXVIII; L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 244/9 n. 84; eund., *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 279 c. adn. 3.

**757. Dedicatio Iovi** *ἀερίῳ*, **s. III$^{p}$ p. post.** — *Topalar.* J. Keil et A. von Premerstein, *Denkschr. Wien* LVII (i) 1914, 12/3 n. 11. *Hymn. Orph.* XX, 2, et Nonnum, *Dionys.* VII, 312, confert W. Quandt, *Hermes* LXXXI 1953, 124/5.

**758. Tit. agonisticus Aurelii(?) Polycratis, c. a. 210/2$^{p}$.** — *Philadelphia* (*Alaşehir*). *IGRR* IV 1761. Vid. L. Moretti, *op. cit.* supra (n. 756), 239/41 n. 82.

**759. Dedicatio, s. II$^{p}$.** — *Saryserli*, prope *Philadelphiam*. J. Keil et A. von Premerstein, *Denkschr. Wien* LVII (i) 1914, 29 n. 30, c. del. Vs. 2 enodavit H. Grégoire, *La Nouvelle Clio* V 1953, 450/1, et totum titulum leg. (vid. tamen J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 261/2 n. 197).

Νυνφιδία Σωτῆρος
α
ἰς κορβ⟨ν⟩α ἐπὶ τὸ θεῖ-
ον ὑπὲρ τῆς ἰδίας σω-
τα
ρίας καὶ τῶν ἰδίων
πάντων ἀνέθηκεν.

2. Lap. ΚΟΡΒΡΙΑ. De verbo κορβᾶν vel κορβανᾶς vid. H. Grégoire, *Bulletin de l'Académie royale de Belgique* XXXIX 1953, 657/63.

**760. Tit. sepulcralis, aet. Imp. Hadriani.** — *Thyatira.* CIG II 3509. Vid. V. Tcherikover, *Scripta Hierosolymitana* I 1954, 83/4.

## MYSIA

**761. Honores C. Iuli Caesaris, a. 48$^{a}$.** — *Pergamum. IGRR* IV 305 et 303; *Inschr. v. Pergamon* 377. Att. A. E. Raubitschek, *JRS* XLIV 1954, 65/75 C (c. im. ph. lapidis pl. III) et J. .

**762. Honores eiusdem, a. 48$^{a}$.** — *Ibid. IGRR* IV 307; *Inschr. v. Pergamon* 378. Adhibuit id., *loc. cit.*, K, qui hunc in modum rest.:

[Ὁ δῆμ]ος
[Γάϊον Ἰούλιον Γαΐου υἱ]ὸν Καίσαρα, ἀρχιερέα
[καὶ αὐτοκράτορα, τὸν] κοινὸν τῶν Ἑλλήνων
[σωτῆρα καὶ ε]ὐεργέτην.

3. αὐτοκράτορα Raub. ὕπατον τὸ β' Fraenkel.
4. σωτῆρα καί addidit Raub.

**763. Honores eiusdem, a. 47$^{a}$.** — *Ibid. IGRR* IV 304/1677; *Inschr. v. Pergamon* 379. Adhib. id., *loc. cit.*, 68/75 O. Fragmenta haec duo aut titulo eidem aut titulis duobus verbis eisdem expressis attribuenda sunt.



**764. Honores Philippi Glyconis, Asclepiadae f., c. a. 25$^{a}$.** — *Ibid. IGRR* IV 497; *Inschr. v. Pergamon* 535. Tractavit L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 149/51 n. 58, qui vss. 3/5 denuo suppl.

[Ὀλύμ]πια, Πύθια, Ἄκτια ἄνδρα[ς πάλην πυγ]-
[μὴν καὶ] παγκράτιον, Ἴσθμι[α παγκράτιον],
[Ἥραια ἐν] Ἄργει δὶς κατ[ὰ τὸ ἑξῆς πάλην],
κτλ.

5. [Ἥραια τὰ ἐν] κτλ. L. Robert, *Hellenica* VII 1949, 123.

**765. Honores Agiae gymnasiarchi, s. I$^{p}$.** — *Ibid.* P. Jacobsthal, *Ath. Mitt.* XXXIII 1908, 379/81 n. 2. Vs. 15 ex ἀπὸ τῶ[ν ξένων] in ἀπὸ τῶ[ν νέων] emendavit M. P. Nilsson, *Die Hellenistische Schule*, 1955, 50 adn. 6.

**766. Carmen dedicatorium, a. 280/72$^{a}$.** — *Ibid. Inschr. v. Pergamon* 10; Hoffmann 334; Geffcken 177; Hiller v. Gärtringen, *Hist. Gr. Ep.* 98. Vid. L. Moretti, *op. cit.*, 94/9 n. 37.

**767. Epistula Antigoni I Monophthalmi ad Scepsios, a. 311/10$^{a}$.** — *Scepsis. OGIS* 5; C. B. Welles, *Royal Correspondence*, n. 1. Adhibuit R. H. Simpson, *JHS* LXXIV 1954, 25/31.

**768. Tituli agonistici, aet. Imp. M. Aurelii.** — *Cyzicus. IGRR* IV 160 et 162 (= CIG II 3674/5) adducit L. Moretti, *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 286 c. adn. 1.

**769. Carmen sepulcrale, s. III$^{a}$.** — *Ibid.* J. H. Mordtmann, *Ath. Mitt.* VII 1882, 255/6 n. 27. Adducit et novum textum excudit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 358/65 n. 4, quem exhibemus. Supplementa tamen quae olim proposuit Wilamowitz, *Sappho und Simonides*, 110, retinet W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1792.

[Ὧδ' Ἀ]φροδίτας ναός ἐστί [μ]ευ πέλα[ς]
[τίω]ν Ἀνακρέοντα τὸν πόθων ἴδρι[ν].
[ἐγὼ] δὲ παιδέρωσιν οὐκ ἐτερπόμαν,
[τὰ δ'] ἄσπιλ' ἐν νέοισιν ἀφροδίσια
[δδ' ἀ]ντίμιμ' ὁ τύμβος εὐχάρακτ' ἔχει·
[εἰ δὲ] κνίσει με Μῶμος, ἀντι[κείσε]ται
[κά]λ' ἐννέπων Ἔπαινος [ἄνθε' ἃ]'δρέπ[ον],
[τὸν] Ματροδώρου δ' οὐ θρίσ[ει] Μενεκράτην.

1. μ[ε]υ Vollgr. [μ]ευ Mordtm., Peek.

BITHYNIA

**770. Titulus sepulcralis, aet. Rom.** — *Prusa* (*Bursa*), in museo, inv. n. 2156, olim *Günece Köy*, prope *Yenişehir*. Partem superiorem monumenti sepulcralis ed. I. W. Macpherson, *BSA* XLIX 1954, 16 n. 13, c. im. ph. lapidis pl. 2*b*. Litt. ϵ, c, ω.

Ἀρτέμων Ἀπολλωνίδου ζῶν καὶ φρονῶν
ἀνέστησεν τὸν βωμὸν καὶ τὴν ὀ(σ)τοθήκην
ἐκ τῶν ἰδίων αὑτῷ καὶ τῇ συμβίῳ αὐ-
τοῦ Λογγείνῃ τῇ καὶ Φιλή-
τῃ· ἀξιῶ δὲ ἀνεξοδί[αστον].

2. Lap. ΟΟΤΟΘΗΚΗΝ. ‖ 5. ἀνεξοδίαστον. Vid. L. Robert, *Hellenica* I 1940, 60/5, II 1946, 147; M. N. Tod, *AJP* LXII 1941, 191/8.

**771. Honores Imperatoris Hadriani, a. 117/38*p*.** — *Prusias* (*Üsküdü*). Tabulam lap. granit., undique tantum non incolume, ed. Z. Taşlıklioğlu, *Belleten* XIX 1955, 97 n. 6, c. im. ph. Pars anterior tituli sine dubio altero in lapide inscripta est; finem nostra in tabula, ut videtur, habemus.

[Αὐτοκράτορα Καίσαρα]
[Θεοῦ Τραϊανοῦ]
Παρθικοῦ υἱὸν
Θεοῦ Νέρουα υἱ-
ωνὸν Τραϊανὸν
Ἀδριανὸν
Σεβαστόν, πατέ-
ρα πατρίδος.

**772. Honores proconsulis cuiusdam, s. II/III*p*.** — *Ibid.* Partem inferiorem stelae magnae lap. gran. ed. id., *loc. cit.*, 96/7 n. 5, c. im. ph. Ex im. ph. reliquias versus anterioris vidimus, quem in textu indicavimus.

*reliquiae nonnullae*
πρεσ(β)(ευτὴν) Σεβ(αστοῦ) ἡγεμόνα λεγεῶνος ιβ'
κερανοφόρου βεβέας εὐσταθοῦς,
πρεσβ(ευτὴν) Σεβ(αστοῦ) ἡγεμόνα λεγεῶνος ζ'
Κλαυδίας, πρεσβ(ευτὴν) Σεβ(αστοῦ) καὶ ἐπανορ-
θωτὴν τῶν τῆς Παμφυλίας πόλεων,
ἀνθύπατον Σικελίας, πρεσβευ(τὴν)
καὶ ἀντιστράτηγον Σεβ(αστοῦ) καὶ ἡγεμόνα
Γαλατίας, πρεσβ(ευτὴν) καὶ ἀντιστράτηγον Σεβ(αστοῦ)
καὶ ἡγεμόνα Κιλικίας, πρεσβ(ευτὴν)



καὶ ἀντιστράτηγον Σεβ(αστοῦ) καὶ ἡγεμόνα
Ἀραβίας, ὕπατον, Μ(ᾶρκος) Δο(μ)ίτιος
- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

2. Ita Taşl. In lapide ex im. ph. legimus ΠΡΕΣΣΕΒ.
12. Lap. ΔΟΝΙΤΙΟΣ.

**773. Honores T. Flavii Domitiani Nestoris, s. II*p*.** — *Ibid.* Duo fragmenta stelae lap. gran. ed. id., *loc. cit.*, 81/4 nn. 1/2, c. im. ph. Vs. 18, in corona stelae inferiore, ex. im. ph. addere potuimus.

Τὸν ἀπὸ γένους ἀσύν- (*a*).
κριτον Ἑλληνάρχην καὶ
ἐκ προγόνων ἱερέων τε
[κ]αὶ Βειθυνιαρχῶν καὶ Σε-
[β]αστοφαντῶν καὶ πρυτάνεων
[Τ] . Φλ . Δομιτιανὸν
Νέστορα,
[ἀγ]ορανομήσ[α]ντα πολλάκις (*b*).
[τ]ῇ π[α]τρίδι ἐνδόξως,
ἄρξαντα τὴν μεγίστην ἀρχὴν
ἐπιφανῶς, ἀργυροταμίαν
τῶν ἐλαιωνικῶν χρημάτων,
γραμματεύσαντα, τειμη-
τεύσαντα ἁγνῶς, ἔργοις
ἰδίοις τε καὶ προγονικοῖς
κοσμήσαντα τὴν πατρίδα καὶ
ἐργεπιστάτην καὶ φιλόπολιν,
Τ. Φλ. Δ[ομιτιανὸς - - - -]

**774. Honores eiusdem, eiusdem fere aetatis.** — *Ibid.* Stelam postea in usum putealis vocatam ed. id., *loc. cit.*, 84/95 n. 3, c. im. ph. Vss. 1/3 e n. 773 supra hausti.

[Τὸν ἀπὸ γένους ἀσύνκριτον Ἑλληνάρχην]
[καὶ ἐκ προγόνων ἱερέων τε καὶ]
[Βειθυνιαρχῶν καὶ Σεβαστοφαντῶν]
[κ]αὶ πρυτάνεων Τ . Φλ . Δομιτιανὸν
Νέστορα,
ἀγορανομ[ήσαντα μεγαλ]οπρεπῶς,
ἄρξαντ[α τὴν μεγίστην ἀ]ρχὴν
ἐπιφα[νῶς, τειμητεύσαντα ἁ]γνῶς
καὶ ν.[ομίμως, δὶς ἄρχοντα καὶ πρ]ῶτον

ἄρχο[ντα καὶ ἱερέα καὶ ἀγωνο]θέτην
[Διὸς Ὀλυμπίου],
ἐπιδ[όντα ἑαυτὸν τῇ πατ]ρίδι
κατ' ἐ[πείγοντα καιρὸν σωτῆ]ρα(?)
οἱ ἡρ[ημένοι τῆς ὁμον]οίας
εἰς τὴ[ν ἀρχὴν αὐτοῦ φύ]λαρχοι

Φυλῆς Σεβ[αστηνῆς] — [Φυλῆς Τ]ιβεριανῆς
Μ. Αὐρήλιος Κακι - - - - - — [Μ. Αὐρήλ]ιος Ἰσόχρυσος
κανός, — Σερτωριανός,
Π. Αἴλιος Ἀλέξανδρος — Ἀσκληπιόδοτος
— Φυλῆς Προυσιάδος
-- Οὔλπιος Ἄγηνος — Μ. Αὐρήλιος - - - -

**775. T. Flavius Domitianus Nestor patrem suum honorat, eiusdem aetatis.** — *Ibid.* Tabulam lap. gran. supra a sinistra fractam ed. id., *loc. cit.*, 95/6 n. 4, c. im. ph. Pars anterior tituli haud dubium quin in altero lapide sit inscripta.

[Τ]. Φλ. Δομιτιανὸς Νέστωρ
τὸν ἀγαθὸν καὶ
φιλοστοργότατον πατέρα.

## PONTUS

**776. Victoriarum recensus Marciani Rufi, aet. Imp. Traiani vel Hadriani.** — *Sinope* (*Sinop*). SEG XIII 540. Vid. L. Moretti, *Riv. di Fil.* NS XXXII 1954, 279 c. adn. 2, 282; G. E. Bean, *AJA* LX 1956, 198.

**777. Tit. honorificus vel sepulcralis, s. II$^{p}$(?).** — *Ibid. IGRR* III 96; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 875. Cf. *Studia Pontica* III 1, p. 24; L. Robert, *Études Anatoliennes*, 1937, 297/9. Tractavit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 371/3 n. 8.

## PHRYGIA

**778-90.** Dedicationes aliquot et titulos sepulcrales, quos in itinere *Dorylaei* (*Eskişehir*) et in vicinia descripsit, omnes aetatis Romanae, ed. I. W. Macpherson, *BSA* XLIX 1954, 11/16, c. pl. 1/2.

**778. Dedicatio Iovi Εὐφράνορι.** — *Eskişehir* in museo, inv. n. 186. Ara marm. c. aetomate et acroteriis. Macph. 11/12 n. 1, c. im. ph. ectypi fig. 1.



Ἀγαθὴ τύχη·
Αὐρ. Χρῆστος
Πολέμωνο-
ς ὑπὲρ ἑαυτ-
οῦ κὲ τῶν ἰ-
δίων Διὶ Εὐφρ-
άνορι εὐχή-
ν.

**779. Dedicatio deo Ὁσίῳ καὶ Δικαίῳ.** — *Ibid.* Stela marm. glauci c. aetomate et acroteriis, inv. n. 37. In aetomate anaglyphum Cybeles(?); in stela supra titulum anaglypha viri in quadriga sedentis, et (a dextra) mulieris. Macph. 12 n. 2, c. im. ph. stelae pl. 1*a*.

Πρωτᾶς κ(αὶ) Ἀπολ-
λώνιος κ(αὶ) Ἀσκλη-
πᾶς οἱ Γαίου ὑπὲ-
ρ τῶν ἰδίων Ὁσί-
ῳ κὲ Δικέῳ εὐχήν.

De Ὁσίῳ καὶ Δικαίῳ vid. L. Robert, *Hellenica* X 1955, 5 adn. 1, 88, 95,6, qui eandem rem alibi tractabit.

**780. Dedicatio eidem.** — *Baschören*, prope *Eskişehir*. A. Körte, *Ath. Mitt.* XXV 1900, 431/3 n. 54. Vs. 3. Pro οἱ Δόμνου Θείῳ καὶ | Ἀπόλλωνι legit Ὁσίῳ καὶ | Ἀπόλλωνι Macpherson, *loc. cit.*, 12.

**781. Dedicatio Iovi Tonanti.** — *Eskişehir*. Stela marm. glauci, infra et supra fracta, inv. n. 215. Supra titulum pars inferior stantis cuiusdam qui fulmen tenet, sine dubio ipsius dei. Macph. 12/13 n. 3, c. im. ph. ectypi pl. 2*a*. De Iove Tonanti vid. *MAMA* V pp. 172/6, 193.

Ἀπολλώνιος
Ἀπολλωνίου κὲ
Ἀμία μήτηρ Διὶ
Βροντῶντι εὐ-
χήν.

**782. Dedicatio Θεᾷ Τετραπροσώπῳ.** — *Ibid.* Ara marm. glauci, c. acroteriis in omnibus lateribus et (in lat. dextro) corona inter bucrania; nonnihil laesa, et litterae pleraeque vix legendae. Inv. n. 192. Cf. *MAMA* V, 53/4 n. 101. Macph. 13 n. 4.

[Ἀ]γαθὴ τύχη·
.ΙΚΑΒΟΡ . . . . ΟΙ
θεᾷ τετραπροσώ-
πῳ [εὐ]χήν.

2. [ο]ἱ Καβορ[κιην]οί haesitanter prop. A. M. Woodward, per ep.

**783. Titulus sepulcralis Clodiae.** — *Ibid.* Stela marm. glauci c. aetomate et acroteriis, inv. n. 57, cum anaglypho rosae in aetomate et bucranii supra titulum. Macph. 13 n. 5. Vss. 7/9 lingua Phrygia scriptos esse putat M. Litt. e. c.

Κλωδία
Σοφοκλέ-
ως θυγά-
τηρ καὶ Τερ-
τίας παρ-
θένε, χαῖρε·
ΔΑΚΑΡΕΝΠΑ.
ΤΕΡΗΣΕΥΚΙΝ
ΑΡΓΟΥ *vac.*

**784. Dedicatio Iovi Tonanti.** — *Alpanos.* Ara marm. albi. Macph. 14 n. 6.

Εὔψυχος Ἀττ-
άλου πατρὶ θε-
οφιλήτῳ κὲ
Διὶ Βροντῶ-
ντι εὐχήν.

**785. Dedicatio eidem.** — *Ibid.* Stela marm. glauci, in via vici principali semisepulta. Macph. 14 n. 7.

[καὶ ὁ δεῖνα Ὀ]-
λυνπ[ίχ]-
ου εὐξ[άμενοι]
περὶ πα[τρὸς]
ἀνέστ[ησαν]
[ἐ]κ τῶν ἰδί[ων αὐ]-
τῶν Διὶ Β-
ροντῶν-
τι εὐχ[ήν].

**786. Dedicatio eidem.** — *Ibid.* Stela marm. albi, supra atque a sinistra mutila. Macph. 14 n. 8. Infra titulum reliquiae anaglyphi coronae.

Ἀπολλώνι-
ος Ἡνιόχου
[καὶ ------]-
ης Ἀπολλωνί-
ου ἱερεῖς Διὶ Βρ-
οντῶντι εὐ-
χήν.



**787. Dedicatio eidem.** — *Ibid.* Stela marm. glauci, infra fracta et supra utrimque laesa. Macph. 15 n. 9. In medio stelae coronae anaglyphum, circum quod titulus inscribitur.

[Αὐρή. ?] Τρύφων
[κ(αὶ) Α]ὐρή. Ἀσκληπᾶς
[ἱε]ρεὺς σὺν υἱῷ {δὲ} Ἀσ[κ]-
ληπᾷ περὶ τ-
ῶν τέκνων ἰδίων
ἀνέ- θηκα[ν]
περὶ πατρ-
ίδος π- ολυθ-
ενίας περὶ κ-
αρπῶν τηλεσφορίας
Διὶ Βροντῶντι ἐπιμ-
α(ρτ)ύρῳ εὐχήν.

11. Lap. ΕΠΙΜΑΜΥΡΩ, quod epitheton Iovis Tonantis esse forsan possit, sed errorem lapicidae postulare mavult ed.

**788. Dedicatio eidem.** — *Ibid. MAMA* V 149, R. 5, = Macph. 15 n. 10, c. im. ph. ectypi pl. 1*b*.

**789. Tit. sepulcralis.** — *Ibid.* Macph. 16 n. 11, c. im. ph. ectypi pl. 2*c*.

Χρύσιον Αἰσμένης ἀνδρὶ ἰδίῳ
καὶ τὰ τέκνα αὐτοῦ μνήμης χάριν.

**790. Tit. sep.** — *Ibid.* Stela marm. glauci. Macph. 16 n. 12.

Αὐρ. Ἀτ(τ)αλος
Δόμνου ἀδ-
ελφῷ γενέ-
ῳ σὺν μητρὶ
Χελειδόν-
ι μνῆς χάρι.

**791. Tit. sep., s. II$^{p}$.** — *Nacolea* (*Seyitgazi*). SEG VI 91; *MAMA* V n. 235. Adducit A. Ceresa-Gastaldo, *Riv. di Fil.* NS XXXI 1953, 349 adn. 2. Vid. C. Spicq, *Mnemosyne* (Ser. IV) VIII 1955, 33 adn. 1.

**792. Carmen sepulcrale, a. 193$^{p}$.** — *Aezani* (*Çavdarhisar*). Kaibel, *Epigrammata Graeca* 380, attulit P. Boyancé, *REA* LIV 1952, 287. Vid. nuperrime W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1318.

**793. Tit. sepulcralis, aet. Rom.** — *Acroenus* (*Afyonkarahisar*) in museo, inv. n. 2975, e *Çobanlar Köy* transvectus. Stela marm. parva c. aetomate et acroteriis. Ed. I. W. Macpherson, *BSA* XLIX 1954, 14.

Ἀμμία Παπίου μητρὶ
Ὀλυνπια-
νῇ
εὐχήν.

**794. Honores Monimi, Aristonis f., s. II$^{p}$.** — *Eumenia* (*Işikli*). CIG III 3886 (vid. *OGIS* 28 adn. 2, *IGRR* IV 739 adn. 3) att. G. E. Bean, *Belleten* XVIII 1954, 479/80 adn. 34. Cf. n. 801 infra.

**795. Tit. sep., aet. Rom.** — *Blaundus* (*Sülünlü*). *IGRR* IV 718; CIG III 3867. Adducit A. Ceresa-Gastaldo, *Riv. di Fil.* NS XXXI 1953, 348, ubi in vs. 2 legit ἀγαπητ[ὸ]ν. Vid. etiam C. Spicq, *Mnemosyne* (Ser. IV) VIII 1955, 33.

**796. Dedicatio, aet. imp. Rom.** — *Hierapolis*, nunc *Smyrnae* in aula musei. Stela lap. calc. c. anaglypho equitis, *Altertümer von Hierapolis* (*Jahrb. Ergänzungsheft* IV 1898) 76 n. 25. Vid. L. Robert, *Hellenica* X 1955, 13/5, c. im. ph. pl. IV, 2, qui legit:

Διονύσις
τὴν ἐνοχὴ-
ν ἀν⟨έ⟩θηκα.

## PISIDIA

**797-809.** *Burdur*. Monumenta antiqua, omnia aetatis Romanae, titulos vel anaglypha exhibentia, quae nunc *Burdur* in museo conservantur, ed. G. E. Bean, *Belleten* XVIII 1954, 469/88 (lingua Anglica), 489/510 (lingua Turcica), c. imm. ph. fig. 1/27. Titulos ergo tantum excerpsimus, et omnes hoc indice comprehendimus, quamvis diversis in locis regionis illius (ut notavimus) inventi sint.

**797. Basis statuae vel statuarum(?), c. signatura artificis.** — Ex *Ağlâsun* provecta, nunc in museo citato inv. n. 3, columna cum titulo in tabula ansata inscripto (praeter signaturam, quae infra tabulam locata est). Bean n. 3, c. im. ph. fig. 5.

Γῆς Μόλητος με-
τὰ τῆς ἐγγόνου Γῆς
καὶ Μάνου Μόλη-
τος υἱοῦ ἀνέθηκαν
τὸν ἄνδρα αὐτῆς



Μόλην καὶ Καλλι-
κλῆν τὸν υἱὸν μνή-
μης ἕνεκεν.
Κόμων Βιάνορος Ἀλιασεὺς
ἠργάσετο.

9. Comon idem atque artifex in *BCH* III 1879, 337 n. 7, commemoratus? Cf. et L. Robert, *Hellenica* IX 1950, 40/1.

**798. Ara sepulcralis.** — *Ibid.* inv., nunc in museo inv. n. 4. Ara c. anaglyphis in tribus lateribus; Bean n. 4, c. im. ph. fig. 6, qui amicissime per ep. monet lap. eundem esse quem olim *Yazi-Köy* vidit W. M. Ramsay (*Cities and Bishoprics of Phrygia*, 336 n. 168).

Πόπλιος Σεύθου τὸν
βωμὸν ἐποίησεν
Κρατέρῳ ἀδελφῷ
μνήμης χάριν.

**799. Ara generis eiusdem.** — *Ibid.* inv., nunc in museo inv. n. 5. Ara sine ornatu, praeter aetomata et acroteria in omnibus lateribus. Bean n. 5, c. im. ph. ectypi fig. 7. Litt. pessime incisae.

Ναναϛ Μενεκλέ-
ος Μενεκλε[ῖ] Ἀ-
πολλωνί$^{ου}$ τῷ πα-
τρὶ αὐτῆς μνεί-
ας χάριν.

**800. Ara dedicatoria.** — *Ibid.* inv., nunc in museo inv. n. 15. Ara parva c. anaglyphis in tribus lateribus — in fronte anaglyphum dei ipsius (Men), in equo vecti, supra quem titulus inscr. Bean n. 8, c. imm. ph. fig. 10/2. Supplementa exempli gratia.

[Ὁ δεῖνα Τρο-
φί]μου Ζω[τι-
κοῦ] Μην[ὶ]
ἐπηκόῳ εὐ-
χήν.

**801. Dedicatio Angdisi.** — Ara marm. albi, c. sex lateribus, quorum tria ferunt anaglypha, *Arvalı Köyü* inv., nunc in museo citato inv. n. 12. Bean n. 9, c. im. ph. fig. 13. De dea ipsa, locisque ubi praecipue colebatur, breviter agit B.

Ἀνγδίσει (*hedera*)
θεᾷ ἐπηκόῳ

Βρεισηῖς Ἀν-
τιόχου Ἀττά-
(*corona*)
λου Ἀρσάκου
θυγάτηρ ἱέ-
ρεια ἀνέθη-
κεν.

**802. Ara sepulcralis.** — Pars inferior arae parvae, *Cremnae* inv., nunc in museo sed sine numero. Bean n. 13, c. im. ph. fig. 18.

[Ἡ δεῖνα]
. έωνι
[ἀ]νδρὶ
[μ]νήμης
χάρ⟨ι⟩ν.

**803. Mon. sep. in forma columnae.** — Columnam c. anaglyphis *Bayır Köyü* inv. ediderat V. Bérard, *BCH* XVI 1892, 439 n. 82, cuius textum correxit Bean, n. 14, c. im. ph. fig. 19. Monumentum nunc *Burdur* in museo, inv. n. 7. De sententia ὁ δεῖνα ἀνέστησεν ἑαυτόν vid. L. Robert, *Études Anatoliennes*, 393.

Εὔτυχος δ[ο]ῦλος Τρωΐλου
Μουσαίου ἀνέστησεν
ἑαυτὸν καὶ τὴν γυναῖκα
Νανναν ζῶντας καὶ
Εὔτυχον τὸν υἱὸν τελευτή-
{τη}σαντα ἐτῶν ιβ'
μνήμης καὶ φιλοστοργίας
χάριν.

**804. Ara dedicatoria.** — Ara *Gebren* inv., nunc in museo inv. n. 14. Bean n. 17, c. im. ph. fig. 22. In fronte arae anaglyphum Neptuni in equo vecti et tridentem manu dextra tenentis; titulus supra et infra anaglyphum inscr.

[Ὁ δεῖνα]
Με[νε]-
λά ου
(*anaglyphum*)
Ποσιδῶνι
εὐχήν.



**805. Ara sepulcralis.** — Ara c. anaglyphis imaginum viri mulierisque, originis incertae (ipsius *Burdur*?), nunc in museo inv. n. 8. Bean n. 18, c. im. ph. fig. 23. Titulus supra et infra anaglypha.

- - - ἰδδιος Καλλικλ[έος]
Πανταλέοντος γο-
νεοῦσιν ἰδίοις μνήμης
(*anaglypha*)
χάριν.

**806. Ara dedicatoria.** — Ara c. anaglyphis in omnibus lateribus, cuius titulus paene omnino detritus est. Bean n. 19, c. imm. ph. fig. 24/6; mus. inv. n. 20.

- - - - - - - -
[ἐ]πηκόῳ
- - - - - - - -

**807. Carmen sepulcrale.** — Stela (?) originis incertae, nunc in museo sed sine numero, infra et a dextra fracta. Bean n. 20, c. im. ph. fig. 27.

. ΙΚΑΘΑ - - - - -
θεσκελο - - - - - -
νον μη - - - - - - -
. τερον - - - - - -
ὀνομ' ι - - - - - -
θάνατον - - - - - -
ἀρχηγεί - - - - - -
- - - - - - - - - - -

5. ' in lapide exstat.

**808. Basis statuae(?).** — Lapis magnus in quo foramen (ad statuam infigendam?), c. titulo valde detrito, originis incertae sed nunc *Burdur* in Gazi İlkokulu conservatus. Bean n. 21.

Πολέμω[ν - - - - - - - - - - - - - - - - - : - - -]
Πολέμωνος ΙΙΙ - - - - - - - - - - - - - -
. CO . . σύνβιος αὐτοῦ ΕΙ[- - ἀνέ]-
[στη]σεν μετὰ τῶν τέκνων μ[νή]-
μης χάριν.

**809. Fragmentum dedicationis.** — Pars superior lapidis rectianguli, *ibid.* conservata. Bean n. 22.

[Ὁ δεῖνα τοῦ δεῖνος τοῦ]
καὶ Γιλλίωνος καὶ Δη-
μητρία γυνὴ αὐτοῦ ἑαυ-
τοῖς ἀνέθηκαν.

**810. Honores M. Aurelii Abantis, s. II$^{p}$ p. post.** — *Adada*. *IGRR* III 370; SEG VI 609. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 222/4 n. 76, qui in vs. 15, ubi [Εὐρύκλεια] SEG, [Οὐράνια?] proponit, et in 5/6 καὶ [μ]όνο[ν | Ἀδα]δέα pro [μ]όνο[ν | τῶν] ἀπό (*IGRR*).

## LYCIA

**811. Titulus agonisticus, post a. 212$^{p}$.** — *Tlos*. CIG III 4240c; TAM II 586. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 241/4 n. 83.

## CILICIA

**812. Titulus sepulcralis, a. 462$^{p}$.** — *Alahan* (*Koja Kalessi*). Titulum in sarcophago, in rupe excavato haud procul ab ecclesia quae inter ruinas monasterii iam exstat, descripsit et ed. M. R. E. Gough, *Anatolian Studies* V 1955, 115/9, c. del. fig. 1. De anaglyphis eundem circa locum inventis tract. id., *ib.*, 119/23.

\+ [Ἐνθ]άδε κῖτε ὁ τῆς μακα-
ρίας μνήμης Τάρασις ὁ κτίσας τὰ ἁπα[ν]-
[τη]τήρια, τελευτήσας μηνὶ Φεβρουαρίου
τρισκεδεκάτῃ Ἰνδ(ικτιῶνος) πεντεκε-
5 δεκ[ά]της μετὰ τὴν ὑπατίαν Φλ(αυίου)
Σευ[η]ριανοῦ Φλ(αυίου) Δαγαλαίφφου
τῶν λαμπρ(οτάτων), ἡμέρᾳ τρίτῃ πρώ-
τῃ {τη} ἑβδομ[ά]δι τῶν ἁγίων
νη⟨σ⟩τ⟨ε⟩ῶ̃[ν].

2. ἀπαντητήρια. Vid. T. B. Mitford, *Byzantion* XX 1950, 153/4. || 9. Lap. ΝΗΕΤΙ.

**813.** *Ibid.* CIG IV 9259. Titulum eundem Tarasim celebrantem, de quo, olim descripto, praecipue tractavit A. C. Headlam, *JHS Supplementary Papers* II, 24/5, revisit Gough, qui textum exhibet, *loc. cit.*, c. im. ph. pl. IXc.

\+ Ἐνθάδε κατάκιτε
Τάρασις δὶς γενόμενος
πρεσβ(ύτερος) καὶ παραμονάριος,
παροικήσας ἐν τῷ τόπῳ
5 τούτῳ ἀπὸ ὑπατίας Γαδα-
λ[α]ίππου (*sic*) Ἰνδ(ικτιῶνος) ιδ' ἕως Ἰνδ(ικτιῶνος) *vac.*
ὑπατίας *vac.*, ζήσας τὰ
πάντα ἔτη *vac.*



**814. Decretum sodalicii, s. I$^{p}$.** — Prope *Kizil Ören*. *OGIS* 573. Vid. V. Tcherikover, *Scripta Hierosolymitana* I 1954, 84/5, qui de deo Sabbatiste disserit (cf. *JHS* XII 1891, 236); F. Sokolowski, *Lois sacrées de l'Asie Mineure*, 1955, 181/2 n. 80.

**815. Victoriae agonisticae Demetrii Salaminii, aet. Sever.** — *Anazarbus* (*Caesarea*; *Anavarza*). SEG XII 512 = L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 253/7 n. 86, qui post a. 229$^{p}$ attribuit et in vs. 13 ἁπλῷ (sc. ἀγωνίσματι) legit; Cf. G. E. Bean, *AJA* LX 1956, 199.

## CYPRUS

**816. Acclamatio, aet. Rom.** — *Golgi*. E. Peterson, Εἷς θεός, 1926, 281/5, secutus G. Colonna-Ceccaldi, *Rev. Arch.* XXVII 1874, 89.

Attulit L. Robert, *Hellenica* X 1955, 87, qui notat litteras duas ad finem versus 2 scriptas re vera versui 3 pertinere, ut quae supra verbum additae sint, et titulum idcirco exhibet

Εἷς θεός,
τὸ μέγισ- τα-
τον, τὸ ἐνδοξό-
τον ὄνομα,
5 βοήθη πᾶσι δεό-
μεθε.

**817. Tit. sepulcrales, s. VI$^{a}$(?).** — *Ibid. SGDI* 65 = Schwyzer, *DGE* 678: *SGDI* 71 = Schwyzer, *DGE* 683, 8.

Titulum Cyprium *SGDI* 68 etiam exhibet Schwyzer, *op. cit.*, 685, 1; cf. eund., 685,2.

## OSRHOENE

**818. Thermae Nymphis, Veneri, Gratiis dedicatae, s. IV$^{p}$.** — *Sultantepe*. Titulus in pavimento aulae thermarum tesselato, in tabula ansata formatus. Ed. M. R. E. Gough, *JHS* LXXIV 1954, 179/80, c. im. ph. fig. 1. Fortasse aetati Imperatoris Iuliani attribuendum credit ed., sed vid. J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 271/2 n. 234.

[Νυμφ]ῶν καὶ Παφίης Χ[αρί]των δ' ἅμα λουτρὸν ἐτύχθην
[λυσί]πονον καμάτων, ἀκεσώδυνον, ἄλκαρ ἀνίης,
[αἰὲ]ν ἐϋφροσύνῃ μεμελημένον· ἔνθα καὶ αὐτὴ
[οἶ]κον ἔχει Πανάκια, τὸν ὤμοσε μήποτε λείψειν.
5 [Ἴ]σαίου δ' ἀρετῇ παλινάγρετον ἦλθον ἐς ἦβην.

1. 5. δ' ut δ$^{η}$ scriptum.

## PERSIS

**819. Res Gestae Divi Saporis, ante a. 272$^{p}$.** — *Naqš-i-Rustam*, prope *Persepolim*, in Kaaba Zoroastri. Hunc titulum celeberrimum, paullo ante Bellum Universale Secundum inventum, qui tribus linguis (Persica, Pahlavi, Graeca) est inscriptus, plurimi iam antehac tractaverunt, quare ne commentarium meum longius producam ad bibliographiam a Marco N. Tod, *JHS* LXV 1945, 98; LXVII 1947, 126; LXXII 1952, 54 contractam lectorem vocem. Nuper tamen partem Graecam breviter tract. W. B. Henning, *BSOAS* XIV 1952, 512/15, ubi ordinem provinciarum ibi exhibitum praecipue attingit, et res gestas Saporis primum in Pahlavi linguam redactas esse, deinde in alias linguas translatas, contendit. Cf. eund., *ib.* XV 1953, 392/3, ubi ΜΙΣΙΧΗ = Βεσήχανα πόλις = Massice (Plin. *N.H.* V 21, 90), et ΜΗΙ-ΑΚΑΡΙΡΗ = Caesarea demonstrat. Titulum extensius tractaverunt E. Honigmann et A. Maricq, *Recherches sur les 'Res Gestae Divi Saporis'* (*Mém. de l'Académie royale de Belgique* XLVII), 1952/3. Vid. J. Guey, *REA* LVII 1955, 113/22, qui cum bibliographia utili librum recenset, et translationem in linguam Gallicam tentat; J. et L. Robert, *REG* LIX/LX 1946/7, 364 n. 226; *ib.* LXVII 1954, 178/9 n. 254.

## SYRIA

**820.** Corpori inscriptionum Graecarum Latinarumque in Syria inventarum quartum iam volumen a. 1955 addiderunt L. Jalabert et R. Mouterde (*IGLS* IV), quod titulos regionum Laodiceae ad mare, Apameae, et Ǧebel 'Ala comprehendit (nn. 1243-1997). Corrigenda de aetatibus titulorum in tomis omnibus adduntur p. 358, et tabula titulorum omnium quibus annus certus attribui potest exhibetur pp. 375/8 (quam edidit H. Seyrig). Ut nobis in SEG XIII 593 de *IGLS* III ii occasio data est, hic quoque locorum indicem tantum exhibemus. Tot locos singillatim exscribere haud scio an maius sit opus quam quod lectori nostro prosit, de quibus indicem VIII voluminis ipsius, pp. 372/3, vix dubium quin consulere malit. Titulorum maxima pars alibi antehac est edita, quorum plurimi de Christianis agunt, sed bibliographiam plenam addiderunt edd.

| | *J. et M. nn.* |
|---|---|
| Regio inter Antiochenam et Laodiceam | 1243-1250 |
| Laodicea ad mare | 1254-1294 |
| Regio circa Laodiceam | 1251-1253 |
| Regio maritima ad meridiem versus a Laodicea | 1295-1310 |
| Apamea | 1311-1375*bis* |
| Regio circa urbem Apameam | 1376-1402 |
| Ǧebel Zâouych | 1403-1541 |
| Ǧebel 'Ala (ad septentrionalia) | 1542-1713 |
| Ǧebel 'Ala (regio media) | 1714-1840 |
| Ǧebel 'Ala (regio ad Eurum) | 1841-1997 |

Notandum est SEG XIII 594 = *IGLS* IV 1346.



**821. Victoriae agonisticae Aurelii Septimii Irenaei, a. 221$^{p}$.** — *Laodicea*. *IGRR* III 1012; Le Bas-Waddington III 1839; CIG III 4472. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 249/53 n. 85; *IGLS* IV 1265 (ubi bibliographiam pleniorem invenies).

**822. Tit. in musivo picti, s. IV$^{p}$.** — *Apamea*. *IGLS* IV 1341. Repraesentantur Socrates aliique sex philosophi vel discipuli. De interpretatione quam protulerat G. M. A. Hanfmann, *Harv. Stud. Cl. Phil.* LX 1951, 205/33, dubitat Ch. Picard, *Rev. Arch.* (VI$^{e}$ Sér.) XLI 1953, 100/2.

**823. Dedicatio, a. 208$^{p}$.** — *Sahin*, in regione *Aradi*. E. Renan, *Mission de Phénicie* 103; F. Cumont, *Textes et Monuments relatifs aux mystères de Mithra* II n. 5. Vss. 1/3 tract. R. Mouterde, *Mélanges de l'Université S. Joseph, Beyrouth*, XXXI 1954, 334, qui a textu deum Mithram expellit et leg.

[Θε]ῷ ὑψίστῳ οὐρανίῳ ὕ(π)-
[αι]θρα ὁ βωμὸς ἐκτίσθ[η]
[ὀ]ρθῶς κτλ.

**824. Dedicatio Cladi et Lucii servorum Atargati deisque aliis, paullo ante a. 105/6$^{p}$.** — *Berytus* (*Beirut*). Aram parvam lap. calc. ed. R. Mouterde, *CRAI* 1954, 482/7 c. dell. 483 et 484. Tituli Graeca et Latina lingua in lateribus arae oppositis scripti. Contendit ed. 'Geranea statio Dianae' haud procul ab *Aila* (*'Aqaba*) locandum esse, ubi 'ad Dianam' in tabula Peutingeriana exhibetur.

(*a*).
Θεᾷ Ἀταργάτει
[σ]τα(τιῶνος) Γεράνων
Ἀρτέμιδι
Φωσφόρῳ
Cladus D. Cl(audii) Poll(i)-
onis ser(vus) actus.

(*b*).
Veneri He-
liopolitanae
et Deae Syri(a)e
Geraneae sta(tionis)
Deanae Luc(ius) ser(vus) p(osuit).

**825. Dedicatio Iovi Thamanitano, act. imp. Rom.** — *Zahlé*, prope *Berytum*. Tabulam parvam aeneam, quae in forma ansata in monumentum lapideum sine dubio immitti debuit, ed. H. Seyrig, *Syria* XXXI 1954, 217/8 n. 3, c. im. ph. fig. 3.

Διὶ Θαμανει-
τανῶι Λούκιος
Σερουίλιος
Ἐλεύθερος.

Thamanitanus. Fortasse de *Thamana* Arabiae agitur, ubi cohors IV Palaestinorum, secundum *Notitiam dignitatum*, locata est.

**826. Carmen dedicatorium in honorem Diotimi Sidonii, c. a. 235/200[a].** — *Sidon.* Le Bas-Waddington III 1866a; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 932. Vid. L. Moretti, *Iscrizioni agonistiche greche*, 1953, 108/11 n. 41, qui textum Kaibelii exhibet; E. Bickerman, *Mél. Dussaud* I, 91/9.

**827. Carmen sepulcrale, c. a. 270[p].** — Fortasse in *Hauran* inv., nunc *Damasci* in museo. Cippum lap. basaltis, infra mutilum, ed. H. Seyrig, *Syria* XXXI 1954, 214/7 n. 2, c. del. fig. 2. Fortasse de incursionibus a Palmyrenis in Aegyptum factis (SHA *Vita Claudii* 11, Zosimus I 44) agitur, de quibus cf. J. Schwartz, *BSA Alex.* XL 1953, 63/81.

Αἴγυπτος στυ|γερὴ ψυχὰς ὤλε|σε σύν σεο πολ|λάς, (*hedera*)
ἀλλά σ' || {ενι} ἐνκτερέϊξ|ε θῖος καὶ πό|τνια μήτηρ, (*hedera*) |
κείνους δ' οὔ|τις · οἰωνοῖσι || δὲ κύρμ' ἐγένον|το. (*hedera*)
θάρσει | ----------

**828. Carmen sepulcrale, s. II/III[p].** — *Rima el-Loehf* (*Rimea Trachonitidis*). CIG III 4588; Le Bas-Waddington III 2419; Kaibel, *Epigrammata Graeca* 449; W. Peek, *Gricchische Vers-Inschriften* I, 271. Adducit W. Vollgraff, *Mém. Acad. Inscr.* XIV 1951, 358 n. 3.

**829. Prohibitio, a. 227[p].** — Prope *Abou-Kemal.* Fragmentum stelae cum aetomate superius, fortasse ab *Anqa* (*Giddan*) avectum et nunc *Beryti* in museo. Ed. H. Seyrig, *loc. cit.* supra (n. 827), 212/4 n. 1, c. im. ph. ectypi fig. 1.

Ἔτους ηλφ', Δεσίου, ἐκ κε-
λεύσεος θεοῦ κὲ ἀρχόντων
Ἀχλάβου, Τιραδατ, Βαρωσίνου ·
ἴ τις ἂν βάλῃ κόπρον ἐν τῷ
λιθοστρώτῳ τῷ κὲ ἀγορ{ρ}ᾷ
----------

## ARABIA

**830. Dedicatio, a. 126/7[p].** — *Hamameh*, prope *Gerasa*, in base inscr. Ed. R. de Vaux, *Annual of the Department of Antiquities of Jordan* I 1951, 23/4 c. del.



Ὑπὲρ τῆς τῶ-
ν Σεβαστῶν
σωτηρίας θε-
ῷ Ἀραβικῷ Λε-
ουντᾶς Πρέπ-
ωντος τὸν ἀ-
ετὸν ἐκ τῶν
ἰδίων ἐποίη-
σεν κατ' εὐχήν.
[Ἔ]τους θ . ρ'.

10. Θ[π]ρ legendum putat ed.; aera Pompeiana ab a. 63/2[a] incepit.

**831. Statuae Serapidis, Isidis, et Neoterae a Malcho, Demetrii f., dedicatae, a. 143[p].** — *Gerasa. Gerasa* 382 n. 15. De Neotera = Faustina maiore tract. A. D. Nock, *Aegyptus* XXXIII 1953, 293/6.

Cf. T. V. Buttrey, Jr., *American Numismatic Soc., Museum notes*, VI 1954, 95/109; J. et L. Robert, *REG* LXVIII 1955, 197/8 n. 36.

## PALAESTINA

**832. Dedicatio Iovi Heliopolitano Carmelo, ex. s. II[p].** — *Mons Carmelus* in monasterio. Fragmentum marm. statuae magnae, cuius pars anterior pedis dextri cum base tantum exstat (nisi vero pes dedicatorius est). Titulus in base inscr., vss. 1/2 in fronte, vs. 3 in latere dextro. Ed. M. Avi-Yonah, *Israel Exploration Journal* II 1952, 118/24, c. im. ph. pl. 8. Cf. J. et L. Robert, *REG* LXVI 1953, 189 n. 220.

Διὶ Ἡλιοπολείτῃ Καρμήλῳ
Γ(άϊος) Ἰούλ(ιος) Εὐτυχᾶς
κόλ(ων) Καισαρεύς.

**833-41. Tituli sepulcrales, s. III/IV[p].** — *Beth She'arim.* Titulos in sepulcreto inventos communicat M. Schwabe, *Israel Exploration Journal* IV 1954, 249/61, et nonnullorum textus exhibet. Qui vel rubro colore picti sunt, vel incisi, vel etiam incisi et colore distincti. De eodem sepulcreto vid. N. Avigad, *Archaeology* VIII 1955, 236/44.

**833.** Schwabe n. 202, c. im. ph. pl. 22B.

Θάρσι,
Καλιόπη ματρῶνα,
οὐδὶς ἀθάνα-
τος, ἡ
ἀπὸ Βίβλου.

834. Schwabe n. 203, c. im. ph. pl. 23A.

'Αψὶς | Καλιόπης | Βιβλί|ας || ματρώ|νης.

835. Schwabe n. 207, c. im. ph. pl. 23B; Avigad, *loc. cit.*, 242, c. im. ph.

'Αψὶς
Αἰδεσίου
γερου(σ)ειάρχου
'Αντιοχέως.

836. Schwabe n. 208, c. im. ph. pl. 24A.

Εἰσὶν ἐν τῇ ἀ-
ψῖδι κρηπῖ-
δες ἓξ, ς',
διαφέρου-
σαι Αἰδεσίῳ.

837. Schwabe n. 209.

Αἰδέσις.

838. Schwabe n. 210.

'Ησύ|χις.

839. Schwabe n. 211.

Μά|γν|ος.

840. Schwabe n. 212.

Κύρι|λλα.

841. Schwabe n. 225, c. im. ph. pl. 24B.

"Ος ἐὰν μεταθῇ ταύτην, ὁ⟨ς⟩ ἐπαντιλάμενος
ζωοποιήσε τοὺς νεκρούς,
αὐτὸς κρινεῖ.

2/3. i.e., ζωοποιήσει, κρινεῖ.

842. **Tit. sep. magistri Gamaliel, ex. s. II$^{p}$.** — *Ibid.* Graece et Hebraice expressus, et nigro colore scriptus. Ed. N. Avigad, *Israel Exploration Journal* IV 1954, 104/5, c. del. fig. 7.

'Ραβὶ Γαμαλιήλ.

843-5. **Tituli sepulcrales, s. IV$^{p}$.** — Titulos tres prope *Caesaream* repertos, in fragmentis tabularum marm. inscr., ed. M. Schwabe, *Israel Exploration Journal* III, 1953.



843. Tabula infra fracta. Schwabe *vol. cit.*, 127/30, c. im. ph. pl. 6A.

Μημόριο-
ν 'Ιακῶν-
ος κὲ Λα-
[ζ]άρου κὲ
- - - - - - - -

844. Angulus superior a sinistra tabulae marm. Schwabe 233/8, c. im. ph. pl. 6B.

Μνῆμα 'Ιακ[ὼβ καὶ τοῦ δεῖνα, τ]-
[έ]κνα Βαν - - - - - - - - - - - - - - -
[εὐ]ψ[ύχει].

845. Frustulum eiusdem generis. Schwabe 237/8, c. im. ph. pl. 15B.

Μεμό[ριον τοῦ δεῖνα καὶ τοῦ δεῖνα, τ]-
[έ]κν[α τοῦ δεῖνα - - - - - - - - - - - - - -]

846. **Graffito, aet. Byzant.** — *Apollonia*, prope *Kefar Shemaryahu*. Ostracum cum titulo in latere utroque script. Ed. M. Schwabe, *Tarbiz* XXIV 1954/5, 16/20, c. im. ph.

(*a*). Μαρ$^{υ}_{ο}$-
σι

(*b*). K K
ωστε
$^{υ}_{ο}$ δουλ'.

(*b*). K K = κυρία καλή. ‖ ὥστε οὐ δουλ(εύειν) vel δουλ(οῦσθαι)?

847. **Carmen sepulcrale, s. II/III$^{p}$.** — *Gofna*, nunc *Hierosolymis* in Museo Rockefelleriano. Partem superiorem stelae sepulcralis c. aetomate, a. 1921 inventam et a nonnullis pro falso habitam, ed. et ab omni dubio vindicare conatus est M. Schwabe, *Scripta Hierosolymitana* I 1954, 99/119, c. im. ph. pl. 2. Litterae quadratae Ⲥ = σ, ⊟ = θ, ω = ω, etc. Vid. nuperrime W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1185.

'Ρυσαλέης γραίης καμάτων ἀνά|παυμά με λεύσ(σ)εις, |
οἶκον, ὃν ἱδρύσας τῆσδ' ἀνέ|θηκε τέκος, ‖
ὕστατον, ἀνθρώποις ἡδὺν πό|νον, εἰκόνα δόξης, |
φαινόμενον ζῴοις τερπνό|τατον λιμένα. |
ὅστις γὰρ ναίει μέ, πόνων μό‖χθων τε πέπαυται, |
σῆς δ' ἐσορᾷς βιοτῆς πουλύ με | τερπνότερον. |

ἓν δὲ τέλος πάντων · σειγὴ μία · | κοινὸς ὁ πλοῦτος ||
καὶ πενία παρ' ἐμοί · πᾶσι πέφυ|κα δ' ἴσος. |
ταῦτα μαθών, ὦ ξεῖνε, τὰ γράμ|ματα τῆσδ' ἀπὸ δέλτου |
ἴσθ' ὅτι Μοιράων ὁ σκοπός ἐστ||ιν ὅδε. |
σῆμα δὲ σοί, Νυσώ · κτίστου δ' ὄ|νομ' εὐθὺ μαθήσῃ |
[Ε(?) - - - - - - - - -]ασος λαϊνέας | [ἀναγνού]ς(?).

Nomen conditoris a litteris primis versus uniuscuiusque apparet, ut Ῥοῦφος ἔκτισ[ε]. Cf. Kaibel, *Epigrammata Graeca* 149, 726, 979, 1096, etc.

14. Ita Peek. σὸν τόδ[ε]. πλοῦτος Schwabe. || 21. Νυσώ Schwabe, Νικώ Peek. Κτίστου. ου in forma monogrammatis scriptum. Cf. n. 846 supra. || 23/4. Ita Schwabe, [ἐξ ἀκροστιχί]δος λαϊνέας. | [πάραγε]. Peek.

## AEGYPTUS

**848. Dedicatio πολιτεύματος Boeotorum, a. 164/3-146ᵃ.** — *Alexandria.* SEG II 871. De tempore huius tituli tract. R. Rémondon, *Chron. d'Égypte* XXVIII 1953, 121/5, quem probabilius ante a. 156ᵃ tribuendum esse putat. De Cephisodoro et Metrophane, et familia eorum, adducit *P. Weill* 121 et testimonia alia e papyris hausta.

**849. Dedicatio, s. IIᵖ.** — *Ibid.*, nunc *Londinii* in Museo Britannico. Discus parvus lap. basaltis, cuius in latere uno Serapidis protome, et in altero titulus eleganter incisus. Ed. H. B. Walters, *British Museum Quarterly* IV 1929/30, 4/5 n. 10, c. im. ph. pl. VI. De verbo βασίλειον, quod modum capilli componendi deis proprium significare contendit, tract. H. Seyrig, *Mélanges Isidore Lévy* (*Annuaire de l'Institut de Philologie et d'Histoire orientales et slaves* XIII 1953), 603/10, c. imm. ph. pl. I.

Φλ. Διδυμιανὸς σὺν τῇ
μητρὶ κ(αὶ) τοῖς ἀδελφοῖς
κ(αὶ) Φλ. Ἴσιτι κ(αὶ) Κλ. Εὐτύχι τῷ καὶ
Ἀσκληπιάδῃ τὸ βασίλαιν
ἀνέθηκεν.

**850. Tit. sepulcralis, s. IIIᵃ.** — *Ibid., Hadra* in sepulcreto. Fragm. stelae pictae sepulcralis superius commemorat A. Adriani, *Annuaire du Musée Gréco-Romain d'Alexandrie* III 1940/50, 25/7, c. del. fig. 18 (p. 23) et im. ph. pl. VIII, 1. Tit. supra delineationem equitis cum servo. Ex im. ph. lectionem correxerunt J. et L. Robert, *REG* LXVI 1953, 193 n. 232.

Νικάνωρ Μακε[δών].



**851. Carmen sepulcrale, s. IIIᵃ.** — *Ibid.* Fragmentum lap. calc. ed. id., *ib.*, 27, c. im. ph. pl. IV, 5. Textum nuperrime exh. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1353.

Πάτρην Ἡράκλειαν, ὁδοιπόροι, | ἣν τις ἵκηται,
εἰπεῖν · ὠδῖνες παῖ|δα Πολυκράτεος
ἤγαγον εἰς Ἀΐ|δην Ἀγαθόκλεαν · οὐ γὰρ ἐλα||φραὶ
ἥντησαν τέκνου | πρὸς φάος ἐρχομένου.

**852. Carmen sepulcrale Theonis, a. 27ᵃ.** — *Ibid.* SEG VIII 374; *C. I. Iud.* 1489. Vs. 5 adducit A. Ceresa-Gastaldo, *Riv. di Fil.* NS XXXI 1953, 347/8. Vid. etiam C. Spicq, *Mnemosyne* (Ser. IV) VIII 1955, 32. Tit. exhibet W. Peek, *op. cit.* supra (n. 851), 1143, qui s. IIᵖ attribuit.

**853. Tit. in vase inscr., a. 78/9ᵖ.** — *Ibid.*, nunc *Parisiis* in Cabinet des Médailles. Tit. in vase aeneo ed. L. Robert, *Collection Froehner* I 1936, 119/20, c. im. ph. pl. XI. Cf. G. Lopuszański, *Mél. École Française de Rome* LV 1938, 151/5. Vs. 1 (Ἔτους) ια' legit H. G. Pflaum, *Latomus* X 1951, 473, ubi α' Robert. De Liternio Frontone vid. A. Stein, *Die Präfekten von Ägypten in der römischen Kaiserzeit*, 1950, 39.

Ἔτους ια' Αὐτοκράτορος Καίσαρος Οὐεσπασιανοῦ Σεβαστοῦ, ἐπὶ
Γαΐου Λιτερνίου Φ[ρό]ντωνος ἐπάρχου Αἰγύπτου.

**854. Precatio navigationis prosperae, a. 14ᵖ.** — *Ibid. IGRR* I 1076; *Iscr. greche e latine* (Cat. Mus. Alexandr.) 33 n. 50; Preisigke, SB 977. Adducit Nils Sandberg, ΕΥΠΛΟΙΑ (*Acta Universitatis Gotoburgensis* 1954, 8), 39/40 n. 46.

**855. Dedicatio, aet. Imp. Augusti(?).** — *Naucratis.* Preisigke, SB 12; *IGRR* I 1106. Adducit V. Tcherikover, *Scripta Hierosolymitana* I 1954, 85.

**856. Tit. sep., s. Iᵖ.** — *Leontopolis* (*Tell Mokdam*). *C. I. Iud.* 1452 et seqq. adducit C. Spicq, *Mnemosyne* (Ser. IV) VIII 1955, 31/2.

**857-77. Tituli sepulcrales, s. IIIᵖ.** — *Terenouthis* (*Kôm Abou Bellou*). Stelas sepulcrales triginta quattuor cum anaglyphis, et plerasque etiam cum titulis, ed. Zaki Aly, *BSA Alex.* XL 1953, 101/50; e quibus illas titulos exhibentes excerpsimus. Cf. eund., *BSA Alex.* XXVIII 1949, 55/88. Aet. s. II/IVᵖ attribuit: sed vid. J. Schwartz, *Chron. d'Égypte* XXX 1955, 124/6, qui aetati Imperatorum Caracallae, Severi Alexandri, Maximini stelas esse attribuendas contendit. Vid. etiam P. M. Fraser, *JEA* XLI 1955, 131 n. 5; J. F. Gilliam, *Chron. d'Égypte* XXXI 1956, 149/51.

**857.** Anaglyphum puellae stantis. Zaki Aly 103/4 n. 1, 105/6 n. 2 (stelas duas hic quodam modo conflavit ed.)

Τιθοητίων (ἐτῶν) κ'.

858. Anaglyphum eiusdem generis. Zaki Aly 105/6 n. 2, sed im. ph. 104 fig. 1.

---- εὐψύχει.

Legit Cαν--- (L) ις' Fraser.

859. Anagl. eiusdem generis. Zaki Aly 106/8 n. 3, c. im. ph. fig. 3.

Ἴσαρους ὡς (ἐτῶν) ιζ', (ἔτους) ---.

860. Anagl. eiusdem generis. Zaki Aly 108/10 n. 4, c. im. ph. fig. 4.

[Π]ταθερμοῦ|θις ⟨ἄ⟩ωρος | (ἐτῶν) κε'.

1. Παθερμοῦ|θις Fraser, *l.c.* || 2. Lap. ΧΩΡΟC.

861. Anagl. eiusdem generis. Zaki Aly 111/2 n. 5, c. im. ph. fig. 5.

--φαισηους ἄωρος, | Θὼθ (ἔτους) κα'.

862. Anagl. viri stantis. Zaki Aly 112/3 n. 6, c. im. ph. fig. 6.

Ἀρχιβιόαπις παῖς χρησ-
τὸς ἐλεινινὸς ἄ{ρ}ω-
ρος ιδ', (ἔτους) ιβ', Τυβὶ θ'.

863. Anagl. eiusdem generis. Zaki Aly 113/5 n. 7, c. im. ph. fig. 7.

Ἡρακλε⟨ί⟩δης ὡς (ἐτῶν) η',
(ἔτους) α', Μ⟨ε⟩χὶρε κς'.

864. Anagl. eiusdem generis. Zaki Aly 115/6 n. 8, c. im. ph. fig. 8.

Πεπωσ̈αμνις Ἤρωνος
(ἐτῶν) κζ', εὐψύχει.

865. Anagl. puellae stantis. Zaki Aly 119/20 n. 12, c. im. ph. fig. 12.

Θερμοῦτις ὡς (ἐτῶν) κ'.

866. Anagl. partim mutilum viri accubantis cum repraesentatione dapis sollemnis. Zaki Aly 120/2 n. 13, c. im. ph. fig. 13.

Δίδυμος Τρύωνος
[ὡς] (ἐτῶν) ξβ' φιλότεκνος,
(ἔτους) ε', Παχὼν ⟨ιδ'⟩.

1. Τρύ⟨φ⟩ωνος? || 3. Lap. Φ.

867. Anagl. eiusdem generis. Zaki Aly 122/3 n. 14, c. im. ph. fig. 14.

Ἡρακλᾶς φιλότεκ-
[ν]ος ὡς (ἐτῶν) ο--.



868. Anagl. viri eodem modo accubantis, cum muliere a dextra sedenti et puero a sinistra adstanti. Zaki Aly 124/7 n. 16, c. im. ph. fig. 16.

Ἄρης (ἐτῶν) ζ', Ἀθᾶς ὁ υἱὸς (ἐτῶν) με', Τικονν[ας(?) --].

Commemorat ed. stelam alteram nunc in urbe *Baltimore* apud Walters Art Gallery, cuius titulum exhibere debemus.

Διδύμ[ης] (ἐτῶν) μ', Θεδώρα ἡ θυγάτηρ ιθ', Ἀθᾶς ὁ υἱὸς (ἔτους) α',
Διονυσάριν (ἐτῶν) με'. (ἔτους) κ', Ἀθὺρ ια', εὐψύχι.

869. Anagl. mulieris eodem modo accubantis. Zaki Aly 127/9 n. 17, c. im. ph. fig. 17.

Ἐτῶν μ', φιλότε-
κνον φιλόφιλον.

870. Anagl. eiusdem generis; incertum utrum mulieris an viri. Zaki Aly 129/31 n. 18, c. im. ph. fig. 18.

Κεφαλᾶς χ[α]ῖρε.

871. Anagl. mulieris accubantis. Zaki Aly 131/2 n. 19, c. im. ph fig. 19.

Ἡρακλοῦς ἄωρος ὡ[ς]
(ἐτῶν) κς' ἔνκυος εὐψύχει,
(ἔτους) ια', Φαωφὶ κζ'.

872. Anagl. viri accubantis. Zaki Aly 133/4 n. 20, c. im. ph. fig. 20.

Ἀρνέκτης | ἐτῶν νγ'.

873. Anagl. mulieris eodem modo accubantis. Zaki Aly 136/7 n. 23, c. im. ph. fig. 23.

Θαῆσις Ἀρεθοπος ὡς
(ἐτῶν) λθ' (*vel* λδ') φιλότεκνος,
(ἔτους) β', Ἀθὺρ κς'.

874. Anagl. eiusdem generis. Zaki Aly 138/9 n. 24, c. im. ph. fig. 24.

Ἀχιλλεῖς ὡς ἐτῶ[ν.]
(ἔτους) κδ'.

875. Anagl. eiusdem generis. Zaki Aly 139/40 n. 25, c. im. ph. fig. 26. (Per errorem nn. 25 et 26 conflavit: cf. n. 857 supra.)

Ταπιμη ------ ακ --
[(ἔτους).] ζ', Ἀθὺρ λ', ἐ[τῶν] ἑξήκοντα
[εὐψ]ύχι.

876. Anagl. eiusdem generis, rudius confectum. Zaki Aly 144/5 n. 30, c. im. ph. fig. 30.

------- εὐψύχι.

**877.** Anagl. amphorae inter folia palmae; infra anaglyphum, titulus quodammodo firmius quam in ceteris scriptus. Zaki Aly 148/50 n. 34, c. im. ph. fig. 34.

Ἥρων ὑδ⟨ρ⟩οφό-
ρος ἐτ⟨ῶ⟩ν μθ'.

1. lap. ΥΔΟΦΟ. || 2. lap. ΕΤΟΝ.

**878. Catalogus epheborum, a. 220$^{p}$.** — *Memphis* (?). M. N. Tod, *JEA* XXXVII 1951, 86/99, c. im. ph. pl. VIII et del. fig. 1. Nominati sunt (*a*) ephebi qui in ludis victores fuerunt, (*b*) ephebi ceteri, inter quos et ei qui certaminum gymnicorum participes non fuerunt.

Cf. L. Robert, *REG* LXV 1952, xviii; J. et L. Robert, *ibid.*, 190/96 n. 180, ubi praecipue de ludis in honorem Antinoi tractatur et titulus *Leontopoli* attribuitur; *ib.*, LXVI 1953, 193/4 n. 235.

**879. Ansae amphorarum, s. IV/III$^{a}$.** — *Crocodilopolis* (*Arsinoe — Kîman Fârés*). Amphorarum ansas sex ed. J. Bingen, *Chron. d'Égypte* XXX 1955, 130/3, quarum n. 1 Thasia ceterae Rhodiae videntur esse, et imm. ph. addit. N. 1 s. IV$^{a}$ p. prior., nn. 2/3 s. III$^{a}$ p. prior., nn. 4/6 s. III$^{a}$ p. post. attribuit.

1. [Θ]ρ[α]σωνί(δης) Θασ(ίων) [Μυΐ(σκος)].
2. Σθεννίδα.
3. Ἐπιγό(νου), Πανά(μου).
4. Ἐπὶ Σωδάμου, Διοσθύου.
5. Πασίων, Ἀρταμιτί(ου).
6. [Ἐπὶ ἱε]ρέως Θευδώρου. (Sinistrorsum).

**880. Dedicatio, aet. regis Ptolemaei V.** — *Acoris* (*Tehne*). Titulum in rupe incisum, prope anaglypha Dioscuros(?) exhibentia, quem olim exscripserat Wilhelm Fr. von Bissing, commemoravit id., *Aegyptus* XXXIII 1953, 350. Vid. J. A. Letronne, *Recueil des Inscriptions grecques et latines de l'Égypte* I, 1842, 377/80. De Μοιχιάδι (vs. 3) dubitat P. M. Fraser, *JEA* XLI 1955, 135 n. 17.

Ὑπὲρ βασιλέως Πτολεμαίου
θεοῦ ἐπιφανοῦς μεγάλου εὐχαρίστου
Ἄκορις Ἐργέως Ἴσιδι Μοιχιάδι Σωτείραι.

**881. Graffiti, aet. imp. Rom.** — *Ĝebel et-Ṭeir*, prope *el-Kharga*. Titulos tres commemoravit A. Fakhry, *Annales du Service des Antiquités de l'Égypte* LI 1951, 425; cf. P. M. Fraser, *JEA* XL 1954, 125 n. 8, 130 n. 31. Nn. 1/2 = W. De Bock, *Matériaux pour servir à l'archéologie de l'Égypte chrétienne*, 1901, 37/8 fig. 51 et 52.

N. 3 tantum delineavit Fakhry. Vs. 1 ΠΡ, monogrammate scriptum, = πρ(οσκύνημα) profert Fraser.

ΤΟΠΡΑΜΜΩΙΤΙΟΚΜΟΥ | ΦΑΚΥ



**882. Gemma, s. III$^{p}$(?).** — *Parisiis* in Bibliothèque Nationale, e collectione Schlumberger. Ed. A. Blanchet, *Mélanges Maspero* II, 1935/7, 283/7, c. im. ph. 284. Tract. Campbell Bonner et H. C. Youtie, *TAPA* LXXXIV 1953, 60/6, qui artificem erravisse contendunt ut qui iussa de gemma inscribenda tota stultissime transcripserit. De lectione ipsius lapidis cf. SEG IX 906.

Ἐπεὶ τ⟨ῷ⟩ μέσου τὸ δωδε|κάφυ⟨λ⟩|λον ὄν|ομα,
⟨καὶ ἐπὶ⟩ τῇ || περιοχ|ῇ Ἰαώ.

**883. Amuletum Iudaicum vel Christianum, aet. Rom.** — E. Drioton, *Annales du Service des Antiquités de l'Égypte* XLV 1947, 83/4.

Ἀκριμα|κραγετα | κύριε βοήθι | καὶ διαφύλα||ξον τὸν φο|ροῦντα ἀπὸ | παντὸς ἑρ|πετοῦ.

ἀκριμακραγετα = ἀρκεῖ μακράν, κῆτα Drioton, i.e. 'soyez repoussés au loin, monstres des eaux'. Reiecit Campbell Bonner, *AJP* LXXV 1954, 303/5, qui illic nihil praeter vocem magicam vidit. Legere ἀκρι⟨δο⟩μακραγέτα proponit A. J. Festugière, *AJP* LXXVI 1955, 308/9, coll. LXX *Exod.* X 19—'one who didst lead the locusts afar off'.

**884.** Titulos Aegyptios ad cultum Castoris Pollucisque pertinentes tract. W. Fr. von Bissing, *loc. cit.* supra (n. 880), 347/57.

**885.** De finibus provinciae Aegypti sub Imperatoribus Iulio-Claudiis et Flaviis tract. K. Wellesley, *Rh. Mus.* XCVIII 1955, 135/49, ubi testimoniis epigraphicis plerumque usus est. Inter quae praecipue notemus *IGRR* I 1235/7, 1241, 1243 (vid. pp. 140/1), SEG XIII 614 (p. 142), *OGIS* 202, 674 (= *IGRR* I 1183) (pp. 145, 144).

## NUBIA

**886. Mercenarii Graeci in Aegypto, a. 591/89$^{a}$.** — *Abu-Simbel. Syll.*$^{3}$ 1; Tod, *GHI* I$^{2}$ 4 et p. 257; SEG VIII 870. De Potasimto (vs. 4) tract. J. Yoyotte, *Chron. d'Égypte* XXVIII 1953, 101/6.

**887. Acclamatio, a. 146/7$^{p}$.** — *Talmis. IGRR* I 1354. Vid. L. Robert, *Hellenica* X 1955, 87 adn. 1, ubi pro ουηψηφοσκα? (*IGRR*) legit οὗ ἡ ψῆφος κα'.

## CYRENAICA

**888. Imperatoris Augusti de rebus Cyrenaicis edicta, a. 7/4$^{a}$.** — *Cyrene*. SEG IX 8, et praecipue vss. 72/82, tract. J. H. Oliver, *AJP* LXXVI 1955, 287. De θανατηφόροι δίκαι (vs. 9) et ὑπόδικοι κεφαλῆς (vs. 65) egit E. Bammel, *ZSS* LXXI 1954, 356/9.

**889. Cyrenensium leges sacrae, ex. s. IV$^a$.** — *Ibid.* SEG IX 72. Vss. 73/96 (§§ 13/15) tract. S. Ferri, *La Parola del Passato* X 1955, 195/6, coll. titulo *Paesti* in vase invento, quem commemoravit P. Sestieri, *Bollettino d'Arte* XL 1955, 55. In vs. 83 nunc legit

[νύμφ]αμ μ[ὲν αἳ κα μὴ ἔνθηι ἐς κοιτατή]ριον, κτλ.

**890. Dedicationes, s. IV$^a$.** — *Ibid.* SEG IX 79, 120, 147 adducit L. Robert, *Hellenica* X 1955, 28, ubi de sententia τὰν ὀπὰν ἀνέθηκ(ε)ν disserit.

## ORIGINIS INCERTAE

**891. Imaguncula mulieris (Musae?), act. Rom.** — *Novum Eboracum*, in Museo Metropolitano. Sub imaguncula mulieris sedentis; incertum utrum antiquae an recentiori aetati sit attribuendus. Vid. G. M. A. Richter, *Catalogue of Greek Sculptures in the Metropolitan Museum of Art*, 1954, 102 n. 195, c. imm. ph. pl. CXXXVIII*a*, *b*.

DHP.

**892. Carmen sepulcrale, ante med. s. II$^p$.** — *Londinium*, in Museo Britannico. De SEG XII 561 novum testimonium afferre potuit M. N. Tod, *JHS* LXXV 1955, 155, unde apparet iam a. 1910 Artorium Sidgwick de herma nostro certiorem factum esse. Textum exh. W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 1287.

**893. Gemma cum titulo navigationis prosperae.** — CIG IV 7309 adducit Nils Sandberg, ΕΥΠΛΟΙΑ (*Acta Universitatis Gotoburgensis* 1954, 8), 40/1 n. 48.

## VARIA

**894. Titulus falsus.** — SEG XII 562. Vid. L. Robert, *CRAI* 1954, 494/505, P. E. Corbett et A. G. Woodhead, *BSA* L 1955, 251/65.

895. De punctillis sub litteris textuum epigraphicorum inserendis, qua ratione uti debeant editores, tractat W. K. Pritchett, *AJA* LIX 1955, 55/61, c. imm. ph. pl. 33/4. Exempla praebet punctillorum ubi non oportebat adhibitorum, quae suo quodque loco huius voluminis exhibemus, sed haud dubium est quin totum argumentum in memoria omnium insidere debeat; quare de eo hic quoque mentionem fecimus.

**896. Termini amoris in titulis adhibiti.** — De significatione verbi ἀγάπη, et quomodo in titulis adhibetur, tractavit A. Ceresa-Gastaldo, *Riv. di Fil.* NS XXXI 1953, 347/55; *ib.* XXXII 1954, 408/9. Testimonia epigraphica adduxit etiam C. Spicq, *Le lexique de l'amour dans les papyrus et dans quelques inscriptions de l'époque hellénistique*, *Mnemosyne* (Ser. IV) VIII 1955, 25/33 (et praecip. 31/3).



**897. Tituli sepulcrales.** — De titulis sepulcralibus, cum de carminibus tum de commemorationibus prosa oratione scriptis, tractavit Gerhard Pfohl, *Neues Gymnasium Nürnberg, Jahresbericht* 1954/5, 37/63, ubi testimonia epigraphica plurima confert: de generibus titulorum, et ratione sententiarum exprimendarum atque ordinandarum, praecipue agit.

Titulos generis eiusdem, et praecipue quomodo vita familiaris documentis huiusmodi maiorem in lucem profertur, tract. G. Fohlen, *Quelques aspects de la vie antique d'après les épitaphes métriques grecques*, *Ét. Class.* XXII 1954, 145/56.

**898. De retiariis testimonia epigraphica.** — Vid. J. Colin, *Sobriquets de métier chez les gladiateurs rétiaires*, *Ét. Class.* XXII 1954, 24/30.

**899.** Quantum in studiis epigraphicis valuerint doctissimi apud Germanos, patefecit G. Klaffenbach, *Der Hellenismus in der deutschen Forschung* 1938-1948 (1956), 15/30, qui ordine geographico sicut nos usus bibliographiam utilissimam contulit. Quantos labores etiam per difficultates belli perficere potuerint, quantumque sapientiae scientiaeque eorum unusquisque nostrum debeat, his e paginis planissime apparet.

**900. Corrigenda ad volumina priora.** — De erroribus typographi nonnullis, vel de lapsibus calami a nobis admissis, amicissime a lectoribus certiores facti (quibus gratias hic referre maximas periucundum est), quae corrigenda visa sunt hic exhibemus. Addidimus quoque si quid in operibus suis ipsi emendationes communicaverunt scriptores.

SEG XI 925 (p. 234), vss. 5/6. Pro τῆς | πόλεως lege τῆς πό λεως.
972. Lege 'M. A. Levi, *ib.* LIX 1931, 93/7'.
1223*a* (p. 236), vs. 1. Pro 'Εργοτέλης lege 'Εργοτέλης.
vs. 3. Pro Νεμέᾳ lege Νεμέαι.
vs. 4. Pro 'Ιμέρᾳ lege 'Ιμέραι.
Indici I$^A$ (p. 237) adde 'Αθανοκλῆς 1107$_{12}$.

SEG XII (vid. praecipue G. Klaffenbach, *Deutsche Litzg.* LXXVI 1955, 733/8.)
144. Terminus sepulcri magis quam Terminus fundi (Kl.).
202, vs. 4 (vid. SEG XIII 172). Pro [Γ]ναῖο[υ] lege [Γ]ναίο[υ].
236, vs. 2. Pro τῷ lege τῶ⟨ι⟩ (Kl.).
339. Vid. J. et L. Robert, *REG* LXVII 1954, 146 n. 159; W. Peek, *Griechische Vers-Inschriften* I, 479 (qui in vs. 4 legit ⟨ὁ⟩ς).
346, vs. 2. De ζῶτες vid. J. et L. Robert, *loc. cit.*, n. 160.
360 II, vs. 25. Κρυασσεύς ut nomen proprium, non geographicum, ex indice IV in indicem I transferendum (Kl.).

370, 372, 383. Vid. J. et L. Robert, *REG* LXVI 1953, 155/9 n. 152.

457. Fortasse [Βα]|βύλλιος (Kl.).

511. Ad L. Robert, *CRAI* 1951, 256/9, lectorem vocat Kl., ubi titulus c.a. 160$^{p}$ attribuitur.

vs. 6 init. Lege [κ]αθιδρυθῆι ὁ βωμὸς κτλ.

vs. 32. Pro παραστῆσαι τῶι δήμωι lege παραστῆσαι τῶι βωμῶι.

515, vss. 9/10. Fortasse τὸν [βω||μὸν], J. et L. Robert, *REG* LXVII 1954, 173 n. 238.

SEG XIII 357, p. 83 vs. 1. Lege 'Daux in *F. de D.*'.

600. Vid. tamen J. et L. Robert, *REG* LXVI 1953, 192 n. 230.

601, vs. 2. Pro 'Ελίωι lege 'Ηλίωι (D. Meredith, *Chron. d'Égypte* XXX 1955, 127/8).

606, vs. 2. φρουμεντάριs lectionem veram esse ipse notat Meredith, *loc. cit.*

611. Totum titulum denuo exhibet Meredith, *loc. cit.*, c. im. ph. fig. A.

[Διὶ 'Ηλίωι (Μεγάλωι) Σαράπιδι καὶ τοῖς συ]ννάοις θεοῖς [ὑπὲρ] [Αὐτοκράτορος Καίσαρος Νέρουα Τραϊανοῦ Σεβ]αστοῦ Γερμανι[κοῦ] [Δακικοῦ τύχης ------ Σουλπίκιος Σί]μιλις διὰ Οὐλπί[ου ---].

625, vs. 2 init. Pro κ]αὶ lege ]παρ'.

vs. 19. Pro διαλαχή lege διαδοχή.

vs. 25. Ante Θρέπτου adde Αὐρ.

vs. 27. Lege κατὰ ⟨τὰ⟩ ὁρισθέντα.

vs. 35. Pro διὰ τούτου lege διὰ τοῦτο.

# INDICES

## I. NOMINA VIRORUM ET MULIERUM

A ---- $97_{28}$, $699c_4$
A . . . . ἀναξ $687a_{34}$
A . . . . κρατίδας $687a_{35}$
'Αγάθανδρος 692 $B_9$
'Αγαθάνωρ $699b_{31}$
'Αγαθήμερος $681_6$
'Αγαθόβουλος $699b_{41}$, $c_4$
'Αγαθόδωρος $699a_{38}$
'Αγαθόκλεα $851_4$
'Αγαθοκλῆς $92_{38}$
'Αγαθόνεικος $582_2$?
'Αγάθων $403_6$
'Αγαμήδης 423
'Αγανωρίς $719_4$
'Αγέλοχος $687a_{5 \cdot 12}$, 692 $B_5$
'Αγέπολις $699b_2$, $f_{11}$
'Αγεστ --- $687a_{32}$
'Αγέστρατος $687a_{19}$, $699b_7$, $e_{23}$
'Αγημονίδας $369_2$
'Αγήμων $699d_6$
"Αγηνος (Οὐλπιος "Αγ.) $774_{21}$
'Αγησαγάθα $719_{3 \cdot 4}$
'Αγήσανδρος ('Ερέννιος 'Αγ.) $102_1$
'Αγησαρχίδας $699a_{19}$
'Αγησιάναξ $699a_{18}$, $c_{22}$
'Αγησίδαμος $699c_{22}$
'Αγησίδωρος $687a_{27}$
'Αγησικλῆς $687a_8$
'Αγησίνεικος $699d_{18}$
'Αγήσιππος $691_1$
'Αγητορίδας $699b_{40}$
'Αγήτωρ $699b_{20}$, $d_{14}$
'Αγίας $687a_{19}$
"Αγις 12 (D. 36)
'Αγίων $390_9$
'Αγνόθεος $68_{34}$
"Αγνων 12 (D. 60)
'Αγοράναξ $687a_{34}$, $695_1$
'Αγρεοφῶν $639B_{2 \cdot 3}$, $649a_2$, $b_{2 \cdot 14}$, $660_7$
'Αδείμαντος $58_{3 \cdot 22}$, $411_1$
"Αδραστος $731_{3 \cdot 7}$
'Αθ --- $262_1$
'Αθανίων 445
'Αθανοκλῆς 900
'Αθᾶς 868, $868_{add.}$
'Αθήναιος $97_{16}$
'Αθηνίων $217_2$, 704
'Αθηνόδωρος $92_{18}$
Αἰ ----- $104_3$
Αἰακίδας $428_{18}$
Αἰδέσιος $835_2$, $836_5$: Αἰδέσις 837
Αἴλιος (Π. Αἴλιος ---) $98_3$: vid. 'Αλέξανδρος, Βάκχιος, 'Ρῆγλος
Αἰνέας $87_{80}$: Αἰνήας (heros) $626c_3$
Αἰνήσιος $699b_{24}$
Αἶνος $553I_{37}$
Αἴολος 229
Αἰσίων $553I_8$, $V_{11}$
Αἰσμένης $789_1$
Αἰσχίνης 12 (D. 247), $64_6$: Αὐρήλιος Αἰσχ. $555_{11}$: Αἰσχίνας $719_3$
Αἰσχρίων $553II_5$, $III_{1 \cdot 5}$, $V_{30}$
Αἴσχρων 475, 510, $553II_{8 \cdot 22}$, $III_{18}$
Αἰσχύλος $20_1$, $384_1$, $469_{12}$
'Ακεσίμβροτος $553II_7$
'Ακέστωρ $687a_{26}$, $699b_{16 \cdot 40}$
'Ακήρατος $553II_{31}$
"Ακορις $880_3$
'Ακρόδημος $553I_3$
'Αλέξανδρος $92_{14 \cdot 54 \cdot 60}$, 692 $B_{24}$: Π. Αἴλιος 'Αλ. $774_{19}$
'Αλεξίας $594_1$
'Αλεξικράτης 692 $B_{21}$
'Αλεξίων $687a_{16}$
"Αλεξος 697
'Αλκαμένης $92_{12}$
'Αλκείδης $396_6$
'Αλκεσίδαμος $687a_{23}$
'Αλκία (Βιβουλλία 'Αλκ.) $542_2$
'Αλκιβιάδης $92_{32}$, $97_{12 \cdot 13}$
'Αλκίμαχος $553II_{11}$, $V_{10}$
'Αλύπαντος $553I_{19}$, $III_{11}$
"Αμε --- $60_5$
'Αμεινίας $41_3$
'Αμμία $230_1$, $731_{7 \cdot 9}$, $793_1$: 'Αμία $781_3$
"Αμμιου $230_1$
'Αμμώνιος 231, $633_{1 \cdot 2}$
'Αμυνέστρατος ? $699a_{13}$
'Αμύντας $403_4$
'Αμύντωρ $692A_{19}$

Ἀμφάρετος $461_{13}$
Ἀμφίας $532_{34}$
Ἀμφιθόη $30e$
Ἀμφίκριτος $532_{34}$
Ἀν - - - (Αὐρήλιος Ἀν - - -) $555_{10}$
Ἀνακρέων $769_2$
Ἀναξικλῆς $553I_{14}$, $III_7$, $IV_{14}$
Ἀναξιλείδας $699c_6$
Ἀναξίμανδρος 746
Ἀναξιμένης $699a_{49}$
Ἀναξίπολις $699b_{15}$
Ἀνάξιππος $687b_7$
Ἀναξίστρατος $699a_{47}$
Ἄνδριος 12 (D. 201)?
Ἀνδροκλῆς $146_1$
Ἀνδρόνικος $398_{1\cdot4}$, $406b_2$, $532_{24}$
Ἀνδροσθένης $58_{22}$
Ἀνδρστίων $47a_{13}$, $b_6$
Ἀνδρόχαρις $699e_{11}$
Ἄννιος vid. Φιλόκομος
Ἀντ - - - $192_2$
Ἀντα - - - $398_{10}$
Ἀνταγόρας $687a_{38}$, $699b_{37}$
Ἀντήνωρ 12 (D. 284)?
Ἀντιγένης $571_2$, $687a_{36}$
Ἀντιγόνη 509
Ἀντίγονος $103_1$, $699b_{31}$, $d_5$
Ἀντικλῆς $57_1$
Ἀντιλέων $30g$, $691_2$
Ἀντιληΐδας $699a_{27}$?
Ἀντίοχος $92_{31}$, $801_3$
Ἀντίπατρος $61_4$, 205, $649b_2$
Ἀντιφ - - - 232
Ἀντιφάνης 232
Ἀντιφῶν $57_2$, $553II_{13}$
Ἀντωνεῖνος $555_9$
Ἀξιομάχη 229
Ἀπ - - - $687a_3$
Ἀπα - - $309_1$
Ἀπολλ - - - $276_2$
Ἀπολλόδοτος $699a_{20}$
Ἀπολλόδωρος $170_1$, $173_1$, $176_1$, $532_{32}$
Ἀπολλοφάνης $396_3$
Ἀπολλω - - - $235_2$
Ἀπολλων - - - $665_2$
Ἀπολλωνιανός $664_3$
Ἀπολλωνίδης $74_1$, $770_1$
Ἀπολλώνιος 12 (D. 163), $92_{34}$, $97_{19}$?, $221_2$, 233, $532_{28\cdot31}$, $698_1$, $731_{3\cdot7}$, $779_1$, $781_{1\cdot3}$, $786_{1\cdot4}$, $799_2$
Ἀπολλωνίς 711
Ἀρ - - - $699c_{11}$
Ἀραβιανός (Δομέτιος vel Σαλλούστιος Ἀραβ.) 95
Ἀρατίδας $699b_{26\cdot46}$, $d_7$
Ἀρατύλος $699b_{42\cdot46}$
Ἄρδης $532_{30}$?
Ἀρεθοψ(?) $873_1$
Ἀρεταγένης $699a_{32}$
Ἀρετάκριτος $699e_{15}$
Ἄρης 868
Ἀρι - - - $253_2$
Ἀριανός $102_5$
Ἀρισ - - - $171_2$, $699c_8$
Ἀριστ - - - $171_1$, $699c_{14\cdot16}$
Ἀρισταγορ - - $396_4$
Ἀρισταγόρη $722_1$?
Ἀρισταίνετος $532_{33}$
Ἀρισταῖος $51_7$
Ἀριστάιχμη $293_1$? $c$
Ἀριστάναξ $699a_{7\cdot9\cdot10\cdot16\cdot38}$, $c_{16}$
Ἀρίσταρχος $544_{19}$
Ἀριστέας $699a_{20}$?
Ἀριστείδης 26, $92_{25}$: Ἀριστείδας $528_1$, $683a_{1\cdot9}$, $722_1$
Ἀριστεύς $699a_9$, $b_4$, $c_8$
Ἄριστις $553V_{13}$
Ἀριστίων $699a_{17\cdot25}$, $b_{12\cdot14}$, $d_{20}$
Ἀριστο - - - $47a_3$, $699c_{10}$
Ἀριστόβουλος $687a_{41}$
Ἀριστογένης $553V_{28}$, $687a_2$?
Ἀριστόδαμος $687a_{27\cdot28}$, $699d_{15}$, $e_{10}$
Ἀριστόδημος $653_5$
Ἀριστάδωρος $699d_{21}$
Ἀριστοκλείδης $112_{10}$
Ἀριστοκλῆς $112_{10}$, 234, 327, $699b_2$
Ἀριστοκράτης $375_7$, $403_7$
Ἀριστόλεως $532_{20}$
Ἀριστόλοχος $553II_4$, $III_{13}$, $563_{10}$: Αὐρήλιος Ἀρ. $555_6$
Ἀριστομάχη 229: Ἀριστομάχα $718_7$
Ἀριστόμαχος $699a_{17}$, $b_{12\cdot26\cdot29}$, $d_{7\cdot8\cdot19}$, $e_{12\cdot24}$, $f_{1\cdot4}$
Ἀριστόνους $7_{2\cdot5\cdot12}$
Ἀριστόξενος $393_{11}$, $394_4$
Ἀριστόπολις $699a_{8\cdot25}$
Ἀριστότιμος $699c_{17}$, $d_{8\cdot10}$
Ἀριστοῦχος $207_1$
Ἀριστοφάνης 12 (D. 19), $64_{12}$
Ἀρίστυλλος $51_9$
Ἀριστώ $235_1$
Ἄρίστων $68_2$, $532_{29}$, $541_2$
Ἀριστώνδας $699a_{35}$
Ἀρκεσίλας $66_1$, $553IV_{21}$
Ἄρλης(?) $532_{30}$?



Ἀρνέκτης $872_1$
Ἀρριανός $102_5$?: Λικίνιος Ἀρρ. $92_{22}$
Ἀρσάκης $801_5$
Ἀρτείμας $619_{17}$
Ἀρτεμ - - - $211_1$
Ἀρτεμάνης $619_{11}$?
Ἀρτέμας 689
Ἀρτεμι - - - $211_2$
Ἀρτεμιδώρα $225_1$
Ἀρτεμίδωρος $225_1$, $555_6$, $615_{1\cdot11\cdot15}$
Ἄρτεμις $631_5$
Ἀρτεμισία $658_1$: - - - εισία $659b_3$
Ἀρτεμίσιος $597_2$?
Ἀρτέμων $597_2$?, $770_1$
Ἀρχαγέτας 522
Ἀρχέδαμος $372_1$?
Ἀρχέδαος $372_1$?
Ἀρχέλαος $97_{14\cdot15}$, $372_1$?
Ἀρχεπτόλεμος $45_2$
Ἀρχεστράτη 236
Ἀρχέστρατος 26
Ἀρχῆναξ $699_1$, $a_{33}$, $d_{13}$
Ἀρχήνωρ $553I_{12}$
Ἀρχῆς $699c_{28}$
Ἀρχιβιόαπις $862_1$
Ἀρχίδαμος 328
Ἀρχίδικος $553I_3$
Ἀρχιλαΐδας 584(.)
Ἀρχίνομος $699_1$, $a_{32}$, $b_{21}$
Ἀρχοκλῆς $699c_4$
Ἀρχωνίδας $699a_8$, $c_{28}$
Ἀσ - - - $97_{25}$, $145_1$
Ἀσιατικός $188_2$
Ἀσίνη $571_1$
Ἀσκ - - - $210_1$
Ἀσκληπᾶς $779_2$, $787_3$: Αὐρήλιος Ἀσκ. $787_2$
Ἀσκληπι - - $144_1$
Ἀσκληπιάδης $92_{48}$, $149_1$, $178_3$, $849_1$: Ἀσσκληπιάδης 447
Ἀσκληπιόδοτος $774_{19}$
Ἀστυάναξ $692I_{14}$
Ἀσφάλης 186, $553IV_{37}$
Ἀτεισίδας $398_{18\cdot21}$
Ἄτταλος $784_1$, $801_4$: Αὐρήλιος Ἄττ. $790_1$: Σέντιος Ἄττ. $92_9$
Ἀττικός $92_{35}$: Τι. Κλαύδιος Ἀττ. $542_2$: Τι. Κλαύδιος Ἀττ. Ἡρωδιανός $542_1$
Αὐρηλία vid. Πρίσκιλλα
Αὐρήλιος (Μᾶρ. Αὐρ. - - -) $237_1$, $774_{21}$: Αὐρήλιος Μᾶρκος ὁ καὶ Σέξτος $464_{16}$: Αὐρήλιος $410_2$, $555_{3\cdot5}$: vid. Αἰσχίνης, Ἀν - - -, Ἀριστόλοχος, Ἀσκληπᾶς, Ἄτταλος, Δίξης, Δωσίθεος, Ἐπίγονος, Ἰσόχρυσος, Κακι - -, Ο - - -, Τρύφων, Χρῆστος
Αὐτίας $393_{11}$, $394_6$
Αὐτοτέλης 12 (D. 279)
Ἀφράνιος (Αὔλος Ἀφρ.) $644_2$: Λ. Ἀφράνιος $644_{2\cdot3\cdot9}$
Ἀφροδισία 238, $239_1$
Ἀφροδίσιος $92_{19\cdot42}$, $150_1$?: Ἀφροδείσιος $92_{41}$, $97_{20}$, $99_1$?, $184_1$, $673_2$
Ἀχαιμένης $398_{18\cdot21}$
Ἀχαιός $75_1$
Ἀχιλλεῖς $874_1$
Ἀχιλλεύς $626c$ 2, 3, 4, 5, 6, 7
Ἄχλαβος $829_4$
Ἀχώριστος $92_{50}$

Βαβύλλιος 900 (s.v. SEG XII 457)
Βάκχιος (Αἴλιος Β.) $92_{52}$
Βακχίς 240
Βακχυλίδης $92_{53}$
Βᾶμις $514_1$?
Βαν - - - $844_2$
Βαρπίων $748_1$
Βαρώσινος $829_3$
Βασιλε - - 584 (v)
Βασιλείδας $690_2$?
Βάσσος $237_2$
Βελήδα $611a_{3\cdot4}$, $b_3$
Βενιάμης $241_1$
Βενιδάης $241_1$
Βερενίκη $195_1$
Βηδόκλεα 576
Βιάνωρ $797_9$
Βιβουλλία vid. Ἀλκία
Βίττων $553IV_{24}$
Βίων 12 (D. 123)
Βουλαγόρας $700_1$
Βοῦλις 12 (D. 372), 56
Βρεισηΐς $801_3$
Βρέντης $565_3$
Βρύων (vel Βρυων - - -) $242_1$

Γαδάλαιππος $813_3$
Γάϊος 667, $779_3$
Γαληνός $636_2$
Γαμαλιήλ 842
Γανυμήδης $553IV_{38}$
Γέλλιος vid. Μηνογένης
Γέμεινος (Κ. Κασκέλλιος Γέμ.) $647_4$
Γέμενος (Γ. Πούφιος Γέμ.) $645_3$
Γεώργιος 694
Γέραιστις $699b_3$

Γῆς $797_{1 \cdot 2}$
Γιλλίων $809_1$
Γλαυκετίδης 12 (D. 273)
Γλαυκίας $384_2$
Γλαῦκος 431: Γλαῦ9ος $565_1$
Γλαύκων 553 $VI_1$
Γοργίας 692 $A_{22}$
Γρόφων 523
Γρυπίων 553 $I_{16}$, $III_{21}$

Δ - - - - $699a_{12}$
Δα - - - - $139_2$?
Δαγάλαιφφος (Φλ. Δαγ.) $812_4$
Δάϊος 553 $I_{20}$
Δαμ - - - $687a_{20}$, $699c_1$: vid. quoque Δημ - - -
Δαμάγητος $699b_8$
Δαμαγόρας $687b_{11 \cdot 15}$, $699a_{24}$
Δαμαίνετος $687a_8$, $699e_{2 \cdot 9}$
Δαμάρητος $699a_{24}$: Δαμάρατος $716_3$
Δαμάτριος $699a_{22}$, 709
Δαμο - - - $687a_7$
Δαμοκλῆς $699b_{20}$
Δαμοκράτης $699c_{31}$, 709
Δαμοκρατίδας $699c_{22}$
Δαμόνικος 692 $B_{27}$, $699a_{10}$, $e_{5 \cdot 8 \cdot 23}$
Δαμοσ - - - $687a_4$
Δαμοσθένης $699b_{14 \cdot 27}$, $e_6$
Δαμόστρατος 692 $B_{15 \cdot 17 \cdot 28}$, $699a_{23}$
Δαμότιμος $391_6$
Δαμόφιλος $699a_{32}$
Δαμοχάρης $395_4$
Δαρδανεύς $553II_{28}$, $III_{42}$
Δασουμ - - - $97_{22 \cdot 23}$
Δε - - - $23_1$
Δεινίας $20_5$
Δεινογένης $532_{23}$
Δεινομένης $546_2$
Δεῖος (Κλαύδιος Δ.) $659a_2$
Δέκκιος vid. Ἰουλιανός
Δεξίθεος 12 (D. 195)
Δεξώνδας $433_4$
Δημ - - - $148_1$: vid. quoque Δαμ - - -
Δημαίνετος $243_1$
Δημαρέτη $194_1$
Δημέας $479_{15}$, $553IV_{23}$
Δημητρία $657_1$, $809_1$
Δημήτριος $148_1$?, $177_2$, $225_3$, $615_5$, $653_2$
Δημο - - - $653_1$
Δημοκλῆς $20_4$
Δημόνικος $553III_{20}$
Δῆμος $243_2$
Δημοστράτη $245_1$
Δημόστρατος $64_{42}$
Δημόφιλος $42_3$
Δημοχάρης 246
Διαγόρας $718_6$
Διδύμης $868_{addn.}$
Διδυμιανός (Φλ. Διδυμ.) $849_1$
Διδυμίας 12 (D. 21)
Διδύμις (Κλαύδιος Διδύμ.) $681_3$
Δίδυμος $866_1$
Δίζης (Αὐρήλιος Δ.) $485_1$
Διόγειτος $70_5$
Διογένης $230_2$, $687a_{21 \cdot 32}$, $701_2$
Διόγνητος $81_7$, 553 $II_{30}$, $IV_7$, $653_2$
Διάδοτος $64_{44}$
Διόδωρος $218_3$, $428_{18}$, $430_{8 \cdot 9}$, $547_2$
Διοκλῆς $657_1$, $724_1$
Διομένης $699a_{30}$
Διονυσ - - - $71_2$, 566
Διονυσάριν $868_{addn.}$
Διονυσία $649a_2$, $b_{14}$, 707
Διονύσιος 12 (D. 148), $103_4$, $104_5$, $149_{1 \cdot 2}$, $157_4$, $176_2$, $179_1$, $212_1$, $247_3$, $532_{21}$, $681_2$, $699d_{11 \cdot 12}$, $f_9$, $722_2$, $724_1$: Διονύσις $796_1$
Διονυσόδοτος 248?
Διονυσόδωρος $97_{10 \cdot 11}$, 248?
Διοσκουρίδας $699a_{30}$
Διότιμος $687a_{32}$
Διοφάνης $547_1$, $548_2$
Διόφαντος 553 $II_9$
Δίων $469_{3 \cdot 10}$, 553 $V_{41}$
Δομιτιανός (Τ. Φλ. Δομ. Νέστωρ) $773_{6 \cdot 18}$, $774_4$, $775_1$
Δομίτιος (M. Δομίτ. - - -) $772_{12}$: Δομέτιος vid. Ἀραβιανός
Δόμνος $780_3$, $790_3$
Δράκων $506_{23}$
Δρομοκλῆς $129_1$, $185_2$
Δωριεύς $699a_{28}$
Δωρίθεστος $679_2$
Δωρικλῆς $679_1$
Δωρίς 249, 250
Δωριφῶν $679_1$
Δωρίχαρις $679_3$
Δῶρος $239_2$, $699a_{16}$
Δωσίθεος $94_{2 \cdot 3}$, $97_{6 \cdot 9}$: Αὐρήλιος Δωσ. $97_6$

Ε . . . . . ης $699f_7$
ἡΕβδομίας $20_2$
Εἰρήνα $371_1$
Εἰρηναῖος $97_{19}$, $338_3$
Εἰσ - - - vid. sub Ἰσ - - -
ἡΕκάδημος 30*a*?





ἡΕκάεργος 30*a*?
ἡΕκατος 30*a*?
Ἑκάτων $712_1$
Ἕκτωρ 626*c* 5, 7
Ἑκφαντος 141
Ἑλ.α - - $699c_{15}$
Ἐλεύθερος 12 (D. 36): (Λ. Σερουίλιος Ἐλ.) $825_2$
Ἐλπινίκη 32*c*
Ἐμφάνης $687a_{11 \cdot 18}$
Ἑόρτιος $61_3$
Ἐπάγαθος $687a_{22}$, $699b_{34}$
Ἐπάλκης $553V_{21}$
Ἐπάρεστος $699b_{17}$?
Ἐπάρμοστος $699b_{43}$
Ἐπαφρόδειτος $99_1$?: - - - διτος $92_{61}$, $150_1$
Ἐπιγηθίδης 553 $II_{29}$, $IV_{32}$
Ἐπιγόνα 12 (D. 82)
Ἐπίγονος $92_{10 \cdot 11 \cdot 12}$, $110_3$, $574_2$, $659b_4$, 692 $A_6$, $699a_{15}$, $702_{1 \cdot 2}$, 879(3): M. Αὐρήλιος Ἐπίγ. $659b_1$
Ἐπίδαυρος $553III_{41}$
Ἐπιθάλης $251_1$
Ἐπίκουρος 12 (D. 67)
Ἐπικρ - - - $687a_{28}$
Ἐπικράτης $47a_3$, $196_2$, $398_{9 \cdot 17 \cdot 23}$, 692 $A_8$, $699c_{24}$
Ἐπίκτητος $92_{33}$, $532_{21}$
Ἐπιν - - - $699d_6$
Ἐπιστήμων 297
Ἐπίστρατος $685a_2$
Ἐπιφάνης $685a_3$
Ἐπίχαρμος $679_2$, $685a_2$, $687a_{24}$
Ερ - - - (Κλαύδιος Ερ - - -) $442_{21}$
Ἐρασικλείδας $699b_{28}$
Ἐράσιππος $393_{10}$, $394_3$
Ἐργεύς $880_3$
Ἐργοτέλης 900 (s.v. SEG XII 1223*a*)
Ἐρεννιανός (Κλαύδιος Ἐρ.) $160_1$
Ἐρέννιος vid. Ἀγήσανδρος, Σακέρδως
Ἑρμαγόρας $506_{23 \cdot 24}$
Ἑρμαῖος $619_{12 \cdot 17 \cdot 25}$
Ἑρμείας $92_{46 \cdot 62}$, $97_{17}$, $99_2$, 252
Ἑρμέρως $92_{15 \cdot 16 \cdot 17}$
Ἑρμογένης $404_2$
Ἑρμόδωρος $61_3$, $337_4$
Ἑρμοκ - - - $253_1$
Ἑρμόξενος $404_2$
Ἑρμῶναξ 12 (D. 68)
Ἑρώτιον $213_1$
Ἑστιαῖος $639A_{3 \cdot 4}$, $B_{2 \cdot 3}$
Ἑταίριχος $455_2$
Ἐτεοκλείδης $547_3$, $548_1$
Εὐ . . κλῆς $683a_2$
Εὐα . . . $221_1$
Εὐα - - - $426_2$
Εὐαγ - - - $699c_2$
Εὐαγίς $691_{3 \cdot 24}$
Εὐαντίδης $553III_9$, $V_9$
Εὐάρατος $687a_{22}$, $b_5$, $699d_{21}$, $f_8$
Εὐάρεστος $545_2$
Εὐαρχίδας $393_{10}$, $394_3$, $395_4$
Εὐβ - - - $66_1$
Εὐβιάδας $433_2$
Εὔβιος $187_1$
Εὔβουλος $64_{41}$, $65_8$
Εὐδ - - - $699d_3$
Εὐέλθων $554_1$
Εὐέλπιστος $97_{18}$
Εὐέτης 327
Εὐήμερος $201_1$
Εὐθύδικος 12 (D. 82)
Εὐθύκριτος 254
Εὔκαρπος $215_2$
Εὐκλῆς $92_{49}$, $699a_{5 \cdot 11 \cdot 37}$
Εὐκλίδης $167_2$: - - κλείδας $699a_5$
Εὐκολίνη 236
Εὔκολος $133_{3 \cdot 4}$
Εὐκράτης $433_3$, $699a_{26 \cdot 31}$, $d_3$
Εὐκρατίδας 584 (IV), $699a_{31}$, $d_2$, $f_8$
Εὐκτήμων 692 $A_{21}$
Εὐκτήτη $563_2$
Εὐμάρης 12 (D. 244)
Εὔμηλος 12 (D. 372), $87_{90}$, 692 $A_{21}$, $B_8$
Εὔνικος $84_6$, $163_2$
Εὔνομος $553III_{25}$, $V_1$, $655_1$
Εὔπαλος 12 (D. 60)
Εὐπο - - - 692 $B_{16}$
Εὐπόλεμος $69_2$
Εὔπορος $92_{17 \cdot 44}$, $97_{16}$
Εὐρυκρῶν $699a_{29}$, $b_{11}$, $c_{11}$
Εὐρώπη 616
Εὔτιμος 692 $A_{22}$
Εὐτυχᾶς (Γ. Ἰούλιος Εὐτ.) $832_2$
Εὐτύχης (Κλαύδιος Εὐτ.) $849_2$
Εὐτυχία $255_1$
Εὐτυχιανός $94_1$, $228_1$, 256
Εὐτυχίς $712_2$
Εὔτυχος $193_1$, $803_{1 \cdot 5}$
Εὐφάης 692 $A_1$
Εὐφάτας $375_5$
Εὐφίλητος $68_1$
Εὔφραιος $577a$
Εὐφραντίδας $699a_{34}$
Εὐφραντίς $701_1$
Εὐφράνωρ $370_1$, $699b_{23}$, $c_{32}$

Εὐχάριστος $92_{31 \cdot 32}$, $216_3$
Εὔψυχος $784_1$
Εὔωπος 12 (D. 162)
Ἐχένικος $699c_{27}$
Ἐχεπάμων $699b_{26}$, $c_{21 \cdot 30}$

Ζευξίππη 257
Ζεῦξις $617_1$
Ζέφυρος $369_2$
Ζηλουμένης $532_{22}$
Ζην - - - $291_3$
Ζηνόβιος 258
Ζηνόδοτος $553\ III_{37}$, $IV_{32}$
Ζήνων $131_2$, $649b_2$, $731_3$
Ζώϊλος $152_1$
Ζωΐτος $376_2$
Ζώπυρος $224_1$
Ζώσιμος $92_{45 \cdot 53}$, $97_{14}$, $133_{4 \cdot 6}$, $486_{4 \cdot 16}$
Ζωτικός $800_2$

Η - - - - 250
Ἡγέας $553IV_4$
Ἡγέστρατος $60_4$
Ἡγήμων $66_2$
Ἡγησίας $66_2$
Ἡγίας $553IV_9$
Ἡλιόδωρος $149_1$
Ἡνίοχος $553II_{24}$, $786_2$
Ἥπιος $553II_{14}$
Ἡρακλᾶς $867_1$
Ἡράκλειος $70_3$
Ἡρακλέων $75_2$, $681_4$
Ἡρακλίδης $94_{3 \cdot 3}$, $196_1$?: - - είδης $87_{88}$, $92_{39}$, $184_1$, $863_1$: - - είδας $427_2$, $683a_2$
Ἡράκλιτος $196_1$
Ἡρακλοῦς $871_1$
Ἡρογείτων $459_1$
Ἡρώ $321_1$
Ἡρωδιανός (Τι. Κλαύδιος Ἀττικὸς Ἡρωδ.) $542_1$
Ἥρων $577b$, $864_1$, $877_1$
Ἡσύχιος 838
Ἡφαιστ - - - $191_1$

Θ - - - - $130_1$
Θαῆσις $873_1$
Θαΐς 714
Θαλῆς $97_{6 \cdot 9}$
Θαλήτας $687a_{28}$
Θαλίαρχος 12 (D. 82)?, 518
Θαραύτας $576_1$
Θε - - - - $255_2$, 257
Θεαρίς 186
Θεδώρα vid. Θεοδώρα
Θελξαγόρας $309_2$
Θεο - - vid. quoque Θευ - -
Θεοδόσιος $92_{58}$
Θεόδοτος $681_1$
Θεοδώρα 259 (Θιωδώρα), $868_{addit.}$ (Θεδώρα)
Θεόδωρος $68_2$, $89_{37}$, $553I_{5 \cdot 24}$: Θεοδώρηος $626a$, $d$
Θεοζοτίδης $36_{2 \cdot 11}$
Θεοκλῆς $424_{1 \cdot 5}$
Θέομνις $553II_{12}$, $IV_{12}$
Θεοπροπίδης $396_3$
Θεοτέλης $546_2$
Θεοτελίδης $546_1$
Θεόφιλος $65_6$, $74_1$, $92_{18}$, $127_3$
Θεόχμιος $89_{37}$?
Θερμοῦτις 865
Θέσσαλος $403_5$
Θέστιος $553\ V_{29}$
Θευ - - vid. quoque Θεο - -
Θεύδαμος $719_{1 \cdot 2}$
Θεύδωρος $514_1$, $699a_{26}$, 879(6)
Θεύκριτος $477_1$
Θεύπομπος $699c_{23}$
Θεύπροπος $687b_{13}$
Θευτιμίδης $532_{23}$
Θευφάνης $477_2$, $687a_{12 \cdot 19}$, $690_2$, $699b_{21}$, $f_{10}$
Θέων $713_1$
Θηβ - - - $192_1$
Θηβαγόρας $392_{14}$
Θηβαῖς $553I_{33}$
Θήρων $544_{10}$, 661
Θησεύς $631_1$
Θούτιμος 12 (D. 284)
Θρασύβουλος $152_1$, $553I_{10}$
Θρασύδαμος $710_2$
Θρασύδημος $553I_{9 \cdot 30}$
Θρασυμ . . . ς $469_7$
Θρασυφῶν $87_{81}$
Θρασωνίδης $147_1$, 879(1)
Θυμοχάρης $683a_7$, $684b_{28}$, $685a_8$
Θυμώιδας $685a_6$

Ἰακώβ $844_1$
Ἰακών $843_2$
Ἰάρων $699c_{27}$
Ἰάσων $681_4$, $712_2$
Ἰατάδας $403_6$
Ἰατροκλῆς 450, $553II_{16}$, $660_{2 \cdot 5 \cdot 12}$, $688_3$
Ἰε - - - $72_6$
Ἱερος $390_9$



Ἱέρων $699b_{25}$
Ἰζμηνίας $153_2$
Ἴλαρος $97_{16}$
Ἰμεραῖος 12 (D. 149)
Ἴνωπος $553II_{44}$
Ἰοάνις (*sic*) $587_1$
Ἰόλεως 29
Ἰοστῖνος $587_2$
Ἰουλιανός (Δέκκιος Ἰουλ.) $92_{17}$
Ἰούλιος vid. Εὐτυχᾶς, Καίσαρ, Κουαδρᾶτος: Γ. Ἰούλιος - - - $410_{9 \cdot 10}$: Ἰούλ. Ἱεροφάντης $92_{65}$
Ἰούνιος vid. Πυθόδωρος
Ἵππαρχος $699b_{19}$
Ἴρα - - - $338_2$
Ἶρις 260, 261
Ἰσαῖος $818_5$
Ἴσαρους 859
Ἰσήγορος $64_3$, $65_2$
Εἰσίας $708_2$: Εἰσιάς $262_1$
(Ε)Ἰσίδωρος $92_{35}$, $708_1$
Ἶσις (Φλ. Ἶσις) $849_3$
Ἰσοκράτης $64_3$, $65_2$
Ἰσόχρυσος (Μ. Αὐρήλιος Ἰσόχρ. Σερτωριανός) $774_{17}$
Ἰφικράτης $553IV_3$
Ἰωνία $553V_{45}$

Καικίλιος $664_3$
Καίσαρ (Γ. Ἰούλιος Καῖσαρ) $121_2$, $122_2$, $383_1$, 474, $517_1$, $557_3$, $558_2$, $559_4$, $561_3$, $762_2$
Καισωνῖνος (Λ. Καλπούρνιος Πίσων Καισ.) $559_1$
Κακι - - (Μ. Αὐρήλιος Κακι - - κανός) $774_{17}$
Καλ - - - $685a_3$
Καλλ - - - 12 (D. 130)
Καλλέας $47a_{10}$
Καλλι - - - $699c_7$
Καλλιάναξ $699c_{31}$, $719_2$
Καλλίας 12 (D. 21), 154
Καλλιδάμας $553V_{28}$
Καλ(λ)ικλῆς $515_3$, $797_6$, $805_1$
Καλλικράτης 12 (D. 139), $87_{87}$, $398_{9 \cdot 18 \cdot 23}$
Καλλικρατίδας 584(iii)
Καλλίμαχος $30h$, $687a_{42}$
Καλλιμέδων $112_8$
Καλλινόη $563_6$
Καλλῖνος $699f_{13}$
Καλλίξεινος $699f_2$
Καλλιόπη $833_2$, $834_2$
Κάλλιππος $30c$?, $165_1$, $391_5$, $553VIII_1$
Καλλισ - - $265_1$
Καλλισθένης 24
Καλλισταγόρας $553IV_{13}$, $VII_1$
Καλλίστρατος 140, $264_1$, $428_{18}$, $699a_7$: Κλαύδιος Καλλ. $442_{11}$
Καλλιστώ $209_1$
Καλλιφάνης 12 (D. 231)?
Καλλώ 111?
Καλπουρνία $559_1$
Καλπούρνιος vid. Πίσων
Κάνθαρος 431
Κάνιος (Λούκιος Κάνιος) 305?
Καπίτων (Σκριβώνιος Καπ.) $97_3$
Κάρα 624
Καρπίων $748_1$
Καρπόδωρος $92_{43}$
Κάρπος $553II_{50}$, $IV_{36}$
Κασκέλλιος vid. Γέμεινος
Καστεῖνα $582_{1 \cdot 3}$
Κᾶφις $392_{13}$
Κεδα . . (nom. muliebre?) $139_2$
Κεδαρ $139_2$?
Κέλαδος $281_2$
Κεφαλᾶς 870
Κηφίσιος $47a_2$
Κηφισόδοτος $264_2$?
Κηφισόδωρος $183_1$, $264_2$?
Κλαυδία vid. Τατάριον
Κλαύδιος $101_2$, $410_2$?: vid. Ἀττικός, Δεῖος, Διδύμις, Ερ - - -, Ἐρεννιανός, Εὐτύχης, Ἡρωδιανός, Καλλίστρατος, Πατρόβιος, Pollio
Κλέαρχος $687b_9$
Κλείμαχος $30d$
Κλεινίας $702_{1 \cdot 3}$
Κλεῖππος $30c$?
Κλειταίχμη $293_1$?
Κλειτανορίδας $692\ A_{18}$
Κλείταρχος $699c_{29}$
Κλεῖτος $699b_{22}$, $e_{14}$
Κλείτων $699c_{32}$, $f_{13}$
Κλεο - - - $458_1$: vid. quoque Κλευ - - -
Κλεόβουλος $392_{14}$
Κλεόμβροτος $375_6$
Κλεομένης $553V_{17}$?
Κλεομήδης $9_5$
Κλεοστρατίδης $553II_1$, $III_6$, $VIII_1$
Κλεοφάνης $553III_{22}$
Κλεοφράδης $553VI_3$
Κλεοφῶν $553I_{27}$
Κλεοχάρης $553V_5$
Κλευ - - - vid. quoque Κλεο - - -
Κλεύμαχος $692\ B_{11}$

Κλεύμβροτος 690$_{2}$
Κλευμένης 699$b_{22}$
Κλευσθένης 691$_{3 \cdot 8 \cdot 16 \cdot 22}$, 692 A$_{7}$
Κλεύφαντος 692 B$_{28}$
Κλεώ 12 (D. 302), 553VIII$_{3}$
Κλέων 347$_{5 \cdot 7}$, 398$_{10 \cdot 18 \cdot 24}$
Κλεώνυμος 375$_{5}$, 497$_{3}$
Κλήμης 654$_{3 \cdot 5}$?
Κλωδία 267, 783$_{1}$: vid. quoque Κλαυδία
Κοκκήϊος vid. Πρίσκος
Κόμμοδος 104$_{6}$
Κόμων 12 (D. 4), 797$_{9}$
Κόνων 64$_{18}$, 619$_{25}$
Κορινν(ι)ώ 30$f$
Κόροιβος 57$_{9}$
Κόρυμβος 104$_{2}$
Κοσμησιάναξ 699$b_{3}$
Κότταβος 268
Κότυς 220$_{8}$
Κουαδρᾶτος (Ἰούλιος Κουαδρ.) 648$_{3}$
Κουρίων (Γ. Σκριβώνιος Κουρίων) 641$_{2 \cdot 4}$, 642$_{4 \cdot 5}$
Κράτερος 798$_{2}$
Κρατίλας 529$_{4}$?
Κρατῖνος 699$a_{5}$
Κρίσπος 479$_{16}$
Κριτίας 687$a_{30}$
Κριτόλεως 532$_{28}$
Κριτόξενος 553II$_{6}$
Κρίτων 403$_{4}$
Κρυασσεύς 900 (s.v. SEG XII 360)
Κτημένης 546$_{3}$
Κτησίας 23$_{1}$
Κυδαντίων 699$a_{21}$
Κυδόστρατος 699$a_{21}$
Κύριλλα 840
Κῦρος 213$_{3}$
Κωμική 269
Κωνώπη 270

Α - - - - 375$_{9}$
Λ - - - ις 595
Λάζαρος 843$_{3}$
Λαιάδας 428$_{16}$
Λαφάνης 699$b_{36}$
Λαφίδης 687$b_{8}$
Λάχης 553V$_{32}$
Λέαινα 373$a$
Λειβερᾶλις (Σέϊος Λειβ.) 602$_{3}$
Λεοντεύς 699$b_{27 \cdot 30}$, 725$_{2}$?
Λεοντίς 424$_{5}$
Λεοντίσκος 699$c_{3}$
Λεουντᾶς 830$_{4}$
Λεπτίνης 565$_{2}$
Λεύκαιος 553II$_{21}$
Λεύκολλος (Μ. Τερέντιος Οὐάρων Λ.) 135$_{2}$
Λεύκων 457$_{1}$?
Λέων 373$c$, 532$_{32}$
Λεώνηως 585
Λεωνίδας 655$_{2}$, 687$a_{29}$, 690$_{65}$
Λεωνίκη 229
Ληΐας 532$_{27}$
Λήναιος 149$_{2}$
Λιβουσκίδιος 678$_{3}$: Σέξ. Σωτίδιος Λιβουσ. 678$_{5}$
Λικίν(ν)ιος 654$_{6}$: vid. quoque Ἀρριανός
Λιτέρνιος vid. Φρόντων
Λογγεῖνα 770$_{4}$
Λούκιος 603$_{2}$
Λουκιφέρα 634$_{1}$
Λοχαγός 553I$_{1 \cdot 17}$, III$_{23}$
Λυκίσκος 52
Λυσανίας 699$f_{5}$
Λυσίας 541$_{3}$
Λυσίδαμος 392$_{18}$
Λυσίδημος 64$_{9}$, 65$_{8}$
Λυσιθείδης 64$_{10 \cdot 28}$, 65$_{10 \cdot 12 \cdot 38}$
Λυσίθεος 553II$_{15}$
Λυσικλῆς 61$_{3}$
Λυσικράτης 64$_{28}$
Λυσίμαχος 461$_{9}$
Λυσίς 227$_{1}$
Λυσίστρατος 140
Λυσίφιλος 12 (D. 248)
Λύσων 297
Λυτάτιος (Κ. Λυτάτιος [Κάτλος]) 136$_{2}$

Μᾶ 204$_{1}$
Μάγνος 839
Μαγούλνιος 643$_{2}$
Μακαρῖνος 529$_{8 \cdot 9}$
Μαλκοίδων 577$b$
Μανδροκλῆς 599
Μάνης 797$_{3}$
Μαντινεύς 553V$_{26}$
Μαξ - - - (Λ. - - - ος Μαξ - - -) 377$_{2}$
Μάξιμος (Φοντήϊος Μάξ.) 92$_{22}$
Μαραγίς 540
Μαργαρῖτα 623$B_{1}$
Μάρθα 637$_{1}$
Μαρκία 592
Μαρκιανός 339$_{3}$, 592
Μαρκιλίνη 590$_{1}$
Μᾶρκος 97$_{17}$, 464
Μαρούση 846$a$
Μαρτι - - - 650$_{4}$



Ματρόδωρος 769$_{8}$: vid. quoque Μητρόδ.
Με. ικράτης 692 B$_{15}$
Μεγακλῆς 390$_{7}$, 603$_{1}$
Μεγαλῖνος (Τ. Φλάουιος Μεγ.) 425$_{1}$
Μέγυλλος 699$a_{40}$, $c_{10}$
Μεγύλος 12 (D. 227)
Μελάνιππος 554$_{2}$
Μέλιννα 554$_{2}$
Μελισσίων 427$_{1}$
Μέμμιος (Γ. Μέμμ.) 642$_{3}$: Μέμμ. ἐπὶ βωμῷ 92$_{56}$: Μέμμ. I[illegible] 97$_{4}$: vid. quoque Φλάκκος
Μέμνων 28
Μεν - - - 148$_{4}$
Μέναιχμος 395$_{2}$
Μένανδρος 12 (D. 98, 218), 97$_{13}$, 134$_{2}$, 706$_{1}$, 731$_{3}$, 752$_{1}$
Μενδίδωρος 483$_{1}$
Μενεκλῆς 161$_{1}$, 174$_{1}$, 799$_{1 \cdot 2}$
Μενεκράτης 582$_{29}$, 660$_{2 \cdot 3 \cdot 8 \cdot 12}$, 692 A$_{21 \cdot 35}$, 699$a_{41}$, $b_{38}$, $c_{13}$, 769$_{8}$
Μενέλαος 804$_{2}$
Μενέστρατος 639.1$_{5}$, 699$a_{12 \cdot 41 \cdot 46}$, $b_{8 \cdot 9 \cdot 38}$
Μένης 45$_{4}$
Μένιππος 553II$_{13}$, 699$b_{41}$, $c_{7 \cdot 25}$, $d_{13}$, 722$_{2}$
Μένων 563$_{1}$
Μηνο - - - 275$_{2}$
Μηνογένης (Λ. Γέλλιος Μηνογ.) 407$b_{6}$
Μηνόδοτος 312$_{1}$
Μηνόδωρος 92$_{10}$, 655$_{3}$
Μηνοφάνης 639$B_{2 \cdot 3}$
Μηνόφιλος 272, 273
Μητρόδωρος 168$_{1}$, 447, 532$_{30}$: vid. quoque Ματρόδ.
Μιλτιάδης 351
Μίνδρων 699$a_{37}$
Μνασίδαμος 393$_{10}$, 394$_{5}$, 428$_{17}$
Μνασικλῆς 373$e$
Μνήμων 553V$_{20}$, VIII$_{3}$
Μνησικρίτη 274
Μο - - - 162$_{1}$
Μοιραγένης 129$_{1}$
Μοιρίας 20$_{6}$
Μοίριχος 194$_{2}$
Μόλης 797$_{1 \cdot 3 \cdot 6}$
Μορυχίων 553I$_{21}$
Μοσχίων 64$_{10}$, 275$_{1}$
Μουσαῖος 92$_{45}$, 206$_{2}$, 803$_{2}$
Μυΐσκος 879(1)
Μυρτάλη 276$_{1}$: Φλαβία Μυρτ. 185$_{1}$
Μυρτία 324$_{1}$
Μύρων 92$_{63}$, 99$_{3}$
Μυστικός 92$_{20 \cdot 21 \cdot 59}$
Μύσων 92$_{19}$

Ν - - - - 665$_{1}$
Ν . . .$^{6}$. . . ος? 692 B$_{23}$
Νάννακος 75$_{2}$
Ναν(ν)ας 799$_{1}$, 803$_{4}$
Ναύλοχος 12 (D. 229)?
Ναυσιφάνης 64$_{28}$
Ναύτης 12 (D. 67)
Νέαρχος 111
Νεικ - - vid. sub Νικ - -
Νεοκλῆς 395$_{1}$
Νεοπείθης 553 IV$_{15}$
Νεοπτόλεμος 553 IV$_{16}$, 658$_{1}$
Νέστωρ 604$_{1}$: Τ. Φλ. Δομιτιανὸς Νέστωρ 773$_{8 \cdot 18}$, 774$_{4}$, 775$_{1}$
Νέων 255$_{2}$
Νι - - - 405$_{3}$
Νικ - - - 75$_{5}$: Νεικ - - - 643$_{3}$
Νικαγόρας 699$c_{20}$
Νίκαιος 687$a_{33}$
Νίκανδρος 61$_{5}$, 84$_{6}$, 163$_{1}$, 398$_{11 \cdot 14}$, 692 B$_{12}$
Νικάνωρ 850
Νικάρι(ο)ν 277
Νικάσιππος 553 I$_{18}$, III$_{10 \cdot 24}$
Νικατορίδας 699$c_{20}$
Νικάτωρ 692 A$_{12 \cdot 18}$
Νικέας 390$_{10}$
Νείκη 681$_{2}$
Νικήρατος 86$_{8}$, 398$_{11}$
Νικησίας 553 II$_{11}$, IV$_{5}$
Νικηφόρος 545$_{3}$
Νικι - - - 406$a_{2}$
Νικίας 86$_{8}$
Νικο - - - 428$_{17}$
Νικόδαμος 455$_{8}$
Νικόδημος 553 I$_{4}$: Νεικόδ. 219$_{1}$
Νικοκλείδης 228$_{2}$
Νικοκλῆς 228$_{2}$?, 445
Νικοκράτης 92$_{21}$
Νικόμαχος 64$_{7}$
Νικομη - - 406$b_{1}$?
Νικόπολις 203$_{1}$
Νικόστρατος 692 B$_{17}$, 699$a_{29}$
Νίκυλλος 553 II$_{3 \cdot 32}$, III$_{14 \cdot 33}$
Νικώ 847$_{21}$?
Νίκων 404$_{2}$, 457$_{1}$?, 458$_{3}$, 699$a_{37}$
Νικώνυμος 553 II$_{23}$, V$_{24}$
Νιόβη 755$_{5}$
Νόβιος vid. Πρεῖσκος
Νουμήνιος 68$_{5}$?, 191$_{2}$

Νυνφιδία 759$_1$
Νυσώ 847$_{21}$

Ξάνθιππος 461$_{13}$
Ξεναγόρας 687$a_{20}$, 699$a_{13}$, $c_{26}$
Ξεννίς 157$_1$
Ξενοκλῆς 532$_{33}$
Ξενοκράτεα 515$_1$
Ξενοκράτης 699$b_9$, $d_{16}$
Ξενόκριτος 687$a_{30}$, 699$a_{13 \cdot 15 \cdot 33}$
Ξενομένης 686$_3$
Ξενομήδης 532$_{33}$
Ξενόφιλος 68$_{23}$, 553 V$_8$
Ξενοφώ 532$_{27}$
Ξενοφῶν 532$_{27}$?
Ξένων 70$_2$, 594$_1$

Ο - - - - 100$_3$, 240: Αὐρήλιος Ο - - - 555$_7$
Ο . . . υτας 699$c_{10}$
Οἰκις 373$d$
Οἰνανθίς 279
Οἰνοπίδης 553 I$_{25}$
Ὀλβιογένης 699$c_{24}$
Ὀλυμπιόδωρος 483$_1$
Ὀλυνπιανή 793$_2$
Ὀλύνπιχος 785$_1$
Ὅμηρος 626$a$, $b$, $d$
Ὄν - - - 309$_2$
Ὀνασ - - vid. quoque Ὀνησ - -
Ὀνάσανδρος 686$_3$, 687$_8$?
Ὀνασικλῆς 220$_1$
Ὄνασος 103$_3$
Ὀνη - - 104$_6$
Ὀνησ - - vid. quoque Ὀνασ - -
Ὀνήσανδρος 197$_2$
Ὀνησίβιος 12 (D. 107)
Ὀνήσιμος 197$_1$, 631$_2$
Ὀνησιφόρος 681$_{1 \cdot 3 \cdot 5}$
Ὀνησώ 215$_1$: Ὠνησώ 219$_1$
Ὀνητορίδης (Στατίλιος vel Στάτιος Ὀν.) 92$_{26}$
Ὀνήτωρ 12 (D. 282)
Ὀνοπήγανος 738
Ὀρέστας 398$_{9 \cdot 16 \cdot 23}$, 430$_8$
Ὀρθαγόρα 174$_2$
Ὀρθαγόρας 619$_{11 \cdot 13}$
Οὐαλέριος vid. Πύρρος
Οὐάρων (Μ. Τερέντιος Οὐάρ. Λεύκολλος) 135$_2$
Οὔλπιος 900 (s.v. SEG XIII 611): vid. Ἄγνος, Πομπηϊανός

Π - - - - 66$_3$, 72$_5$, 391$_4$, 410$_7$: Πό. Π - - - 410$_4$
Π. επ - - - 692A$_7$
Π . . ιος 112$_9$
Παγκλείδας 687$a_{33}$
Παγκράτης 687$a_{12}$, 692B$_{10}$? $_{\cdot 13}$, 699$b_{16}$
Παθερμοῦθις 860
Παίπαλος 445
Παμμένης 155$_{1 \cdot 2}$
Παμφίλη 151$_1$
Πάμφιλος 104$_4$
Πάναισχος 12 (D. 157)
Πανκλῆς 532$_{26}$
Πάνταινος 687$a_{15}$
Παντακλῆς 280
Πανταλέων 805$_2$
Παπίας 793$_1$
Παράμονος 479$_{16}$
Παρμ - - - 68$_5$
Παρμένης 619$_{11}$
Πασέας 29
Πασιάδης 29?
Πασικράτης 687$a_{13 \cdot 33}$, 699$c_{29}$
Πασίφιλος 553 II$_{40}$, III$_{29}$, IV$_{28}$, V$_{37}$
Πασίων 879(5)
Πατρόβιος (Τι. Κλαύδιος Πατρόβ.) 613$_1$
Παῦλα 755$_{1 \cdot 8 \cdot 11}$
Παυσανίας 692A$_{20}$
Παυσίας 187$_2$
Πειθίας 65$_6$
Πειρίθους 553 II$_{28}$, III$_{3 \cdot 17}$, V$_{31}$
Πεισικλῆς 553 VII$_1$
Πεισίμβροτος 699$b_{33}$, $c_{21}$
Πεισίνους 699$a_{23}$
Πεισίρροδος 699$e_3$
Πεισίστρατος 690$_1$, 699$a_{48}$, $b_{29}$
Πέπλος 553 II$_{49}$, III$_{43}$
Πεπωσαμυις 864$_1$
Περικλῆς 12 (D. 123)
Πέταλος 12 (D. 171)
Πέτηλος 455$_4$
Πετρώνιος (Π. Πετρ.) 646$_6$
Πίθανον 206$_1$
Πιστ - - - 12 (D. 134)
Πίστη (Πῶλλα Πίστη) 153$_2$
Πισ(σ)τογένης 12 (D. 247)
Πίστος 201$_2$
Πίσων (Λ. Καλπούρνιος Πίσ. Καισωνῖνος) 559$_1$
Πλαυτία 646$_4$
Πλαύτιος (Αὖλος Πλ.) 646$_4$
Πλείστων 393$_9$, 394$_1$
Πλειστῶναξ 553 II$_{27}$, V$_{23}$
Πο . . . ρχος 699$b_{45}$
Πόθος 268
Πολέμαρχος 553 IV$_{19}$



Πολέμων 778$_3$, 808$_{1 \cdot 2}$
Πολίτης 12 (D. 211): - - ας 699$a_{14}$
Πολύαινος 553 I$_{23}$
Πολυάρατος 699$a_{43 \cdot 47}$, $b_{3 \cdot 17}$, $c_{24}$
Πολύαρχος 699$b_{45}$, $d_4$
Πολυκράτης 851$_3$
Πολυμήδης 692A$_{3 \cdot 39}$
Πολύμνηστος 553 V$_{16}$
Πολύφαντος 553 I$_{31}$
Πομ - - - 210$_2$
Πομπηϊανός (Οὔλπιος Πομ.) 92$_{28}$
Πομπώνιος vid. Φλαβιανός
Πόπλιος 798$_1$
Ποσειδιππος 12 (D. 149)
Ποσιδώνιος 631$_6$
Πούφιος (Rufius) vid. Γέμενος
Πραξίλας 529$_4$?
Πραξιτέλης 92$_{24}$
Πραξίχαρις 687$a_{13}$
Πρέπουσα 373$b$
Πρέπων 830$_5$
Πρίαμος 626$c$ 5, 7
Πρίσκιλλα (Αὐρηλία Πρίσκ.) 555$_8$
Πρίσκος (Λ. Κοκκήϊος Πρ.) 602$_{12}$: Πρεῖσκος (Πό. Νόβιος Πρ.) 424$_2$
Προκ - - - 94$_6$
Προκλῆς 553 II$_{36}$
Προποσσοκλῆς? 699$a_{28}$
Προσδόκιμος 181$_1$
Πρυτανικός 553 II$_{51}$
Πρωτᾶς 779$_1$
Πρωτογένης 166$_1$
Πταθερμοῦθις 860
Πτολεμαῖος 151$_2$
Πυθ - - - 403$_1$
Πυθάγγελος 66$_3$
Πυθάρατος 64$_2$, 65$_1$
Πύθιππος 174$_2$
Πυθίων 529$_{4 \cdot 12}$
Πυθόδωρος (Ἰούνιος Πυθ.) 92$_{10}$
Πυθόκριτος 682$_{1 \cdot 2 \cdot 3}$, 719$_{20}$
Πύννος 738
Πυργίας 687$b_{10 \cdot 14}$
Πυρρίας 303$b$
Πύρρακος 553 I$_1$, III$_8$
Πύρρος 427$_2$: Οὐαλέριος Πύρρ. 479$_{18}$
Πῶλλα (Πῶλ. Πίστη) 153$_1$

Ῥῆγλος (Αἴλιος Ῥ.) 92$_{27}$
Ῥόδη 30$f$
Ῥόδιον 222
Ῥουφεῖνος 115$_2$
Ῥοῦφος 847

Σ - - - - 259, 687$a_{21}$: Λούκιος Σ - - - 103$_2$
Σ . . . νος 687$a_3$
Σα - - - - 71$_2$
Σαβεῖνος 92$_{16}$
Σακέρδως (Ἐρέννιος Σακ.) 102$_4$
Σαλλούστιος vid. Ἀραβιανός
Σάννος 398$_{20}$
Σάτυρος 553 V$_{1 \cdot 22}$
Σεία vid. Σπῆς
Σεῖος vid. Λειβερᾶλις
Σέντιος vid. Ἄτταλος
Σέξτος 443$_3$, 464
Σεραπίων 92$_{14}$
Σερουίλιος vid. Ἐλεύθερος
Σερτωριανός (Μ. Αὐρήλιος Ἰσόχρυσος Σερτ.) 774$_{17}$
Σευηριανός (Φλ. Σευηρ.) 812$_5$
Σεύθης 798$_1$
Σθεννίδας 879(2)
Σιβυρτιάδης 35$_7$
Σιλβάνη 632$_2$
Σιμίας 375$_8$
Σίμιλις (Σουλπίκιος Σίμ.) 900 (s.v. SEG XIII 611)
Σῖμος 553 IV$_{1 \cdot 20}$, 687$a_{26}$, 716$_1$: Σεῖμος 255$_1$
Σιμύλη 30$f$
Σιμύλος 70$_4$
Σιρασίλας 529$_1$?
Σκαμάνδριος 12 (D. 201)?
Σκόπας 216$_1$
Σκριβώνιος vid. Καπίτων, Κουρίων
Σμαραγδίς 540?
Σομ(β)ροτίδας 599
Σουλπίκιος vid. Σίμιλις
Σουνιάδης 12 (D. 36)
Σουνιεύς 12 (D. 202)
Σοφ - - - 12 (D. 149)
Σοφοκλῆς 783$_2$
Σπαρτον - - 12 (D. 68)
Σπέδιος (Πό. Σπέδιος) 101$_1$
Σπῆς (Σεία Σπῆς) 602$_1$
Στασαγόρας 699$b_{30}$
Στασίων 692A$_6$?
Στατίλιος vid. Ὀνητορίδης
Στάτιος vid. Ὀνητορίδης
Στεφανίων 721$_1$
Στέφανος 553 I$_{38}$
Στεφηφόρος 282
Στομῆς 553 II$_{42}$, III$_{27}$, IV$_{26}$, V$_{33}$
Στρ - - - 692A$_2$
Στρα - - - 692A$_1$
Στρατόδαμος 699$c_9$
Στρατόκλεια 229

Στρατοκλῆς $481_2$, $699b_{41}$, $c_{10}$
Στρατόνικος $371_1$
Στράτων $92_{11}$
Συμ - - - $97_{24}$
Σύμαιθος 553 $V_{39}$
Σύμμαχος $710_1$
Σύντροφος $188_1$
Συντύχη $181_1$
Σφαῖρος 553 $I_{35}$, $III_{38}$, $IV_{34}$
Σω[illegible]ς $428_{16}$
Σώδαμος 879(4)
Σωκλῆς 553 $I_7$, $III_{15}$
Σωκράτης $209_2$, $683a_1$, $687a_9$
Σωκρατίδας $683a_1$, $685a_1$, $687a_3$?
Σώνικος $104_3$
Σώπατρος $687a_{10}$, $699e_1$
Σωσθένης $174_1$
Σωσι - - $158_1$
Σωσιάδης 553 $II_{17}$
Σωσίας 437
Σωσίβιος $92_{50}$, 283, 553 $III_{12}$, $V_{1\cdot 6}$, $699b_{28}$
Σωσιγένης $92_{24}$
Σωσίθεος $687a_{20}$
Σωσικλῆς $342_3$, $655_3$, 692 $B_3$
Σωσίλα $427_3$
Σωσίμαχος $112_7$
Σωσιμήδης 553 $V_7$
Σώσιος $429_5$?
Σωσιπάτρα 284
Σωσίπατρος $687b_8$
Σωσίστρατος $372_1$
Σῶσος $177_1$
Σωστρ - - 12 (D. 134)
Σωστρατίνος $68_6$
Σώστρατος 12 (D. 171)?, $158_2$, $428_{2\cdot 5\cdot 9\cdot 13}$
Σώτας $428_{17}$
Σωτέλης $92_{37\cdot 36\cdot 39}$
Σωτήρ $759_1$
Σωτήριχος $198_1$
Σωτίδιος vid. Λιβουσκίδιος

Τ - - - - $101_3$, $555_8$
Ταλείδης $30d$
Ταλθύβιος 553 $I_{38}$, $II_{38}$, $III_{35}$, $IV_{30}$, $V_{36}$
Τάλος 12 (D. 171)?
Ταπιμη - - $875_1$
Τάρασις $812_2$, $813_2$
Τατάριον (Κλαυδία Τατ.) $134_1$
Τατιανός $486_2$
Ταυρικός $699b_{11\cdot 45}$
Τεισαμενός $161_1$
Τεισίας $719_{1\cdot 4}$
Τεισικράτης 553 $I_{11}$, $IV_{17}$
Τεισίμαχος $699b_{19}$
Τείσιππος $469_1$
Τελέστης 12 (D. 235)
Τερέντιος (M. Τερ. Οὐάρων Λεύκολλος) $135_2$
Τερτία $783_1$
Τέχνων $157_2$
Τηλέας 445
Τηλέμαχος 419
Τηλέστρατος 553 $I_{13}$
Τι - - - $699a_{23}$, $b_{24}$
Τιθοητίων 857
Τικοννας? 868
Τιμ.κριτος $699c_{28}$
Τιμαγένης $699b_{18}$
Τίμαιθος $699b_{35}$
Τίμαιος 12 (D. 157), $580_2$, $687a_{16\cdot 20}$, $699a_3$.
Τιμακλῆς $687a_{10}$
Τιμακράτης $699a_{12\cdot 46}$
Τιμακρατῖνος $699a_{19\cdot 40}$, $b_{44}$, $c_{19}$
Τιμάνθης $458_1$
Τιμάνωρ 553 $II_1$
Τιμάρατος $691_8$
Τίμαρχος $699a_{18}$, $b_{16\cdot 39}$, $d_{14}$
Τιμασικράτης $699b_{13}$
Τιμασίπολις $699d_2$
Τιμασίων $699a_{28}$
Τιμήσαρχος 553 $II_{33}$
Τιμο - - - $687a_6$, $699a_{14}$, $c_{17}$
Τιμο . . λος $699c_4$
Τιμοδάμας $699b_{39}$
Τιμόδαμος $699c_{30}$
Τιμόθεος $160_3$
Τιμοκλῆς 692 $A_{23}$
Τιμοκράτης $371_1$, $699a_{11\cdot 39}$, $b_5$, $e_{16}$
Τιμόκριτος $687a_{20}$, $699a_{33}$, $b_{31\cdot 35}$
Τιμόμαχος $546_2$
Τιμομένης $532_{22}$, $546_1$
Τιμόπολις $699b_{32}$
Τιμοφάνης $532_{26}$
Τίμων 12 (D. 68), 320, $580_3$
Τιμώνδας $699b_{42}$
Τιραδατ $829_3$
Τόσκος $479_{16}$
Τριταῖος 12 (D. 139)
Τρόφιμος $555_{11}$, $800_1$?
Τρύφη $182_1$
Τρύφων $866_1$?: Αὐρήλιος Τρ. $787_1$
Τρύων $866_1$
Τρωΐλος $373a$, $803_1$
Τυννίς $30f$
Τυχικός $425_1$



Ὑ - - - $663_1$: Πό. Ὑ - - - $410_6$
Ὑγεῖνος $217_1$
Ὑμέναιος 553 $II_{52}$
Ὑψικλῆς $731_2$

Φ - - - $72_7$, $247_2$
Φαβιανός (Φάβιος Φαβ.) $92_{37}$
Φάβιος vid. Φαβιανός
Φαιδρίας 12 (D. 201)?
Φαιναγόρας $687a_{21}$
Φαινίππη $156_1$
Φαινώ $433_5$
Φάλανθος $156_1$
Φαν - - - $660_6$
Φανοκράτης 553 $II_{35}$
Φανοσθένης 553 $II_{20}$
Φαῦστα $145_1$
Φελο - - 12 (D. 333)?
Φερεκλῆς 553 $II_{10}$, $III_1$, $V_{12}$
Φῆστα $654_1$
Φιλ - - - $695_1$
Φίλα $373c$
Φιλάδελφος $132_1$
Φιλαθήναιος $92_{60}$, 286
Φιλαίνιος $584(ii)$
Φίλεια 12 (D. 191)
Φιλέρως $116_4$
Φιλήρατος $528_1$
Φιλήτας 287
Φιλήτη $770_1$
Φιλικός $227_2$, 328
Φίλιννα 553 $VI_3$
Φιλῖνος $20_3$, $481_2$, $535_1$, 553 $IV_{11}$
Φίλιππος $92_{27}$
Φιλίσκος $64_{40}$, $687b_{12}$
Φιλίστα $218_1$, $373d$
Φιλιστίδης $59_2$: - - είδης $142_1$: Φιλιστίδας $323_2$
Φιλόδημος $92_{24}$
Φιλόθεος $64_{44}$, $182_2$
Φιλοίτιος $23_1$, $51_4$, $112_6$
Φιλοκλείδης 12 (D. 29)
Φιλοκλῆς $173_2$. 553 $V_{19}$
Φιλόκομος (Ἄννιος Φιλ.) $92_{29}$
Φιλοκράτης 222, $373f$
Φιλόμηλος 288
Φιλόνικος $428_{18}$
Φιλόξενος $130_2$
Φιλόστρατος 12 (D. 171)?
Φιλότειμος $180_2$
Φιλοφάνης $699a_3$
Φιλόφαντος 553 $II_{18}$
Φιλόφρων $699a_4$, $b_8$
Φιλοφῶν 553 $V_3$
Φιλτώ $30f$
Φιλωνίδας $376_2$
Φιλώτας 553 $I_{22}$
Φλαβία vel Φλαουια vid. Ἶσις, Μυρτάλη
Φλαβιανός (Πομπώνιος Φλαβ.) $92_{14}$
Φλάβιος vel Φλάουιος vid. Δαγάλαιφος, Διδυμιανός, Δομιτιανός, Μεγαλῖνος, Σευηριανός
Φλάκκος (Μέμμιος Φλ.) $92_1$
Φοντήϊος vid. Μάξιμος
Φορμίων 553 $III_4$, $IV_8$, $V_{14}$
Φόρυς 353?
Φρασικλείδης $45_3$
Φρόντων (Γ. Λιτέρνιος Φρ.) 853
Φρυγία 318
Φωκίων 553 $II_{25}$, $III_{19}$

Χαιρέας 553 $V_{27}$
Χαιρέδημος 12 (D. 191)
Χαιρέστρατος $30h$
Χαιρήμων $687a_{23}$, $698_{2\cdot 3}$
Χαιριππίδας $687a_{31}$
Χάρης 12 (D. 210)
Χαρίδαμος 553 $IV_6$, $683a_7$
Χαρίξας $436_1$
Χαρίσανδρος $64_{16}$
Χαρμίδης $42_1$
Χάρμις $687a_{29}$
Χαρμοκλῆς? $699b_8$
Χαρμύλος $698_3$
Χάρμων $699a_2$, $b_{11\cdot 23}$, $e_{12}$
Χαροπίδης $20_7$
Χαρτάδης 553 $IV_{10}$
Χειρικράτης 12 (D. 195)
Χελειδών $790_3$
Χίων $47a_1$
Χιωνίδης 12 (D. 151)
Χορηγίων $532_{26}$
Χρ - - - $699c_9$
Χρέμης 12 (D. 227), $51_1$
Χρῆσμος 553 $V_{23}$
Χρῆστος (Αὐρήλιος Χρ.) $778_2$
Χρύσιον $789_1$
Χρυσόγονος $486_3$, 553 $II_{22}$
Χρυσόστρατος $699b_{7\cdot 18\cdot 21}$, $c_5$
Χρῶνος $510_1$

Ψ'ωλέας $30b$

Ὠδασσίτας? $713_2$
Ὠνησώ vid. Ὀνησώ
Ὡράριος 289
Ὡρέων $101_3$

NOMINA LATINA

Apuleius Chryseros 478
Cladus $824a_3$
Lucius $824b_8$
Pollio (D. Claudius Pollio) $824a_6$

PATRONYMICA

'Ορνυτίδαι $461_{10}$
Πραξιεργίδαι $3_{3 \cdot 10 \cdot 13 \cdot 16 \cdot 23 \cdot 24}$

## II. REGES DYNASTAEQUE ET FAMILIA EORUM

Alexander III Magnus, rex Macedonum : $448_7$
Apollonis, Attali I Pergamenorum regis uxor : βασίλισσα 'Απολλωνίς $127_2$
Attalus I, rex Pergamenorum : βασιλεὺς Ἄτταλος $127_1$
Attalus II, rex Pergamenorum : βασιλεὺς Ἄτταλος $127_1$
Demetrius Poliorcetes : βασιλεὺς Δημήτριος $58_7$, $411_1$?
Ptolemaeus II Philadelphus : βασιλεὺς Πτολεμαῖος $543_1$
Ptolemaeus V Epiphanes : βασιλεὺς Πτολ. θεὸς ἐπιφανὴς μέγας εὐχάριστος 880

## III. IMPERATORES ROMANI ET FAMILIA EORUM

Augustus Imp. : Αὐτοκράτωρ Σεβαστὸς Καῖσαρ, θεοῦ υἱὸς $678_1$: Αὐτ. Καῖσ. θεός, θεοῦ υἱός 537
Claudius Imp. : Τιβέριος Κλαύδιος Καῖσαρ Γερμανικὸς Αὐτοκράτωρ Σεβαστός 703
Nero Imp. : Νέρων Κλαύδιος Καῖσαρ $613_{12}$
Vespasianus Imp. : Αὐτοκράτωρ Καῖσαρ Οὐεσπασιανὸς Σεβαστός 853: Οὐεσπασιανὸς Καῖσ. Σεβ. $611a_1$, $731_4$: Καῖσ. Οὐεσπασιανός $723_1$
Domitianus Imp. : Αὐτοκράτωρ Δομιτιανὸς Καῖσαρ Σεβαστὸς Γερμανικὸς $731_1$
Nerva Imp. : Αὐτοκράτωρ Νέρουα 640?
Traianus Imp. : Αὐτοκράτωρ Καῖσαρ Νέρουα Τραϊανὸς Σεβαστὸς Γερμανικὸς Δακικός 900 (s.v. SEG XIII 611): Αὐτ. Νέρουα --- 640 ?
Hadrianus Imp. : Αὐτοκράτωρ Καῖσαρ θεοῦ Τραϊανοῦ Παρθικοῦ υἱός, θεοῦ Νέρουα υἱωνός, Τραϊανὸς 'Αδριανὸς Σεβαστός, πατὴρ πατρίδος 771 : 'Αδριανὸς Σεβ. 'Ολύμπιος 123: Σωτὴρ καὶ κτίστης Αὐτ. 'Αδριανὸς 'Ολ. 124, 125
Septimius Severus Imp. : Σεπτίμιος Σεουῆρος Πέρτιναξ 'Αραβικὸς 'Αδιαβηνικὸς Παρθικὸς μέγιστος $482_3$
Caracalla Imp. : M. Αὐρήλιος 'Αντωνῖνος Σεβαστός $482_7$
Geta Caesar : Π. Σεπτίμιος Γέτα Καῖσαρ $482_9$
Constantinus Imp. : 466
Licinius Caesar : Φλάβιος Οὐαλέριος ---- $407b_2$

## IVA. NOMINA GEOGRAPHICA

(PRAETER ATTICA)

Ἄγκυρα $613_{17}$?: 'Αγκυρανή 190
'Αδαδεύς $810_6$
Αἰγιεῖς $377_1$
Αἰγινῆται $2_2$
Αἴγυπτος $486_{10}$, $613_7$, $827_1$, 853
Αἰτωλός $403_1$?
Ἄκτιον s.v. Νικοπολεῖται
'Αλαῖοι $468_{11}$
'Αλεξάνδρεα (ἡ κατ' Αἴγυπτον) $613_7$: 'Αλεξανδρεύς $73_1$, $613_3$, $633_2$
'Αλιάσεος $797_9$
'Αλιεῖς $8_6$



Ἄμιος $514_1$, $681_4$, $683a_{2 \cdot 3}$, $685a_{2 \cdot 3}$, 689: 'Αμία $681_3$: Ἄμιοι $506_{23}$, $678_3$?, $683a_{3 \cdot 11 \cdot 17 \cdot 20 \cdot 24}$, $b_{1 \cdot 6 \cdot 9 \cdot 10 \cdot 30 \cdot 34}$, $684a_{1 \cdot 24}$, $b_{12 \cdot 16 \cdot 18 \cdot 22 \cdot 25}$, $685a_{3 \cdot 9 \cdot 16}$, $b_{10 \cdot 11}$, $686_6$, $690_{60}$ ?
'Αμισηνός $191_3$
'Αμφικτίονες $411_{1 \cdot 5}$
'Αντιόχεια $613_8$: 'Αντιοχεύς $192_3$, $193_2$, $613_3$, $835_4$
Ἄπειρος $686_6$
'Αραβία $772_{12}$: 'Αραβικός $830_4$
Ἄργος $749_7$, $750_{18}$, $764_5$: 'Αργεῖοι $410_9$?
'Αρκάς $455_3$, $594_2$
'Ασία $448_8$, $486_7$: κοινὸν vel κοινὰ 'Ασίας (ludi) vid. indicem V
'Αφροδισιεῖς $731_2$
'Αχαΐα $424_3$: 'Αχαιοί $375_2$: 'Αχαιοί (Aetoliae incolae) $468_{11}$
Βειθυνία (κοινὸν Βειθυνίας (ludi)) vid. indicem V : Βειθυνοί $562a_9$: Βειθυνιάρχης $773_4$, $774_3$
Βεργαῖοι 11
Βίβλος $833_5$: Βιβλία $834_3$
Βουκατιεύς $469_{11}$
Βρεταννικός $408_{14}$
Βυβάσσιος $690_2$: Βυβάσσιοι $690_5$
Βύβλος v.d. Βίβλος
Γαλατία $772_9$: κοινὸν Γαλατίας (ludi) vid. indicem V
Γελοῖ $594_2$
Γέρανοι(?) $824a_2$: Geranea $824b_4$
Γρύνειον $655_6$
Δάφνη $613_2$
Δάφναι $684a_{22}$?, $685a_4$
Δελφός $424_1$: Δελφοί $390_2$, $391_2$, $392_{10}$, $393_{3 \cdot 6 \cdot 10}$, $395_2$, $398_{1 \cdot 4 \cdot 11 \cdot 13 \cdot 20}$, $399a_{1 \cdot 2 \cdot 5 \cdot 6}$, $400_{1 \cdot 12}$, $402_1$, $403_1$, $407b_3$, $411_2$
Δήλιοι $498_2$, $499_2$
Δῖον $478_1$
Δονακίς (trib. Tenia) 553 VII$_2$
Δυμαῖος $369_3$, $370_1$: Δυμαῖοι $375_{11}$
Δυμᾶνες $719_7$
Δωριεῖς $410_{8 \cdot 11}$
Ἐλάτεια $58_{15}$, $461_5$
Ἐλευθυαΐς (trib. Tenia) $554_1$
Ἑλλάς $461_2$: Ἕλληνες $58_{11 \cdot 25}$, $557_6$, $561_8$, $762_3$: Ἑλληνάρχης $773_2$, $774_1$
Ἐννάιοι $598_3$
Ἐπιδαύριος $398_{11}$
Ἐρετρίη $530_{2 \cdot 3}$: Ἐρετριεύς $530_6$
Ἐρυθραί $403_2$: Ἐρυθραία $194_3$
Ἐσχατιῶται (trib. Tenia) 553 VIII$_2$, $554_1$ ?
Εὐξινεῖς $656_1$
Ἔφεσος $562a_3$, $750_{3 \cdot 7 \cdot 12}$: Ἐφέσιος $750_1$: Ἐφεσία $515_2$
Ζακύνθιος $481_3$
Ζμύρνα $367_4$, $457_1$: vid. Σμ.
Ζωθαλία $685b_6$
Ἠλεῖος $750_1$
Ἡλιοπολείτης vid. indicem V s.v. 'Αφροδίτη, Ζεύς
Ἠπειρῶτις $195_2$
Ἡράκλεια $851_1$
Ἡρακλεῖδαι (trib. Tenia) 553 VI$_2$
Ἡρακλεώτης $196_3$, $197_3$, $198_2$, $199_2$, $200_2$
Θάσιοι 879(1)
Θέσπια ( . Θέσπιαι) $384_3$: Θεσπιεῖς $383_1$
Θεσσαλία $459_9$
Θηβαῖος $213_4$, $458_2$: Θηβαῖοι $410_6$
Θηραῖος (Cariae) $724_2$: Θηραῖοι $723_2$, $725_1$
Θισβεύς $201_3$
Θισσαῖος $455_2$
Θρᾷξ 12 (D. 77): Θρῆικες $486_9$
Ἱεράπολις $750_{10}$
Ἴλιον $626b$
Ἴμβριος $655_1$
Ἰμέρα $32b$, 900 (s.v. SEG XI 1223a)
Ἰουλιῆται $541_3$
Ἰσθμοί $454_3$: Ἰσθμῷ $388_1$: ἐν Ἰσθμῷ $58_{12}$
Ἰστίαια $531_{1 \cdot 5}$: Ἰστιαιεύς $531_3$
Ἰταλική (γῆ) $615_{10}$
Ἰωνία $9_4$
Καβορκηνοί $782_2$?
Καισαρεύς $202_2$, $832_3$
Καλαυρεάτης $402_2$
Καλλατιανή $203_2$
Καλλιπολῖται $719_{18}$
Κάμιρος $342_2$
Καππαδόκισσα $204_2$
Καρθαιεῖς $543_{13}$, $544_{21}$, $545_1$
Κάρμηλος vid. indicem V s.v. Ζεύς
Καρπαθιοπολίτης $510_3$
Κάσταβος $690_3$: Καστάβειοι $690_7$
Καῦνος $639A_{18}$: Καύνιος $639A_{3 \cdot 6}$, $B_{2 \cdot 3}$, $643_3$, $649b_3$: Καυνία $649a_3$: Καύνιοι $641_1$, $642_1$, $643_1$, $644_1$, $645_1$, $646_1$, $647_1$, $648_1$, $649a_{\text{init.}}$, $b_{\text{init.}}$, $650_{\text{init.}}$, $651_1$, $652_{\text{init.}}$, $655_7$

Καφυεύς $40_{4}$
Κέδρεαι $719_{9 \cdot 12}$: Κεδριεύς vid. indicem V s.v. Ἀπόλλων
Κέως $530_{6}$, $531_{3}$: Κεῖος $530_{1}$, $531_{7}$
Κήτειοι $562b_{3}$
Κιδραμηνός $515_{4}$
Κιλικία $772_{10}$
Κιτιεύς 205
Κλαζομενία $206_{3}$
ἐκ Κλαμαδῶν (demoticum Samium) $9_{5}$
Κλάσιος $506_{23}$, $692b_{9}$: Κλασία $506_{24}$
Κνίδιοι $727_{2}$
Κορήσιοι $541_{5}$
Κορωνεῖς $375_{3}$
Κρής $376_{2}$
Κρουνοί $469_{5}$
Κρυασσεύς $692 B_{10 \cdot 12 \cdot 24}$, 900 (s.v. SEG XII 360)
Κυζικηνός $636_{1}$
Κύθνιος $207_{2}$
Κύπριοι $340_{6}$
Κυραναῖοι $390_{3}$
Κυρεῖνα (trib. Romana) $613_{3}$
Κῶος $673_{3}$: Κῴα $673_{1}$

Λακεδαιμονία $637_{2}$
Λαμψακηνός $58_{22}$
Λαοδίκεια (Lydiae) $750_{17}$: Λαδίκεα $613_{13}$: Λαοδικεῖς (Syriae) $369_{1}$
Λῆμνος $350_{2}$
Λιβυκός $386_{1}$
Λινδία $511_{15 \cdot 16}$
Λοκρός $403_{1}$?
Λυκοφρονίς (phratria Argiva) $321_{2}$

Μάγνης $459_{1 \cdot 4}$, $469_{8}$
Μαίανδρος (flumen) $459_{8}$
Μακεδών $398_{2}$, 850?: Μακηδονία $461_{7}$: Μακηδονίη $476_{4}$
Ματρόπολις $410_{11}$
Μεγάλα πόλις $347_{5 \cdot 7}$
Μεγαρεύς $209_{3}$
Μεγίστη $719_{14}$
Μεταπόντιος $210_{3}$
Μηθασαι $684a_{23}$
Μηιακαρίρη 819
Μήλιος 12 (D. 211)?
Μίλητος (Μείλ.) $750_{5 \cdot 10}$: Μιλήσιος $211_{3}$, $216_{3}$, $217_{3}$: Μιλησία $213_{3}$, $215_{3}$, $218_{3}$: Μειλησία $212_{2}$, $219_{2}$, $339_{2}$
Μισίχη 819
Μυλαντιάδης (demoticum Rhodium?) $544_{19}$
Μύνδιος $721_{2}$: Μυνδία $721_{3}$
Μυτιληναῖος $401_{2}$

Ναυκρατίτης 49
Ναυπάκτιος $469_{3 \cdot 10}$
Νεάπολις (Italiae) $562a_{1}$, $c_{3}$, $613_{4}$
Νεμέα $388_{1}$. 900 (s.v. SEG XI 1223*a*)
Νερβικός $408_{9}$
Νεττίδας $681_{2 \cdot 5}$
Νείκαια $613_{15}$
Νικομηδεῖς $406b_{1}$?
Νικοπολεῖται οἱ πρὸς τῷ Ἀκτίῳ $410_{3}$
Νισύριος $342_{3}$
Νωρικός $408_{13}$

Ὀαγαῖος $220_{3}$
Παμφυλία $772_{6}$
Πατρεῖς $375_{9}$
Παφίη (= Ἀφροδίτη) vid. indicem V
Πείση $750_{4}$: Πεισαῖος $562a_{3}$
Πελοπόννησος: Δωριεῖς ἐκ Πελοπ. $410_{8}$: Πελοποννήσιοι $9_{4}$
Πέργαμον $562b_{3}$, $613_{4}$, $750_{8 \cdot 11 \cdot 13}$: Περγαμηνός $74_{1}$
Περίνθιος $221_{3}$: Περίνθιοι $482_{11}$
Πίση vid. Πείση
Πισθμοι $684a_{23}$
Πλαταιική 222
Ποτίουλοι $562b_{4}$, $c_{3}$?
Προυσιάς (trib. Prusiadis) $774_{20}$

Ῥειπήσιος $408_{12}$
Ῥηνοπόται $611a_{3}$, $b_{6}$
Ῥόδος 513, $750_{15}$: Ῥόδιος $722_{2}$: Ῥοδία $722_{1}$: Ῥόδιοι $544_{4}$, $678_{3}$
Ῥύπες $375_{8}$
Ῥώμη $422_{26}$, $613_{11}$, $619_{3}$: Ῥωμαῖος $603_{3}$, $643_{3}$: Ῥωμαία $582_{1}$: Ῥωμαῖοι $424_{4}$, $615_{13}$, $678_{3}$?

Σαλαμίνιος $223_{3}$
Σαμναῖος vid. indicem V s.v. Ἀπόλλων
Σάμος $9_{4}$, $38_{1}$: πατρὶς Σαμίη $457_{1}$?: Σάμιοι $9_{3 \cdot 6 \cdot 7 \cdot 8 \cdot 15 \cdot 16 \cdot 17 \cdot 18 \cdot 20 \cdot 21}$
Σάρδεις $613_{14}$, $750_{8 \cdot 16}$
Σεβαστηνή (trib. Prusiadis) $774_{16}$
Σελγεύς $706_{2}$
Σερίφιος $224_{2}$
Σηλυμβριανός $225_{3}$
Σικελία $772_{7}$
Σικυών $310_{6}$ (Σεκυῶνι)
Σμύρνα $562b_{1}$, $c_{4}$: vid. quoque Ζμύρνα
Σόλυμοι $619_{1}$: Σολυμήϊος $619_{17}$



Στράτος 475
Συρακόσιος 445: Συρακοσία $227_{3}$
Σύριος: Syria Dea - vid. indicem V s.v. Συρία
Σύρνιοι $691_{2 \cdot 13 \cdot 17}$

Ταναγραῖος $228_{3}$
Τάουιον $613_{16}$?
Τερμησσός $619_{1}$
Τιβεριανή (trib. Prusiadis) $774_{14}$
Τριπολῖται $719_{16}$
Τριχονεύς $469_{2}$
Τύμνιοι $702_{2}$

Ὑταλική vid. Ἰταλική

Φαβία (trib. Romana) $643_{3}$
Φαραιεύς $373j_{2}$: Φαραιεῖς $370_{1}$
Φιλιππόπολις $486_{3}$
Φοινίκη $695_{2}$
Φύσκος $676_{2 \cdot 8 \cdot 11}$, $677_{4}$, $686_{6}$: Φύσκιος $686_{3}$, $691_{4}$: Φύσκιοι $678_{4}$
Φωκεῖς $460_{5}$, $461_{11}$

Χαλκιδεῖς $410_{7}$
Χερσόνασος $686_{7}$: Χερσονάσιος $376_{3}$
Χίος $562b_{6}$

Ὠλένιοι $375_{10}$

## IVB. NOMINA ATTICA TRIBUUM DEMORUM, ETC.

Ἀγκυλῆθεν $61_{5}$. $65_{55}$?
Ἀγρυλῆθεν $38_{1}$, $71_{5}$
Ἀζηνιεύς $69_{3}$, $92_{68}$, $99_{2}$, $145_{1}$: ἐξ Ἀζηνιέων $144_{2}$
Ἀθῆναι $562c_{1 \cdot 10}$, $749_{10}$: Ἀθήναζε $9_{6 \cdot 9}$: Ἀθᾶναι $310_{7}$?: Ἀθάνασι $310_{7}$: ? Ἀθηναῖος 12 (D. 52), $86_{8}$, 189, $400_{2}$, $492_{2}$, $543_{1 \cdot 9}$: Ἀθηναῖοι $2_{6 \cdot 7}$, $7_{13}$, $8_{6 \cdot 7}$, $9_{5 \cdot 8 \cdot 14 \cdot 16 \cdot 17}$, 12 (D. 13, 139), $47b_{8}$, $58_{6 \cdot 10 \cdot 13 \cdot 21}$, $63_{10}$, $64_{30}$, $65_{14}$, $68_{20}$, $73_{2}$, $127_{5}$, 350, $405_{1}$, $410_{2}$, $562a_{8}$: Ἀθῆς 278: Ἀττικος $479_{10}$
Ἀθμονεύς $65_{7}$: Ἀθμονόθεν 12 (D. 191)
Αἰαντίς $64_{31}$, $400_{3}$
Αἰγηίς $92_{2}$
Αἰγιλιεύς 12 (D. 68, 123), $146_{3}$
Αἰθαλίδης $147_{2}$
Αἰξωνεύς $148_{2}$
Ἀκαμαντίς $9_{2}$, $42_{2}$, $57_{1}$, $64_{15}$
Ἀλαιεύς $87_{87}$, $127_{3}$, $149_{2}$, $543_{9}$
Ἀλωπεκῆθεν $64_{66}$, $112_{4}$
Ἀμαξαντεύς $62_{10}$, $87_{89}$: Ἀμαξαντεῖς $70_{1}$
Ἀμφιτροπῆθεν $66_{1}$
Ἀναγυράσιος $228_{3}$?
Ἀνακαιεύς $150_{2}$
Ἀναφλύστιος $64_{7}$
Ἀντιγονίς $64_{2 \cdot 37}$, $68_{1 \cdot 8 \cdot 17}$
Ἀντιοχίς $26_{1}$, $64_{55}$
Ἀραφήνιοι $92_{47}$
Αὐρίδης $151_{3}$
Ἀφιδναῖος $64_{64}$, $112_{8}$, $152_{2}$
Ἀχαρνεύς $61_{3}$, $62_{3 \cdot 8}$, $69_{4}$, 96, $97_{18}$, $112_{5}$

Βατῆθεν $65_{55}$?
Βερενικίδης $178_{3}$
Βησαιεύς $127_{3}$?

Γαργήττιος $26_{1}$, $65_{52}$, $92_{33}$, $97_{10 \cdot 11}$, $134_{2}$: Γαργήττιοι $92_{4}$, $102_{3}$: ἐκ Γαργηττίων $149_{1}$

Δ(ε)ιραδιώτης $153_{3}$
Διομεύς $405_{3}$: Διομαιεῖς $92_{51}$

Ἐλευσίνιος $57_{3}$, $64_{52}$
Ἐρεχθηΐς $38_{2}$, $64_{19}$
Ἐρικαιεῖς $92_{19}$
Ἐροιάδης $92_{59}$
Ἐρχιεῖς $92_{11}$
Ἑστιαιόθεν $92_{36}$
Εὐπυρίδης $75_{2}$, $133_{8 \cdot 7}$
Εὐωνυμεύς $65_{31}$, $87_{41}$, 154

Ζημακεύς $64_{10}$
Θοραιεύς 56
Θορίκιος $155_{3}$
Θυμαιτάδης $63_{2}$

Ἰλισσός (flumen) 111
Ἱπποθωντίς $45_{1}$, $62_{9}$, $64_{51}$, $129_{3}$
Ἰωνίδης $47a_{3}$?. $112_{6}$, $151_{3}$?

Κεκροπίς $62_{8}$, $64_{49}$
ἐκ Κεραμέων $156_{2}$
Κεφαλῆθεν $64_{1}$, $65_{3 \cdot 58}$, $157_{5}$, $158_{2}$
Κικυννεύς $64_{16}$
Κοθωκίδης $97_{19}$
ἐκ Κοίλης $87_{86}$, $129_{2}$
Κολλυτεύς $92_{26}$: Κολλυτεῖς $102_{1}$
Κριωεύς $160_{1}$
Κυδαθηναιεύς $161_{3}$
Κυθήρριος $64_{34}$

Λαμπτρεύς $42_b$, $68_6$, $84_6$, $87_{86}$, $92_{88 \cdot 62}$, $132_2$, $162_2$, $163_3$
Λευκονοεύς $71_3$
Λεωντίς $35_7$, $64_{43}$, $65_1$

Μαραθῶν 12 (D. 13): Μαραθώνιος $92_{87}$, 95, $131_2$, $165_2$, $166_2$
Μελιτεύς $64_9$, $65_8$, $68_7$, $97_{16}$, $167_2$
Μυρρινούσιος $112_7$: ἐκ Μυρινούντης $92_{44}$

Ξυπεταιών $65_{53}$

Ὀῆθεν $64_{48}$
Οἰναῖος $87_{90}$, $112_7$
Οἰνηΐς $62_1$, $64_{47}$
ἐξ Οἴου $97_{14 \cdot 15}$, $100_2$

Παιανιεύς $64_{42}$, $65_{56}$, $68_{27}$, $87_{83}$, $168_2$, $174_6$
Παιονίδης $38_3$, $92_{60}$
Παλληνεύς $170_3$
Παμβωτάδης $97_{6 \cdot 9}$: Παμβωτάδαι $94_1$
Πανδιονίς $41_2$, $64_{41}$
Πειραιεύς $171_3$
Περγασῆθεν $171_3$?, $173_3$
Περιθοίδης $171_3$?
ἐκ Πορίων $188_2$
Πρασιεύς $174_2$
Προβαλίσιος $176_3$
Προσπάλτιος 12 (D. 19)
Πτελεάσιος $87_{88}$

Ῥαμνούσιος $68_2$, $177_3$, $178_1$, $400_4$

Σημαχίδης $87_{62}$
Σικελία 111
Σουνιεύς $64_{44}$, $65_{57}$, $97_{17}$, $112_{10}$, $179_2$
Στειριεύς $51_9$, $180_2$
ἐκ Συβριδῶν $181_2$
Συπαλήττιος $61_4$
Σφήττιος $100_3$

Τρικορύσιοι $94_5$

Φαληρεύς $51_7$, $63_4$, $97_5$, $182_3$, $183_2$
Φηγαιεύς vel Φηγούσιος $42_3$
Φιλάδαι $92_{30}$
Φλυεύς $64_{50}$, $101_2$, $112_8$, $184_2$, $185_3$
Φρεάρριος 12 (D. 68), 186
Φυλάσιος $187_3$

Χολαργεύς 12 (D. 210), $97_{12 \cdot 13}$, $188_1$
Χολλείδης $112_8$

## V. NOMINA SACRA

l. = LUDI; m. = MENSIS

Ἀγριάνιος m. $715_3$
Ἀδριάνεια l. $562c_{2 \cdot 5 \cdot 9}$, $749_{10}$, $750_7$
Ἀθαναῖος m. $469_7$
Ἀθαναϊσταί (θιασῖται) $692a_4$
Ἀθηνᾶ 12 (D. 123), 626*c* 4: Ἀθήνη 12 (D. 4): Ἀθηνάα 12 (D. 299): Ἀθηναία 12 (D. 21, 52, 98, 130, 139, 154, 162, 196, 244, 273), 29: Παλλάς 12 (D. 67, 151, 156, 157. 171, 291): Παλλ. Τριτογενής 12 (D. 35, 227, 235, 372): Πολιήοχος 12 (D. 226): Πολιάς 29: Τριτογενής 12 (D. 36, 66): ἡ θεός $3_{8 \cdot 11}$
Ἀθύρ m. 868 *adn*, $873_3$, $875_2$
Ἀΐδης $563_{13}$, $619_{6 \cdot 15}$, $695_2$?, $755_9$, $851_3$
Αἰνήας (heros) vid. indicem I
Ἄκτια l. $764_3$
Ἄλεια (ἐν Ῥόδῳ) l. $562a_7$, $750_{16}$
Ἄλιος vid. Ἥλιος
Ἄνγδισις (Ἄνγδ. θεὰ ἐπήκοος) $801_1$
Ἀντέρως $306a$
Ἀξιεύς $615_{21}$
Ἀπόλλων $3_{10}$, 328, $413_1$, $428_{10}$, $491_3$, 492?, $508_3$, $544_{26}$, $546_3$, $547_6$, $702_{17}$, $780_3$: Ἀπ. Προστατήριος $63_7$, $68_9$: Ἀπ. Πύθιος $407b_5$, $424_8$, $426_1$, $427_3$: Ἀπ. Πύθ. καὶ Κεδριεύς $719_9$: Ἀπ. Σαμναῖος $688_1$, $690_{63 \cdot 85}$: Παιάν 12 (D. 225): ὁ θεός $3_4$, $116_3$, $398_{2 \cdot 12}$, $399a_{1 \cdot 5}$, $428_{5 \cdot 10}$
Ἀπολλώνεια Πύθια l. $750_8$
Ἀρηιεύς $615_{22}$
Ἀρισταῖος $603_4$
Ἀρταμίτιος m. 584(iii), 879(5)
Ἄρτεμις $655_{16}$?: Ἄρτ. Βουλαία $68_9$: Ἄρτ. Ὀπιταΐς $481_1$: Ἄρτ. Φωσφόρος $824a_3$: Ἄρτ . . . .$^{9}$. . . . . α $529_2$: Deana (*sic*) $824b_5$: ἀ θεός $529_6$
Ἀσία: κοινὸν Ἀσίας l. $613_{6 \cdot 12 \cdot 13}$: κοιν. Ἀσίης $562b_2$: κοινὰ Ἀσίας $367_4$?, $562c_6$, $750_8$
Ἀσκλαπιός $469_4$, $691_{5 \cdot 8 \cdot 11 \cdot 12}$, $693_2$ $699_1$, $a_2$
Ἀτάργατις $824a_1$



Αὐγούστεια (ἐν Περγάμῳ) l. $750_6$
Ἀφροδίτη $604_3$: Ἀφροδείτη $639C_{5 \cdot 15}$, $E_{10}$, $731_1$: Ἀφροδίτα $696_2$, $715_1$, $769_1$: Venus Heliopolitana $824b_1$: vid. quoque Παφίη
Ἀχιλλεύς (heros) vid. indicem I

Βαδρόμιος m. $691_1$
Βαρβίλληα l. $750_{12}$
Βασίλεια l. $478_2$
Βασιλεύς $639C_{14}$, $E_4$, $649b_6$: vid. quoque Καῦνος
Βειθυνία: κοινὸν Βειθυνίας l. $613_{14}$
Βοσπόρια l. $483_4$
Βουλαία vid. Ἄρτεμις
Βρόμιος vid. Διόνυσος
Βροντῶν vid. Ζεύς

Γαλατία: κοινὸν Γαλατίας l. $613_{16 \cdot 17}$
Γῆ $3_{12}$

Δαίσιος m. $829_1$ (Δέσιος)
Δάλιος m. 584(i)
Δαματριασταί $598_2$
Δεῖα l. $750_{17}$
Διδύμεια (ἐν Μειλήτῳ) l. $750_{4 \cdot 19}$
Δίκαιος vid. Ὅσιος
Διονύσια l. $9_6$, $543_{11}$, $544_{23}$
Διόνυσος: Βρόμιος $752_2$: Ἐλεύθερος 12 (D. 36)
Διοσεραπιασταί $337_2$
Διόσθυος m. 879(4)
Διοσκούρια l. $719_{16}$

Εἰράνα $306b$
Ἑκάτα $594_2$
Ἕκτωρ (heros) vid. indicem I
Ἐλαφηβολιών m. $65_3$
Ἐλεύθερος vid. Διόνυσος
Ἐλευσίνια l. 745
Ἔπαινος $769_7$
Ἑρμῆς $535_4$, 536, 564: Ἑρμᾶς $312_1$, $483_5$
Ἔρως $563_{12}$
Εὐλάμων $615_{17}$
Εὐρύκλεια l. $810_{15}$
Εὐσέβεα l. $562b_3$
Εὐφράνωρ vid. Ζεύς
Ἐφέσεια l. $459_4$: Ἐφέσηα $750_{14}$

Ζεύς 12 (D. 50, 82, 107, 162, 248, 318), 351, $413_1$, $473_6$, $655_{13}$, $702_6$: Ζ. Βροντῶν $781_2$, $784_4$, $785_7$, $786_5$, $787_{11}$: Ζ. Εὐφράνωρ $778_6$: Ζ. Ἡλιοπολείτης Κάρμηλος $832_1$: Ζ. Ἥλιος Μέγας $678_1$: Ζ. Θαμανειτανός $825_1$: Ζ. Ἱκέσιος $529_2$: Ζ. Μοιραγέτης $3_{12}$: Ζ. Νάϊος 475: Ζ. Ὀλύμπιος $774_{11}$: Ζ. Οὐράνιος $508_2$: Ζ. Σωτήρ $347_{13}$: [Ζ]. Ὕψιστος $139_1$, 425: vid. quoque Σάραπις

Ἥλιος $731_4$: Ἅλιος $691_1$: Ζεὺς Ἥλ. Μέγας $678_1$: Ζεὺς Ἥλ. Μέγ. Σάραπις 900 (s.v. SEG XIII 601, 611)
Ἥρα $702_6$, $749_7$: Ἥρη $557_7$
Ἥραια ἐν Ἄργει l. $749_7$, $764_5$
Ἡράκλεια l. $719_{15}$
Ἡρακλῆς 12 (D. 60), 29, $312_1$, $483_2$, 536
Ἥφαιστος $626c2$

Θαμανειτανός vid. Ζεύς
Θάμβος $615_{23}$
Θάνατος $290_4$
Θαργηλιών m. $3_{20}$, $57_2$
Θεός $376_1$, 419, $655_{11}$: Θεὸς Ἀραβικός $830_3$: Θεὸς ὕψιστος οὐράνιος $823_1$: εἷς Θεός $816_1$: θεὸς αὐτοκράτωρ $407a$; vid. sub indicem III: Γ. Ἰούλιος Καῖσαρ θεός vid. indices I et III: ὁ θεός (= Ἀπόλλων) vid. Ἀπόλλων: ὁ θεός (= Σάραπις) 680: ἡ θεός (= Ἀθηνᾶ) vid. Ἀθηνᾶ: ἀ θεός (= Ἄρτεμις) v.d. Ἄρτεμις
Θεοί $9_1$, $64_1$, $68_{10 \cdot 19}$, $369_3$, $383_1$, $390_1$, $393_1$, $398_{19}$, $405_1$, $530_{10}$?, $534_1$, $568_7$, $655_8$, $676_{10}$?, $677_4$, $702_{18}$, $719_{20}$, $725_4$, $731_4$, $739_3$
Θεσμοφόριος m. $690_1$
Θέτις $626c2$
Θώθ m. $861_2$

Ἰανουάριος m. $590_8$
Ἰαώ $882_6$
Ἱκέσιος vid. Ζεύς
Ἴσθμια l. $58_{12}$?, $411_2$, $459_2$, $562c_6$, $606_{17}$, $613_5$, 745, $764_4$: Ἰσθμικός $749_4$?: Ἰσθμιακός $562a_6$
Ἶσις: Ἶσις Μοιχιὰς Σώτειρα $880_3$
Ἰταλίς l. $602_{11}$

Καισάρεα l. $562b_8$
Καπετώλια l. $562a_4$, $c_3$
Κάρμηλος vid. Ζεύς
Κάρνειος m. $683a_8$, $685a_7$, $715_1$
Κατασπόρια l. $656_{22 \cdot 27 \cdot 31 \cdot 36 \cdot 41}$
Καῦνος: βασιλεὺς Κ. ὁ θεός $528_1$
Κεραστιδείη $611a_6$

Κλευσθένεια l.(?) $691_{18}$
Κόρηα l. $750_{16}$
Κρεοντίς $700_2$

Λάθος $615_{23}$
Λαμειλα . . . ων $615_{18}$
Λητώ $655_{12}$: Λατώ $679_4$
Λύκειον $532_{19}$

Μαιμακτηριών m. $532_8$
Μεταγειτνιών m. $64_4$, $68_3$
Μεχίρε $863_2$
Μήν: M. ἑπήκοος $800_3$
Μοῖρα 12. (D. 333)?: Μοῖραι $3_{12}$, $847_{19}$: Μοιραγέτης vid. Ζεύς
Μοιχιάς vid. Ἶσις
Μοῦσαι $278_{10}$: Πιερίδες 754
Μῶμος $769_6$

Νάϊος vid. Ζεύς
Νέμεα l. $478_2$, $613_8$, $671_3$, $750_{16}$
Νύμφαι $818_1$

Οἰνώψ 306*c*
Ὀλυμπίεια l. 12 (D. 379): Ὀλυμπεῖα $562a_{10}$, $b_1$: Ὀλύμπια $613_8$, $764_2$: Ὀλύμπια ἐν Ἐφέσῳ $750_2$: Ὀλύμπια ἐν Πείσῃ $750_3$: Ὀλύμπια τὰ ἐν Δίῳ $478_1$
Ὀλύμπιος vid. indicem III s.v. Hadrianus Imp., indicem V s.v. Ζεύς
Ομηλιεύς $615_{20}$
Ὀπιταῖς vid. Ἄρτεμις
Ὅσιος (θεός) $780_3$: Ὅσιος καὶ Δίκαιος $634_2$, $779_4$
Οὐράνια l. $810_{16}$?
Οὐράνιος vid. Ζεύς, Θεός

Παιάν vid. Ἀπόλλων
Παίων $290_2$
Παλλάς vid. Ἀθηνᾶ
Παναθήναια l. $459_3$, $562b_5$
Πανάκια $818_3$
Πάναμος m. 584(ii), $683a_{1\cdot11}$, $702_1$, 879(3)
Πανέλληνες: τὸ κοινὸν τὸ Πανελλήνων l. $562d_4$: Πανέλληνες $562a_6$
Παφίη $818_1$
Παχών m. $866_3$
Περσεφόνη vid. Φερσεφόνη
Πιερίδες vid. Μοῦσαι
Πολιάς vid. Ἀθηνᾶ
Ποσειδάνια l. $719_{16}$
Ποσειδῶν 300: Ποσιδῶν $626c3$, 4, $804_1$
Πρίαμος (heros) vid. indicem I
Προστατήριος vid. Ἀπόλλων
Πύθια l. $459_{2\cdot8}$, $613_5$, $764_3$: vid. quoque Ἀπολλώνεια
Πυθικά (ἐν Ἀντιοχείᾳ) l. $613_8$
Πύθιος $454_5$: Π. vel Πυθικός $406b_8$: Πυθία πόλις $459_6$: vid. quoque Ἀπόλλων, Φοῖβος

Ῥέια l. $311_{11}$

Σαμναῖος vid. Ἀπόλλων
Σάραπις: Ζεὺς Ἥλιος Μέγας Σάρ. 900 (s.v. SEG XIII 611): ὁ θεός 680
Σεβαστά l. $562c_3$
Σεβαστοί (Imperatores Divi) $649a_8$, $b_8$, $731_2$, $830_f$
Συρία: Syria Dea $824b_3$
Σώτειρα vid. Ἶσις
Σωτήρ vid. Ζεύς

Τετραπρόσωπος θεά $782_3$
Τ(ε)ιτᾶνες $752_{18}$
Τραϊάνεια l. $750_{11\cdot13}$
Τριτογενής vid. Ἀθηνᾶ
Τυβί m. $862_3$
Τύχη: τύχη Αὐτ. Καίσαρος Τραϊανοῦ Σεβ. 900 (s.v. SEG XIII 611): ἀγαθὴ τύχη $778_1$, $782_1$: ἀγαθῇ τύχῃ $47a_6$, $58_{17}$, $65_{32}$, $68_{10}$, $97_1$, $98_1$, $482_1$, $655_7$: τύχῃ ἀγαθῇ $63_8$, $64_{21}$: ἀγαθὰ τύχα $310_1$?: τύχα ἀγαθά $376_1$

Ὕψιστος vid. Ζεύς, Θεός

Φαωφί m. $871_3$
Φεβρουάριος m. $812_3$: Φεβλάριος $589_4$
Φερσεφόνη $755_9$
Φιλία 306*d*
Φοῖβος $655_{12}$: Φοῖβ. Πύθιος $461_1$: vid. quoque Ἀπόλλων
Φωσφόροι $92_{62}$: Φωσφόρος vid. Ἄρτεμις

Χάριτες $818_1$

## CHRISTIANA

Ὁ Θεός $486_{4\cdot12\cdot17\cdot21}$, $590_{7\cdot12}$, $705_{10}$
Κύριος Ἰησοῦς Χριστός $705_8$: Χριστός $296_1$: Κύριος $486_{6\cdot11\cdot13}$, 588, $590_4$
Ἅγιος Κυριακός $705_1$



## VI. NOMINA NAVIUM

Ἀθηνᾶ $339_1$, $342_1$
Ἀσκληπιός $567_2$
Ἀφροδίτη $344_2$

Διόνυσος $341_2$

Ἑστία $342_2$

Μαρία $340_2$

Ὄσιρις $341_3$

## COMPARATIO NUMERORUM

| IG I² | SEG XIV |
|---|---|
| 18 | 2 |
| 19 | 1 |
| 20 | 6 |
| 22 | 4 |
| 47 | 10 |
| 55 | 7 |
| 80 | 3 |
| 87 | 8 |
| 91/2 | 5 |
| 101 | 9 |
| 157 | 34 |
| 453 | 16 |
| 472 | 13 |
| 606 | 15 |
| 609 | 12 (D. 13) |
| 655 | 14 |
| 763 | 18 |
| 802 | 17 |
| 929 | 19 |
| 951/2 | 20 |

| IG II² | SEG XIV |
|---|---|
| 3 | 39 |
| 5 | 36 |
| 9 | 35 |
| 23 | 37 |
| 33 | 34 |
| 50 | 37, 38 |
| 61 | 41 |
| 66 | 40 |
| 70 | 42 |
| 105 | 46 |
| 111 | 48 |
| 135 | 49 |
| 145 | 50 |
| 152 | 44 |
| 188 | 34 |
| 190 | 45 |
| 205 | 51 |
| 216/7 | 47 |
| 221 | 52 |
| 261 | 47 |
| 279 | 53 |

| IG II² | SEG XIV |
|---|---|
| 306 | 54 |
| 347 | 55 |
| 361 | 57 |
| 452 | 56 |
| 523 | 46 |
| 700 | vid. 61 |
| 900 | 77 |
| 947 | 74 |
| 1006 | 77 |
| 1008 | 77 |
| 1009 | 77 |
| 1011 | 77 |
| 1028 | 77 |
| 1035 | 78 |
| 1039 | 77 |
| 1043 | 77 |
| 1069 | 79 |
| 1100 | 80 |
| 1119 | 79 |
| 1252/3 | 82 |
| 1421 | 85 |
| 1424/38 | 83 |
| 1425 | 85 |
| 1443 | 84, 85 |
| 1469 | 85 |
| 1476 | 85 |
| 1485 | 85 |
| 1496 | 85 |
| 1653 | 86 |
| 1695 | 85 |
| 1706 | 87 |
| 1723 | 90 |
| 1771 | cf. 91 |
| 1807 | 93 |
| 1824 | 95 |
| 1825 | 95 |
| 1830 | 95 |
| 1928 | 96 |
| 1929 | cf. 96 |
| 1932 | cf. 96 |
| 2247 | 97 |
| 2250 | 97 |
| 2484 | 97 |
| 2527/50 | cf. 106 |

| IG II² | SEG XIV |
|---|---|
| 2554/9 | cf. 110 |
| 2776 | 111 |
| 3027 | 26 |
| 3125 | 118 |
| 3130 | 119 |
| 3169/70 | 120 |
| 3222 | 122 |
| 3324/84 | cf. 123 |
| 3769 | 126 |
| 3785/9 | 128 |
| 4686 | 138 |
| 5165 | 140 |
| 6370 | 159 |
| 6759 | 164 |
| 7090 | 169 |
| 7165 | 172 |
| 7287 | 175 |
| 7856/61 | 189 |
| 8500 | 194 |
| 9623 | 214 |
| 10259 | 224 |
| 10343 | 226 |
| 10949 | 241 |
| 11118 | 244 |
| 11771*a* | 263 |
| 11874 | 266 |
| 12013 | 271 |
| 12318 | 278 |
| 12633 | 281 |
| 12867 | 285 |
| 13159/60 | 290 |
| 13188/208 | cf. 292 |

| IG IV | SEG XIV |
|---|---|
| 53 | 299 |
| 428 | 311 |
| 510 | 315 |
| 561 | 317 |
| 620 | 322 |
| 631 | 321 |
| 642 | 324 |
| 853 | 325 |



| IG IV² 1 | SEG XIV |
|---|---|
| 629 | 326 |

| IG V 1 | SEG XIV |
|---|---|
| 213 | 330 |
| 222 | 329 |
| 255 | 331 |
| 728 | 332 |
| 970 | 333 |
| 1115 | 334 |
| 1134 | 335 |
| 1399 | 336 |
| 1538/56 | 345 |
| 1543 | 337 |
| 1546 | 338 |
| 1553 | 339 |
| 1554 | 340 |
| 1564*a* | 357 |
| 1568 | 352 |

| IG V 2 | SEG XIV |
|---|---|
| 142 | 346 |
| 516 | 348 |

| IG VII | SEG XIV |
|---|---|
| 24 | 378 |
| 26 | 379 |
| 62 | 380 |
| 64/5 | 381 |
| 530 | 382 |
| 1835 | 383 |
| 2470 | 387 |
| 4247 | 388 |

| IG IX 1 | SEG XIV |
|---|---|
| 61 | 467 |
| 229 | 468 |
| 610 | 471 |
| 649 | 470 |

| IG XI | SEG XIV |
|---|---|
| 135/289 | 501 |

| IG XII 1 | SEG XIV |
|---|---|
| 58 | 506 |
| 142 | 508 |
| 976 | 514 |
| 987 | 515 |

| IG XII 2 | SEG XIV |
|---|---|
| 74 80 | 516 |
| 151 | 517 |

| IG XII 3 | SEG XIV |
|---|---|
| 94 | 518 |
| 174 | 519 |
| 330 | 520 |
| 390 | 521 |
| 762 | 522 |
| 1075 | 523 |

| IG XII 5 | SEG XIV |
|---|---|
| 541 | 543 |
| 544 | vid. 530/48 |
| 556 7 | 549 |
| 563 | vid. 530/48 |
| 587 | vid. 530/48 |
| 594 | 531 |
| 625 | vid. 530/48 |
| 633 4 | vid. 530/48 |
| 712 | 550/2 |

| IG XII 8 | SEG XIV |
|---|---|
| 581A | 569 |
| 582 | 569 |
| 583 | 567 |
| 584 | 569 |
| 585 | 569 |
| 586 | 568 |

| IG XII 9 | SEG XIV |
|---|---|
| 198 | 573 |

| IG XII Suppl. | SEG XIV |
|---|---|
| 446 | 570 |
| 642 | 574 |

| IG XIV | SEG XIV |
|---|---|
| 1 | 581 |
| 237 | 589 |
| 238 | 590 |
| 270 | 594 |
| 452 | 597 |
| 714/894 | 608 |
| 739 | 607 |
| 746 | 605 |
| 747 | 606 |
| 1102 | 614 |
| 2000 | 621 |
| 2317 | 629 |
| 2342 | 630 |
| 2413(17) | 593 |

| SEG I | SEG XIV |
|---|---|
| 94 | 302 |
| 382 | 559 |
| 434 | 740 |

| SEG II | SEG XIV |
|---|---|
| 524 | 620 |
| 871 | 848 |

| SEG III | SEG XIV |
|---|---|
| 69 | 35 |
| 354 | 385 |
| 395 | 423 |
| 397 | 419 |
| 398 | 416 |
| 525 | 485 |
| 602 | 488 |

| SEG IV | SEG XIV |
|---|---|
| 1 | 581 |
| 178 | 719 |

| SEG VI | SEG XIV |
|---|---|
| 91 | 791 |
| 609 | 810 |

| SEG VIII | SEG XIV |
|---|---|
| 374 | 852 |
| 870 | 886 |

| SEG IX | SEG XIV |
|---|---|
| 8 | 888 |
| 72 | 889 |
| 79 | 890 |
| 120 | 890 |
| 147 | 890 |

| SEG X | SEG XIV |
|---|---|
| 7 | 1 |
| 8 | 2 |
| 14 | 4 |
| 28 | 3 |
| 45 | 5 |
| 50 | 7 |
| 68 | 6 |
| 80 | 8 |
| 108 | 40 |
| 113 | 9 |
| 136 | 10 |
| 146/83 | 11 |
| 333 | 17 |
| 404 | 18 |
| 406 | 19 |
| 450 | 21 |
| 460 | 22 |

| SEG XI | SEG XIV |
|---|---|
| 4 | 298 |
| 32 | 299 |
| 52*a* | 304 |
| 147 | 305 |
| 188 | 307 |
| 212 | 306 |
| 257 | 310 |
| 290 | 314 |
| 328 | 317 |
| 338 | 319 |
| 650 | 330 |
| 672 | 329 |
| 701 | 331 |
| 901 | 333 |
| 919 | 335 |
| 925 | vid. 900 |
| 972 | vid. 900 |
| 1010 | 341 |
| 1011 | 342 |
| 1012 | 345 |
| 1014 | 345 |
| 1015 | 337 |

| SEG XI | SEG XIV |
|---|---|
| 1016 | 343 |
| 1019 | 340 |
| 1020 | 345 |
| 1022 | 345 |
| 1023 | 344 |
| 1024 | 345 |
| 1158 | 348 |
| 1200 | 349 |
| 1210 | 352 |
| 1212*b* | 350 |
| 1217 | 353 |
| 1223*a* | vid. 900 |
| 1224 | 354 |
| 1227 | 355 |
| 1229 | 356 |
| 1238 | 357 |
| 1242 | 360 |
| 1244 | 361 |
| 1247 | 366 |

| SEG XII | SEG XIV |
|---|---|
| 6 | 1 |
| 18 | 5 |
| 21 | 6 |
| 33 | 40 |
| 54 | 12 (D. 13) |
| 68 | 18 |
| 73 | 20 |
| 80 | 25 |
| 105 | 95 |
| 142 | cf. 105 |
| 144 | vid. 900 |
| 147/9 | cf. 123 |
| 193 | 208 |
| 202 | vid. 900 |
| 236 | vid. 900 |
| 259 | 430 |
| 262 | 423 |
| 307 | 473 |
| 339 | vid. 900 |
| 346 | vid. 900 |
| 360 | vid. 900 |
| 368/84 | 524, 900 |
| 392 | 556 |
| 397 | 572 |
| 406 | 581 |
| 419 | 727 |
| 457 | vid. 900 |
| 465 | 675 |

| SEG XII | SEG XIV |
|---|---|
| 483 | cf. 334 |
| 511 | vid. 900 |
| 512 | 815 |
| 515 | vid. 900 |
| 561 | 892 |
| 562 | 894 |

| SEG XIII | SEG XIV |
|---|---|
| 5 | 5 |
| 35 | 18 |
| 67 | 241 |
| 172 | vid. 900 |
| 245 | cf. 334 |
| 357*c* | vid. 900 |
| 380 | 434 |
| 540 | 776 |
| 593 | vid. 820 |
| 600 | vid. 900 |
| 601 | vid. 900 |
| 606 | vid. 900 |
| 611 | vid. 900 |
| 614 | 885 |
| 625 | vid. 900 |

| CIG | SEG XIV |
|---|---|
| 2215 | 560 |
| 2682 | 730 |
| 2810*b* | 732 |
| 2855 | vid. 738 |
| 2957 | 747 |
| 3509 | 760 |
| 3674/5 | 768 |
| 3867 | 795 |
| 3886 | 794 |
| 4240*c* | 811 |
| 4472 | 821 |
| 4588 | 828 |
| 7309 | 893 |
| 8514 | 609 |
| 9259 | 813 |

| *Syll.*³ | SEG XIV |
|---|---|
| 1 | 886 |
| 5 | 423 |
| 10 | 556 |
| 31 | 412 |
| 36 | 414 |
| 58 | 740 |



| *Syll.*³ | SEG XIV |
|---|---|
| 80 | 352 |
| 82 | 415 |
| 163 | 46 |
| 172 | 531 |
| 173 | 48 |
| 186 | 50 |
| 225 | 451 |
| 274 | 419 |
| 360 | 488 |
| 361*C* | 461 |
| 577 | 742 |
| 578 | 751 |
| 759 | 122 |
| 760 | 747 |
| 780 | 519 |
| 800 | 348 |
| 802 | 420 |
| 826*K* | vid. 440 |
| 877*B* | vid. 465 |
| 908 | 378 |
| 909 | 379 |
| 1064 | 728 |
| 1065 | 526 |
| 1066 | 527 |
| 1067 | 720 |
| 1069 | 361 |
| 1071 | 353 |
| 1074 | 119 |
| 1181 | 505 |

| Br. Mus. Inscr. | SEG XIV |
|---|---|
| 605 | 748 |
| 929 | 743 |
| 952 | 470 |
| 1037*a* | 729 |
| 1096 | 621 |

| SGDI | SEG XIV |
|---|---|
| 65 | 817 |
| 68 | 817 |
| 71 | 817 |
| 1232 | 346 |
| 1529 | 468 |
| 1622 | 368 |
| 1632 | 370 |
| 1659 | 472 |
| 1660 | 471 |

| SGDI | SEG XIV |
|---|---|
| 3048 | 594 |
| 3660 | 526 |
| 3661 | 527 |
| 4266 | 679 |
| 4271 | 720 |

| Raubitschek, *Ded. Ath. Akr.* | SEG XIV |
|---|---|
| 76 | 14 |
| 164 | 15 |
| 317 | 13 |
| De toto libro | vid. 12 |

| Inschr. von Olympia | SEG XIV |
|---|---|
| 56 | 349 |
| 144 | 354 |
| 149 | 356 |
| 160 | 357 |
| 164 | 359 |
| 166 | 358 |
| 170 | 360 |
| 171 | 361 |
| 174 | 362 |
| 177 | 363 |
| 184 | 364 |
| 186 | 365 |
| 225 | 366 |
| 237 | 367 |
| 259 | 352 |
| 717 | 353 |

| F. de Delphes | | SEG XIV |
|---|---|---|
| III i, | n. 103 | 404 |
| | n. 406 | 393 |
| | n. 408 | 392 |
| | n. 474 | 389 |
| | n. 498 | 410 |
| | n. 510 | 418 |
| | n. 534 | 420 |
| | n. 550 | 421 |
| | n. 555 | 422 |
| III iii, | nn. 158/9 | 397 |
| | n. 176 | 428 |
| III iv, | n. 105 | 441 |
| | n. 111 | 442 |
| | n. 118 | 443 |

| F. de Delphes | | SEG XIV |
|---|---|---|
| III iv, | n. 120 | 444 |
| | nn. 126/7 | 445 |
| | n. 129 | 446 |
| | nn. 132/6*bis* | 447 |
| | n. 137 | 448 |
| | nn. 142/52 | 449 |
| | nn. 153/70 | 450 |
| | n. 176 | 451 |
| | nn. 181/5 | 452 |
| | n. 189 | 453 |
| | n. 198 | 454 |
| | n. 199 | 455 |
| | n. 200 | 456 |
| | n. 202 | 457 |
| | n. 203 | 458 |
| | n. 216 | 459 |
| | n. 218/9 | 460 |
| | nn. 220/1 | 461 |
| | n. 223 | cf. 459 |
| | n. 230 | 462 |
| | n. 266 | 463 |
| | n. 269 | 464 |
| | n. 270 | 465 |
| | n. 275 | 466 |
| III v, | n. 62 | 409 |
| IV ii, | p. 109 | 431 |

| Inscr. Or. Sep. Ponti Euxini | SEG XIV |
|---|---|
| I² 195 | 487 |
| 401 | 488 |
| II 434 | 489 |
| 446/8 | 489 |
| 451 | 489 |

| Inscr. Délos | SEG XIV |
|---|---|
| 36 | 500 |
| 39 | 500 |
| 40 | 500 |
| 43 | 491 |
| 45 | 492 |
| 46 | 493 |
| 47 | 494 |
| 59 | 500 |
| 69 | 495 |
| 70 | 500 |
| 79 | 496 |
| 80 | 497 |

| Inscr. Délos | SEG XIV |
|---|---|
| 82 | 500 |
| 83 | 498 |
| 84 | 500 |
| 85 | 499 |
| 86 | 500 |
| 290/498 | 501 |
| 1400/79 | 501 |
| 1587 | 502 |
| 1956 | 504 |
| 1957 | 503 |
| 2532 | 505 |

| Lindos II | SEG XIV |
|---|---|
| 68 | 512 |
| 384*b* | 511 |
| 699*b* | 513 |

| Inscr. Cret. | SEG XIV |
|---|---|
| II, 40 n. 2 | 576 |
| 307/8 nn. 1/7 | 577 |
| IV, 284/6 n. 208 | 578 |

| MAMA | SEG XIV |
|---|---|
| V 235 | 791 |
| R. 5 (p. 149) | 788 |

| TAM | SEG XIV |
|---|---|
| II 586 | 811 |

| Le Bas-Waddington | SEG XIV |
|---|---|
| III 301 | 730 |
| 1529 | 754 |
| 1620*b* | 732 |
| 1839 | 821 |
| 1866*a* | 826 |
| 2419 | 828 |

| IGRR | SEG XIV |
|---|---|
| I 153 | 614 |
| 346 | 621 |
| 444 | 607 |
| 445 | 605 |
| 446 | 606 |
| 1076 | 854 |
| 1106 | 855 |
| 1183 | 885 |
| 1235/7 | 885 |
| 1241 | 885 |
| 1243 | 885 |
| 1354 | 887 |
| III 96 | 777 |
| 370 | 810 |
| 467 | cf. 479 |
| 1012 | 821 |
| IV 57 | 517 |
| 160 | 768 |
| 162 | 768 |
| 303 | 761 |
| 304 | 763 |
| 305 | 761 |
| 307 | 762 |
| 497 | 764 |
| 718 | 795 |
| 928/9 | 560/1 |
| 970 | 557 |
| 1031 | 519 |
| 1064 | 526 |
| 1065 | 527 |
| 1344 | vid. 607 |
| 1519 | 756 |
| 1677 | 763 |
| 1715 | 559 |
| 1761 | 758 |

| OGIS | SEG XIV |
|---|---|
| 5 | 767 |
| 202 | 885 |
| 228 | vid. 440 |
| 252 | 368 |
| 573 | 814 |
| 674 | 885 |

| IGLS | SEG XIV |
|---|---|
| IV 1265 | 821 |
| 1341 | 822 |

| Corp. Inscr. Iudaicarum | SEG XIV |
|---|---|
| 120 | 622 |
| 136 | 623 |
| 510 | 624 |
| 535 | 624 |
| 536/41 | 628 |
| 543 | 624 |
| 569/619 | 601 |
| 694 | 480 |
| 725 *c* | 505 |
| 1452 et seqq. | 856 |
| 1489 | 852 |

| Peek, *Griech. Vers-Inschr.* | SEG XIV |
|---|---|
| I 51*a* | 565 |
| 271 | 828 |
| 394 | 620 |
| 675 | 630 |
| 768 | 753 |
| 807 | 563 |
| 861 | 612 |
| 973 | 322 |
| 992 | 754 |
| 1049 | 621 |
| 1143 | 852 |
| 1178 | 718 |
| 1185 | 847 |
| 1260 | 704 |
| 1287 | 892 |
| 1318 | 792 |
| 1353 | 851 |
| 1406 | 332 |
| 1444*a* | 476 |
| 1534 | 509 |
| 1545 | 755 |
| 1657 | 627 |
| 1742 | 695 |
| 1792 | 769 |
| 1885 | 619 |
| 1961 | 25 |
| 1964 | 508 |

N.B. Credidimus nos debere numeros non omnes coacervare sed potiores exhibere; unde in titulis singulis, si (e.g.) numeros in IG et SEG exhibuerimus, non necesse est cum *Syll.*³ comparationem addere. Actum est ut lector quid quaerat facillime dignoscat, non ut nosmet ipsi bibliographiae velut molem ostentemus.